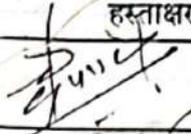
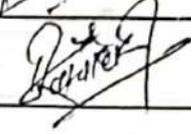
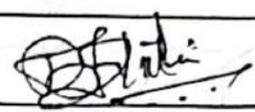
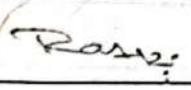
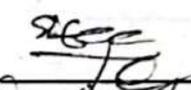
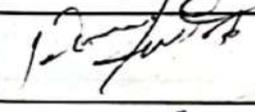
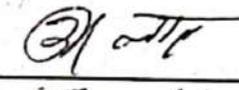
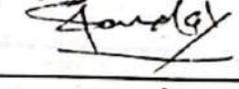
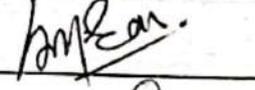
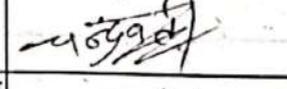
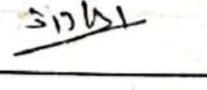
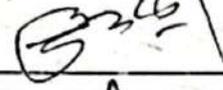
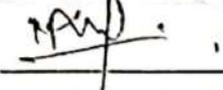
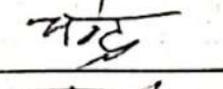
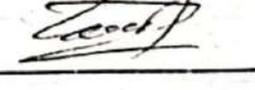


आज मिति २०८२।०३।०५ गते बिहीबारको दिन यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको १७औं नगरसभाको प्रथम बैठकमा प्रस्तुत गरिने नीति तथा कार्यक्रम माथि छलफलका लागि नगर प्रमुख श्री चक्रपाणी अर्यालज्यूको अध्यक्षतामा बसेको बैठकमा निम्नानुसारका पदाधिकारीहरूको उपस्थिति रहेको छ ।

| क्र.सं. | नामधर | पद | हस्ताक्षर |
|---------|-------------------------|----------------------------|---|
| १ | चक्रपाणी अर्याल | नगर प्रमुख |  |
| २ | रीता कुमारी चौधरी | नगर उपप्रमुख |  |
| ३ | संजु कुमार सारू मगर | वडाध्यक्ष वडा नं. १ | - |
| ४ | लक्ष्मी बहादुर खत्री | सदस्य वडा नं. १ |  |
| ५ | राज कुमार थारु | सदस्य वडा नं. १ |  |
| ६ | टोपकला वि.सी. | महिला सदस्य वडा नं. १ | - |
| ७ | सिता सुनार | दलित महिला सदस्य वडा नं. १ |  |
| ८ | विष्णु प्रसाद पौडेल | वडाध्यक्ष वडा नं. २ |  |
| ९ | प्रेम बहादुर रौतार थारू | सदस्य वडा नं. २ |  |
| १० | झिमलाल सापकोटा | सदस्य वडा नं. २ |  |
| ११ | शान्ता पाण्डे | महिला सदस्य वडा नं. २ |  |
| १२ | टेक बहादुर झेडी मगर | वडाध्यक्ष वडा नं. ३ |  |
| १३ | सोमनाथ राना | सदस्य वडा नं. ३ |  |
| १४ | चन्द्रावती चौधरी थारु | महिला सदस्य वडा नं. ३ |  |
| १५ | गङ्गा देवी सुनार | दलित महिला सदस्य वडा नं. ३ |  |
| १६ | छविलाल रेशमी मगर | वडाध्यक्ष वडा नं. ४ |  |
| १७ | चिन्कु थारु | सदस्य वडा नं. ४ |  |
| १८ | नन्द किशोर थारु | सदस्य वडा नं. ४ |  |
| १९ | चन्द्रावती थारु | महिला सदस्य वडा नं. ४ |  |
| २० | कुमारी पवित्रा साकी | दलित महिला सदस्य वडा नं. ४ |  |



आज मिति २०८२।०३।१० गते मङ्गलबारको दिन यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको १७औं नगरसभामा प्रस्तुत गरिने योजना, बजेट तथा कार्यक्रम माथि छलफलका लागि आयोजना गरिएको दोस्रो बैठक नगर सभाका सभाध्यक्ष तथा बाणगङ्गा नगरपालिकाका नगर प्रमुख श्री चक्रपाणी अर्यालज्यूको अध्यक्षतामा बसी तपसिलको उपस्थितिमा निम्नानुसारको निर्णय गरियो ।



| क्र.सं. | नामधर | पद | हस्ताक्षर |
|---------|-------------------------|----------------------------|-----------|
| १ | चक्रपाणी अर्याल | नगर प्रमुख | |
| २ | रीता कुमारी चौधरी | नगर उपप्रमुख | |
| ३ | लक्ष्मी बहादुर खत्री | का. वडाध्यक्ष वडा नं. १ | |
| ४ | राज कुमार थारु | सदस्य वडा नं. १ | |
| ५ | टोपकला वि.सी. | महिला सदस्य वडा नं. १ | |
| ६ | सिता सुनार | दलित महिला सदस्य वडा नं. १ | |
| ७ | विष्णु प्रसाद पौडेल | वडाध्यक्ष वडा नं. २ | |
| ८ | प्रेम बहादुर रौतार थारु | सदस्य वडा नं. २ | |
| ९ | झिमलाल सापकोटा | सदस्य वडा नं. २ | |
| १० | शान्ता पाण्डे | महिला सदस्य वडा नं. २ | |
| ११ | टेक बहादुर झेडी मगर | वडाध्यक्ष वडा नं. ३ | |
| १२ | सोमनाथ राना | सदस्य वडा नं. ३ | |
| १३ | चन्द्रावर्ता चौधरी थारु | महिला सदस्य वडा नं. ३ | |
| १४ | गङ्गा देवी सुनार | दलित महिला सदस्य वडा नं. ३ | |
| १५ | छविलाल रेशमी मगर | वडाध्यक्ष वडा नं. ४ | |
| १६ | चिन्कु थारु | सदस्य वडा नं. ४ | |
| १७ | नन्द किशोर थारु | सदस्य वडा नं. ४ | |
| १८ | चन्द्रावती थारु | महिला सदस्य वडा नं. ४ | |
| १९ | कुमारी पवित्रा सार्की | दलित महिला सदस्य वडा नं. ४ | |

बाणगङ्गा नगरपालिका

१७औं नगरसभाका विभिन्न बैठकका निर्णयहरू



प्रस्ताव नं. १७.१.१ नीति तथा कार्यक्रम स्वीकृती सम्बन्धमा,
निर्णय नं. १७.१.१ नगर प्रमुख श्री चक्रपाणी अर्यालद्वारा यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको १७औं नगरसभाको प्रथम बैठकमा प्रस्तुत आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ को नीति तथा कार्यक्रम सर्वसम्मत स्वीकृत गर्ने र अनुसूची-१ बमोजिम कार्यसूची सहित अभिलेख गरी कार्यान्वयनमा ल्याउने निर्णय गरियो।

प्रस्ताव नं. १७.१.२ बेरुजु फछ्यौट तथा नियमितको लागि म.ले.प.मा सिफारिस गर्ने,
निर्णय नं. १७.१.२ यस नगरपालिकाको वित्तिय विवरण तथा कारोबारको यथार्थ चित्रण गरी वित्तिय सुरासनका लागि महालेखा नियन्त्रकको कार्यालयबाट गहन सुझाव पेश भएकोमा लेखा परीक्षण प्रतिवेदनमा व्यक्त विषयहरू नियमित गरी बेरुजु सम्परीक्षण/फछ्यौट गर्न यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको लेखा समितिबाट छलफल गरी कार्यपालिका मार्फत नगरसभामा सिफारिस गरिएकोले नगरसभामा स्वीकृत भएको (अनुसूची-२) बमोजिमको विवरण महालेखा परीक्षकको कार्यालयमा फछ्यौट तथा नियमित गर्नको लागि पठाउने निर्णय गरियो।

प्रस्ताव नं. १७.१.३ बजेट रकमान्तर सम्बन्धमा,
निर्णय नं. १७.१.३ निम्नानुसारका योजना तथा कार्यक्रमहरूबाट तपसिल बमोजिमका योजना तथा कार्यक्रमहरूमा बजेट रकमान्तर गर्ने निर्णय गरियो।

| क्षेत्रगत | साविक योजना/कार्यक्रम (र.हजारमा) | | | | संशोधित योजना तथा कार्यक्रम (र.हजारमा) | | | | |
|------------|----------------------------------|--|----------------|--------|--|---|-------------|----------------|------|
| | क्र.स. | योजना/कार्यक्रम | विनियोजित बजेट | क्र.स. | योजना/कार्यक्रम | विनियोजित बजेट | ब्यापट बजेट | कायम हुने बजेट | |
| नगर स्तरीय | १ | राजपुर अप्ठो कबड हल व्यवस्थापन बढा न. १ | १००० | १ | राजपुर अप्ठो कबड हल व्यवस्थापन बढा न. २ | १००० | १०० | ० | |
| | २ | धनेगपुर अप्ठो कबड हल बढा न. ८ | १००० | २ | धनेगपुर अप्ठो कबड हल बढा न. ८ | १००० | १०० | ० | |
| | ३ | निर्मित सार्वजनिक निर्माणको सार्वजनिक तथा पूजित छर्च | ३३०० | ३ | निर्मित सार्वजनिक निर्माणको सार्वजनिक तथा पूजित छर्च | ३३०० | ३३० | ० | |
| | ४ | हथौसा शिव मन्दिरको छत ढलान | ५०० | ४ | हथौसा शिव मन्दिर निर्माण | ० | ५०० | ५०० | |
| | ५ | आवधिक योजना अद्यावधिक | ५०० | ५ | आवधिक योजना अद्यावधिक | ५०० | ५०० | ० | |
| | ६ | निर्मित सार्वजनिक सम्पत्तिको बर्षत संभार छर्च | १४५८ | ६ | निर्मित सार्वजनिक सम्पत्तिको बर्षत संभार छर्च | १४५८ | ८०० | ६५८ | |
| | ७ | राजघ्न अध्ययन | ५०० | ७ | राजघ्न अध्ययन | ५०० | ५०० | ० | |
| | ८ | विभिन्न खेलकूल विद्यामा सहयोग कार्यक्रम | ६०० | ८ | विभिन्न खेलकूल विद्यामा सहयोग कार्यक्रम | ६०० | ६८० | ४२० | |
| | ९ | संस्थागत सहायता छर्च | ३८२ | ९ | संस्थागत सहायता छर्च | ३८२ | ३५० | ३२ | |
| | | | | | १० | हट्टीबेट रैडियो व्यवस्थापन | ० | १०० | १०० |
| | | | | | ११ | मायादेवि रैडियो व्यवस्थापन | ० | १५० | १५० |
| | | | | | १२ | बडा न. ४ को प्रशासनिक भवन व्यवस्थापन | ० | २५० | २५० |
| | | | | | १३ | जाबु धारको पर पछाडि देखि पदमपुर जाने सडकसम्म मुडकूलो सफाई | ० | १०० | १०० |
| | | | | | १४ | कोपवा साना किसान कृषि सहकारी संस्था लि. जाने सडक स्तरोन्नी | ० | २५० | २५० |
| | | | | | १५ | बैदौली कोपवा देउवापर सोनपुर औद्योगिक मार्गमा खल निर्माण | ० | १०० | ३००० |
| | | | | | १६ | पुरानो बडा कार्यालय र पत्रकार भवनमा आल्फुनियम पाटेसन तथा फर्निचिङ | ० | १२० | १२०० |
| | | | | | १७ | रान्ति टोल दक्षिण तर्फ भत्केको कल्भर्ट निर्माण बढा न. ७ | ० | २०० | २०० |

(Handwritten signatures and initials)



| सार्वजनिक योजना/कार्यक्रम (र.ह.ज.स.मा) | | | | समाधिपत्र योजना तथा कार्यक्रम (र.ह.ज.स.मा) | | | | |
|--|---------|-----------------|----------------|--|--|----------------|---------------|--------------------|
| श्रेणी | क्र.सं. | योजना/कार्यक्रम | विनियोजित बजेट | क्र.सं. | योजना/कार्यक्रम | विनियोजित बजेट | वास्तविक बजेट | वास्तविक हुने बजेट |
| | | | | १८ | पर्यटन महासंघको भवन रंग गीत तथा इयाल कोठा व्यवस्थापन | ० | २१० | २१०० |
| | | | | १९ | क्रियाशक्ति भवन निर्माण बजेट नं. ६ | ० | २०० | २०० |
| | | | | २० | जबैया मन्दिर निर्माण बजेट नं. ४ | ० | १०० | १०० |
| | | | | २१ | प्रिन्सपली टोल अस्थो गल्ली बलान बजेट नं. ७ | ० | ५० | ५० |
| | | | | २२ | गौरीलिया दुर्गा बहादुर रानाको घर देखि उतरको मूल कुलो | ० | २०० | २०० |
| | | | | २३ | श्रृंग शौरिग मर्मत | ० | २०० | २०० |
| | | | | २४ | मिलीमकोट दोस्रो राष्ट्रिय गोलडकम फुटबल प्रतियोगिता | ० | ८०० | ८०० |
| | | | | २५ | जिल्ला फुटबल लिग | ० | १८० | १८० |
| | | | | २६ | जिल्ला स्तरीय ब्याडमिन्टन खेलकूद प्रतियोगिता | ० | ४० | ४० |
| | | | | २७ | विद्यार्थी गुणस्तरिय चक्रिय SQC कार्यक्रम सहयोग | ० | ५० | ५० |
| | | | | २८ | राष्ट्रिय सेमिनार संचालन सिद्धार्थ क्याम्पस | ० | १०० | १०० |
| | | | | २९ | ज्ञानोदय आ.वि. कक्षा व्यवस्थापन पि फर्म खरीद | ० | १० | १० |
| | | | | ३० | प्रा.श.क. खात सतुपयोग अनुगमन जि.स.स. अनुदान | ० | ३५० | ३५० |
| | | जम्मा | ९२४० | | जम्मा | | | ९२४० |

५०/५० लागतसाधेरी बजेट मध्ये १६औं नगरसभाबाट ब्रेकडाउन गरिएका योजनाहरूको यमापन

| श्रेणी | क्र.सं. | योजनाको नाम | स्वीकृत रकम | क्र.सं. | योजना/कार्यक्रम | विनियोजित बजेट | वास्तविक बजेट | वास्तविक हुने बजेट |
|-------------------|---------|---|-------------|---------|---|----------------|---------------|--------------------|
| ५०/५० लागत साधेरी | १ | हरिहरपुर बाँचा प्रतिशालय | ३०० | १ | पश्चिम बैजलपुर कुलो पक्की | ० | १०० | १५०० |
| | २ | जबैया मूल सरसण तथा सौन्दर्यीकरण | ६०० | २ | SSDC अगाडी विभिन्न पूर्वाधार एवम् बाउन्डी बाल निर्माण | ० | ५०० | |
| | ३ | झुगा टोल बाटो स्तरोन्नती | ३०० | | | | | |
| | ४ | सिद्धपुर सामुदायिक अस्पताल नजिक नाला व्यवस्थापन | ३०० | | | | | |
| | | कुल बजेट | १५०० | | जम्मा बजेट | | | १५०० |

प्रस्ताव नं. १७.२.१ १७औं नगरसभाको दोस्रो बैठकको कार्यसूची र कार्यक्रम सम्बन्धमा, निर्णय नं. १७.२.१ १७औं नगरसभाको दोस्रो बैठक २०८२।०३।१० को कार्यसूची र सञ्चालन भएको कार्यक्रम (निर्णयको अनुसूची-३ बमोजिम) अभिलेख राख्ने निर्णय गरियो।

प्रस्ताव नं. १७.२.२ आर्थिक वर्ष २०८२।०८३ को बजेट तथा कार्यक्रम सम्बन्धमा, निर्णय नं. १७.२.२ बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिमा छलफल भई कार्यपालिका मार्फत नगर सभामा पेश भई नगर उपप्रमुख रिता कुमारी चौधरीद्वारा १७औं नगरसभाको दोस्रो बैठक २०८२।०३।१० मा पेश भएको आर्थिक वर्ष २०८२।०८३ को वार्षिक बजेट योजना तथा कार्यक्रम (आवश्यक) संसोधन सहित अनुसूची-४ बमोजिम स्वीकृत गर्ने निर्णय गरियो।

प्रस्ताव नं. १७.२.३ विधेयक स्वीकृत सम्बन्धमा, निर्णय नं. १७.२.३ बाणगड्ढा नगरपालिकाको आर्थिक वर्ष २०८२।०८३ को अर्थ सम्बन्धी प्रस्तावलाई कार्यान्वयन गर्न बनेको आर्थिक विधेयक, २०८२ र खर्च सम्बन्धी प्रस्तावलाई कार्यान्वयन गर्न बनेको विनियोजन विधेयक, २०८२ सर्वसम्मत स्वीकृत गर्ने निर्णय गरियो।



प्रस्ताव नं. १७.२.४ प्रतिवेदन स्वीकृत सम्बन्धमा,

निर्णय नं. १७.२.४ यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको १७औं नगरसभामा नगर उप्रमुख श्री रीता कुमारी चौधरी द्वारा प्रस्तुत आर्थिक वर्ष २०८१/०८२को न्यायिक समितिको प्रतिवेदन, श्री बाबुराम अर्यालद्वारा प्रस्तुत आर्थिक वर्ष २०८१/०८२ को विधायन समितिको प्रतिवेदन, श्री कमल पौडेलद्वारा प्रस्तुत आर्थिक वर्ष २०८१/०८२ को सुशासन तथा सेवा प्रवाह समितिको प्रतिवेदन, श्री टण्डनद्वारा प्रस्तुत वन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समितिको प्रतिवेदन, श्री छविलाल रेश्मी मगरद्वारा प्रस्तुत आर्थिक विकास समितिको प्रतिवेदन, श्री बिष्णुप्रसाद पौडेलद्वारा प्रस्तुत पूर्वाधार विकास समितिको प्रतिवेदन, श्री बिष्णु गिरीद्वारा प्रस्तुत सामाजिक विकास समितिको प्रतिवेदन र लेखा समितिका संयोजक श्री शैलेन्द्र बेलबासेद्वारा प्रस्तुत लेखा समितिको प्रतिवेदन सर्वसम्मत रूपमा स्वीकृत गर्ने र अनुसूची-५ मा अभिलेख गर्ने निर्णय गरियो ।

प्रस्ताव नं. १७.२.५ सार्वजनिक महत्वका प्रस्तावहरु स्वीकृत सम्बन्धमा,

निर्णय नं. १७.२.५ बाणगङ्गा नगरपालिका वडा नं. ३ का वडा अध्यक्ष श्री टेकबहादुर झेडीमगरद्वारा प्रस्तुत सार्वजनिक महत्वका प्रस्तावहरु यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको नगरसभाबाट अनुसूची-६ मा उल्लेख भए बमोजिमका सार्वजनिक महत्वका प्रस्तावहरु सर्वसम्मत रूपमा स्वीकृत गरी अभिलेख गर्ने र नगरसभामा विभिन्न सदस्यहरुबाट उठेका विषयवस्तुहरुलाई अनुसूची-७ बमोजिम अभिलेख गर्ने निर्णय गरियो ।

प्रस्ताव नं. १७.२.६ नदिजन्य पदार्थ ठेक्का व्यवस्थापनको लागि न्यूनतम अंक निर्धारण सम्बन्धमा,

निर्णय नं. १७.२.६ बाणगङ्गा नगरपालिका अन्तर्गत रहेका बाणगङ्गा नदी, धिरि खोला, कोईली खोलाका विभिन्न नाकाहरुबाट IEE प्रारम्भिक वातावरण परीक्षण प्रतिवेदनले उत्खनन र निकासी गर्न मिल्ने भनि सिफारिस गरिएका स्थान वा नाकाबाट (IEE) प्रतिवेदनले तोकेको परिमाण बमोजिम हुने गरी आगामी आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ का लागि ठेक्का व्यवस्थापन गर्ने निर्णय गरियो ।

प्रस्ताव नं. १७.२.७ सभा, बैठक, तालिम, अन्तर्क्रिया, दिवस नर्स सम्बन्धमा,

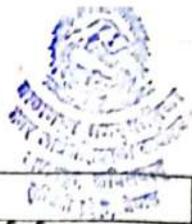
निर्णय नं. १७.२.७ आ.व.०८२/०८३ मा संचालन हुने तालिम, गोष्ठी लगाएतका सबै कार्यक्रमहरुको आर्थिक नर्स एउटै हुने गरी देहाय बमोजिमको दररेट निर्धारण गर्ने ।

| सि.नं. | खर्च शिर्षक | ईकाई | दर | कै. |
|--------|--|-------------------------|------|-----|
| १ | श्रोत व्यक्ति पारिश्रमिक (बाह्य - सम्बन्धित तालिमको TOT प्राप्त व्यक्ति) | | | |
| क) | कार्यपत्र वापत | प्रतिव्यक्ति/प्रति शेसन | २००० | |
| ख) | प्रवचन वापत | प्रतिव्यक्ति/प्रति शेसन | १५०० | |
| २ | हवाई टिकट आतेजाते वा अधिकतम ३००० (द्राभल) | प्रति व्यक्ति | | |
| ३ | श्रोत व्यक्ति पारिश्रमिक (आन्तरीक) | | | |
| क) | कार्यपत्र | प्रतिव्यक्ति/प्रति शेसन | १६०० | |

| | | | | |
|----|---|---|----------------------|--|
| ख) | प्रवचन | प्रतिव्यक्ति/प्रति शोसन | १००० | |
| ४ | कार्यपत्रको टिप्पणी कर्ता | प्रति कार्यपत्र | १००० | |
| ५ | कार्यक्रम व्यवस्थापक | १ पटक | १००० | |
| ६ | सहभागी यातायात खर्च (बडाको कार्यक्रममा) | प्रतिव्यक्ति, प्रतिदिन | ३०० | |
| ७ | सहभागी यातायात खर्च (नगर तर्फको कार्यक्रम) | प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन | ५०० | |
| ८ | स्टेशनरी | | | |
| क) | (३ दिने कार्यक्रम सम्म) | | १०० | |
| ख) | (३ दिन भन्दा लामो कार्यक्रम) | | १५० | |
| ९ | तालिम सामाग्री | प्रतिदिन | १००० | |
| १० | खाना | प्रतिव्यक्ति | ३५० | |
| ११ | खाजा खर्च | प्रतिव्यक्ति | १५० | |
| १२ | कार्यक्रम व्यवस्थापन उद्घाटन र समापन | | | |
| क) | राष्ट्रिय सभा सदस्य, प्रतिनिधि सभा सदस्य र प्रदेश सभा सदस्य समेत उपस्थित हुने कुनैपनि कार्यक्रममा | उद्घाटन समापन | ५००० ५००० | |
| ख) | नगरका पदाधिकारी एवं कर्मचारीमात्र उपस्थित हुने कम्तिमा ३ दिने कार्यक्रम | उद्घाटन समापन | २५०० २५०० | |
| १३ | कार्यक्रम संचार | प्रतिव्यक्ति सहभागी | १० | |
| १४ | प्रस्ताव लेखन तथा प्रतिवेदन (फोटो बाहेक) | प्रति पाना | ३०० | |
| १५ | अनुगमन | प्रतिव्यक्ति | १००० | |
| १६ | ब्यानर (सामान्य तालिम, अन्तरक्रिया, गोष्ठी लगायतको लागि) | प्रति कार्यक्रम | ५०० देखि ८०० सम्म | |
| १७ | नगरसभा, कार्यपालिकाको बैठक र वार्षिक समिक्षामा चिया र खाजा खर्च वापत | प्रतिव्यक्ति | २५० | |
| क) | बुँदा १७ बाहेकका अन्य नगरस्तरीय कार्यक्रम खाजा खर्च | प्रतिव्यक्ति | २०० | |
| १८ | नगरसभा, बजेट सार्वजनिककरण, राष्ट्रिय अभियान घोषणा सभा जस्ता कार्यक्रमको खाना वापत खर्च | प्रतिव्यक्ति | ८५० सम्म | |
| १९ | अनुसन्धान तथा निरीक्षणको लागि कुनै निकायबाट स्थलगत अनुगमन प्रतिवेदन माग भई आएमा स्थलगत निरीक्षण तथा अनुगमनमा खटिने कर्मचारी तथा पदाधिकारीहरूलाई | प्रति व्यक्ति/प्रतिदिन (बढीमा ३ दिन) | १००० | |
| २० | साउन्ड सिस्टम (मेला, महोत्सव सभा बाहेक) लक्षित वर्गका कार्यक्रम, दिवश, सार्वजनिक सुनुवाई लगाएतका कार्यक्रमका लागि | | १००० | |
| २१ | स्वास्थ्य सिविर तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रम | | | |
| | डाक्टर (विशेषज्ञ चिकित्सक) | | ५००० | |
| | डाक्टर (एम.बि.बि.एस) मेडिकल अधिकृत | | ३००० | |
| २२ | सिप विकास सम्बन्धी (१५ दिन भित्र सम्पन्न हुने) तालिम तर्फ | | | |
| | TOT प्राप्त मुख्य प्रशिक्षक | प्रति सिफ्ट | १००० | |
| | सहायक प्रशिक्षक | प्रति सिफ्ट | ८०० | |

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]



| | | | | |
|----|---|--------------|------|--|
| २३ | सिप विकास सम्बन्धी (१५ दिन भन्दा बढी अवधिको) तालिम तर्फ | | | |
| | TOT प्राप्त मुख्य प्रशिक्षक (बढीमा ३ सिफ्ट) | प्रति सिफ्ट | ८०० | |
| | सहायक प्रशिक्षक (बढीमा ३ सिफ्ट) | प्रति सिफ्ट | ६०० | |
| २४ | नगरस्तरीय बैठक तथा गोष्ठी भत्ता | प्रतिव्यक्ति | १००० | |
| २५ | ओभरहेड प्रोजेक्टर (भाडा) | प्रति दिन | १००० | |

- तालिम सहभागी यातायात खर्च र तालिम भत्ता दुवै खर्च गर्न पाइनेछैन।
- अनुगमन गर्दा प्रतिवेदन अनिवार्य पेश गर्नुपर्नेछ।
- तालिम कार्यक्रम संचालन गर्दा विषयवस्तु, प्रस्तुतकर्ता सहितको कार्य तालिका पेश गर्नुपर्नेछ।
- अन्य खर्च आवश्यकता अनुसार स्वीकृत प्रस्ताव बमोजिम हुनेछ।
- मान्यता प्राप्त संस्थाबाट TOT तालिम प्राप्त वा सो सरह प्रमाणपत्र प्राप्त व्यक्तिलाई मात्र प्रशिक्षक तथा सहजकर्ताको जिम्मेवारी दिनुपर्नेछ। TOT लिएको पुष्टि हुने कागजपत्र वा कम्तिमा स्नातक उत्तीर्ण प्रमाणपत्र संलग्न गर्नुपर्नेछ।
- महिला, बालबालिका, युवा, अपाङ्ग, जेष्ठ नागरिक सम्बन्धी लक्षित कार्यक्रममा सूचना प्रकासन, सूचना सम्रप्रेषण, क्यामेरा भाडा, सन्दर्भ सामग्री लेखन, अध्ययन निर्देशन, भिडियो तयारी, डकुमेन्ट्री तयारी लगाएतमा खर्च गर्न पाइनेछैन। फोटोहरू लिंदा मोवाइलबाट खिचेका फोटोहरू सामान्य प्रिन्टरबाट प्रिन्ट गर्नुपर्नेछ।
- माथी उल्लेख नभएको हकमा अर्थ मन्त्रालयबाट स्वीकृत कार्यसंचालन निर्देशिका २०७५ बमोजिम हुनेछ।

प्रस्ताव नं. १७.२.८ चालु आ.व.२०८१।८२ मा बहुवर्षीय योजनामा ठेक्का बन्दोबस्त भएका योजनाहरूको भुक्तानी सम्बन्धमा,

निर्णय नं. १७.२.८ बहुवर्षीय योजनामा ठेक्का बन्दोबस्त भएका तपसिलमा उल्लेखित योजनाहरूको चालु आ.व. २०८१।८२ मा भुक्तानी हुन नसकी बाँकी रहेको रकम आगामी आ.व. २०८२।८३ मा भुक्तानी दिने निर्णय गरियो।

तपसिल:

| सि.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | रकम (रु. हजारमा) |
|--------|------------------------------------|------------------|
| १ | नवदुर्गा आ.वि. मोतिपुर | ३४०० |
| २ | प्रशासनिक भवन वडा नं. ११ | १०००० |
| ३ | नगर प्रहरी आवास भवन निर्माण | १०३०० |
| ४ | औद्योगिक ग्राम पूर्वाधार वडा नं. ९ | ४००० |

प्रस्ताव नं. १७.२.९ योजना तथा कार्यक्रमहरूको म्याद थप सम्बन्धमा,

निर्णय नं. १७.२.८ चालु आर्थिक वर्षमा सम्झौता भई कार्य सञ्चालन भएका तर सम्झौता अवधिभित्र सम्पन्न हुन नसकेका योजनाहरूको म्याद थपका लागि सार्वजनिक खरिद नियमावली २०६४ को नियम १२०(१) बमोजिम सम्बन्धित निर्माण व्यवसायीहरूबाट निवेदन पेश हुन आएका, माग बमोजिमको म्याद थप गर्न सार्वजनिक खरिद नियमावली २०६४ को नियम १२०(२) बमोजिम थप गर्न सकिने विद्यमान अवस्था नदेखिएको तर उल्लेखित योजनाहरूको कार्य सम्पन्न गर्नुपर्ने अवस्था देखिएकोले सार्वजनिक खरिद नियमावली २०६४ को



नियम १२०(३) बमोजिम पूर्व निर्धारित क्षतिपूर्ति लिने गरी २०८२ कार्तिक मसान्त सम्म म्याद थप गर्ने निर्णय गरियो।

तपसिल:

| सि.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | रकम (रु. हजारमा) |
|--------|---|------------------|
| १ | कृषि भवन पूर्वाधार निर्माण | ११४० |
| २ | पशु सेवा कार्यालय भवन निर्माण | ४४०० |
| ३ | नव प्रभात सामुदायिक कुलो निर्माण | ५१२५ |
| ४ | चार कोठे भवन निर्माण (बैरिया, डुंगहवा र करेलिया) | १०८०० |
| ५ | कृषि बजार पूर्वाधार निर्माण निरन्तरता | ८५६५ |
| ६ | शैक्षिक संस्था मर्मत सुधार तथा पूर्वाधार निर्माण | २२८० |
| ७ | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र भवन निर्माण वडा नं. ४ | ४७५ |
| ८ | बाँडी गाउँको अधुरो सडक, बग्नहवा पूर्व नयाँगाउँ जोड्ने सडक कालोपत्रे | १६६५ |

प्रस्ताव नं. १७.२.९ चालु आ.व.२०८१/८२ मा योजना सम्पन्न भएको तर भुक्तानी हुन नसकेको योजना सम्बन्धमा, निर्णय नं. १७.२.८ चालु आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा भुक्तानी हुन नसकीएको तपसिलको योजना आगामी आ.व. ०८२/८३ मा भुक्तानी दिने निर्णय गरियो।

तपसिल:

| सि.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | रकम (रु. हजारमा) |
|--------|----------------------------|------------------|
| १ | औषधी तथा सर्जिकल समान खरिद | १५०५ |

विविध १७.२.२२

निर्णय नं. १ नेपाल विद्युत प्राधिकरण फ्यूज सेवा केन्द्र जीतपुरलाई वितरण सेवा केन्द्रको रूपमा स्तरोन्नती गर्न सम्बन्धित निकायमा पहल गर्ने निर्णय गरियो।

निर्णय नं. २ मालपोत कार्यालय र नापी कार्यालय बाणगङ्गा नगरपालिकामा सञ्चालन गर्ने व्यवस्था मिलाउने भूमी सहकारी तथा गरीवि निवारण मन्त्री माननीय बलराम अधिकारीज्यू एवं उक्त कार्यको लागि सहयोग गर्ने सम्पूर्णमा आभार व्यक्त गर्दै धन्यवाद दिने निर्णय गरियो।

निर्णय नं. ३ आर्थिक वर्ष ०८१/८२ मा बाणगङ्गा नगरपालिका नगर कार्यपालिकाको बैठकबाट गरेका निर्णयहरू र कार्यान्वयन गरेका योजनाहरूको अनुमोदन गर्ने।

निर्णय नं. ४ बाणगङ्गा नगरपालिकाका एकल महिला, महिला सहकारी, अपाङ्ग तथा ज्येष्ठ नागरिकहरू लक्षित कार्यक्रम तथा योजना माग गर्न प्रदेश तथा संघीय निकायहरूमा गरिने सिफारिसहरू निःशुल्क गर्ने निर्णय गरियो।



निर्णय नं. ५ आ.व.०८२१८३ मा सञ्चालन हुने गरी संघ तथा प्रदेशमा माग गरिने समपुरक योजना, विशेष योजना, तराई मधेश लगाएतका योजनाहरूको प्रस्ताव गर्न कार्यपालिकालाई अधिकार प्रत्यायोजन गर्ने ।

निर्णय नं. ६ बजेट तथा कार्यक्रम, योजना तर्जुमा, नगरसभाको कार्यसूचि बमोजिमको तयारीको क्रममा मुख्य भूमिकामा रही काम गर्ने पदाधिकारी तथा कर्मचारीहरूको हिउँदे नगर सभामा बढीमा १५ दिन र बर्षे नगरसभामा बढीमा १ महिनाको अतिरिक्त समय खटिई कार्य गरेवापतको सुविधा उपलब्ध गराउने ।

निर्णय नं. ७ दमकल चालकले संचार र अग्नि नियन्त्रणमा खटिएको दिनको जोखिम भत्ता र अग्नि नियन्त्रक (फायरमेन) हरूले अग्नि नियन्त्रणमा खटिएको जोखिम भत्ता सुविधा उपलब्ध गराईदै आएकोमा निजहरूको कार्य सन्तोषजनक देखिएकोले यस आर्थिक वर्ष २०८२१०८३ मा समेत चालकको संचार खर्च रु.५००।- प्रति महिना र चालक तथा अग्नि नियन्त्रक (फायरमेन) को जोखिम भत्ता वापत प्रति खटिएको दिनको रु.५००।- का दरले प्रति व्यक्ति उपलब्ध गराउने साथै दमकलमा खटिने कर्मचारी तथा नगर प्रहरीहरूको दुर्घटना बिमा गरिदिने निर्णय गरियो ।

निर्णय नं. ८ बाणगङ्गा नगरपालिकालाई प्रतिवादी बनाई विभिन्न समयमा हुने अदालती मुद्दाहरू र अन्य निर्णायक विषयमा कानूनी परामर्श प्राप्त गर्न नगरको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण गरी १ जना कानून अधिकृत र १ जना सहायकको व्यवस्था गरिएकोमा प्रदेश प्रदेश नीजामती कितावखानामा दर्ता नभएसम्मको लागि लोकसेवाबाट पदपूर्ती हुन नसक्ने देखिएकोले हाललाई यस नगरपालिकाको कानूनी सल्लाहकारको रूपमा आ.व.२०८११८२ सम्म कार्यरत रही आउनुभएको अधिवक्ता श्री हुमनाथ पाण्डेलाई आगामी आर्थिक वर्ष २०८२१०८३ मा समेत कानूनी सल्लाहकारको रूपमा निरन्तरता दिने साथै निजको मासिक पारिश्रमिक रु.३०,०००।- कायम गर्ने निर्णय गरियो ।

निर्णय नं. ९ यस कार्यलयलाई निर्दिष्ट नगरेका र जिम्मेबारी नतोकिएका संघीय तथा प्रदेश स्तरीय (यस कार्यलयको सञ्चित कोषमार्फत खर्च नहुने) कन्टिन्जेन्सी रकमको व्यवस्था नभएको कुनै पनि कार्यक्रमहरूको ल.ई. तयारी, अनुगमन र कार्यसम्पन्न मूल्याङ्कन जस्ता कार्य यस कार्यलयबाट नगर्ने निर्णय गरियो ।

निर्णय नं. १० कर्मचारी प्रोत्साहन सम्बन्धी कार्यविधि र निर्देशिका बमोजिम हुने गरि सेवा प्रवाहको आधारमा विहान वेलुका र सार्वजनिक विदाको दिनमा समेत खटिई काम गर्नुपर्ने अवस्था समेतलाई मध्यनजर गर्दै नगरपालिका र वडा कार्यलयहरूमा कामकाजमा संलग्न कर्मचारीहरूलाई कार्यबोझ र ई-हाजिरीलाई समेत मध्यनजर राख्दै कार्य सम्पादन गरेको दिनको आधारमा प्रोत्साहन सुविधा उपलब्ध गराउने ।

निर्णय नं. ११ यस कार्यलयको स्वीकृत दरबन्दीमा कार्यरत हलुका सवारी चालकहरू कार्यलय समय बाहेक पनि विभिन्न कार्यक्रमहरूमा कार्यलयको प्रतिनिधित्व हुने गरी सवारी साधन लिई पदाधिकारी एवम् कर्मचारीहरूलाई लिई जानुपर्ने हुनाले कार्यलय नजिक निवास व्यवस्थापन गर्न मासिक रु.३०००।- उपलब्ध गराउने निर्णय गरियो ।

निर्णय नं. १२ संघीय विशेष कार्यक्रम अनुसार तलब भत्ता व्यवस्थापन भएका र यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको स्वीकृत संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण (O&M) अनुसार कार्यलय, वडा कार्यलय, अस्पताल, स्वास्थ्य



चौकी, आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र, शहरी स्वास्थ्य क्लिनिकका दरबन्दीमा करार सेवामा कार्यरत कर्मचारीहरूको "करार सेवामा कार्यरत कर्मचारीहरूको कार्यसम्पादन मूल्याङ्कन तथा नयाँ अवधिको लागि करार सम्झौता सम्बन्धी मापदण्ड, २०७८" बमोजिम मापदण्ड पुगेका कर्मचारीहरूको कर्मचारीहरूको आ.व.२०८२ श्रावण १ गते देखि २०८३ असार मसान्तसम्म अर्ध वार्षिक रुपमा मूल्याङ्कन गरी मूल्याङ्कन बमोजिम सम्बन्धित पदको शुरु तलव स्केलमा नबढ्ने गरी म्याद थप गर्ने निर्णय गरियो ।

निर्णय नं. १३ स्वास्थ्य चौकी तथा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्रमा करार सेवामा कार्यरत कर्मचारीहरूको पारिश्रमिक सम्बन्धित पदको शुरु तलव स्केल भन्दा न्यून उपलब्ध गराईदिए आएकोमा आ.व.२०८२।०८३ देखि सम्बन्धित पदको शुरु तलव स्केल उपलब्ध हुने गरी पारिश्रमिक उपलब्ध गराउने निर्णय गरियो ।

निर्णय नं. १४ नगरपालिकाको क्षेत्रभित्र नदिजन्य पदार्थ उत्खन्न एवं संकलन गर्ने कार्य निषेध गरेको अवस्थामा नदि/ खोलाबाट नदिजन्य पदार्थ चोरी निकासी गर्ने सवारी साधनबाट असुल भएको जरिवाना बापतको रकम मध्येबाट जरिवाना असुलीका लागि प्रत्यक्ष सहयोग पुऱ्याउनु हुने सुरक्षा निकाय, संघ-संस्था वा व्यक्तिलाई २५ प्रतिशत बराबरको हुने रकम प्रोत्साहन बापत उपलब्ध गराउने ।

निर्णय नं. १५ बाणगङ्गा नगरपालिकालाई विपक्षी बनाई जिल्ला अदालत, उच्च अदालत र सर्वोच्च अदालतमा दर्ता भएका एवं दर्ता हुने रिट निवेदन उपर छलफलमा भाग लिन, लिखित जवाफ लगायतका कार्यहरू गर्नको लागि नगरपालिकाको पक्षबाट नगर प्रमुख श्री चक्रपाणी अर्याललाई अधिकार प्रत्यायोजन गर्ने ।

निर्णय नं. १६ आर्थिक वर्ष २०८२।०८३ मा सार्वजनिक खरिद सम्बन्धी कार्यको लागि कपिलवस्तु जिल्लाबाट स्वीकृत दररेट लाई बाणगङ्गा नगरपालिकाको नगर दररेटको रुपमा स्वीकृत गर्ने र जिल्ला दररेटमा छुट भएका वस्तु तथा सेवाहरूको दररेट छिमेकी जिल्ला तथा नगरपालिकाहरूको दररेटलाई आधार लिई निर्धारण गर्ने ।

निर्णय नं. १७ छाडा चौपाया समस्याको कारण हाल दैनिक जसो सडक दुर्घटना भई चौपायाहरू मर्ने गरेका कारण त्यस्ता मृत चौपायाहरूको व्यवस्थापन जे.सि.बि. मार्फत गर्नुपर्ने भएको र व्यवस्थापनमा चालक बाहेक अर्को व्यक्ति तत्काल खटाउन सकिने अवस्था नभएकोले कार्यालयको जे.सि.बि. प्रयोग गरी व्यवस्थापनमा खटिने चालकलाई सनाखतको आधारमा प्रत्येक चौपायाको रु. ३००/- का दरले व्यवस्थापन खर्च उपलब्ध गराउने र सार्वजनिक कार्यको लागि ईन्धन खर्च कार्यालयबाट व्यहोर्ने ।

निर्णय नं. १८ नगरबाट वडाहरूलाई वार्षिक बजेट बिनियोजन गर्दा भुगोल, जनसंख्या, राजस्व र भौगोलिक अवस्थाको विश्लेषणलाई आधार बनाईदिए आएकोमा यस नगरपालिका तथा वडाहरूको वास्तविक अवस्था एउटा र सिमाङ्कनमा अर्को देखिएकोले पटक पटक सिमा सम्बन्धी विवाद देखिदै आएकोले यसको पुनःनापी गरी नक्सा कायम गर्न संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय एवं नापी विभागमा पुनः नापी कार्यको लागि आवश्यक पहल गर्ने निर्णय गरियो ।

निर्णय नं. १९ आ.व.०८२।०८३ मा प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत सञ्चालन हुने योजनाहरू छनौट गरी कार्यान्वयन गर्न कार्यपालिकालाई अधिकार प्रत्यायोजन गर्ने ।



निर्णय नं. २० माधिल्लो निकायबाट कुनै संघसंस्थाको अनुसन्धान गरी प्रतिवेदन पेशको लागि आएमा स्थलगत अध्ययन प्रतिवेदनको लागि खटिने कर्मचारी एवं पदाधिकारीलाई रु.१०००/- का दरले बढीमा २ दिनको खाजा खर्च उपलब्ध गराउने निर्णय गरियो ।

निर्णय नं. २१ नगरपालिकाको आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ देखि २०८४/०८५ सम्मको त्रिवर्षिय क्षेत्रगत प्रक्षेपण सहितको MTEF मध्येमकालिन खर्च संरचना स्वीकृत गर्ने निर्णय गरियो ।

निर्णय नं. २२ कार्यालयको सुरक्षार्थ खटिएका सुरक्षा गार्डहरू सार्वजनिक विदाको दिन र चाडपर्वहरूमा समेत कार्यालयमा खटिने हुँदा निजहरूले पाउने तलव स्केलको थप १ महिना बराबरको रकम वर्षमा एकपटक उपलब्ध गराउने निर्णय गरियो ।

निर्णय नं. २३ कुनै व्यवसायी वा घरधनीलाई कोठा/सटर/घर खाली गर्दा मुचुल्का विवरण तयार गर्न र सामान रुजुगर्न खटिँदा बढीमा ५ जनालाई रु.१०००/- का दरले १ खटिएको पारिश्रमिक भत्ता उपलब्ध गराउने ।

निर्णय नं. २४ विभिन्न ऐन, नियमावली र कार्यविधि बमोजिम गठित विभिन्न समितिहरूलाई अनुमोदन सहित निरन्तरता दिने निर्णय गरियो ।

निर्णय नं. २५ पूर्वाधार समितिबाट गरिएको खानेपानी अवलोकन प्रतिवेदन सडक सञ्चालन अनुगमन प्रतिवेदन तथा जाँचपाँच फरकफरक समितिको जाँच फरक फरक प्रतिवेदन र अनुगमन समितिको अनुगमन प्रतिवेदन स्वीकृत गरियो ।

निर्णय नं. २६ नगरसभाबाट स्वीकृत नीति, कार्यक्रम र बजेट कार्यान्वयन आवश्यक थपघट, संशोधन गरी नगरसभामा स्वीकृत गर्ने गरी बजेट कार्यान्वयन गर्ने अधिकार प्रत्यायोजन कार्यपालिकालाई दिने निर्णय गरियो ।

निर्णय नं. २७ यस कार्यालय र कमन नेपाल प्रा.लि. को परामर्श सहयोग रहने गरी समझौता भए अनुसार निर्माण गरिएको यस नगरपालिकाको स्थानीय रोजगार रणनीति, २०८२ तयार भई मस्यौदा पेश भएकोमा उक्त प्रतिवेदन स्वीकृति गरी कार्यान्वयनमा ल्याउने निर्णय गरियो ।

१. श्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समिति

| | | |
|------------------------------|------------|------------------------|
| श्री चक्रपाणि अर्याल | संयोजक | नगर प्रमुख |
| श्री रीता कुमारी चौधरी | सदस्य | नगर उप प्रमुख |
| श्री टेक बहादुर झेडी मगर | सदस्य | वडा अध्यक्ष वडा नं. ३ |
| श्री यम प्रसाद पोख्रेल | सदस्य | वडा अध्यक्ष वडा नं. १० |
| श्री पिताम्बर बि.क. | सदस्य | कार्यपालिका सदस्य |
| श्री शारदा परियार | सदस्य | कार्यपालिका सदस्य |
| श्री प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | सदस्य-सचिव | |

२. बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति

| | | |
|--------|---|--|
| संयोजक | - | रीता कुमारी चौधरी, नगर उपप्रमुख |
| सदस्य | - | विष्णु प्रसाद पौडेल, वडाध्यक्ष-वडा नं. २ |



| | | |
|------------|---|---|
| सदस्य | - | छविलाल रेश्मी मगर, वडाध्यक्ष- वडा नं. ४ |
| सदस्य | - | करुण टण्डन, वडाध्यक्ष- वडा नं. ६ |
| सदस्य | - | विष्णु गिरी, वडाध्यक्ष- वडा नं. ७ |
| सदस्य | - | बाबुराम अर्याल, वडाध्यक्ष- वडा नं. ८ |
| सदस्य | - | कमल पौडेल, वडाध्यक्ष- वडा नं. ९ |
| सदस्य | - | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत |
| सदस्य सचिव | - | योजना शाखा प्रमुख |

३. खानेपानी सरसफाई तथा स्वच्छता समन्वय समिति

| | | |
|---------------------------|-----------------------------|--------------|
| श्री चक्रपाणी अर्याल | - नगर प्रमुख | - संयोजक |
| श्री पिताम्बर बि.क. | - नगर सभा सदस्य | - सदस्य |
| श्री शारदा परियार | - नगर सभा सदस्य | - सदस्य |
| श्री विश्व कार्की | - महासंघ प्रतिनिधि | - सदस्य |
| श्री शुष्मा थापा | - महासंघ प्रतिनिधि | - सदस्य |
| श्री राजेन्द्र बिक्रम शाह | - उपभोक्ता समिति प्रतिनिधि | - सदस्य |
| श्री कल्पना बुढाथोकी | - प्राविधिक कर्मचारी | - सदस्य |
| श्री ईश्वरा खरेल | - स्वस्थ क्षेत्रको कर्मचारी | - सदस्य |
| श्री केशवराज भट्टराई | - WASH Focal Person | - सदस्य सचिव |

४. स्थानीय आर्थिक विकास प्रवर्द्धन समिति

| | |
|----------------------------|--|
| श्री चक्रपाणी अर्याल: | नगर प्रमुख - संयोजक |
| श्री रीता कुमारी थारु: | नगर उपप्रमुख - सदस्य |
| श्री छविलाल रेश्मीमगर: | आर्थिक विकास समिति संयोजक - सदस्य |
| श्री गणेश बहादुर क्षेत्री: | उद्योग बाणिज्य संघ अध्यक्ष - सदस्य |
| श्री लक्ष्मण बेल्लासे: | सहकारीहरूको प्रतिनिधि - सदस्य |
| श्री रविन्द्र पौडेल: | घरेलु तथा साना उद्योग महासंघ नगर अध्यक्ष - सदस्य |
| श्री राम बहादुर खत्री: | प्रबन्धक, कृषि विकास बैंक - सदस्य |
| श्री रमेश नेपाल: | उद्मीहरूको प्रतिनिधि - सदस्य |
| श्री भक्तिराम मरासिनी, | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत - सदस्य सचिव |

५. भूमिसम्बन्धि नगर स्तरीय सहजिकरण समिति

| | |
|------------------------|-----------------------------|
| श्री चक्रपाणी अर्याल: | नगर प्रमुख - संयोजक |
| श्री रीता कुमारी चौधरी | - नगर उपप्रमुख - सदस्य |
| श्री डिल बहादुर सुनार | - कार्यपालिका सदस्य - सदस्य |
| श्री शारदा परियार | - कार्यपालिका सदस्य - सदस्य |
| श्री वेदराज नेपाली | - नेपाली कांग्रेस - सदस्य |



- श्री युवराज पोखरेल - ने.क.पा.एमाले - सदस्य
श्री टेकेन्द्र कुमार क्षेत्री - ने.क.पा. माओवादी (एकीकृत) - सदस्य
श्री राजेन्द्र बिक्रम शाह - रा.प्र.पा. - सदस्य
श्री पदम रेग्मी - रा.स्व.पा. - सदस्य
श्री मञ्जु चौधरी - भूमि अधिकार मञ्च - सदस्य
श्री छविलाल नेपाली - मनोनित सदस्य - सदस्य
श्री डोलक बहादुर पछाई - नागरिक समाज - सदस्य
श्री भक्तिराम मरासिनी - प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत - सदस्य सचिव

६. शिक्षा समिति

- श्री चक्रपाणी अर्याल - नगर प्रमुख - संयोजक
श्री भक्तिराम मरासिनी - प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत - सदस्य
श्री बिष्णु गिरी - अध्यक्ष वडा नं. ७ - सदस्य
श्री कमल पौडेल - अध्यक्ष वडा नं. ९ - सदस्य
श्री शारदा परियार - कार्यपालिका सदस्य - सदस्य
श्री धन बहादुर गाहा - सदस्य - सदस्य
श्री सुन्दर पाण्डे - सदस्य - सदस्य
श्री शिवराज चौधरी - सदस्य - सदस्य
श्री खिम बहादुर जि.सी. सदस्य सचिव

७. जाँचपास फरफारक समिति

- नगर प्रमुख
नगर उपप्रमुख
प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत
आर्थिक प्रशासन शाखा
प्रशासन शाखा
योजना शाखा
पूर्वाधार विकास शाखा

८. पर्यटन विकास समिति

- नगर प्रमुख
उप-प्रमुख
आर्थिक विकास समितिको अध्यक्ष
प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत
उद्योग वाणिज्य महासंघका अध्यक्ष
वन सञ्जालका अध्यक्ष

- अध्यक्ष
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य



| | |
|--|-------|
| धार्मिक धामका अध्यक्ष मध्येबाट नगर कार्यपालिकाले तोकेको १ जना | सदस्य |
| पर्यटन सूचना केन्द्रको प्रमुख | सदस्य |
| स्थानीय स्तरीय होटल तथा रेष्टुरेण्टका प्रोपाइटर मध्ये नगर कार्यपालिकाले तोकेको १ जना | सदस्य |
| नगर कार्यपालिकाले तोकेको पर्यटन विज्ञ १ जना | सदस्य |
| पर्यटन विषय हेर्ने नगरपालिकाको शाखा प्रमुख | सदस्य |

९. त्यसैगरी भवन तथा सहरी विकास समिति निम्नानुसार गठन भएको जानकारी गराउन चाहन्छु

| | |
|------------------------------|------------|
| नगर प्रमुख | अध्यक्ष |
| नगर उपप्रमुख | सदस्य |
| प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | सदस्य |
| पूर्वाधार विकास समिति संयोजक | सदस्य |
| इन्जिनियर | सदस्य |
| योजना शाखा प्रमुख | सदस्य |
| सहरी विकास शाखा प्रमुख | सदस्य सचिव |

१०. अनुगमन तथा सुपरीवेक्षण समिति

| | | |
|------------|---|--------------------------------|
| संयोजक | - | रीता कुमारी चौधरी नगर उपप्रमुख |
| सदस्य | - | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत |
| सदस्य | - | सम्बन्धित वडाको अध्यक्ष |
| सदस्य | - | भौतिक पूर्वाधार शाखा प्रमुख |
| सदस्य सचिव | - | योजना शाखा प्रमुख |

११. न्यायिक समिति

| | | |
|--------|---|-------------------|
| संयोजक | - | रीता कुमारी चौधरी |
| सदस्य | - | शान्ता पाण्डे |
| सदस्य | - | मुमबहादुर पाण्डे |

१२. महिला बालबालिका समिति:

| | |
|----------------------------------|------------|
| श्री रीता कुमारी चौधरी | संयोजक |
| श्री चन्द्रावती थारु(वडा नं. ३) | सदस्य |
| श्री टोपकला बि.सी. | सदस्य |
| श्री पार्वती सुनार | सदस्य |
| श्री महिला बालबालिका शाखा प्रमुख | सदस्य सचिव |

१३. राजस्व परामर्श समिति

| | |
|-----------------------------|--------|
| रीता कुमारी चौधरी -उपप्रमुख | संयोजक |
|-----------------------------|--------|



१३. राजश्व परामर्श समिति
रीता कुमारी चौधरी -उपप्रमुख संयोजक
प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत सदस्य
दुनिका भुसाल (कार्यपालिका सदस्य) सदस्य
शान्ता पाण्डे (कार्यपालिका सदस्य) सदस्य
उद्योग वाणिज्य सम्बन्धी मान्यता प्राप्त संस्थाको अध्यक्ष वा निजले तोकेको प्रतिनिधि सदस्य
घरेलु तथा साना उद्योग सम्बन्धी मान्यता प्राप्त संस्थाको अध्यक्ष वा निजले तोकेको प्रतिनिधि सदस्य
राजश्व शाखा प्रमुख सदस्य सचिव

१४. विधायन समिति
संयोजक - बाबुराम अर्याल
सदस्य - सावित्रा बि.क.
सदस्य - हरिशंकर पौडेल
सदस्य सचिव - प्रशासन शाखा

१५. लेखा समिति
श्री शैलेन्द्र कुमार बेल्बासे संयोजक
श्री ज्ञान बहादुर कार्की सदस्य
श्री ईमकला खत्री क्षेत्री सदस्य
श्री प्रेम बहादुर रौतार थारु सदस्य
श्री रुपनारायण थारु सदस्य
श्री सञ्जुदेवी आचार्य सदस्य सचिव

१६. आर्थिक विकास समिति:
श्री छविलाल रेश्मी मगर संयोजक
श्री टेकबहादुर झेडी मगर सदस्य
श्री यम बहादुर प्यूठानी सदस्य
श्री नुमलाल चौधरी सदस्य
श्री कृषि विकास शाखा प्रमुख सदस्य सचिव

१७. सामाजिक विकास समिति:
श्री विष्णु गिरी संयोजक
श्री नरेन्द्र प्रसाद थारु सदस्य
श्री केशरा गुरुङ्ग सदस्य
श्री विश्वास जि.सी सदस्य
श्री शिक्षा शाखा प्रमुख सदस्य सचिव

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]



१८. पूर्वाधार विकास समिति:

| | |
|------------------------|--------------|
| श्री विष्णु पौडेल | समिति संयोजक |
| श्री राज कुमार थारु | सदस्य |
| श्री डिल बहादुर सुनार | सदस्य |
| श्री करुण टण्डन | सदस्य |
| श्री योजना शाखा प्रमुख | सदस्य सचिव |

१९. सार्वजनिक सेवा, सुशासन समिति:

| | |
|--------------------------|------------|
| श्री कमल पौडेल - | संयोजक |
| श्री दुनिका प्रसाद भुसाल | सदस्य |
| श्री कृष्ण बहादुर सुनार | सदस्य |
| श्री राम शंकर थारु | सदस्य |
| श्री प्रशासन शाखा प्रमुख | सदस्य सचिव |

२०. बन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति:

| | |
|---------------------------------|--------------|
| श्री करुण टण्डन | समिति संयोजक |
| श्री संजु कुमार सारु मगर | सदस्य |
| श्री शारदा परियार | सदस्य |
| श्री झिमलाल सापकोटा | सदस्य |
| श्री आर्थिक प्रशासन शाखा प्रमुख | सदस्य सचिव |

२१. खरिद समिति

| | | |
|------------|---|------------------------------------|
| संयोजक | - | शान्तराज आचार्य, योजना शाखा प्रमुख |
| सदस्य | - | शाखासंग सम्बन्धित शाखा प्रमुख |
| सदस्य | - | सुरज घिमिरे (ईन्जिनियर) |
| सदस्य | - | अनन्त पोखरेल (लेखापाल) |
| सदस्य सचिव | - | जिन्सी शाखा प्रमुख |

२२. वाणगङ्गा प्रज्ञा प्रतिष्ठान कार्यकारी समिति

| | | |
|-----------------|---|--------|
| बालाराम ज्ञवाली | - | संयोजक |
| सूर्य भुसाल | - | सदस्य |
| कृष्ण पाण्डे | - | सदस्य |
| ऋषिकेश भार्दवाज | - | सदस्य |
| कूलराज पौडेल | - | सदस्य |
| लेखनाथ घिमिरे | - | सदस्य |
| राधा पाण्डे | - | सदस्य |
| गिता भुसाल | - | सदस्य |

(Handwritten signatures and marks)



पूर्णचन्द्र परियार - सदस्य
द्वारिका चौधरी - सदस्य
भक्तिराम मरासिनी - सदस्य सचिव
सल्लाहकार समिति
डिल बहादुर कार्की
भिम भट्टराई (समिर सायर)
ज्ञानराज अर्याल
पोम नारायण पौडेल
मोहन ज्ञवाली
बुद्धि सागर बेल्बासे
नगर खेलकुंद समिति

२३. खेलकुंद विकास समिति

श्री पदम सेन - संयोजक
श्री छविलाल रेशमीमगर - सदस्य
श्री डम्बर बहादुर सोमै - सदस्य
श्री कुल बहादुर चुदाली - सदस्य
श्री सविना आचार्य - सदस्य
श्री सुन्दर पहराई - सदस्य
श्री बुद्धिराम पौडेल - सदस्य
श्री भरत थापा - सदस्य
श्री संकर कार्की - सदस्य
श्री खिम बहादुर जि सि. - सदस्य सचिव



अनुसूची-१

बाणगङ्गा नगरपालिका
सत्रौं नगर सभा
सत्रौं नगरसभाको कार्यसूची र समय तालिका

सभा सङ्ख्या: १७ पहिलो बैठक
 अध्यक्षता: श्री चक्रपाणी अर्याल

सभा सञ्चालन स्थान: बाणगङ्गा नगरपालिकाको सभाहल
 बैठक बस्ने समय: ७:००बजे मिति: २०८२।०३।०५

| मिति | समय | कार्य सूची | सञ्चालन तथा कार्यसूची, प्रस्तुतकर्ता | कैफियत |
|------------|------|--|--|--------|
| २०८२।०३।०५ | ७:०० | राष्ट्रिय गान | | |
| २०८२।०३।०५ | ७:१० | सभाको अध्यक्षता | नगर प्रमुख श्री चक्रपाणी अर्याल | |
| " " | ७:१५ | कार्यक्रम शुरु भएको घोषणा सम्बोधन शहिदहरु प्रति मौनधारणा | नगर प्रमुख | |
| " " | ७:३० | आ.व. २०८२।०८३ को नीति तथा कार्यक्रम | नगर प्रमुख श्री चक्रपाणी अर्याल | |
| | ८:०० | आर्थिक विधेयक, २०८२ | नगर उपप्रमुख | |
| | ८:१५ | न्यायिक समितिको प्रतिवेदन | नगर उपप्रमुख | |
| | ८:२५ | योजना संसोधन अनुमोदन | पूर्वाधार विकास समिति संयोजक | |
| | ८:३० | लेखा समिति गठन प्रस्ताव | नगर प्रमुख | |
| | ८:४० | नीति तथा कार्यक्रमका सम्बन्धमा सभामा आफ्नो केही भनाई भए राख्न | अन्य नगर सभा सदस्य | |
| | ९:०० | नगर सभामा उठेका विषयहरुलाई सम्बोधन गर्ने | नगर प्रमुख ज्यू | |
| | ९:१५ | विविध निर्णय प्रस्ताव | १. आ.व. २०८२।०८३ को नीति तथा कार्यक्रम सम्बन्धमा २. आ.व. २०८२।०८३ को आर्थिक विधेयक सम्बन्धमा ३. विविध निर्णयहरु ४. पर्यटन समिति - जानकारी ५. भवन तथा शहरी विकास समिति - जानकारी | |
| | ९:१५ | कार्यक्रमको समापन | | |

छलफलको समय तालिका

| मिति | बैठक बस्ने समय | कार्य सूची | प्रस्ताव प्रस्तुतकर्ता | छलफलमा बोल्ने सदस्यहरुको नाम र तोकिएको समय | कैफियत |
|------|----------------|------------|------------------------|--|--------|
| | | | | | |

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

उपाध्यक्ष ज्यू,
नगर सभामा सम्पूर्ण सदस्य ज्यूहरू,
सचिवज्यू र राष्ट्रसेवक कर्मचारीहरू,



✓ म आजको यस १७औं नगर सभा सुरुवात भएको जानकारी गराउन चाहन्छु।

लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था, सामाजिक न्याय सहितको समानुपातिक समावेशी प्रतिनिधिमुलक व्यवस्था, मौलिक अधिकार, नागरिक स्वतन्त्रता जस्ता महत्त्वपूर्ण उपलब्धिहरू प्राप्तिको लागि विभिन्न कालखण्डमा जीवन उत्सर्ग गर्नु हुने सम्पूर्ण ज्ञात अज्ञात महान सहिदहरूप्रति भावपूर्ण श्रद्धाञ्जली अर्पण गर्दछु र सम्पूर्ण सहिदहरूको सम्झनामा १ मिनेट मौन धारणको लागि सहभागि हुन सम्पूर्ण नगर सभा सदस्यज्यूहरूलाई अनुरोध गर्दछु।

मौन धारणको लागि समय शुरु हुन्छ

धन्यवाद।

सदस्यज्यूहरू अब म यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको आर्थिक वर्ष २०८२।०८३ को नीति तथा कार्यक्रम प्रस्तुत गर्न चाहन्छु।

- यस बाणगङ्गा नगरपालिकाले आगामी आ.व.२०८२।०८३ श्रावण १ गते देखि लिने कर, शुल्क तथा दस्तुरको सङ्कलन प्रकृतिलाई पारदर्शी बनाउन करका दरहरूलाई समयानुकूल बनाई राजस्व प्रशासनलाई जवाफदेही र जिम्मेवारपूर्ण बनाउन तयार गरिएको यस नगरपालिकाको आर्थिक विधेयक, २०८२ पेश गर्न नगर उपप्रमुख श्री रिता कुमारी चौधरीज्यूलाई अनुरोध गर्दछु।
- स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ४७ अनुसार स्थानीय सरकारलाई स्थानीय तहमा हुने विवादहरूको निरूपणको लागि प्राप्त न्यायिक अधिकारको कार्यसम्पादन प्रगति सोही ऐनको दफा ५३ को उपदफा (२) बमोजिम प्रमुख मार्फत सभामा पेश गर्ने प्रावधान रहेको छ। ऐनको दफा १८ बमोजिम न्यायिक समितिको प्रतिवेदन प्रस्तुत गर्न न्यायिक समितिका संयोजक श्री रिता कुमारी चौधरीज्यूलाई अधिकार प्रत्यायोजन गर्न चाहन्छु।
- अब यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको १६औं योजना पश्चात विभिन्न समयमा अत्यन्त जरूरी योजनाहरू संशोधनका साथ कार्यान्वयन भएकोले उक्त योजनाहरूको संशोधनको जानकारी सहित सभामा प्रस्तुत गरिदिनुहुन पूर्वाधार विकास समितिका संयोजक श्री बिष्णु प्रसाद पौडेलज्यूलाई अनुरोध गर्दछु।

यस १७औं नगरसभामा पेश भएको बाणगङ्गा नगरपालिकाको आर्थिक वर्ष २०८२।०८३ को नीति तथा कार्यक्रम, आर्थिक विधेयक, २०८२, योजना संशोधन अनुमोदन न्यायिक समितिको प्रतिवेदन सम्बन्धमा कुनै सदस्यहरूको केही टिप्पणी वा संशोधन वा धर्पेघट गर्नुपर्ने भए आफ्नो भनाई राख्न इच्छुक सदस्यलाई ३/३ मिनेट समय उपलब्ध गराउँदछु। इच्छुक कोही भए हात उठाएर आफ्नो नाम टिपाउनुहोला।

सदस्यहरू:

- १.
- २.
- ३.

नगरसभामा उठेका विषयमा नगर प्रमुखको सम्बोधन.....



अव म सभा अध्यक्ष मार्फत यस सम्मानित १७औं नगर सभामा पेश भएको बाणगङ्गा नगरपालिकाको आ.व.२०८२।०८३ को नीति तथा कार्यक्रम संशोधन सहित स्वीकृतिका लागि पेश गर्दछु।

पेश भएको नीति तथा कार्यक्रमलाई संशोधन सहित स्वीकृत गर्न हुन्न भन्ने सदस्यहरूले हुन्न भन्नुस। मत दिन भन्ने सदस्यहरूले मत दिन भन्नुस र हुन्छ भन्ने सदस्यहरूले हुन्छ भन्नुस।

मत दिन भन्ने सदस्यहरू मत दिन भन्नुहोस्

हुन्न भन्ने सदस्यहरूले हुन्न भन्नुहोस्

हुन्छ भन्ने सदस्यहरूले हुन्छ भन्नुहोस्

मत, दिन र हुन्न भन्ने सदस्यहरूको आवाज नसुनिएको र हुन्छ भन्नेमा सर्वसहमत देखिएकोले आर्थिक वर्ष २०८२।०८३ को बाणगङ्गा नगरपालिकाको नीति तथा कार्यक्रम स्वीकृत भएको घोषणा गर्दछु।

नगर उपप्रमुख मार्फत यस १७औं नगर सभामा पेश भएको बाणगङ्गा नगरपालिकाको आ.व.२०८२।०८३ को आर्थिक विधेयक, २०८२, न्यायिक समितिको प्रतिवेदन स्वीकृतिका लागि प्रस्ताव गर्न चाहन्छु।

पेश भएको आर्थिक विधेयक, २०८२ र न्यायिक समितिको चालु आर्थिक वर्ष २०८१।०८२ को प्रतिवेदन स्वीकृत गर्न हुन्न भन्ने सदस्यहरूले हुन्न भन्नुस। मत दिन भन्ने सदस्यहरूले मत दिन भन्नुस र हुन्छ भन्ने सदस्यहरूले हुन्छ भन्नुस।

मत दिन भन्ने सदस्यहरू मत दिन भन्नुहोस्

हुन्न भन्ने सदस्यहरूले हुन्न भन्नुहोस्

हुन्छ भन्ने सदस्यहरूले हुन्छ भन्नुहोस्

मत दिन र हुन्न भन्ने सदस्यहरूको आवाज नसुनिएको र हुन्छ भन्नेमा सर्वसहमत देखिएकोले बाणगङ्गा नगरपालिकाको आर्थिक विधेयक, २०८२ र न्यायिक समितिको प्रतिवेदन स्वीकृत भएको घोषणा गर्दछु।

- स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा २२ बमोजिम नगरपालिकाको आफ्नो कार्यप्रणालीलाई व्यवस्थित गर्न नियमावली बनाई कुनै सदस्यको संयोजकत्वमा लेखा समिति गठन गर्न सक्ने प्रावधान भएको र नगरपालिकामा हुन सक्ने चेरुजुहरूलाई नियन्त्र

गर्न र देखिएका वेरुजुहरूलाई फछयौट तथा नियमित गर्न एउटा लेखा समितिको आवश्यकता भएकोले उक्त समिति गठनको लागि निम्नानुसार प्रस्ताव गर्न चाहान्छु।

संयोजक - श्री

सदस्य - श्री

सदस्य - श्री



पेश भएको लेखा समितिको गठन प्रस्तावलाई स्वीकृत गर्नु हुन्न भन्ने सदस्यहरूले हुन्न भन्नुस। मत दिन्न भन्ने सदस्यहरूले मत दिन्न भन्नुस र हुन्छ भन्ने सदस्यहरूले हुन्छ भन्नुस।

मत दिन्न भन्ने सदस्यहरू मत दिन्न भन्नुहोस्

हुन्न भन्ने सदस्यहरूले हुन्न भन्नुहोस्

हुन्छ भन्ने सदस्यहरूले हुन्छ भन्नुहोस्

मत दिन्न र हुन्न भन्ने सदस्यहरूको आवाज नसुनिएको र हुन्छ भन्नेमा सर्वसहमत देखिएकोले बाणगङ्गा नगरपालिकाको लेखा समिति गठन प्रस्ताव स्वीकृत भएको घोषणा गर्दछु।

सदस्यज्यूहरू,

हामी पर्यटन विकास गुरुयोजना तयारीको अन्तिम चरणमा छौं। उक्त योजनालाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्नको लागि पर्यटन विकास समिति निम्नानुसार गठन भएको जानकारी गराउन चाहान्छु।

पर्यटन विकास समिति

| | | |
|----|--|---------|
| १ | नगर प्रमुख | अध्यक्ष |
| २ | उप-प्रमुख | सदस्य |
| ३ | आर्थिक विकास समितिको अध्यक्ष | सदस्य |
| ४ | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | सदस्य |
| ५ | उद्योग वाणिज्य महासंघका अध्यक्ष | सदस्य |
| ६ | वन सञ्जालका अध्यक्ष | सदस्य |
| ७ | धार्मिक धामका अध्यक्ष मध्येबाट नगर कार्यपालिकाले तोकेको १ जना | सदस्य |
| ८ | पर्यटन सूचना केन्द्रको प्रमुख | सदस्य |
| ९ | स्थानीय स्तरीय होटल तथा रेष्टुरेण्टका प्रोपाइटर मध्ये नगर कार्यपालिकाले तोकेको १ जना | सदस्य |
| १० | नगर कार्यपालिकाले तोकेको पर्यटन विज्ञ १ जना | सदस्य |
| ११ | पर्यटन विषय हेर्ने नगरपालिकाको शाखा प्रमुख | सदस्य |

त्यसैगरी भवन तथा सहरी विकास समिति निम्नानुसार गठन भएको जानकारी गराउन चाहान्छु

नगर प्रमुख

नगर उपप्रमुख

अध्यक्ष

सदस्य

प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत
पूर्वाधार विकास समिति संयोजक
इन्जिनियर
योजना शाखा प्रमुख
सहरी विकास शाखा प्रमुख
सदस्यज्यूहरु,

सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य सचिव



हामी १७औं नगर सभाको प्रथम बैठकको अन्त्यतिर आइसकेका छौं,

यस नगरपालिकाको आर्थिक वर्ष २०८२।०८३ को वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमको तयारीको क्रममा अमूल्य सुझाव दिनुहुने सङ्घ संस्था, सङ्घ सङ्गठनका पदाधिकारी एवम् प्रतिनिधि, राजनीतिक दलका पदाधिकारी एवम् प्रतिनिधि, माननीय संविधान सभा सदस्य, माननीय भूमी सहकारी तथा गरिवी निवारण मन्त्रीज्यू, माननीय प्रदेश सभा सदस्य, र माननीय राष्ट्रिय सभा उपाध्यक्षज्यूलाई म स्वयम् र सबै नगर सभा सदस्यहरुको तर्फबाट हृदयदेखि धन्यवाद दिन चाहन्छु।

साथै,

बाणगङ्गा नगरपालिकाको आजको यस सत्रौं नगर सभालाई व्यवस्थित र मर्यादित ढङ्गबाट अगाडी बढाउन सहयोग गर्ने सबै नगर सभा सदस्यज्यूहरु र कार्यक्रम व्यवस्थापन गर्ने सबै कर्मचारी मित्रहरुलाई विशेष धन्यवाद दिन चाहन्छु। आजको यस १७औं नगर सभा अधिवेशनको प्रथम बैठक समापन भएको घोषणा गर्दछु र अधिवेशन निरन्तर चलिरहने जानकारी गराउँदै नगर सभा अधिवेशनको दोस्रो बैठक आगामी असार १० गते बिहान ८ बजे देखि सञ्चालन हुने व्यहोरा समेत जानकारी गराउँदछु।

चक्रपाणी अर्याल
नगर प्रमुख

बाणगङ्गा नगरपालिकाको आ.व. २०८२।०८३ को प्रगति विवरण

१७ औं नगरसभा

मिति: २०८२/०३/०५

कार्यात्मक रणनीति:

"ब्राण्ड बाणगङ्गा विलिभ बाणगङ्गा"

(Brand Banganga Believe Banganga)

मारा :

"समृद्ध बाणगङ्गाको मूल आधार: आर्थिक सामाजिक रुपान्तरण सहितको पूर्वाधार"

यस सभामा उपस्थित बाणगङ्गा नगरपालिकाका नगरसभा उपाध्यक्षज्यू, नगर सचिव ज्यू, नगर प्रवक्ताज्यू, सम्पूर्ण वडाध्यक्षज्यू, कार्यपालिकाका सदस्यज्यू, उपस्थित नगरसभाका सम्पूर्ण सदस्यज्यू, विषयगत शाखाका शाखा प्रमुख लगायत सम्पूर्ण कर्मचारी वर्गहरु। सर्वप्रथम यस सभामा हाम्रो निमन्त्रणालाई सहर्ष स्वीकार गरी पाल्नुहुने समग्र नगरसभा सदस्यहरुमा मेरो व्यक्तिगत तथा नगरपालिकाको तर्फबाट हार्दिक स्वागत गर्दै धन्यवाद ज्ञापन गर्न चाहन्छु।

आजको यो सभा हामीले सङ्घीय प्रणाली अन्तर्गत गरेका विकासका कार्यहरूको समीक्षा, नागरिकमा पारेको प्रभावको मूल्याङ्कन र आगामी योजनाहरूको कार्यदिशा निर्धारण गर्ने एक महत्त्वपूर्ण मञ्च हो। हामीले विगतमा स्वीकृत गरेका नीति, कार्यक्रम र बजेटको कार्यान्वयन प्रगतिको विश्लेषण गर्ने, सेवा प्रवाहमा नागरिक सहभागिता बढाउने, र सुशासनलाई अझ प्रभावकारी बनाउने तथा आर्थिक वर्ष ०८२।०८३ को नीति कार्यक्रम र बजेट स्वीकृत गर्न यहाँ एकत्रित भएका छौं।

स्थानीय सरकार भनेको जनताको नजिकको सरकार हो। यहाँका हरेक गतिविधिहरू नागरिकहरूको आवश्यकता अनुरूप पारदर्शी, जवाफदेही र सहभागितामूलक हुनुपर्छ। हामीले यसै दृष्टिकोणका साथ विकासात्मक, प्रशासनिक र अन्तरनिकाय समन्वयका कार्यहरू गरिरहेका छौं। तर, अझै धेरै काम गर्न बाँकी छ।

सुशासनका मूल आधारहरू पारदर्शिता, जवाफदेहिता र समावेशीतालाई कायम गर्दै हामीले नागरिकहरूको विश्वास जित्नुपर्छ। यसका लागि सामूहिक सोच, सहकार्य र निरन्तर सुधारको मानसिकता अपनाउन आवश्यक छ। हाम्रो प्रयासले समाजमा सकारात्मक परिवर्तन ल्याउन सकेमा नै हामी सफल हुनेछौं।

आज हामी देश सघीयतामा प्रवेश गरेपछि भएको दोस्रो स्थानीय तहको निर्वाचन पश्चात् आ.व. ०८१/०८२ को यस बाणगङ्गा नगरपालिकाले स्वीकृत गरेको नीति, कार्यक्रम तथा बजेटको कार्यान्वयनको अवस्था तथा स्वीकृत





कार्यक्रमबाट समग्र नागरिकमा परेको असर र प्रभावको लेखाजोखा र यही आगामी दिनमा नगरपालिकाले सम्पादन गर्ने समग्र विकासात्मक, प्रशासनिक तथा अन्तरनिकाय समन्वयका गतिविधिहरूका सुधारात्मक मार्ग तय गरी समग्र नागरिकको स्थानीय सरकार प्रतिको भरोसा र सेवाप्रवाहमा नागरिक सहभागिता वृद्धि गरी नागरिकको खुसियाली बृद्धिमा सहजीकरण तथा सुशासनको कार्यदिशामा स्थानीय सरकारका हरेक गतिविधि अगाडि बढाउन तथा हालसम्म हामीहरूले गरेका विकासात्मक तथा प्रशासनिक गतिविधिबाट नागरिकमा परेका सकारात्मक तथा सुधारात्मक असर र प्रभावको सन्दर्भमा समीक्षा तथा विवेचनाको लागि निरन्तर प्रयासरत छौं।

स्थानीय सरकार जनताको घरदैलोको सरकार भएको तथा यसका समग्र गतिविधि नागरिकमैत्री, सुशासनमैत्री, सेवा प्रवाहमा नागरिक सहभागिता तथा शीघ्रता कायम भई नागरिक सहभागिता उन्मुख, जनताले सुन्ने, देख्ने मात्र नभई अनुभूति गर्ने भएकोले स्थानीय सरकारबाट सेवा प्रवाह गर्दा शासक र सेवकको सम्बन्ध मात्र होइन, सहजकर्ता र सहअस्तित्वको सम्बन्ध हुनु पर्दछ भन्ने मान्यताका साथ हामीहरू सहभागिता, सहअस्तित्व र सहकार्यका आधारमा समग्र विकासात्मक, प्रशासनिक र अन्तरनिकाय समन्वय कार्यहरू निरन्तर गरिरहेका छौं। यो कार्य सम्पादन र उपलब्धि प्राप्त गर्न तथा उपलब्धिको प्रतिफल समानुपातिक, समावेशी तथा Right Base Approach मा वितरण गर्न सुशासन अपरिहार्य छ। सुशासनका महत्वपूर्ण तत्व मध्ये पारदर्शिता र जवाफदेहिता यस्ता कार्यक्रमहरूबाट मापन गर्न सकिन्छ। अतः सार्वजनिक उत्तरदायित्व र जवाफदेहिता प्रवर्द्धन गरी नागरिकबाट प्राप्त अधिकारको सबल तथा सक्षम कार्यान्वयनमा हाम्रा लगावहरूको प्रतिफल सामुहिक रूपमा बजारीकरण गर्दै निरन्तर सुधारको मार्गमा सोच परिष्करण, व्यवहार परिष्करण, प्रविधि परिष्करण, विकासको आयामहरू परिष्करण तथा सहशासनको मार्गमा अगाडि बढ्न हार्दिक अनुरोध गर्दछु।

आदरणीय नगरसभा सदस्यज्यूहरू,

देश सङ्घीयतामा प्रवेश पश्चात् नेपालको संविधानले परिकल्पना गरेको सहकारितामा आधारित सङ्घीयता, सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहको एकल तथा साझा अधिकार, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४, सङ्घ र प्रदेशका पञ्चवर्षीय योजना, स्थानीय तहबाट स्वीकृत आवधिक विकास योजना तथा ऐन, नियम, कार्यविधि, मार्गदर्शन, मापदण्ड, दिगो विकास लक्ष्य, मध्यमकालीन खर्च संरचना, नेपाल सरकार, प्रदेश सरकारले घोषणा गरेका राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक अभियानलाई मध्यनजर गरी वार्षिक रूपमा स्वीकृत नीति, कार्यक्रम तथा बजेटको आधारमा हरेक स्थानीय सरकारका विकासात्मक, प्रशासनिक तथा अन्तर निकाय समन्वयका गतिविधि सञ्चालन हुँदै आएको छ। तद् अनुरूप यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको यस आ.व.मा स्वीकृत भई कार्यान्वयनमा रहेको नीति कार्यक्रम र बजेटको हाल सम्मको प्रगति विवरण प्रस्तुत गर्न अनुमति चाहन्छु।

१) आ.व. २०८१/८२ को नीति कार्यक्रम तथा बजेट सम्बन्धी

- आ.व. २०८१/०८२ को कुल बजेट रु. १ अर्ब २८ करोड ५ लाख २४ हजार रहेकोमा आर्थिक विकासतर्फ रु. ११ करोड ९० लाख २७ हजार, सामाजिक विकासतर्फ रु. ५६ करोड ९२ लाख ५९ हजार, पूर्वाधार विकासतर्फ रु. ४९ करोड ३५ लाख ८६ हजार, सुशासन तथा अन्तर सम्बन्धित क्षेत्रतर्फ रु. २४ करोड ३७ लाख २ हजार ९ सय, वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन तर्फ ४ करोड ८७ लाख



४० हजार ५ सय ८० रुपैया र हाल सम्म कुल विनियोजित रकमको ८० प्रतिशत निकास भई आजको दिन सम्म कुल प्रशासनिक र पुँजीगत खर्च ७४.५ प्रतिशत भएको देखिन्छ । आन्तरिक श्रोत परिचालनमा हाल सम्म १५ करोड ४ लाख ६९ हजार ४ सय ६३ रुपैया सङ्कलन भई राजस्व प्रक्षेपणको हालसम्म ८५ प्रतिशत भन्दा माथि प्रगति भएको देखिन्छ ।

- विगतको नगरसभाले नगरको विकासमा दिर्घकालिन महत्वका निम्नानुसारका योजनाहरू सञ्चालन गर्ने निर्णय गरेको थियो ।
 - दिगो विकास लक्ष्यका सम्पूर्ण सूचकहरूलाई स्थानीयकरण गर्दै लगिने ।
 - संविधानमा उल्लेखित एकल अधिकार क्षेत्र कार्यान्वयनको लागि संस्थागत, संरचनागत तथा वित्तीय व्यवस्थापन गर्दै जाने ।
 - आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा आम नागरिकको पहुँच वृद्धि गर्ने ।
 - सीप तथा ज्ञानयुक्त शिक्षाको विकास, शिक्षामा नवप्रवर्तन तथा व्यवसायीकरण गर्ने ।
 - समावेशी विकासलाई जोड दिँदै, पछाडी परेका वर्ग र समुदायहरूको उत्थान तथा विकासमा जोड दिने ।
 - हरित अर्थतन्त्र तथा दिगो विकासमा निरन्तर कार्य गर्ने ।
 - राष्ट्रिय अभियान अन्तर्गत बालमैत्री, पूर्ण संस्थागत सुत्केरी, पूर्ण खोप लगायतका कार्यक्रमको दिगोपना तथा पूर्ण सरसफाइ, पोषणमैत्री जस्ता कार्यक्रमलाई प्राथमिकताको साथ सञ्चालन गर्ने ।
 - लागत सहभागिताका योजना तथा कार्यक्रमहरूलाई प्राथमिकता दिने ।
 - लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरणको माध्यमद्वारा अधिकारमा आधारित विकासको अबधारणालाई मूर्तरूप दिने ।
 - संविधानको मर्म अनुसार अन्तरतह तथा अन्तरनिकाय समन्वयलाई प्राथमिकताको साथ आत्मसात् गर्ने ।
 - नगरपालिकालाई आत्मनिर्भर बनाउन राजस्व सुधार योजना अनुरूप करका दर र दायरालाई समय सापेक्ष बनाई आत्मनिर्भरतर्फको यात्रालाई अगाडी बढाउने ।
 - नगरपालिकाभित्र सञ्चालन हुने लघु उद्योग, मध्यम र ठूला उद्योगहरू स्थापना र विस्तारमा सहजीकरण गर्ने ।
 - नगरपालिकाको ब्राण्ड कायम गर्न कृषिमा आधुनिकीकरण, सीप विकासमा विविधीकरण तथा सेवा प्रवाहमा प्रविधिकरण गर्दै लगिने ।
 - नगरपालिकाको धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषिक तथा रैथाने पद्धतिहरूलाई बाणगङ्गा सर्किटमा समावेश गरी प्रचार प्रसार, पुननिर्माण तथा संरक्षणमा लागत सहभागिता जुटाई उत्पादन, प्रवर्द्धन र विकास गर्ने ।
 - नगरका गौरवका आयोजनाहरू क्रमशः पुरा गरी नागरिक सन्तुष्टी प्रदान गर्ने ।

आदरणीय नगरसभा सदस्यज्यूहरू

अब म हामीहरूले स्वीकृत गरेको नीति कार्यक्रम र बजेटको हालसम्मको क्षेत्रगत प्रगति सङ्क्षेपमा प्रस्तुत गर्दछु ।

१) क्षेत्रगत प्रगति अवस्था

क) सुशासन तथा संस्थागत विकास



सुशासन तथा अन्तर सम्बन्धित क्षेत्रतर्फ रु. २४ करोड ३७ लाख २ हजार ९ सय विनियोजन गरिएकोमा देहायका क्षेत्रहरूमा देहाय बमोजिमका उपलब्धि प्राप्त भएका छन्।

१) सामान्य सेवा

- नगरपालिकालाई भौगोलिक रूपमा ११ वटा वडामा विभाजन गरी वडा प्रशासनिक केन्द्रमार्फत सामान्य सेवा प्रदान गरीएको छ।
- स्वास्थ्य तर्फ १ वटा (पिपरा) नगर अस्पताल, ६ वटा स्वास्थ्य चौकी, ४ वटा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र, १ वटा आयुर्वेद सेवा केन्द्र र १ वटा सहरी स्वास्थ्य क्लिनिक मार्फत जनताको आधारभूत सेवा परिपूर्ति गरिएको छ।
- शिक्षा तर्फ क्याम्पस ४, उच्च मा.वि १७, माध्यमिक विद्यालय १६, आधारभूत विद्यालय २७, बालविकास केन्द्र ६० र संस्थागत विद्यालय २७ मार्फत शैक्षिक अभियान सञ्चालन गरिएको छ।

२) स्थानीय तथ्याङ्क र अभिलेख व्यवस्थापन

- नगरपालिकाको पार्श्व चित्र निर्माण गरिएको,
- नगरपालिकाको सम्पत्ति व्यवस्थापन प्रणाली सुरु गरिएको,

३) सुरक्षा व्यवस्थापन

- नगर प्रहरीको दरबन्दी संख्या १५ जना पुऱ्याइएको छ।
- नगर प्रहरीलाई ब्यारेक प्रणालीमा लैजान आधारभूत संरचना निर्माण गरिदैछ।
- अन्य सुरक्षा निकायसँग आवश्यक समन्वय गरिएको छ।

४) सुशासन प्रवर्द्धन:

- सेवा प्रवाहमा नागरिक सहभागिता सुनिश्चित गरिएको छ।
- सेवा प्रवाहमा आवश्यक ऐन, नियम, कार्यविधि, मापदण्ड र निर्देशिका स्वीकृत गरी कार्य सरलीकरण गरिएको छ।

५) सूचना प्रविधि:

- सेवा प्रवाहमा सरलीकरण, सूचना प्रणालीका आधारभूत प्रविधिहरू प्रयोग गरिएको छ।

६) अनुसन्धान र विकास:

- योजना प्रणालीलाई संस्थागत गर्न आवधिक विकास योजना, मध्यावधिक खर्च संरचना, राजस्व सुधार योजना, पर्यटन गुरुयोजना, औद्योगिक प्रोफाईल, वास प्लान, नगरपालिकाको सङ्गठनात्मक संरचना अध्ययन प्रतिवेदन, नगर प्रज्ञा प्रतिष्ठान, खेलकुद विकास समिति, नगर युवा परिषद् जस्ता समिति र दस्तावेजहरू स्वीकृत गरी क्षेत्रगत तथा विषयगत सूचकहरूको आधारमा समग्र विकासात्मक, प्रशासनिक र अन्तरनिकाय समन्वयका गतिविधिहरू सञ्चालन गरिदै आईरहेका छन्।

७) अन्य:

- हाल ९५ जना करार र १२१ जना स्थायी गरी जम्मा २१६ जना कर्मचारीहरु कार्यरत रहेका छन् ।
- स्थानीय तह संस्थागत क्षमता स्व:मूल्यांकन (LISA) आ.व.२०८०/८१ मा ९४.७५, FRA मा ९३, प्राकृतिक श्रोत तथा वित्त आयोगको मुल्याङ्कनमा ७५.२ र लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण परीक्षण मूल्याङ्कनमा ८२.५ अंक प्राप्त गरी प्रतिस्पर्धामा खरो रुपमा प्रस्तुत हुन सफल भएको छ ।

ख) पूर्वाधार विकास

पूर्वाधार विकासतर्फ रु. ४१ करोड ३५ लाख ८६ हजार विनियोजन गरिएकोमा देहायका उपलब्धि प्राप्त भएका छन्

१) भवन तथा बस्ती बिकास:

- भवन तथा शहरी विकासतर्फ हाल सम्म नया घर दर्ता जम्मा १२८४ र पुरानो घर दर्ता जम्मा ४४८७ रहेका छन् । यसरी प्राप्त तथ्यांक विश्लेषण गर्दा अनिवार्य नक्सा पास गरी भवन निर्माण कार्य र अभिलेखीकरण गर्ने कार्यलाई थप व्यवस्थित गर्नु पर्ने देखिन्छ ।

२) जलश्रोत, उर्जा तथा स्वच्छ उर्जा:

- जलस्रोतको उपयोग तथा संरक्षण गर्न जलाशययुक्त पोखरी, सिंचाई प्रणालीको दिगो व्यवस्थापनका लागि प्राथमिकतामा राखी योजना कार्यान्वयनमा जोड दिईएको छ ।
- उज्यालो नगर कार्यक्रम अन्तर्गत सडक बत्ती राख्ने र जडित सडक बत्तीको मर्मत गर्ने कार्यलाई निरन्तरता दिईएको छ ।

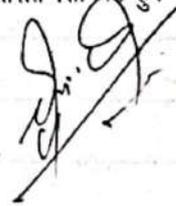
३) सूचना तथा सञ्चार प्रविधि:

- नगरभित्रका नागरिकहरुलाई शान्ति सुरक्षाको प्रत्याभूति दिलाउन सुरक्षाकर्मीहरुको समन्वयमा सि.सि.टि.भि. क्यामरा जडानको प्रक्रिया अगाडि बढाईएको छ ।
- सेवाग्राहीको सुविधालाई मध्यनजर गर्दै नगरको राजस्व सम्बन्धी सम्पूर्ण कारोबारलाई अनलाईन मैत्री बनाउँदै अनलाईन प्रणालीबाट गजस्व असुली गर्ने व्यवस्था मिलाईएको छ ।
- नगरबाट प्रवाह गरिने सेवा तथा कार्यहरुको जानकारी गराउन डिजिटल बोर्डको व्यवस्था मिलाईएको छ ।

४) सिंचाई

- नगरपालिकाभित्र विभिन्न सिंचाई प्रविधिमाफत खेतियोग्य जमिनको ३६ प्रतिशत सिंचित हुने व्यवस्था मिलाईएको छ ।

५) सडक तथा पुल:





अन्तरसरकार तथा अन्तरनिकाय समन्वयमा नगरपालिकाको गौरवका सडक तथा पुल
पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा सञ्चालनमा आवश्यक व्यवस्था मिलाईएको छ।

ग) सामाजिक विकास

आर्थिक वर्ष ०८१।८२ मा सामाजिक विकासतर्फ रु. ५६ करोड ९२ लाख ५९ हजार रकम
विनियोजन भएकोमा देहायका प्रमुख कार्यहरू सम्पन्न भएका छन्।

सामाजिक विकास तर्फ शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति प्रवर्द्धन, लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक
समावेशीकरण, खानेपानी तथा सरसफाइ, जनसङ्ख्या व्यवस्थापन र पञ्जीकरणतर्फ देहायका
उपलब्धि प्राप्त भएको छ।

- गुणस्तरीय र प्रतिस्पर्धी शिक्षा विकासमा टेवा पुऱ्याउन शिक्षा गुरुयोजना निर्माण गरी शैक्षिक
उन्नयन प्राप्त गर्न आवश्यक लगानीको वातावरण श्रृजना गरिएको छ।
- सुरक्षित खानेपानीयुक्त समुदाय घोषणा भएका प्रमुख बस्तीहरू (२१) वटा रहेका छन्।
- १० वर्षे खानेपानी सरसफाइ तथा स्वच्छता योजना वास प्लान निर्माण कार्य सम्पन्न भएको छ
।
- पञ्जीकरणतर्फ सामाजिक सुरक्षा भत्ता बैंक मार्फत भुक्तानी, घटना दर्ता कार्य नियमित
सञ्चालनमा ल्याइएको छ।
- आधारभूत स्वास्थ्य केन्द्र तथा पिपरा अस्पताल, आयुर्वेद स्वास्थ्य केन्द्र प्रविधि सम्पन्न बनाईदै
लगिएको छ।
- नगरपालिकालाई पोषणमैत्री नगर घोषण गर्न आधार तयार गरिएको छ।
- समावेशी तथा समानुपातिक विकासलाई आत्मसात् गरी समाजमा पछाडी परेका वर्ग र
समुदायको उत्थानको लागि निरन्तर समावेशी कार्यक्रम सञ्चालित छन्।
- पञ्जीकरण तर्फ जन्म, मृत्यु, विवाह, सम्बन्ध विच्छेद र बसाईसराई तर्फ जम्मा ३४१८ जनाले
घटना दर्ता गरेका छन्।
- सामाजिक सुरक्षा तर्फ १४७७० जना लाभग्राहीहरूले सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गरिरहनु भएको
छ।
- विपन्न नागरिक औषधी उपचार तर्फ १६१ जनाले मासिक रु ५००० का दरले रकम प्राप्त
गर्नुभएको छ।

घ) आर्थिक विकास

आर्थिक वर्ष ०८१।८२ मा आर्थिक विकास तर्फ रु. ११ करोड ९० लाख २७ हजार रकम विनियोजन
भएको थियो। आर्थिक विकासतर्फ कृषि सेवा, पशु सेवा, सहकारी विकास, उद्योग तथा वाणिज्य, वित्तीय
क्षेत्र, पर्यटन विकास तथा बाह्य क्षेत्र परिचालनमा देहायका उपलब्धि प्राप्त भएका छन्।

- कृषि तथा पशु विकासमा पकेट क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम सञ्चालित भएका छन्।



नागरिकहरूको लागत सहभागितामा उत्पादनमा अनुदान, यान्त्रीकरण र प्रविधिकरण कार्यक्रम सञ्चालन भई आत्मनिर्भर उन्मुख भएको छ ।

- भू-उपयोग योजना, औद्योगिक प्रोफाईल, पर्यटन विकास गुरुयोजना तयार भई तत् क्षेत्रमा लगानीको वातावरण सृजना गरिएको छ ।
- नगरपालिकामा बैंक तथा वित्तीय संस्था ७४ वटा, व्यवसाय दर्ता ३१९१ र प्राईभेट फर्म १२५ वटा आवद्ध भएका छन् ।
- सहकारीतर्फ ६५ वटा सहकारी संस्थामा सेयर सदस्य ६३८६५ जना सेयर पुँजी ९२ करोड ९६ लाख ४७ हजार २ सय ५३, बचत रकम ३ अर्ब ७८ करोड २५ लाख २१ हजार ८ सय ६२ र ऋण लगानी ४ अर्ब ३८ करोड ३० लाख २२ हजार ३० रुपैया श्रोत परिचालन भएको देखिन्छ ।

ड) वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन

आर्थिक वर्ष ०८१।८२ मा वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापनमा रु ४ करोड ८७ लाख ४० हजार ५ सय ८० रुपैया रकम विनियोजन भएको थियो । वन तथा विपद् व्यवस्थापन तर्फ वन तथा भू संरक्षण, फोहरमैला व्यवस्थापन, जलाधार संरक्षण, जल उत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण, वातावरण संरक्षण, विपद् व्यवस्थापन तथा वारुण यन्त्र सञ्चालन र जलवायु परिवर्तन क्षेत्रमा देहायका प्रमुख कार्यहरू सम्पन्न भएका छन् ।

- दिगो विकास, वातावरण सन्तुलन, हरियाली प्रवर्द्धन, नदीकटान नियन्त्रण तथा संतुलित विकासको क्षेत्रमा निरन्तर कार्य भईरहेको छ ।
- पूर्ण सरसफाइयुक्त नगरपालिका घोषणाको पूर्वाधार तयार भएको छ ।

आदरणीय नगरसभा सदस्यज्यूहरू,

माथि उल्लेखित विषयक्षेत्रगत कार्य उपलब्धिको हाल सम्मको तथ्याङ्कीय उपलब्धिहरू समष्टिगत रूपमा विषयगत समितिको प्रतिवेदनमा उपलब्ध गराइनेछ । अब म यस आर्थिक वर्षको नीति कार्यक्रम तथा बजेटको समष्टिगत मार्गदर्शन प्रस्तुत गर्न अनुमति चाहन्छु ।

बाणगङ्गा नगरपालिका आर्थिक वर्ष ०८२।०८३ को नीति कार्यक्रम तथा बजेट

क) नीति, कार्यक्रम तथा बजेट देहाय बमोजिम हुनेछः

क) उद्देश्यः

समावेशी, समानुपातिक, सहभागितामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरी नगरपालिकाले तय गरेको कार्यात्मक रणनीति Believe Banganga Brand Banganga लाई आत्मसात् गर्दै जनताको खुसियाली अभिवृद्धि गर्ने ।

ख) लक्ष्यः

दिगो विकास लक्ष्यका सूचकहरू क्रमशः पूरा गरी स्थानीयकरण गर्दै गरिवि निवारण गर्ने ।

ग) प्राथमिकता:

देहायका विषय क्षेत्रमा संघ, प्रदेश, स्थानीय तथा निजी क्षेत्रका लगानी अभिवृद्धि गरी सन्तुलित तथा प्रतिस्पर्धात्मक सेवा प्रवाह गर्ने।

- १) सामाजिक विकास
- २) पूर्वाधार विकास
- ३) सुशासन तथा संस्थागत विकास
- ४) आर्थिक विकास
- ५) वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन



उल्लेखित प्राथमिकता पुरा गर्न विषयक्षेत्रगत तपसिल बमोजिका गौरवका आयोजना तथा कार्यक्रम घोषण गरी क्रमशः बुरा गदै लगिने नीति आवलम्बन गरिने छ।

तपसिल:

१. कृषि तथा पशु विकास पकेट क्षेत्र बिस्तार
२. साना सिंचाई तथा कृषिमा यान्त्रिकरण आयोजना
३. पर्यटन सर्किट तथा धार्मिक तथा पर्यटकीय क्षेत्रमा लगानी
४. सहरी सडक पूर्वाधार निर्माण तथा चक्रपथ बिस्तार
५. फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण तथा पूर्ण सरसफाइ अभियान
६. नगर बसपार्क निर्माण तथा सहर सौन्दर्यीकरण
७. साना सहरी विकास कार्यक्रम तथा ढल निकास कार्यक्रम
८. एक घर एक धारा कार्यक्रम तथा स्वच्छ खानेपानी परिपूर्ति अभियान
९. राष्ट्रियस्तरको खेलकुद मैदान र रंगशाला निर्माण तथा अनुशासित, प्रतिस्पर्धी युवा निर्माण र आधुनिक खेल विकास
१०. पिपरा अस्पताल, आयुर्वेद स्वास्थ्य केन्द्र प्रविधि सम्पन्न भवन निर्माण
११. कृषि उपज सडकलन केन्द्र, हाट बजार निर्माण तथा आत्मनिर्भर कार्यक्रम
१२. गौसंरक्षण तथा एनिमल रिसर्च सेन्टर निर्माण
१३. औद्योगिकग्राम पूर्वाधार निर्माण तथा औद्योगिक कोरिडोर स्तरोन्नती
१४. बाणगङ्गा कोरिडोर, बाणगङ्गा बहुउद्देश्यीय सभाहल निर्माण
१५. एक वन एक उद्यम कार्यक्रम तथा प्राकृतिक स्रोतको सही सदुपयोग
१६. स्मार्ट सिटि तथा सेटलाईट सिटि निर्माण र स्वच्छ वातावरण निर्माण
१७. सांस्कृतिक संग्रहालय, प्रविधि सम्पन्न पुस्तकालय तथा अन्तरपुस्ता सीप हस्तान्तरण
१८. डिजिटल प्रशासन तथा सूचना प्रविधिमैत्री नागरिक सेवा, आत्मनिर्भर कार्यक्रम
१९. राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक अभियान परिपूर्ण, तथा जनताको खुसियाली अभिवृद्धि
२०. दिगो विकासका लक्ष्यहरुलाई क्रमशः स्थानीयकरण तथा पूर्व नीतिको निरन्तरता
२१. सार्वजनिक निजी साझेदारी सहकारी क्षेत्रको पुँजी परिचालन
२२. भू-व्यवस्थापन तथा गरिबी निवारण
२३. शिक्षामा आधुनिकीकरण, प्रविधिकरण तथा निःशुल्क शिक्षा अभियान



२४. समानुपातिक समावेशी तथा अधिकारमा आधारित विकास,

उल्लेखित विषय क्षेत्र तथा प्राथमिकतालाई सम्बोधन गर्न आ.व. ०८२१०८३ मा देहाय अनुसार श्रोत परिचालन गरिनेछ।

श्रोत अनुमान

| क्र.स | शीर्षक | रकम | अक्षरूपी |
|-------|------------------------------|-----------------|-----------------------------------|
| १ | संघ समानीकरण | १९,३८,००,०००। | १९ करोड ३८ लाख |
| २ | संघ राजस्व | १६,२०,००,०००। | १६ करोड २० लाख |
| ३ | प्रदेश समानीकरण | १,३४,३०,०००। | १ करोड ३४ लाख ३० हजार |
| ४ | प्रदेश राजस्व | १,६०,००,०००। | १ करोड ६० लाख |
| ५ | आन्तरिक प्राकृति श्रोत | ३,००,००,०००। | ३ करोड |
| ६ | आन्तरिक मालपोत रजिस्ट्रेशन | ५,००,००,०००। | ५ करोड |
| ७ | आन्तरिक अन्य + अल्या समेत | १९,९८,२६,९९२। | १९ करोड ९८ लाख २६ हजार ९९२ रुपैया |
| ८ | संघीय शर्सत | ५०,०२,००,०००। | ५० करोड २ लाख |
| ९ | संघीय समपुरक | ९१,००,०००। | ९१ लाख |
| १० | संघीय विशेष | ९०,००,०००। | ९० लाख |
| ११ | प्रदेश शर्सत | २,००,००,०००। | २ करोड |
| १२ | प्रदेश विशेष | ३०,००,०००। | ३० लाख |
| १३ | प्रदेश समपुरक | १,५०,००,०००। | १ करोड ५० लाख |
| १४ | सामाजिक सुरक्षा | ४९,६१,४३,००८। | ४९ करोड ६१ लाख ४३ हजार ८ रुपैया |
| १५ | सडक बोर्ड | ६५,००,०००। | ६५ लाख |
| १६ | अन्य संस्थागत आन्तरिक अनुदान | ४,००,००,०००। | ४ करोड |
| १७ | जिल्ला समन्वय समिति | ४०,००,०००। | ४० लाख |
| | जम्मा | १,७६,८०,००,०००। | १ अरब ७६ करोड ८० लाख |

नव म हामीहरुको लक्ष्य, उद्देश्य तथा प्राथमिकतालाई कार्यान्वयन गर्न आवश्यक पर्ने महत्त्वपूर्ण नीति तथा कार्यक्रम सुत, गर्न चाहन्छु।

क) सामाजिक विकास:

"राष्ट्रिय र प्रादेशिक अभियान सम्पन्नताको सुनिश्चितता, सामाजिक विकासमा लगानी हाम्रो प्राथमिकता" भन्ने अभियानलाई निरन्तरता दिदै देहायका विषयक्षेत्रमा देहाय बमोजिमको नीति अचलम्बन गरिनेछ।

१) स्वास्थ्य तथा पोषण:



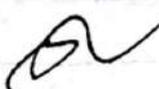
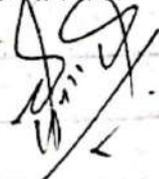
- बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अन्तर्गत पूर्णखोप दिगोपनाको अवस्थालाई कायम राख्ने र पाँच वर्ष मुनिका बालबालिकाहरूका लागि नियमित पोषणको अवस्था जाँच गर्ने कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिई आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ।
- आमा सुरक्षा कार्यक्रम अन्तर्गत पूर्ण संस्थागत प्रसूति सेवामा युक्त नगरपालिका दिगोपनाको अवस्था कायम राख्न, सुत्केरी हुने महिलाहरूको लागि निःशुल्क एम्बुलेन्स सेवाको निरन्तरता, सुत्केरी हुने महिलालाई न्यानो झोला वितरण, नगर अस्पतालमा CEONC सहितको प्रसूति सेवा तथा महिलाहरूको पाठेघरको क्यान्सर स्क्रीनिङ्ग कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिईनेछ।
- नगरका सबै स्वास्थ्य संस्थालाई क्रमशः पोषण मैत्री स्वास्थ्य संस्था घोषणा गर्दै पोषण मैत्री बढा र पोषणमैत्री नगरपालिका घोषणा गरिने कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिईनेछ।
- पोषण मैत्री स्वास्थ्य संस्था, वडा तथा कार्यालय हुनका लागि आवश्यक पर्ने भौतिक पूर्वाधारका लागि आवश्यक बजेट व्यवस्थापन गरिनेछ।
- विद्यालयमा अध्ययनरत बालबालिकाहरूको लागि विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम अन्तर्गत पत्रु खाना (Junk Food) नियन्त्रण, किशोरीहरूको लागि आईरन चक्की वितरण र रक्तअल्पता स्क्रीनिङ्ग तथा उपचार कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिईनेछ।
- क्षयरोग मुक्त नेपाल अभियानलाई निरन्तरता दिईनेछ। क्षयरोग नियन्त्रण एवं कुष्ठरोग निवारणको लागि खोजपडताल अभियान तथा स्क्रीनिङ्ग शिविर सञ्चालन गरिनेछ।
- नगरभित्रका स्वास्थ्य संस्थाहरूमा अत्यावश्यक औषधी उपकरणको अभाव हुन नदिन आवश्यक प्रबन्ध गरिनेछ। महामारी, विपद् तथा स्वास्थ्य संकटमा समेत औषधी सामग्री बफर स्टकको व्यवस्था गरिनेछ साथै नगरबासीलाई अझ गुणस्तरिय स्वास्थ्य सेवा पुऱ्याउनका लागि नगर भित्र रहेका निजी स्वास्थ्य संस्थाहरूसँग समन्वय र साझेदारीमा कार्यक्रम अघि बढाईनेछ।
- "गुणस्तरिय स्वास्थ्य सेवा हाम्रो पौरख, सुविधायुक्त बाणगङ्गा अस्पताल नगर के गौरव" भन्ने नाराका साथ बाणगङ्गा नगरपालिकाद्वारा सञ्चालित पिपरा अस्पतालमा विशेषज्ञ सेवा विस्तारका लागि (स्त्री रोग, हाड जोर्नी, आँखा, मानसिक, नाक कान घाँटी, जनरल फिजिसियन) आवश्यक भौतिक पूर्वाधार तथा औषधी उपकरणको लागि कार्यक्रम अघि बढाईनेछ।
- बढ्दो मानसिक स्वास्थ्य समस्या र अस्वस्थकर जीवनशैलीका कारण दिनानुदिन बढ्दै गईरहेको नसर्ने रोगहरू क्यान्सर, मुटु रोग, मृगौला सम्बन्धी रोग र मानसिक रोगको न्यूनीकरणको लागि कृषि उत्पादनमा विषाधी प्रयोग न्यूनीकरण गरी अर्गानिक खानालाई प्रोत्साहन गर्ने नीति अवलम्बन गरिने साथै आध्यात्मिक, योग शिक्षा, व्यायाम र स्वस्थकर खानालाई प्रवर्द्धन गरिनेछ।
- थारु समुदायमा समस्याको रूपमा रहेको सिकल सेल एनेमियाका लागि स्क्रीनिङ्ग टेष्ट गर्ने र निदान भएका विरामीहरूको लागि उपचार सहयोग तथा विमाको कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिईनेछ।
- नगरभित्र बसोबास गर्ने मृगौला पिडित, डायलाईसिस गर्नुपर्ने विरामी र अपरेशनद्वारा सुत्केरी हुने महिलाहरूलाई आवश्यक पर्न सक्ने र रक्तसञ्चार सेवा शुल्क र यातायातको खर्च नगरबाटै व्यहोर्ने व्यवस्था गरिनेछ साथै पेटको क्यान्सर तथा Spinal Injury भएका विरामीको लागि सहयोग सामग्रीको व्यवस्था मिलाईने कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिईनेछ।
- समुदायमा रहेर निस्वार्थ रूपमा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गर्ने म.सा.स्वा.स्व.से.हरूलाई प्रोत्साहन गर्न स्वास्थ्य विमा र हित कोष लगायत विगतको कार्यक्रमहरूलाई निरन्तरता दिने र क्षमता अभिवृद्धिको लागि आधारभूत तथा रिफ्रेसर तालिमको व्यवस्था गरिनेछ।



- नगरभित्र सञ्चालित सम्पूर्ण खोप केन्द्र र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्रहरूको लागि आवश्यक पर्ने भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा र वैकल्पिक चिकित्सा सेवालाई प्रवर्द्धन गर्दै नसर्ने रोग नियन्त्रण तथा स्वस्थकर जीवनशैली यापनका लागि आवश्यक कार्यक्रमको व्यवस्था गरिनेछ ।
- आयुर्वेद औषधालयको स्तरोन्नती, योग ध्यान अभ्यास, पोषण, नागरिक आरोग्य तथा गाउँघर क्लिनिक जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ । नगरभित्र आयुर्वेदको पूर्वाधार विकास गर्दै आयुर्वेदिक औषधीहरूको नियमित उत्पादन तथा सहज वितरणको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- "नगर प्रमुखको अभिभावकत्व, बाल स्वास्थ्यमा अपनत्व" कार्यक्रम अन्तर्गत पूर्णखोप दिगोपनाको अवस्थालाई कायम राख्न र नगरका सबै स्वास्थ्य संस्थालाई क्रमशः पोषण मैत्री स्वास्थ्य संस्था घोषणा गर्दै पोषण मैत्री नगरपालिका घोषणा गर्न आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
- "सर्वाङ्गिण स्वास्थ्य हाम्रो लक्ष्य, गतिशिल विकासमा वडा अध्यक्ष" अभियानलाई प्रभावकारी बनाउन साप्ताहिक/पाक्षिक/मासिक रूपमा "म सफा गर्छु मेरो नगर अन्तर्गत स्वास्थ्य संस्था/ कार्यालय/ विद्यालय" कार्यक्रमलाई स्वास्थ्य संस्था, विद्यालय, टोल विकास संस्था, महिला सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेविका, वडा कार्यालय सम्मिलित सहभागितामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरी सरसफाइ एवं हरियाली प्रवर्द्धन तथा सौन्दर्यीकरण गरिनेछ । टोल विकास संस्था, आमा समूह र महिला सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरूलाई स्वास्थ्य तथा विकास सम्बन्धी सामाजिक व्यवहार परिवर्तन तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
- समुदायमा रहेर निस्वार्थ रूपमा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गर्ने महिला सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरूलाई प्रोत्साहन गर्न स्वास्थ्य विमा र हित कोष लगायत विगतको कार्यक्रमहरूलाई निरन्तरता दिँदै प्रोत्साहन गरिनेछ ।

२) शिक्षा, भाषा, कला तथा साहित्य

- नगरपालिकाको समग्र शैक्षिक उन्नयनका लागि नगर शिक्षा योजना निर्माण, आवधिक योजनामा समग्र शिक्षाको योगदान, नीतिगत सरलीकरण तथा समग्र शिक्षा क्षेत्रको विषयगत सन्तुलनको लागि शैक्षिक सूचक मापन र मूल्याङ्कनलाई संस्थागत गरिनेछ ।
- बालबालिकाको सिकाई वृद्धिका लागि गणित, विज्ञान र अङ्ग्रेजी विषयको उपलब्धि सुधार गर्न मोडल कक्षा सञ्चालनार्थ सम्बन्धित विषय शिक्षक परिचालन गरिनेछ ।
- नगरमा सञ्चालनमा रहेका सबै शैक्षिक संस्थाहरूको समान विकासका लागि सिकाई उपलब्धिमा सुधार गरेका विद्यालयको सुधार हुनाका कारण र विद्यालयले गरेका प्रयासहरूको जानकारी आफू कार्यरत विद्यालयमा योजनाका साथ सुधार गर्ने गरी मनोभावना विकासका लागि शिक्षक अनुभव आदानप्रदान गर्ने, विषय विज्ञताका आधारमा अर्को विद्यालयमा नमुना शिक्षणको थालनी गराइनेछ ।
- विद्यालयमा अध्ययन गर्ने बालबालिका तथा कार्यरत कर्मचारीहरूको आचरण अनुशासन कार्यगत एकताका साथै राष्ट्रप्रति सद्भावको विकासका लागि स्काउट, पिटि तालिम जस्ता कार्यक्रमहरूलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
- नगरमा सञ्चालनमा रहेका सबै शैक्षिक संस्थाहरूको समान विकासका लागि वडागत रूपमा जनप्रतिनिधि, विद्यालयको प्र.अ., विद्यालय व्यवस्थापन समितिका अध्यक्ष, शिक्षक अभिभावक



संघका अध्यक्ष र शिक्षक समेतको संयुक्त शैक्षिक सुधार सम्बन्धी छलफल अन्तर्क्रियाको थालनी प्राप्त सुझावलाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ।

- विपन्न परिवार र कुनै पनि हिंसामा परेका बालबालिकाको शैक्षिक निरन्तरताका लागि छात्रवृत्ति, शैक्षिक सामग्री वितरण अध्ययन सहयोग जस्ता प्रोत्साहन हुने कार्यक्रम ल्याइनेछ।
- किशोरकिशोरीहरूलाई आफ्नो भविष्यको बाटो कोर्न र आफूले निर्वाह गर्नु पर्ने काम कर्तव्य प्रति सहज बनाई असल नागरिक निर्माणमा जोड दिन नगर युवा परिषद्लाई सक्रिय बनाई परिचालन गरिनेछ।
- विद्यालयमा भएको जनशक्ति अभावलाई न्यूनीकरण गर्ने गरी स्वयम् शिक्षकको बैङ्क स्थापना गरी आवश्यकता अनुसार परिचालन गरिनेछ।
- विद्यालयमा अध्ययनरत बालबालिकाको मूल्याङ्कन प्रणालीमा सुधार ल्याउनका लागि परीक्षा मर्यादित, मापनयोग्य, विश्वसनीय र वस्तुनिष्ठताका लागि आधारभूत तहको परीक्षालाई थप व्यवस्थित गरिदै लगिनेछ।
- विद्यालयको शैक्षिक प्रशासन तथा सम्पत्तिको संरक्षणमा निगरानी बढाउने उद्देश्यले सामुदायिक विद्यालयमा सि. सि. क्यामेरा जडान कार्यलाई प्रोत्साहन गर्न सहयोगी संस्थाहरूसँग सहकार्य गरिनेछ।
- विद्यालयमा अध्ययनरत बालबालिकाहरूको स्वास्थ्य अवस्थामा सुधार तथा पोषण सुधारमा जोड दिदै नमुनाको रूपमा सामुदायिक विद्यालयमा नर्स व्यवस्थालाई प्राथमिकताका साथ लागु गर्न पहल गरिनेछ।
- बालबालिकाहरूको बोल्ने बानीको विकास तथा मान्यजनहरूसँग केही अनुभव सिकने सिकाउने बानीको विकासका लागि मेयरसँग विद्यार्थी कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ।
- नगरभित्रका सम्पूर्ण धार्मिक र सांस्कृतिक सम्पदाहरूको सूचीकरण गर्दै बौद्धिक सम्मेलनको आयोजना गर्न पहल गरिनेछ।
- नगरभित्रका लेखक तथा रचनाकारहरूको सूचीकरण गरी उनीहरूबाट सिर्जना भएका लेख, रचनाहरूको सङ्कलन गरी दस्तावेज अभिलेखीकरण गरी ग्रन्थ निर्माण प्रकृया अगाडि बढाईनेछ र उत्कृष्ट लेख रचनाका सर्जककर्ताहरूलाई सम्मान कार्यक्रमको निरन्तरता दिइनेछ।
- नगरभित्र बोलिने विभिन्न भाषा तथा लिपिहरूको खोजी र दस्तावेजीकरणमा जोड दिई भाषा संस्कृतिको संरक्षण गरिनेछ।
- नगरभित्र रहेका पुरातात्विक महत्व बोकेका क्षेत्रहरूको पहिचान गरी सांस्कृतिक संग्रहालयको निर्माणलाई प्राथमिकता दिई संस्कृतिको संरक्षण गरिनेछ।
- विभिन्न धर्म सम्प्रदायहरूको चाड पर्व र मोहत्सवमा सञ्चालन हुने विभिन्न जात्रा / महोत्सवहरू आदिको दस्तावेजीकरणलाई प्राथमिकता दिई नगरबाट हुने सहयोगलाई निरन्तरता दिइनेछ।
- नगरभित्र सञ्चालित पुस्तकालय, वाचनालयहरूको संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्ने र आधुनिक स्मार्ट पुस्तकालय निर्माणको लागि पहल गरिनेछ।
- नगरपालिकाको स्थानीय पाठ्यक्रममा स्थानीय भाषा, संस्कृति, साहित्य र कला समावेश गरी विद्यालयस्तर देखि नै साहित्यिक जागरणलाई प्रोत्साहन गरिनेछ।
- समग्र बाणगङ्गा नगरपालिकाको समृद्धिको लागि स्थानीय कला, संस्कृति साहित्य तथा पुरातात्विक सम्पदाको पहिचान गरी संरक्षण र सम्बर्द्धनमा नागरिक सहभागिता वृद्धि गरिनेछ।



नगरपालिकाभित्र प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा तथा गुणात्मक शिक्षा विकासका लागि आवश्यक शैक्षिक मापदण्ड निर्धारण गरी क्रमशः लागु गरिनुका साथै शिक्षण कार्यलाई सूचना र प्रविधिसँग जोड्न विद्यालयहरूमा डिजिटल सामग्री वितरण कार्यमा पहल गरिनेछ।

- नगरलाई बालमैत्री स्थानीय शासन दीगोपनाको सुनिश्चितताको लागि नियुक्त भएका बालमैत्री सहजकर्ताको भूमिकालाई अझ सशक्त रूपमा आ-आफ्नो वडामा बालबालिका केन्द्रित लगानी योजना अनुरूपका कार्यक्रम सञ्चालन गर्न प्रेरित गरिनेछ।
- विद्यालय कर्मचारी तथा बालविकास केन्द्रका शिक्षकहरूको कार्यमा थप हौसला प्रदान गर्न दिने आएको नगर प्रोत्साहनलाई समयानुकूल वृद्धि गर्दै लगिनेछ।
- विद्यालय दिवाखजामा पत्रुखाना निषेध गर्दै विद्यालयको सेवा क्षेत्रको १०० मिटर भित्र सूर्तिजन्य पदार्थ, मादक पदार्थ लगायत तयारी प्याकेजिङ्ग खाजा निषेध विद्यालय क्षेत्र घोषणा गरिनेछ।
- मेरो विद्यालय मेरो दायित्व कार्यक्रमलाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयनका लागि विद्यालयका पूर्व विद्यार्थीहरूको संलग्नतामा सामुदायिक विद्यालयहरूको समग्र विकासमा सहयोग गरी गुणस्तर सुधार गर्ने वातावरण सृजना गरिनेछ।

३) खानेपानी तथा सरसफाइ

- सरसफाइमा सबैको अपनत्व हुने गरी दिगो, आय तथा रोजगारीमूलक, प्रविधि र वातावरणमैत्री सरसफाइ नीति अबलम्बन गरिनेछ। सार्वजनिक-निजी सहकार्यमा सरसफाइबाट प्राप्त हुने प्रत्यक्ष लाभ स्थानीय समुदायमा पुऱ्याउन स्थानीय संस्थाहरूको नवप्रवर्तन सौँच र सहभागितालाई प्रोत्साहित गराइनेछ।
- नगरबासीलाई स्वच्छ र गुणस्तरीय खानेपानी सेवाको उपलब्धता सुनिश्चित हुनेगरी सेवा प्रदायक संस्थाहरूको नियमित अनुगमन गरिनेछ। खानेपानी र सरसफाइ क्षेत्रका दिगो विकास लक्ष्यहरू हासिल गर्नका लागि संघ र प्रदेश सरकारसँग सहकार्य, अधुरा खानेपानी आयोजनाहरूको निर्माण, मर्मत र सञ्चालन गरी पानीको पहुँच पुराउन आवश्यक पहल गरिनेछ।
- खानेपानी सेवा प्रदायकहरूको क्षमता अभिवृद्धि गर्न लेखा व्यवस्थापन, जिन्सी व्यवस्थापन, खरिद प्रकृया, सफ्टवेयर सञ्चालन, आधारभूत कम्प्युटरमा पहुँच जस्ता तालिमहरू सञ्चालन गरिनेछ।
- खानेपानी सेवा प्रदायकहरूको लागि एकीकृत जनशक्ति व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यविधि निर्माण गर्न र धारा जडान तथा मासिक महसुलमा देखिएको भिन्नतालाई एकरूपता कायम गर्न अनुभवी व्यक्तिहरूसहितको एक अध्ययन टोली गठन गरी जिम्मेवारी दिइनेछ।
- करिब ५०० उपभोक्ता भएका खानेपानी सेवा प्रदायक संस्थाहरूलाई खानेपानी सफ्टवेयर र Water Meter Reader Device उपलब्ध गराई महसुल व्यवस्थापनमा एकरूपता कायम गर्दै लगिनेछ।
- नगरको सरसफाइ व्यवस्थापनको लागि खानेपानी सरसफाइ नगर महासंघसँग विभिन्न पालिकाहरूको ठोस फोहर व्यवस्थापन र सेपटीकको लेदो पदार्थ प्रसोधन सम्बन्धी अभ्यासहरू अवलोकन गराई स्थानीय संस्थाहरूसँगको सहकार्यलाई जोड दिइनेछ।
- विपन्नताको कारणले विद्युत मिटर एवं खानेपानी धारा जडान गर्न नसक्ने परिवारलाई निःशुल्क विद्युत मिटर र खानेपानी मिटर जडान गर्न सम्बन्धित निकायमा आवश्यक पहल एवं अनुदानको व्यवस्था निरन्तरता दिइनेछ।



४) महिला, बालबालिका तथा सामाजिकीकरण

- महिला, किशोरी र अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको संरक्षण, प्रवर्द्धन र रोजगारी निर्माणका लागि कार्यक्रमहरू विनियोजन गरिनेछ।
- स्थानीय तहमा निर्माण गरिने भौतिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक तथा सबै प्रकारका योजनाहरूमा लैङ्गिक, बाल तथा अपाङ्गता मैत्री बनाउनका लागि आवश्यक कार्य गरिनेछ।
- लैङ्गिक तथा घरेलु हिंसा, यौन शोषण लगायत जोखिममा परेका बालबालिका, अपाङ्गता, एकल महिला, यौनिक तथा लैङ्गिक अल्पसङ्ख्यकहरूलाई दृष्टिगत गरी अवसर र हित प्रवर्द्धन सम्बन्धी विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ।
- नगरबाट प्रदान गरिने सेवाहरूमा असहाय, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, ज्येष्ठ नागरिक, गर्भवती सुत्केरी र अशक्तलाई सेवामा अग्रधिकार दिइनेछ।
- युवाहरूमा बढ्दो रूपमा देखिएको लागूपदार्थ दुर्व्यसनीलाई निरुत्साहित गर्न विभिन्न संघ संस्थाहरूसँग समन्वय गरी कार्यक्रमहरू तय गरिनेछ।
- गरिबी न्यूनीकरण र समान सामाजिक विकासका लागि सकारात्मक-विभेदको नीति लिइनेछ।
- मानवीय मूल्य र मान्यतालाई आत्मसात् गरी मानव सभ्यता र संस्कृतिहरूको प्रवर्द्धन गर्दै, सरल जीवन शैली र पद्धतिको धरातलमा बालमैत्री मानवताको सहर बाणगङ्गा नगर बनाउने लक्ष्यकासाथ अभियान तथा कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ।
- आदिवासी, जनजाति, थारु, मुस्लिम, अशक्त तथा विपन्न समुदायलाई लक्षित गरी उनीहरूको उत्थानमा सहयोग पुग्ने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ।
- सबै किसिमका सामाजिक विभेद (जातीय, लैङ्गिक, धार्मिक, भाषिक, सांस्कृतिक) जस्ता विभेदहरूलाई निषेध एवं निरुत्साहित गरिनेछ।
- महिला, आदिवासी जनजाति, दलित लगायतका लक्षित वर्ग र समुदायलाई सशक्तीकरणका माध्यमबाट मूलप्रवाहमा ल्याइनेछ।
- नगरभित्रका अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूका लागि सहायक सामाग्रीको उचित व्यवस्था गरिनेछ।
- श्रमिक महिलाहरूको आवश्यकता र शिशुको स्याहार, पोषणको अवस्थालाई ख्याल गरी कार्यक्रमहरू तय गरिनेछ।
- समाजका अग्रज सम्मानित ज्येष्ठ नागरिकको भूमिका र योगदानलाई उच्च महत्त्व दिँदै प्राथमिकतामा राखिनेछ।
- लैङ्गिक, अपाङ्गता, ज्येष्ठ नागरिकमैत्री, बालश्रममुक्त तथा बालमैत्री नगर बनाउने अभियान सञ्चालन गरिनेछ।
- अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको पुनर्स्थापना र विकासको लागि नगर प्रोफाइल निर्माण गरी लगानी वृद्धि गरिनेछ।
- ज्येष्ठ नागरिकहरूमा रहेको सीप तथा क्षमतालाई अन्तरपुस्ता सीप हस्तान्तरण गर्न आवश्यक व्यवस्था मिलाइनेछ।



५) युवा, खेलकुद तथा नवप्रवर्तन

- खेलकुदलाई संस्थागत गर्न एक वडा एक खेलमैदान, एक खेल विद्या एक खेलमैदानको अवधारणालाई अन्तरनिकाय लगानीमा क्रमशः निर्माण गरिनेछ।
- खेलाडीहरूलाई प्रतिस्पर्धात्मक खेल विकास गर्न सम्मान, प्रोत्साहन तथा संरक्षणको नीति अवलम्बन गरिनेछ।
- विद्यालयमा बालबालिकाहरूका लागि खेल प्रति रुचि जगाइ भविष्यमा खेलकुदको क्षेत्रमा स्तरीय खेलाडी उत्पादनमा सहयोग पुग्ने गरी विद्यालयस्तरमा कार्यरत शिक्षकहरूको क्षमता विकासमा जोड दिइनेछ।
- नगरमा सञ्चालन हुने सबै प्रकारका खेलहरूको नियमन व्यवस्थापन र स्वच्छता कायम गर्नका लागि खेलकुद विकास समितिलाई प्रोत्साहन गरिनेछ।
- नगरबासी युवाहरूको खेलप्रति चाख जगाउन र नगरको खेलकुदको क्षेत्रमा गुणस्तर ल्याउनका लागि विभिन्न खेलकुदहरूको आयोजना गरी राष्ट्रियस्तरका खेलाडी उत्पादनमा योगदान हुने गरी खेलको आयोजना गरिनेछ।
- नविनतम सोचको विकास र प्रयोगमा युवाहरूको लगाव बढाउन नवप्रवर्तन संरक्षण कोषमार्फत युवा प्रतिभा पहिचान गरी नगरपालिकाको चिनारी तथा विकासका गतिविधिमा सहयोग गर्न आवश्यक पहल गरिनेछ।
- विगत देखि आयोजना हुँदै आएका राष्ट्रपती रनिङ्गशिल्ड, मेयर कप फुटबल, डोरी तान प्रतियोगिता जस्ता खेलहरूलाई उच्च प्राथमिकताका साथ निरन्तरता दिँदै खेल प्रति महिलाहरूको रुची र उत्साहलाई आत्मसात् गर्दै नीतिगत व्यवस्था गरी प्रतिस्पर्धात्मक खेलको विकास गर्न उपमेयर कप नगरस्तरीय भलिबल प्रतियोगिता सञ्चालन गरिनेछ।
- नगर प्रज्ञा प्रतिष्ठानलाई अनुसन्धानमूलक कार्यमा लगाइनेछ। त्यसबाट प्राप्त उपलब्धिलाई नगरको समग्र विकासमा आवद्ध गरिनेछ।

६) सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण

- "असहायको साथमा नगरपालिका, घर घरमा सामाजिक सुरक्षा" कार्यक्रम मार्फत पूर्ण अपाङ्ग, अति अशक्त अपाङ्ग तथा अशक्त ज्येष्ठ नागरिकहरूका लागि सामाजिक सुरक्षा भत्ता नवीकरण तथा वितरण बैंकसँगको सहकार्यमा घरमै गई सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरण गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ।
- प्रत्येक वर्षको बैशाख १ गते देखि ७ गते सम्म देशव्यापी रूपमा मनाइने व्यक्तिगत घटना दर्ता सप्ताहलाई सरोकारवाला निकायहरूसँग विभिन्न कार्यक्रम गरी मनाइनेछ।
- "नगर प्रमुखको चासो, व्यक्तिगत घटना दर्ता तथा सामाजिक सुरक्षाको गुनासो" कार्यक्रम मार्फत प्रत्येक महिना नगर प्रमुखबाट व्यक्तिगत घटना दर्ता तथा सामाजिक सुरक्षाको गुनासो सुनुवाइ गरी व्यक्तिगत घटना दर्ता तथा सामाजिक सुरक्षालाई थप प्रभावकारी र पारदर्शी बनाइनेछ र पञ्जीकरण लाभग्राही नगर प्रमुख घर भेटघाट कार्यक्रमको सुरुवात गरिनेछ।
- प्रसुति सेवा सुचारु भएका स्वास्थ्य संस्थाहरूमा Birth Registration System लागु गरी अनलाईन मार्फत जन्म अभिलेख राख्ने व्यवस्था मिलाइनेछ। साथै व्यक्तिगत घटना दर्ता तथा सामाजिक सुरक्षामा संलग्न कर्मचारीहरूको क्षमता अभिवृद्धि गर्न पहल गरिनेछ।



ख) पूर्वाधार विकास:

क) पूर्वाधार विकास:

नगरपालिकाको "दीगो तथा उत्थानशील पूर्वाधार, गुणस्तरीय र भरपूर विकासको आधार" भन्ने उद्देश्यका साथ नगरपालिका विकासको गतिमा अगाडि बढेको छ । सिमित स्रोत र साधनका बावजुत हाम्रा असिमित तर अत्यावश्यक आवश्यकताहरू परिपूर्ति गर्नु पर्ने बाध्यता रहिआएकोले योजना प्राथमिकताको आधारमा कार्यान्वयन गर्नु बाहेक अन्य विकल्प नरहेको व्यहोरा जगजाहेर नै छ तसर्थ तर्पसिलमा उल्लेख भए बमोजिमका नीतिको आधारमा आगामी आ.व.को बजेट तथा कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

१) भवन तथा बस्ती विकास:

- भवन तथा बस्ती विकास सम्बन्धी आधारभूत मापदण्ड र राष्ट्रिय भवन संहिता बमोजिम नयाँ भवन, आवासीय तथा व्यवसायिक भवन निर्माणलाई व्यवस्थित गर्न घरनक्सा पास सम्बन्धी कार्यलाई व्यवस्थित गरिदै लगिनेछ ।
- घर नक्साको कार्यलाई डिजिटलाईजेसन गरी डिजिटलाईज प्रविधिबाट नगर पार्श्व चित्र अद्यावधिक गरिनेछ ।
- घर नम्बरिङ गर्ने कार्यको लागि तथ्याङ्कहरू एकीकृत रुपमा सङ्कलन गरी घर नक्साको अभिलेख गर्ने कार्यलाई विद्युतीय प्रणालीमा रुपान्तरण गरिनेछ ।
- व्यवस्थित सहरीकरणका लागि भवन निर्माण मापदण्डलाई थप प्रभावकारी रुपमा लागु गर्न घरधनी, मिस्त्री, सिकर्मी र डकर्मीहरूलाई चरणबद्धरुपमा निर्माण सम्बन्धी तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
- भवन मापदण्ड लागु हुनु पूर्व सम्पन्न भएका घरको नक्साङ्कन गरी नक्सा नियमित गरिनेछ ।
- नयाँ घर निर्माण दर्ता गरेको २ वर्ष अवधिसम्म भवन सम्पन्न नगरेको खण्डमा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ अनुसार ५ % जरिवाना लिई पुन २ वर्ष म्याद थप हुने प्रावधान रहेको र थप २ वर्ष भित्र सम्पन्नता प्रमाणपत्र नलगेमा थप १०% जरिवाना लिई आंशिक प्रमाण पत्र दिईने व्यवस्थालाई निरन्तरता दिईनेछ ।

२) सडक, पुल तथा यातायात

- "समृद्ध बाणगङ्गाको मूल आधार, आर्थिक सामाजिक रुपान्तरण सहितको पूर्वाधार" लाई अभियानको रुपमा कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- नगरपालिकाको गौरवको रुपमा रहेका योजनाहरूलाई समयमा सम्पन्न गर्न संघ र प्रदेश सरकारसँगको समन्वय र सहजीकरणमा लगानी अभिवृद्धि गरिदै लगिनेछ ।
- "नगर समृद्धिको दीर्घकालिन आधार, फराकिलो र व्यवस्थित सडक पूर्वाधार" भन्ने नारालाई आत्मसात् गर्दै नगरस्तरीय सडकहरूमा क्रमशः सडक हरियाली एवं फूटपाथ निर्माण गरिदै लगिनेछ । रेखाङ्कन भईसकेका वा सञ्चालनमा रहेका सडक बाहेक थप नयाँ सडकका ट्रयाकहरू खोल्न निरुत्साहित गरिनेछ ।
- "हाम्रो सडक हाम्रो सहभागिता, स्तरीय सडक, हाम्रो प्रतिबद्धता" अनुरूप नगर यातायात गुरु योजनाले तोकेको मापदण्ड र प्राथमिकताको आधारमा सडक पूर्वाधारलाई दीगो विकासको लक्ष्य अनुरूप विकास र वातावरणलाई तादात्म्यता कायम गरी पूर्वाधार विकासको कामलाई अगाडि बढाईनेछ ।



- नगरका योजनाहरू सम्पन्न गर्नेको निश्चित संघ, प्रदेश, निजी क्षेत्र, सहकारी, सामुदायिक वन, गैरसरकारी संघ/संस्था र नगरपालिका बीच लागत साझेदारीको नीति अबलम्वन गरी सञ्चालन गरिनेछ।
- सार्वजनिक सम्पत्तिको नियमित मर्मत सम्भार का लागि पूर्वाधार तर्फका योजनाहरू सञ्चालन गर्दा कुल विनियोजित रकमको १ प्रतिशत रकम लागत स्टिमेट तयार गर्दा नै मर्मत सम्भार कोषको लागि छुट्याई लागत ईष्टिमेट तयार गर्ने र भुक्तानी गर्दा उक्त रकम कट्टा गरी "मर्मत सम्भार कोष" मा जम्मा गर्ने व्यवस्था मिलाईनेछ।
- नगरपालिकाभित्र सार्वजनिक पूर्वाधार निर्माण गर्दा महिला मैत्री, बाल मैत्री, अपाङ्ग मैत्री तथा वातावरण मैत्री, भूकम्प प्रतिरोधात्मक र अग्नि सुरक्षात्मक संरचना निर्माण गर्ने विषयलाई प्राथमिकतामा राखी निरन्तरता दिइनेछ।
- पूर्वाधारतर्फ सानातिना टुक्रे योजना भन्दा पुँजी निर्माण हुने खालका योजना निर्माणमा प्रोत्साहन गरिने, लागत ईष्टिमेटको आधारमा बजेट विनियोजन गर्ने व्यवस्था मिलाईनेछ। उपभोक्ता समितिबाट सम्पन्न योजनाहरूलाई जनताको अपनत्व महसुस हुनेगरी समुदायमा नै हस्तान्तरण गर्ने व्यवस्था मिलाईनेछ।
- सार्वजनिक, पर्ति, नदी उकास जस्ता जग्गा अतिक्रमण हुन नदिन एवं अतिक्रमित जग्गा संरक्षण गर्न आवश्यक पहल गरिनेछ।
- संघीय समपूरक, प्रदेश समपूरक, सडक बोर्ड नेपाल, तराई मधेश समृद्धि कार्यक्रम लगायतका लागत साझेदारीमा सञ्चालन गरिने योजनाको लागि आवश्यक बजेटको व्यवस्था मिलाईनेछ।
- पूर्वाधार निर्माणलाई दीगो र भरपर्दो बनाउन नगरभित्र प्राविधिक ल्याव स्थापना गर्ने व्यवस्था मिलाईनेछ।
- उपभोक्ता समिति मार्फत सञ्चालन गरिने योजनाहरूलाई प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन गर्न टोल विकास संस्था र उपभोक्ता समितिका पदाधिकारीहरूको क्षमता विकास सम्बन्धी तालिम सञ्चालन गरिने र उपभोक्ताको तर्फबाट व्यहोर्नु पर्ने १० प्रतिशतको लागत सहभागितालाई निरन्तरता दिइनेछ।
- आ.व. २०८१/०८२ मा स्वीकृत ब्राण्ड बाणगङ्गा बिलिभ बाणगङ्गा कार्यात्मक रणनीतिलाई निरन्तरता दिदै नगरका गौरवका आयोजना क्रमशः पुरा गरी बाणगङ्गालाई ब्राण्डको रूपमा अगाडी बढाउने नीतिलाई निरन्तरता दिइनेछ।

३) जलश्रोत, उर्जा तथा स्वच्छ उर्जा

- उन्नत एवं सुधारिएको चुल्होको प्रयोगमा बढावा दिदै नवीकरणीय उर्जाको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिदै लगिनेछ।
- प्राकृतिक स्रोत अन्तर्गत जलस्रोतको उपयोग तथा संरक्षण गर्न सामुदायिक वनसँगको समन्वय एवं लागत साझेदारीमा जलाशययुक्त पोखरी निर्माण, नगरभित्र रहेका सार्वजनिक एवं निजी पोखरीहरूको संरक्षण एवं सम्बर्द्धनमा जोड दिइनेछ।
- भरपर्दो सिंचाई प्रणालीको दिगो व्यवस्थापनको लागि अन्तरनिकाय समन्वयमा लगानी अभिवृद्धि गर्दै लगिनेछ।
- "प्लाष्टिक झोला मुक्त नगर" बनाउन बैकल्पिक झोला उत्पादनमा जोड दिइनेछ।



- उज्यालो नगर कार्यक्रम अन्तर्गत सडक बत्ती राख्ने र जडित सडक बत्तीको मर्मत गर्ने कार्यलाई निरन्तरता दिइनेछ ।

४) सूचना तथा सञ्चार प्रविधि

- नगरपालिकाले सूचना प्रविधिमाफत सेवा प्रवाहमा पारदर्शिता, शीघ्रता र उत्तरदायित्व वृद्धि गर्ने नीति अबलम्बन गरिनेछ ।
- सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रभावकारी प्रयोगबाट पर्यटन क्षेत्रको समग्र विकासमा लगानी गर्न आवश्यक उपायहरु अबलम्बन गरिनेछ ।
- नगरका मुख्य स्थानहरुमा स्थान जानकारी पाटी Location Information Board तथा GIS Map सहितको बोर्डको व्यवस्था गरिनेछ ।
- जनचेतना अभियान, सार्वजनिक निर्देशन तथा पर्यटन प्रवर्द्धन जस्ता कार्यका लागि नगरका मुख्य मुख्य चोकहरुमा डिजिटल डिस्प्ले बोर्डको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- निजी क्षेत्रसंगको सहकार्यमा प्रमुख पर्यटकीय गन्तव्यहरुमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको उपलब्धता सुनिश्चित गरिनेछ ।
- सूचना प्रविधिबाट हुन सक्ने विभिन्न साईबर अपराध बारे सचेतनाका लागि साईबर सुरक्षा शिक्षा प्रदान गरी समग्रमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोगकर्तालाई सक्षम बनाउन विशेष कार्यक्रम तर्जुमा गरिनेछ ।
- जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारीहरुलाई सूचना प्रविधिमैत्री बनाई सेवा प्रवाहलाई छिटो छरितो बनाउन कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
- नगरभित्र सि.सि.टि.भी. क्यामेराहरुको क्षेत्र थप विस्तार गरी नागरिकको जिउधनको सुरक्षाको प्रत्याभूति गराउन सुरक्षाकर्मीहरुसँगको समन्वयमा व्यवस्थापन गरिनेछ ।
- जनतालाई प्रत्यक्ष पालिकाको अनुभूति हुने गरी एकीकृत पोर्टल सञ्चालनमा ल्याइनेछ । एकीकृत पोर्टलमा पालिकाबाट प्रदान गरिने सम्पूर्ण सेवाहरु एकीकृत रुपमा दिइनेछ ।
- शैक्षिक गुणस्तर अझ प्रभावकारी र प्रविधि मैत्री बनाउन बालबालिकाको सिकाइलाई प्रभावकारी बनाउनका लागि E-Library, Education Portal को विकासका लागि आवश्यक प्रबन्ध गरिनेछ । विद्यालयको शैक्षिक अवस्था र विद्यार्थीहरुको शैक्षिक क्रियाकलापलाई व्यवस्थित गर्न नगरपालिका र विद्यालय बीच समन्वय गर्ने प्रणाली विकास गरी शैक्षिक गुणस्तरलाई नियमन र सुधार गर्न थप-प्रबन्ध मिलाइनेछ ।
- नगरपालिकाभित्र सञ्चालित सञ्चार गृहहरु टेलिभिजन, एफ.एम. रेडियो, पत्रपत्रिका र अनलाइन पत्रिकाहरुको संरक्षण तथा सम्बर्द्धनका लागि आवश्यक नीति अवलम्बन गरिनेछ ।
- नगरपालिकाभित्र क्रियाशील पत्रकार वर्गको सेवा विस्तार, गुणस्तरीयता कायम र सेवा निरन्तरताका लागि आवश्यक प्रविधि सहयोग तथा समयसापेक्ष सीप विकास तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।
- नगरपालिकाको समग्र गतिविधि नागरिकसमक्ष सूचनाको रूपमा सम्प्रेषण गर्न नगर प्रमुख, पत्रकार पाक्षिक अन्तरक्रिया सञ्चालन गरिनेछ ।

ख) सुशासन तथा संस्थागत विकास:



सेन, नियमावली, कार्यविधि, निर्देशिका, मापदण्ड, योजना तर्जुमा, करहरूको दर निर्धारण, सार्वजनिक सुनुवाई, वार्षिक तथा अर्धवार्षिक समीक्षा जस्ता कार्यक्रमहरूमा नागरिक सहभागितालाई वृद्धि गर्दै लगिनेछ।

- जनताका दैनिक कार्यसम्पादनमा देखिने अन्यौल्ला हटाउन र सिफारिस सम्बन्धी सेवाहरूलाई प्रभावकारी बनाउन अन्तरनिकाय समन्वयलाई जोड दिँदै सिफारिसको कार्यान्वयन गर्ने निकासहरूसँग सेवा सरलीकरणको लागि सहकार्य गर्दै लगिनेछ।
- सेवालाई प्रभावकारी बनाउन जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारीहरूको क्षमता विकासका कार्यक्रम सञ्चालन गर्दै लगिने र सो को लागि नगरको क्षमता विकास योजनालाई अद्यावधिक गर्दै लगिनेछ।
- सुशासनको महत्त्वपूर्ण अङ्गहरू, जवाफदेहिता तथा विधिको शासन कायम, सेवा प्रवाहमा पारदर्शिता, नागरिकको सूचनामा पहुँच, सूचनाको हकको कार्यान्वयन जस्ता कार्यलाई प्रभावकारी बनाउन सार्वजनिक सूचना प्रकाशन, अर्ध वार्षिक तथा वार्षिक समीक्षा, सुझाव सङ्कलन, सरोकारवालाहरूसँग अन्तर्क्रिया, सार्वजनिक सुनुवाई जस्ता कार्यक्रमहरूलाई अझ बढी प्रभावकारी बनाउँदै लगिनेछ।

जनशक्ति व्यवस्थापन, सङ्गठन तथा क्षमता विकास

- जनसंख्या वृद्धि सँगै नगर तथा वडाको कार्यचाप बढ्दै गईरहेकोले सेवा प्रवाहमा सरलीकृत गर्न स्वीकृत सङ्गठन तथा व्यवस्थापन सर्भेक्षण प्रतिवेदन अनुसार मानव संसाधन व्यवस्थापन गर्दै लगिनेछ।
- नगरपालिकामा रहेका मेशिनेरी औजार तथा सञ्चार उपकरणलाई स्तरीकरण गरी आवश्यकताको आधारमा थप यान्त्रिकरण गरिने नीति अवलम्बन गरिनेछ।
- जनशक्ति विकासका लागि जनशक्ति विकास योजनालाई अद्यावधिक गर्दै लगिनेछ। सबै क्षेत्रका सेवा प्रवाहलाई सञ्जालीकरण गर्दै सूचना प्रविधिमा आबद्ध गरिनेछ।
- नगर प्रहरीहरूलाई समयानुकूल व्यवस्थापन गर्न उनीहरूको क्षमता अभिवृद्धि तथा तालिमको व्यवस्थापन गर्दै ब्यारेक प्रणालीमा व्यवस्थापन गर्दै लगिनेछ।
- नगरपालिका भित्रको भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक तथा पूर्वाधारजन्य स्थितिको यथार्थ अवस्था झल्किने गरी खण्डीकृत तथ्याङ्क, सम्पूर्ण चल अचल सम्पत्ति लगायतका विवरणहरूलाई संघीय एकीकृत तथ्याङ्क व्यवस्थापन प्रणालीमा आबद्ध गरिनेछ।

१) नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन:

- कानून निर्माणको कार्यलाई दीर्घकालिन र प्रकृत्यालाई प्रभावकारी बनाउन सम्बन्धित क्षेत्रका विज्ञहरू परिचालन गरिनेछ।
- बाणगङ्गा नगरपालिकाको न्यायिक समितिमा नगरबासीको पहुँच स्थापित गर्दै स्थानीय विवादहरूलाई मेलमिलापकर्ता एवं मध्यस्थकर्ता मार्फत समाधान गर्न प्रत्येक वडामा गठन भएका मेलमिलाप केन्द्रलाई थप व्यवस्थापन गरी मेलमिलापकर्ताहरूको क्षमता विकासको लागि विशेष अनुशिक्षण तथा तालिम दिई न्याय सम्पादनलाई छिटो छरितो बनाईनेछ।
- न्यायिक समितिमा पर्न आएका उजुरीहरू नियमित फछौट हुने गरी न्यायिक समितिको कामलाई प्रभावकारी बनाउन न्याय सम्पादनलाई प्रविधि मैत्री बनाउँदै लगिनेछ।



वित्तीय अनुशासन र सार्वजनिक जवाफदेहीता कायम गर्न र सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनलाई थप प्रभावकारी बनाउनका लागि यस सम्बन्धी विभिन्न कानून, नियम, कार्यविधि, निर्देशिका र मापदण्ड तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिनेछ, यस कार्यका लागि दाताहरूसँग आवश्यक समन्वय गरी प्राविधिक सहायता लिइनेछ।

२) योजना अनुगमन तथा विकास व्यवस्थापन

- नगरपालिकाको पञ्चवर्षीय योजनाको मध्यावधि मूल्याङ्कन गरी वार्षिक बजेट मध्यमकालीन खर्च संरचना (MTEF) मा आबद्ध गरी कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ।
- नगरपालिकाभित्रका महत्त्वपूर्ण योजनाहरूको प्रोजेक्ट बैंक निर्माण गरी क्रमशः कार्यान्वयन गरिनेछ।
- नगरपालिकाको स्वीकृत नीति, कार्यक्रम तथा बजेट एकद्वार प्रणाली अन्तर्गत योजना अनुगमन तथा प्रशासन शाखाबाट कार्यान्वयन गरिनेछ।
- नगरपालिकाभित्र रहेका विभिन्न संघ संस्था, समिति, समूह, क्लब लगायत सम्पूर्ण सङ्गठित संस्थाहरूको विवरण सहितको प्रोफाइल निर्माण गरी क्षमताका आधारमा नगरको समग्र विकासमा परिचालन गरिनेछ।
- समग्र बजेट तथा योजनालाई खरिद योजना, कार्यान्वयन योजना, खरिद गुरुयोजना तथा मध्यमकालीन खर्च संरचनामा आबद्ध गरी दिगो विकासका लक्ष्य, लैङ्गिक बजेटका सूचकहरू कार्यान्वयन हुने गरी स्थानीयकरण गरिनेछ।
- योजना अनुगमन तथा विकास व्यवस्थापनलाई थप प्रभावकारी बनाउन बाह्य अनुगमन प्रणालीलाई संस्थागत गरिनेछ।
- विभिन्न संघसंस्था, निकाय, वन समूह, सहकारी तथा अन्य सरोकारवालाहरूबाट भौतिक पूर्वाधारजन्य कार्य गर्दा नगरपालिकासँग लागत साझेदारी तथा पूर्व स्वीकृतमा कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्न संस्थागत व्यवस्था गर्ने नीति अबलम्बन गरिनेछ।

ग) आर्थिक विकास

१) कृषि विकास

- कृषिमा उत्पादकत्व वृद्धि गर्न कृषि कार्यमा सुधार, बजारीकरण, यान्त्रिकीकरण, एकीकृत वैज्ञानिक कृषि प्रणाली लागु गर्दै करार, सहकारी तथा सामुहिक खेतीलाई प्रोत्साहन गरिनेछ।
- कृषियोग्य जमिनमा सिँचाईको पहुँच पुऱ्याउन कृषकहरूसँगको लागत साझेदारीमा साना सिँचाई, स्यालो ट्युबेल, सतह सिँचाई, पोखरी तथा ताल तलैया मर्मत तथा विस्तार गरी सिँचित क्षेत्रफलको विस्तार गरिनेछ।
- धान, गहुँ, मकै, दलहन र तेलहन जस्ता अन्नबाली एवम् विभिन्न नगदे बालीहरूको उन्नत बीउ एवम् कृषि यन्त्र वितरण लगायतका कार्यक्रमहरूलाई निरन्तरता दिइनेछ।
- कृषकहरूलाई सहज, सुलभ तथा प्रभावकारीरूपमा प्राविधिक सेवाको पहुँच पुऱ्याउन डिजिटल कृषि प्राविधिको प्रयोगलाई निरन्तरता दिइनेछ।
- कृषि सामाग्रीमा अनुदान तथा सहयोग गर्ने, कृषि उत्पादनको बजारीकरण गर्न आमदानीको बचत गर्नेसम्मका कार्यको सुनिश्चितता हुने गरी सहकारी संस्थाहरूको सबलीकरणमा जोड दिइनेछ।
- कृषिजन्य उत्पादन वृद्धि गरी आयात प्रतिस्थापन तथा निर्यात प्रवर्द्धनका लागि "एक वडा एक उत्पादन" को अवधारणालाई प्रोत्साहन गर्दै लगिनेछ।



- कृषक समूह/सहकारी तथा निजी क्षेत्रको साझेदारीमा प्राङ्गारिक मल उद्योग स्थापना गरिने छ ।
- उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्न, कृषकहरूलाई आफ्नो पैसा प्रति व्यवसायिकताको विकास गर्न मापदण्डको आधारमा "उत्कृष्ट कृषक सम्मान" कार्यक्रमको लागि आवश्यक बजेटको व्यवस्था गरिनेछ । साथै किसान सूचीकरणको कार्यलाई समेत निरन्तरता दिइनेछ ।
 - प्रदेश तथा संघीय सरकारको समन्वय र सहकार्यमा निर्माणाधीन कृषि उपज सङ्कलन केन्द्रको निर्माण कार्यलाई प्राथमिकताका साथ अगाडि बढाइनेछ ।
 - नगरपालिकाभित्र कृषक, समूह र सहकारीद्वारा उत्पादित बीउलाई नगरपालिकाले नै खरिद गरी कृषकहरूलाई नै वितरण गरिने कुरालाई प्राथमिकता दिइनेछ ।
 - कृषि क्षेत्रको विकासको लागि माटो अनुकुल बनाउन माटो परीक्षणको आवश्यक व्यवस्था मिलाइनेछ । साथै माटो सुधारको लागि कम्पोष्ट मल, हरियो मल, गोठमल एवं गड्यौले मल प्रयोगको लागि प्रोत्साहन गरिनेछ ।
 - कृषकहरूलाई व्यवसायिक कृषि सम्बन्धी आधारभूत तथा विशेष तालिमको प्रबन्ध गरिनेछ ।
 - रैथाने प्रजातिका बाली संरक्षणको लागि आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने साथै बीउ बैङ्कको अवधारणा अगाडि बढाइनेछ ।
 - स्थानीय उत्पादनलाई प्रवर्द्धन गर्नको निमित्त सहकारी संस्थाहरूसँग साझेदारी गरी "कोशेली घर" सञ्चालनको लागि आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
 - बीउ प्रतिस्थापन दर बढाउनका लागि धान, मकै तथा गहुँ एवं तरकारीजन्य बीउ उत्पादनका कार्यक्रम सञ्चालन गरी नगरलाई कृषि उपजमा आत्मनिर्भर कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
 - कृषि सम्बन्धी ज्ञान तथा सीप हासिल गरेका नगरमै कृषि पेशामा संलग्न हुन चाहने युवा तथा व्यवसायिक कृषकहरूको लागि मागमा आधारित व्यवसायिक कृषि विकास कार्यक्रम सञ्चालन गरी आय आर्जनमा जोड दिइनेछ ।
 - बढ्दो विषादी प्रयोगबाट मानव तथा पर्यावरणमा परेको नकारात्मक असर न्यूनीकरण गर्न विषादी सचेतनाका कार्यक्रम /कृषक पाठशाला सञ्चालन गरी अर्गानिक उत्पादनतर्फ जोड दिइनेछ ।
 - कृषि, पशुपंछी तथा जडीबुटी बीमा सम्बन्धि कार्यक्रमलाई कृषक समक्ष पुऱ्याउन आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
 - खाद्य पोषण सुरक्षाको लागि "धरधरमा करेसावरी, भान्सामा ताजा तरकारी" को अवधारणालाई प्रोत्साहन गर्दै तरकारीको सिडकिट बितरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
 - कृषकहरूलाई कृषि पेशाका आकर्षित गरी व्यवसायिक खेती बिस्तारको लागि प्रमुख बालीवस्तुमा प्रतिफलमा आधारित प्रोत्साहन अनुदान कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
 - माहुरी पाल्न इच्छुक कृषकहरूलाई तालिम एवं अनुदानमा माहुरीका गोला घर वितरण कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिइनेछ । सम्भावना भएका क्षेत्रमा उत्पादन वृद्धि गर्न मौरी, तरकारी, च्याउ जस्ता उत्पादनमा क्लष्टर छुट्टाइ कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
 - नगरभित्रका साप्ताहिक हाटबजारलाई व्यवस्थित गर्दै कृषकहरूका आफ्ना उत्पादनलाई सोझै बजार पहुँचका लागि "बिक्री कक्ष" स्थापनाका लागि पहल गरिनेछ ।
 - कृषकलाई प्रतिस्पर्धी तथा व्यवसायिक गराउन कृषि मेला, कृषक भ्रमण, प्रदर्शन, तालिम तथा गोष्ठी कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने ।



- खाद्य अधिकार तथा खाद्य प्रणाली सम्बन्धी आवश्यक ऐन, नियम र कार्यविधि निर्माण तथा कार्यान्वयन गरी नगरबासीको खाद्य अधिकार तथा पहुँचलाई सुनिश्चित गर्दै लगिनेछ ।

२) पशुपन्छी विकास

- गाई/भैसीहरूको नश्ल सुधार गर्न कृत्रिम गर्भाधान सेवाको कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।
- पशुपन्छी बिमामा थप अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।
- पशुहरूको पोषणको लागी मौसम अनुसार उन्नत घाँसखेतीको विस्तार गरिनेछ ।
- पशुपन्छीहरूको उपचार, प्रयोगशाला तथा स्थलगत परजीवि नियन्त्रण कार्यक्रमहरूलाई निरन्तरता दिइनेछ ।
- पशु वस्तुहरूमा भ्यागुते/चरचरे / खोरेत / रेबिज तथा पि.पि.आर.रोग बिरुद्धको खोप निःशुल्क उपलब्ध गराउने ।
- पशुहरूमा लाने महामारी तथा जुनोटिक रोगहरूको नियमित अनुगमन/सर्भेलेन्स गरी रोग नियन्त्रण गरिनेछ ।
- व्यवसायिक तथा साना पशुपालक कृषकहरूलाई पशुजन्य पदार्थहरूको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गराउन दुधमा अनुदान, गोठ/खोर सुधार, यान्त्रिकीकरण खरिदमा ५० प्रतिशत अनुदानको कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिइनेछ ।
- पशुपन्छी बिमाको प्रिमियममा ५० प्रतिशत अनुदानको कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिइनेछ ।
- सहकार्यमा डेरी पसल, मासु पसल, दुग्ध सङ्कलन केन्द्र तथा दुग्ध सहकारी संस्थाहरूको सुधारमा सहयोग गरिनेछ ।
- पशुजन्य पदार्थ (दुध/मासु/अण्डा) मा नगरलाई आत्मनिर्भर गराउन पशुपालन क्षेत्रको व्यवसायीकरणमा जोड दिइनेछ ।
- यस नगरमा सञ्चालित तराई परियोजना संस्था सँग सहकार्य गरी साना किसानहरूको पशुपन्छी विकासको लागि कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।
- पशुपन्छी तथा मत्स्य तथ्याङ्कलाई अद्यावधिक गरिनेछ ।
- पशुपालक कृषकहरूको क्षमता विकासलाई निरन्तरता दिइनेछ ।
- निजी क्षेत्रमा कार्यरत पशु स्वास्थ्य कर्मी, पशु सेवासँग सम्बद्ध उद्योग व्यवसाय (फर्म, पसल, क्लिनिक, दाना) आदिको नियमन गरिनेछ ।
- सञ्चालित कार्यक्रमहरूको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनबाट उक्त कार्यक्रमको असर र प्रभावको मूल्याङ्कनमा जोड दिई आवश्यक सुधारको व्यवस्था मिलाइने छ ।

३) सिँचाई

- उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्न बाँझो जग्गा नराख्ने नीति अबलम्बन गर्दै भूमिगत सिँचाई प्रणालीलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।
- पानीको मुहान सिंचित जमिनको अवस्थालाई हेरी लिफ्ट सिँचाई, डिप-बोरिङ्ग, स्यलो-ट्यूबवेल प्रणालीबाट कृषि योग्य जमिन सिँचाईलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।
- परापूर्वकाल देखि चलि आएका कुला तथा नहरहरू संरक्षण र पूर्ण निर्माणमा जोड दिइनेछ ।
- लागत साझेदारीमा सिँचाई संरचना निर्माण तथा मर्मत सम्भारको कार्यलाई निरन्तरता दिइनेछ ।



उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय

- समग्र नगरपालिकाको उद्योग व्यापार तथा व्यवसायको तथ्याङ्क अद्यावधिक गरी औद्योगिक प्रोफाइल निर्माण गरी लागत सहभागित वृद्धि गरिनेछ ।
- साना तथा घरेलु उद्योग सञ्चालन र संरक्षणमा विशेष नीति अवलम्बन गरिनेछ ।
- साना व्यवसायहरूलाई संरक्षण गर्न व्यवसाय सञ्चालनको वातावरण सुनिश्चित गर्दै दिगो व्यवसाय सञ्चालनमा निजी क्षेत्रसँग सहकार्य गर्ने नीति अवलम्बन गरिनेछ ।
- संघ र प्रदेश सरकारको समन्वयमा औद्योगिक कोरिडोरको परिकल्पना गरी ठूला उद्योग तथा व्यवसायलाई नगरपालिका क्षेत्रमा व्यवसाय सञ्चालन गर्न उचित वातावरण सिर्जना गरिनेछ ।
- लक्षित कार्यक्रम अन्तर्गत सञ्चालन गरिने विभिन्न किसिमका तालिमहरू मध्ये अभिमुखिकरण, PRA, उद्यमशीलता तथा नयाँ उद्यमी सिर्जना तर्फ नयाँ उद्यमीलाई प्राविधिक सिप विकास तालिम, पुरानो उद्यमीलाई एडभान्स स्तर उन्नती तालिम, तालिम लिएकालाई प्रविधि (मेसिन) लघुवित्तमा पहुँच तथा बजारीकरण सम्बन्धमा उत्पादकत्व वृद्धि गरी उद्यमीहरूको स्तरमा उपलब्धमूलक गरिबी निवारणका लागि लघुउद्यम विकास कार्यक्रम (मेडपा) द्वारा गरिनेछ ।
- निर्माण सेवा, उत्पादन सेवाका कार्य गर्दा स्थानीय उत्पादन प्रयोग गर्न जोड दिइनेछ ।
- साना उद्योग, काष्ठ कला, मुर्तिकला र रैथाने सीपको सीप विकास गरी उत्पादकत्व वृद्धि र बजारीकरणमा जोड दिइनेछ ।

५) पर्यटन तथा संस्कृति

- नगरपालिकाको समग्र पर्यटन विकासलाई मध्यनजर गरी निर्माण भएको पर्यटन विकास गुरुयोजना बमोजिम बाणगङ्गा सर्किट घोषणा गरिनेछ ।
- पर्यटन क्षेत्रको समग्र विकासमा कृषि पर्यटन र धार्मिक पर्यटन तथा पर्यापर्यटनलाई प्राथमिकता दिई आन्तरिक रोजगारी श्रृजना गरिनेछ ।
- नगरपालिकाभित्र परापूर्वकाल देखि चलिआएका सांस्कृतिक धार्मिक परम्परालाई दस्तावेजीकरण गर्दै नगरपालिकाको सांस्कृतिक प्रोफाइल निर्माण गरिनेछ र नगरपालिकाभित्र प्रविधि सम्पन्न सांस्कृतिक सङ्ग्रहालय निर्माण गरिनेछ ।
- आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटन वृद्धि समग्र पर्यटन क्षेत्रको विकास र बजारीकरणको लागि नगरपालिकामा पर्यटन सूचना केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।

६) भूमि, व्यवस्था

- स्थानीय स्तरमा भूमि वर्गीकरणको आधारमा भू-उपयोग योजना तयार भई सकेको हुदा नक्सा तथा पुर्जाको अद्यावधिक गरी डिजिटल पुर्जाहरू बितरण गरिनेछ ।
- अनियन्त्रित बसाइ सराई, कृषि योग्य भूमि संरक्षण र सहरी विस्तारलाई व्यवस्थित गरिनेछ ।
- भूमिहिन दलित, भूमिहिन सुकुम्बासी तथा अव्यवस्थित बसोबासीहरूलाई जग्गाको नाप नक्साङ्कन गरी जग्गाधनि प्रमाण पुर्जा बितरण गरिनेछ । (Landless Squatters Resettlement Program)
- अति जोखिम, जोखिम युक्त क्षेत्रहरू छुट्टाई सो क्षेत्रहरूको व्यवस्थापन गर्न योजना बनाइनेछ ।



जग्गाको लिखत पास गर्दा हुने झन्डट कम गर्न भू-सेवा केन्द्रको सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।

डिजिटल भूमि व्यवस्थापन अन्तर्गत भूमि र जग्गाको डिजिटल म्यापिङ (GIS प्रविधि प्रयोग) गरिनेछ ।

- सार्वजनिक जग्गाको अतिक्रमण रोक्न सो जग्गाहरूको नक्साङ्कन गरि संरक्षण गरिनेछ ।

७) सहकारी तथा वित्तीय सेवा

- सहकारी संघ/संस्थाहरूको लागत सहभागीतामा सीप विकास तथा उद्यमशिलता उन्मुख स्वरोजगारीका लागि व्यवसायिक तालिम कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
- सहकारीसँगको साझेदारीमा स्थानीय उत्पादनको सहकारी बजार तथा कोशेली घर मार्फत बजारीकरणमा जोड दिईनेछ ।
- बाणगङ्गा नगरक्षेत्र भित्रका सहकारीको नियमन, प्रवर्द्धन र विकासका लागि आवश्यक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।
- बाणगङ्गा नगरक्षेत्रभित्र रहेका सहकारीहरूलाई समुदायमा वित्तीय पहुच, सशक्तिकरण, नेतृत्व विकास, क्षमता विकास, सामाजिक एकीकरण, उद्यमशिलता प्रवर्द्धन र गरिबी न्यूनीकरण गर्दै लैजान सहयोग समन्वय र सहकार्यमा जोड दिईनेछ ।

८) श्रम, रोजगार तथा गरिबी निवारण

- एकीकृत श्रम तथा रोजगार सेवा सञ्चालन तथा व्यवस्थापन कार्यविधि, २०८० बमोजिम रोजगार सेवा केन्द्रको सञ्चालन तथा व्यवस्थापनलाई थप प्रभावकारी बनाउन रोजगार सेवा केन्द्र मार्फत सञ्चालन हुने कार्यक्रम तथा रोजगारी सिर्जनाको लागि आवश्यक बजेट साझेदारी गरिनेछ । साथै, संघ तथा प्रदेशले ल्याएको रोजगारमूलक कार्यक्रममा अपनत्व कायम गदै रोजगारीका क्षेत्र विस्तार गरिनेछ ।
- बेरोजगार व्यक्तिहरूको तथ्याङ्क सङ्कलन तथा विश्लेषण गरी रोजगार सूचना व्यवस्थापन प्रणालीमा बेरोजगारको सूची अद्यावधिक र व्यवस्थित गरिनेछ । दर्ता भएका बेरोजगार व्यक्तिहरूलाई न्यूनतम रोजगारीको प्रत्याभूति गर्नका लागि कामका लागि पारिश्रमिकमा आधारित सामुदायिक श्रममूलक योजना कार्यान्वयन गरी समुदायको विकास संगै सामाजिक संरक्षणको प्रत्याभूति गराइनेछ ।
- स्थानीयस्तरमा रोजगारीको प्रवर्द्धन गर्न र बेरोजगारीलाई न्यूनीकरण गर्न श्रमिक धेरै लामो नगरपालिका स्तरीय उप-आयोजनाहरूमा कम्तीमा ५० प्रतिशत श्रमिक रोजगार सेवा केन्द्रमा सूचीकृत बेरोजगारहरूलाई प्राथमिकतामा राखी कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- रोजगार रणनीतिलाई अद्यावधिक गरि नगरपालिकाभित्र उपलब्ध रोजगारीका अवसरहरूको पहिचान तथा व्यवस्थापन गरी वैदेशिक रोजगारीवाट फर्किएका रिटर्नी युवाहरूलाई उनीहरूको सीप, पूँजी, अनुभव र क्षमतालाई स्थानीय स्तरमै प्रयोग गर्न आवश्यक कियाकलाप सञ्चालन गरिनेछ ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाने व्यक्तिहरूको लागि श्रम स्वीकृत, पुनः श्रम स्वीकृति, वैदेशिक रोजगार सम्बन्धी कार्य (खोज तथा उद्धार, मृतकको शव झिकाउने, निःशुल्क शव ढुवानी, क्षतिपूर्ति, पारिवारिक स्वास्थ्य उपचार र विरामी अङ्गभङ्गलाई प्रभावकारी तरिकाले कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- आन्तरिक रोजगारी सिर्जना गर्न युवा पुस्ताको नवीन सोच र प्रविधिप्रतिको आकर्षणलाई मध्यनजर गदै तालिम केन्द्रहरू तथा विज्ञहरूसँगको समन्वयमा व्यवसायिक तालिम सञ्चालन गरी बेरोजगार व्यक्तिलाई दक्ष जनशक्तिको रूपमा विकास गरी स्वरोजगार बन्न उत्प्रेरित गरिनेछ । साथै



रोकारवाला निकाय र निजी क्षेत्रसँग सहकार्य र समन्वयमा जोड दिएर युवा तथा शैक्षिक बेरोजगारलाई प्राथमिकतामा राखी स्वरोजगारमूलक कार्य गर्न प्रोत्साहित गरिनेछ ।

- श्रमको सम्मान राष्ट्रको अभियानलाई अवलम्बन गर्ने बाणगङ्गा नगरपालिकाद्वारा सञ्चालन हुने औपचारिक क्षेत्रका उप-आयोजनाहरूमा "समान काम, समान ज्याला" को सुनिश्चितको व्यवस्था मिलाइनेछ । साथै, नगरपालिकाबाट सञ्चालन हुने जुनसुकै आयोजनाहरूमा श्रमिकहरूको कार्यस्थलको स्वास्थ्य सुरक्षा, बिमा, छुट्टी तथा समुचित पारिश्रमिकको सुनिश्चित गर्नका लागि कानूनी व्यवस्था गरी उचित कामकाजी अवस्था सुनिश्चित गरिनेछ ।
- प्राविधिक विद्यालयमा स्थानीय बजारमा चलिरहेका रोजगारका अवसरसँग मेल खाने सीप सिकाउने व्यवस्था गर्नुका साथै पढ्दै र कमाउँदै" कार्यक्रम सञ्चालन गर्न पहल गरिनेछ । साथै, स्थानीय बजारको आवश्यकता र प्रवृत्तिहरूसँग मेल खाने प्रविधिको उपयोग गरेर कार्यस्थलको उत्पादनशीलता बढाउन प्रेरित गरिनेछ ।

घ) वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन

१) वन, भू-संरक्षण तथा जैविक विविधता

- दिगो वन व्यवस्थापनमा आधारित वन सम्बर्द्धन एवं वन पैदावार उत्पादन वृद्धि गरी आन्तरिक आपूर्ति, रोजगारी सृजना र उद्यमशिलता विकासमा जोड दिइनेछ ।
- वनस्पति उद्यान व्यवस्थापन र जडिबुटी स्रोतको संरक्षण, विकास र उपयोग गरिनेछ । सामुदायिक वनमा रहेको पुँजीलाई स्थानीय विकासको अभियानमा लगानी गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।
- नदिजन्य स्रोतको उत्खनन, प्रशोधन तथा व्यापार जस्ता क्रियाकलाप सञ्चालनमा अन्तरनिकाय समन्वयात्क शैलीको महत्तम उपयोग गरिनेछ । पूर्वाधार निर्माणमा सामाग्री अभाव हुन नदिने गरी नदीजन्य स्रोत परिचालन गरिनेछ ।
- कृषकहरूको सुविधालाई प्राथमिकतामा राखी सिंचाइ प्रणालीको पुनरस्थापना गरिनेछ । जलस्रोतको दिगो उपयोग, भूमिगत जल पुनर्भरण, ताल तलैया संरक्षण र जलाशय निर्माण एवं सरक्षणका कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
- जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी सम्भावित विपद् मूल्याङ्कन, वर्गीकरण तथा प्राथमिकीकरण, विपद् जोखिम मूल्याङ्कन, पूर्वतयारी तथा प्राथमिकीकरण र न्यूनीकरण अध्ययन, जलवायु अनुकूलन योजना निर्माण तथा लागु, कार्बन उत्सर्जन तथा सञ्चित अध्ययन गरिनेछ ।
- सामुदायिक, निजी, धार्मिक तथा साझेदारी वनलाई दीर्घकालिन रूपमा आयआर्जन हुनसक्ने वन पैदावार व्यवस्थापन, वृक्षरोपण, नर्सरी स्थापना एवं वन सम्पदामा आधारित उद्यम गर्न एक वन एक उद्यम तथा एक वन एक उद्यान कार्यक्रम गर्न प्रेरित गर्दै लगिनेछ । पर्यापर्यटन (eco-tourism) को अवधारणालाई सार्थक तुल्याउन सामुदायिक वनमा कार्ययोजना बमोजिम उद्यान, रिसोर्ट र पिकनिक स्थलको स्थापना गरी सञ्चालन गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।

२) विपद् जोखिम व्यवस्थापन

- प्राकृतिक तथा मानवीय विपदबाट हुने प्रत्यक्ष आर्थिक तथा सामाजिक क्षति कम गर्न जोखिम न्यूनीकरणका कार्यलाई उच्च प्राथमिकता दिइने तथा विपद व्यवस्थापन कोषको प्रभावकारी परिचालन गरिनेछ ।



विपद् प्रतिकार्यमा परिचालन हुने संयन्त्र तथा उपकरणको प्राविधिक क्षमता सुदृढ गर्दै एकीकृत आपतकालीन उद्धार एवं प्रतिकार्य प्रणाली अबलम्बन गर्न नगर र वडास्तरीय विपद् उद्धार तथा प्रतिकार्य ईकाइ स्थापना गर्ने र विपद् व्यवस्थापनमा नागरिकको क्षमता र सहभागितावृद्धि गरिनेछ ।

- जोखिम संवेदनशील नदी वहाब क्षेत्रमा तटबन्ध निर्माण, बाढी डुबान क्षेत्रमा पानी निकास, जोखिम र बहुप्रकोप व्यवस्थापनमा समुदाय सशक्तिकरण तथा विपद् विरुद्ध विपन्न लक्षित कार्यक्रम अगाडि बढाइनेछ ।

३) वातावरण संरक्षण तथा फोहरमैला व्यवस्थापन

- नगरका सार्वजनिक स्थल, प्राकृतिक सम्पदा, सार्वजनिक जग्गा, ताल, पोखरी, गौचरन, नदी उकास लगायतका सार्वजनिक महत्वका क्षेत्रको संरक्षण तथा सम्बर्द्धन गर्दै लगिनेछ ।
- समुदाय स्तरबाटै फोहर वर्गीकरण गर्दै आधुनिक मेशिन सहितको फोहर प्रशोधन केन्द्र स्थापनाको लागि दीर्घकालीन नीति अबलम्बन गरिनेछ । पूर्ण सरसफाइयुक्त नगरको लागि “स्वच्छ बाणगङ्गा; हराभारा नगर” अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
- बाणगङ्गा नगरपालिकाका रहेका उद्योगहरूलाई वातावरणीय मापदण्डको दायरामा ल्याइनेछ । वातावरणीय प्रदुषण मापन गर्ने उपकरणहरूको व्यवस्था तथा अध्ययन गरिनेछ ।
- छाडा चौपाया बहुसरोकारको विषय भएकोले छाडा चौपायाको नियन्त्रण र व्यवस्थापनका लागि विभिन्न सरोकारवाला संयन्त्रहरूसँग आवश्यक समन्वय र सहकार्य गर्दै एनिमल रेश्कु एण्ड रिशर्च सेन्टर स्थापना तथा सोबाट उत्पादन र रोजगारी सृजना गर्दै दिगो व्यवस्थापन गरिनेछ ।
- समग्र कृषि प्रणाली, विकास गतिविधि, जीवन पद्धति एवं संस्कृतिलाई जलवायु परिवर्तन अनुकूलित बनाइनेछ ।

४) जलवायु परिवर्तन अनुकूलन

- समग्र विकास निर्माण कार्यलाई जलवायु परिवर्तन अनुकूलन हुने गरी वातावरण मैत्री विकासमा जोड दिइनेछ ।
- जलवायु परिवर्तनको असर र प्रभावलाई अनुकूलन गर्न जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना निर्माण गरी समग्र विकासात्मक गतिविधिहरूमा आबद्ध गरिनेछ ।

ड) श्रोत परिचालन तथा राजस्व

- वित्तीय अनुशासनलाई उच्च प्राथमिकता दिँदै वित्तीय जोखिमका क्षेत्रहरू प्रति गम्भिर भई सुधारात्मक कदमहरू चालिनेछ । आन्तरिक श्रोत एवं संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने विभिन्न प्रकारका अनुदानहरूबाट हाम्रा आर्थिक गतिविधिहरू निर्देशित हुने व्यहोरा हामी सबैलाई अवगत नै छ । करका क्षेत्र र दर निर्धारण गर्दा करदाताको क्षमता, करका प्रकृति तथा उठ्ने रकमको आकार र कर उठाउँदा सम्बन्धित क्षेत्रको विकास तथा विस्तारमा पर्न जाने सकारात्मक वा नकारात्मक असर समेत आँकलन गरी सरोकारवालाहरूको सुझाव समेतका आधारमा बिगत आ.व.हरूमा परिचालन गरिएका करका दायराहरूलाई फराकिलो गर्दै कर तिर्ने नागरिकको दायित्व पूरा गर्न अभिप्रेरित गरिनेछ । प्राप्त अनुदान र नागरिकबाट प्राप्त करको समुचित उपयोगमा जोड दिँदै पुँजी निर्माणमा उच्च प्राथमिकता दिइनेछ ।



सरकारी खर्चको कुशल व्यवस्थापनबाट सुशासनका आयामहरूको क्रियाशीलताद्वारा विकासका लक्ष्यहरू पुरा गरिनेछ । सो को निम्ति आन्तरिक नियन्त्रण प्रणालीलाई प्रभावकारी बनाई सरकारी कोषको अधिकतम सदुपयोग गर्ने तर्फ विशेष ध्यान दिइनेछ ।

- वित्तीय कुशलताद्वारा चालु खर्चलाई वान्छित सीमाभित्र राख्ने, पुँजीगत खर्च बढाउने र पुँजी निर्माण गर्ने कुरामा विशेष ध्यान दिइने कुरा हाम्रो प्राथमिकताको विषय हो । निर्धारित खर्चको आवश्यकता पुरा गर्न राजस्व परिचालनलाई प्रभावकारी बनाइनेछ । राजस्व प्रशासनमा आधुनिक प्रविधिको अधिकतम उपयोग गरी दायरा फराकिलो पारिनेछ । करदाता मैत्री प्रणाली विकास गरी कर परिचालनलाई सरल र सहज बनाइनेछ ।
- कार्यालयको खर्च गर्ने क्षमतामा वृद्धि गरी वित्तीय कुशलताद्वारा बेरुजुलाई न्यून गर्दै सुशासन कायम गर्न सूचना प्रविधिको अधिकतम र उच्चतम प्रयोग गरिनेछ ।
- "सम्मृद्ध नेपाल; सुखी नेपाली" को राष्ट्रिय आकांक्षालाई पूरा गर्न दीगो विकासका लक्ष्यहरूलाई आन्तरिकीकरण र स्थानीयकरण गर्ने कुरामा विशेष ध्यान दिइनेछ ।
- नगरपालिकाको प्रथम आवधिक योजना (२०७९/०८०- २०८३/०८४) निर्माणको काम सम्पन्न भई सकेको अवस्थामा हाम्रा वार्षिक नीति, कार्यक्रम र बजेट समेत आवधिक योजनाका अभिन्न अंग हुने छन् ।
- नेपालको संविधान, संघीय सरकार र प्रदेश सरकारका आवधिक योजना, प्रचलित कानून, स्थानीय श्रोत साधन लगायतका विषयवस्तुहरू श्रोत परिचालनका प्रमुख आधारहरू रहने छन् ।

छ) अन्तरनिकाय समन्वय:

- संविधानले परिकल्पना गरेको सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्रको माध्यमबाट आर्थिक गतिविधिहरूलाई चलायमान बनाइनेछ । संघ, प्रदेश र स्थानीय तहहरू बीचको आपसी सम्बन्ध, समन्वय एवं सहकार्यमा विशेष ध्यान दिइनेछ ।
- विकास साझेदार संस्थाहरूसँगको सम्बन्ध सुमधुर बनाउँदै विकासका साझा उपायहरूको खोजी गरी प्रक्रिया अगाडि बढाउने कार्यलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।
- परामर्श एवं विज्ञ सेवाको माध्यमबाट राजस्वका श्रोत, आन्तरिक एवं बाह्य भगिनी सम्बन्ध, दीगो विकासका लक्ष्यहरूको आन्तरिकीकरण र स्थानीयकरण लगायतका विषयहरूमा परिचालन गरिनेछ ।
- सहकार्य र समन्वयको नीति अनुरूप साझा उद्देश्य र सम्भावना भएका स्थानीय तहहरूसँग भगिनी सम्बन्ध कायम गर्ने कुरालाई प्राथमिकता दिइनेछ ।

उल्लेखित नीतिहरू मध्ये आर्थिक विकास, पूर्वाधार विकास तथा वन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन विषयक्षेत्रगत नीति कार्यान्वयनबाट "ब्राण्ड बाणगङ्गा" र सामाजिक विकास, सुशासन तथा संस्थागत विकास विषयक्षेत्रगत नीति कार्यान्वयनबाट "विलिभ बाणगङ्गा" भन्ने नारालाई सफलीभूत पार्ने अन्तरनिकाय समन्वयमा लगानी अभिवृद्धि गरी अभियानमूखी कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । यसबाट समग्र विकासका आयामहरू राजनीतिक विकास, आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, प्रशासनिक विकास, नागरिक स्वतन्त्रता, सांस्कृतिक विकास, सामाजिक सदभावलाई आत्मसात् गरी सकारात्मक परिवर्तन, नवप्रवर्तन उद्देश्यमा आधारित निरन्तर विकास, साधन स्रोत लक्ष्य र परिणाम बीचको अन्तर सम्बन्ध, बदलिदो परिस्थिति अनुरूप जनताको माग र आकाङ्क्षाको सम्बोधन यो नीति कार्यक्रम र बजेट



कार्यान्वयनबाट प्राप्त हुनेछ भन्ने उच्च मनोबलका साथ हामी सबै निरन्तर क्रियाशील हुँदा प्रतिफल प्राप्तमा सफलता मिल्नेछ।

सभाका सदस्यज्यूहरू,

अब म उल्लेखित नीति तथा कार्यक्रमहरू कार्यान्वयन गर्न अनुमानित स्रोत अनुमान रु.१,७६,८०,००,०००। (अक्षरुपी १ अर्ब ७६ करोड ८० लाख रुपैया मात्र) सामाजिक सुरक्षा समेतलाई देहायका विषय क्षेत्रमा देहाय बमोजिम स्रोत परिचालन गर्ने अनुमान गरेको छु।

१. सामाजिक क्षेत्र:

स्वास्थ्य तथा पोषण, शिक्षा, भाषा, कला तथा साहित्य, खानेपानी तथा सरसफाइ, महिला, बालबालिका तथा सामावेशीकरण, युवा, खेलकुद तथा नवप्रवर्तन, सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरणका लागि कुल रु. ६५ करोड ६४ लाख ८९ हजार ५ सय अनुमान गरिएको छ।

२. भौतिक पूर्वाधार क्षेत्र:

भवन तथा बस्ती विकास, सडक, पुल तथा यातायात, जलस्रोत, उर्जा तथा स्वच्छ उर्जा, सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको लागि रु. ५० करोड ७५ लाख १० हजार ५ सय रकम अनुमान गरिएको छ।

३. सुशासन तथा संस्थागत विकास:

नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन, सङ्गठन तथा क्षमता विकास, जनशक्ति विकास तथा सेवा प्रवाह, तथ्याङ्कीय प्रणाली, योजना अनुगमन तथा विकास व्यवस्थापनको लागि रु. २८ करोड ७० लाख अनुमान गरिएको छ।

४. आर्थिक विकास:

कृषि विकास, पशुपन्छी विकास, सिँचाई, उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय, पर्यटन तथा संस्कृति, भूमि, व्यवस्था, सहकारी तथा वित्तीय सेवा र श्रम, रोजगार तथा गरिबी निवारणको लागि रु. २५ करोड ८० लाख अनुमान गरिएको छ।

५. वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन:

वन, भू-संरक्षण तथा जैविक विविधता, वातावरण, संरक्षण तथा फोहरमैला व्यवस्थापन, विपद् जोखिम व्यवस्थापन, जलवायु परिवर्तन अनुकूलनका लागि रु. ९ करोड ९० लाख रकम अनुमान गरिएको छ।

उल्लेखित विषय शीर्षकमा कुल बजेट रु. १ अर्ब ७६ करोड ८० लाख रकम रहेको छ जसमध्ये चालूतर्फ रु. ९९,००,८०,०००। अक्षरुपी ९९ करोड ८० हजार रुपैया मात्र) ५६% र पुँजीगततर्फ रु. ७७,७९,२०,०००। (अक्षरुपी ७७ करोड ७९ लाख २० हजार रुपैया मात्र) ४४% खर्च हुने अनुमान गरिएको छ

अन्त्यमा,

सम्मानित सभासदहरू र सहभागीहरू,

समाजको सुशासन र विकास राजनीतिक दल, नागरिक समाज र कर्मचारीतन्त्रको त्रिपक्षीय सहयोगबिना सम्भव छैन। राजनीतिक नेतृत्वले नीति निर्माण र संरक्षण गर्छन्, कर्मचारीतन्त्रले यसलाई कार्यान्वयन गर्छन् र नागरिकहरूले



अनुगमन र माग गर्छन । यी तीनै पक्षहरूले आपसी समन्वय, पारदर्शिता र जवाफदेहिताको साथ काम गर्न सकेमा मात्र हाम्रो "ब्राण्ड बाणगङ्गा: विलिभ बाणगङ्गा" को सपना साकार हुनेछ ।

हाम्रो लक्ष्य स्पष्ट छ, अधिकारमा आधारित, समावेशी, र समानुपातिक विकास गरी नागरिकहरूको जीवनस्तर उकास्ने । यसका लागि हामीले सुशासन, प्रभावकारी सेवा प्रवाह, र स्थानीय सहभागितालाई प्राथमिकता दिएका छौं । तर, यो यात्रा एकतर्फी हुन सक्दैन । हामीलाई राजनीतिक दलहरू, पूर्व र वर्तमान जनप्रतिनिधिहरू, नागरिक संस्थाहरू, र कर्मचारीवृन्दको साथ सहयोग र सुझावको आवश्यकता छ । विगत देखि वर्तमान सम्म हामीहरूलाई निरन्तर सहयोग सुझाव संल्लाह र सहकार्यमा जुट्नुहुने सबै राजनैतिक दल संघ र प्रदेशका माननीयज्यूहरू, मन्त्रीज्यूहरू, नगरपालिकामा क्रियाशील सबै संघ संस्था तथा समग्र नागरिक क्षेत्र, पत्रकारजगत र कर्मचारी वर्गमा हार्दिक धन्यवाद तथा कृतज्ञता व्यक्त गर्दै निरन्तर सहयोगको अपेक्षा सहित विदा चाहन्छु ।

धन्यवाद !



अनुसूची-२

लेखा समिति, बाणगंगा नगर कार्यपालिका बाट सिफारिस भई १७ औं नगर सभामा पेश हुन आएको महालेखापरीक्षकको कार्यालयबाट जारी आ. ब. २०८०।८१, आ.ब.२०७९।८०, र आ.ब.२०७८।७९, को अन्तिम लेखापरीक्षण प्रतिवेदनमा औल्याईएका विषयवस्तुहरूले कार्यालयको यथार्थ आर्थिक अवस्थाको चित्रण गर्दै महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत गरिएकोमा महालेखापरीक्षकको कार्यालयलाई विशेष धन्यवाद व्यक्त गरियो। आ.ब. २०८०।८१, आ.ब.२०७९।८०, र आ.ब.२०७८।७९, को अन्तिम लेखापरीक्षण प्रतिवेदनको सम्बन्धमा देहाय बमोजिम नियमित गर्ने, अन्य विषयमा यथेष्ट प्रमाण संकलन तथा कानून परिपालनामा विशेष ध्यान केन्द्रित गर्ने प्रतिवद्धता साथ आवश्यक प्रमाणबमोजिमको बेरुजु हटाउन महालेखा परीक्षकको कार्यालयसमक्ष अनुरोध गर्ने निर्णय गरियो।

बेरुजुको किसिम: नियमित गर्ने

बेरुजु भएको आ.ब.: २०८०।८१

| बेरुजु दफा | गो.भी नं. | व्यहोरा | बेरुजु रकम | फछ्यौटको कारण तथा औचित्य | फछ्यौट हुने रकम |
|------------|-----------|---|-------------|---|-----------------|
| ११ | - | कानूनी सल्लाहकार स्थानीय तहका पदाधिकारी तथा सदस्यहरूको सुविधासम्बन्धी ऐन, २०७५ मा पदाधिकारीहरूको लागि स्वकीय सचिव र सल्लाहकार राखी पारिश्रमिक दिने व्यवस्था छैना सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयको मिति २०७७।११।२५ को परिपत्र अनुसार मापदण्ड अनुसार खर्च गरेको देखाए तापनि सो परिपत्रको आधारमा खर्च गर्न मिल्दैन। नगरपालिकाले यस वर्ष १ जना कानूनी सल्लाहकार र १ जना स्वकीय सचिव नियुक्त गरी मासिक रु. २०,०००/- र १०,०००/- का दाले चाडपर्व खर्च र पोशाक समेत रु ४,०१,६०८/- पारिश्रमिक भुक्तानी दिएको छ। उल्लेखित ऐनमा समावेश गरेरमात्र यस्तो खर्च लेख्नुपर्नेमा समावेश नगरी गरेको खर्च नियमसम्मत मान्न नसकिएको रु | ४,०१,६०८ | नगरले आफ्नो बृहत अधिकारक्षेत्र अन्तर्गतका महत्वपूर्ण जिम्मेवारी बहन गर्न कानून अधिकृतको पदपूर्ति नभएकोले कार्यालयको काम कारवाहीको क्रममा आउने कानूनी विषय, विभिन्न मुद्दा मामिलामा कार्यालयको तर्फबाट बहस तथा प्रतिनिधित्व, कानूनी सल्लाह, कानूनी विज्ञता बापतको सेवा लिन कार्यालयले कानूनी सल्लाहकार कारगरा राखी सेवा प्राप्त गरेको हुँदा यस बापत आ.ब. २०८०।८१ मा रु.२,७०,०००/-भएको खर्च भएको देखिन्छ। त्यसैगरी नगर प्रमुखको स्वकीय सचिवालयमा कार्यरत कर्मचारी व्यवस्थापन सम्बन्धि बाणगंगा नगरपालिका सचिवालय गठन तथा सञ्चालन कार्यविधि, २०७९ मार्फत प्रशासनिक कामकाज गर्ने गरी सहायक कम्प्युटर पदमा १ जनशक्तिको व्यवस्था गरिएको, निजको आ.ब. २०८०।८१ मा चार महिनाको पारिश्रमिकबापत रु.१,३१,६०८/- भुक्तानी भएको देखिन्छ। यसरी नगरपालिकाबाट कानूनी सल्लाहकार र सचिवालयका कर्मचारीमार्फत कार्यालयको सेवा प्रवाह र विकासमा सकारात्मक योगदान पुगेको र सोबापत करार सम्झौता बमोजिम रकम भुक्तानी भएको छ। लेखा समितिबाट कार्यालयलाई बेरुजु नआउने गरी आवश्यक विज्ञ सेवा तथा कर्मचारी पदपूर्ति गर्न सचेत गराएबमोजिम जनशक्ति व्यवस्थापन गरी आगामि दिनमा यस्तो प्रकृतिको बेरुजु नदोहोरिने प्रतिवद्धता कार्यालयबाट व्यक्त भएको, यसबाट सरकारी हानीनोक्सानी समेत नभएकोले उल्लिखित बेरुजु नियमित गरिएको छ। | ४,०१,६०८ |
| २२.१ | | दिवा खाजा कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिका २०८०।८१ मा सामुदयिक विद्यालयका प्रारम्भिक बाल विकास देखि कक्षा ५ सम्मका विद्यार्थीलाई दिवा खाजा व्यवस्थापन गर्न आर्थिक वर्षको सुरुमै IEMIS | १,४५,४१,००० | दिवा खाजाका सम्बन्धमा उल्लेख भएको सामुदायिक विद्यालयका प्रारम्भिक बालविकास देखि कक्षा ५ सम्मका विद्यार्थीलाई दिवा खाजा व्यवस्थापन गर्न स्थानीय तहमा रहेको दिवा खाजा व्यवस्थापन समितिको बैठक वसी लागू हुने दिन तय गरिएको र | १,४५,४१,००० |

(Handwritten signatures and marks)



| | |
|---|--|
| <p>मा समावेश भएका विद्यार्थी संख्यालाई आधार मानेर त्रैमासिक रुपमा अनुदान भुक्तानी गर्ने व्यवस्था छ । जसको लागि स्थानीय तहले प्रधानाध्यापकको बैठकबाट स्थानीय तहभित्रका विद्यालयहरूमा एकरूपता कायम हुने गरी खाजाको मेनु तयार गरी विद्यालयकै कर्मचारी वा अभिभावकबाट वा विद्यालय बाहिरबाट क्यान्टिनको व्यवस्था गरी खाजा खुवाउने व्यवस्था गर्नुपर्ने तथा प्रत्येक त्रैमासिक निकास गर्दा अगाडि निकास भएको अनुदानको सदुपयोग भएको सुनिश्चित गर्ने र विद्यालयबाट गरीएको दिवा खाजा कार्यक्रमको स्थानीय तहले निरीक्षण गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । पालिकामा रहेका ४९ वटा सार्वजनिक विद्यालयहरूका ५२०९ बालबालिकालाई दिवा खाजा अनुदान रु. १,४५,४९०००.०० निकास दिएकोमा पालिका अन्तर्गतका सम्पूर्ण सार्वजनिक विद्यालयहरूले तोकिए बमोजिमको खाजा नखुवाई बालबालिकालाई नगर्दै रकम भुक्तानी दिएको पाईयो । सार्वजनिक विद्यालयमा विद्यार्थीको उपस्थिति वृद्धि गर्न संचालित कार्यक्रमबाट नगर्दै भुक्तानी दिँदा कार्यक्रमको उद्देश्य पूरा हुने नदेखिएको रू</p> | <p>विद्यालयमा भर्ना भएका विद्यार्थीहरूको विद्यालयले IEMIS मा प्रविष्ट संख्यालाई हरेक विद्यालयमा रहेका स्वास्थ्य फोकल शिक्षक तथा कक्षा शिक्षकले दैनिक विद्यार्थी हाजिरी गर्ने वेलासाथै बालबालिकाले खाजा ल्याए नल्याएको एकिन गरी अभिलेख राख्ने र त्रैमासिक वा चौमासिक रुपमा हाजिरी खाजा ल्याएको दिन एकिन गरी विद्यालयबाट माग गरिएको आधारमा मात्र रकम निकास गर्ने र सो रकम विद्यार्थीको अभिभावक आमालाई बुझाउने व्यवस्था गरिएको हो । विद्यालयमा नै पकाएर खुवाउनु नै पर्ने बाध्यतामक अवस्था कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिका २०८०/०८१मा समेत नरहेको सो पुस्तिकाको पेज नं ३५ (क) मा विद्यालयकै सहयोगी कर्मचारी वा अभिभावकहरू विशेषतः आमा समूह बनाएर वा नियमित क्यान्टिनबाट वा विद्यालय बाहिरबाट क्याटरिङको व्यवस्था गरेर वा स्थानीय तहले पहिचान गरेको अन्य मोडेलबाट खाजा खुवाउने व्यवस्था मिलाउने भन्ने प्रावधान गरेकोले यस पालिकाले विगतका वर्ष देखि नै सबै विद्यालयका प्रधानाध्यापकहरूको बैठकबाट सर्वसम्मत निर्णय गरी बालबालिकाका अभिभावक आमाहरूलाई नै नगद दिने गरिएको हो ।</p> <p>नगद दिनुका कारण तपसिल अनुसार रहेका छन् ।</p> <ol style="list-style-type: none">१) विद्यार्थीको नाममा आएको रकम खाजा बाहेकका अन्य क्षेत्रमा लगानी गरी दुरुपयोग नहुने ।२) प्रति विद्यार्थी दैनिक रु १५। मात्र प्राप्त हुने रकमबाट विद्यालयहरूले पकाएर खुवाउदा दाउरा, भाडाकुँडा, ग्यास, ग्यास चुला, पकाउने ब्यक्तिलाई पारिश्रमिक दिने जस्ता कारणले रकमको दुरुपयोग हुने देखिएकोले ।३) विद्यालयमा पकाउदा निश्चित बालबालिका (बालविकास देखि कक्षा ५) सम्मकालाई मात्र दिन समस्या हुने र अन्य कक्षाका बालबालिकामा खाजा खाने समयमा निरास भै वस्तु पर्ने अवस्थाको श्रृजना हुने ।४) अभिभावकले घरमा आफुहरूले उत्पादन गरेको खाद्यवस्तुबाट नै खाजा तयार पारि ताजा र पौष्टिक खाना आफ्ना बालबालिकालाई पठाउने हुनाले बालबालिका प्रति अभिभावकको समेत अपनत्व बढ्ने हुनेले ।५) विद्यालयले समेत सञ्चालित सबै कक्षाका |
|---|--|



| | | | | |
|----|--|----------|--|----------|
| | | | <p>वालवालिकाहरूलाई घरबाट छात्रा बनाएर ल्याउन लगाउनाले सबै वालवालिकाले दैनिक विद्यालयमा छात्रा खान पाउने अवस्था सुनिश्चित भई शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्यमा सकारात्मक प्रभाव पर्ने भएकोले</p> <p>यद्यपी प्रतिवेदनमा उल्लेख गरिए जसरी विद्यालयबाट नै खुवाउने व्यवस्था मिलाउनको लागि आवश्यक अध्ययन, बजेट, स्रोत साधन, जनशक्ति र अभियान सञ्चालनको लागि सरोकारवाला पक्षसँग गम्भिर अन्तरक्रिया गरी शैक्षिक सत्र २०८२ बाट सम्पूर्ण विद्यालयबाट छात्रा खुवाउने व्यवस्था कार्यान्वयन भएको, लेखा समितिबाट समेत सोही बमोजिम गर्न सिफारिस भएको, आगामि दिनमा छात्रा खुवाउने व्यवस्थालाई निरन्तरता दिइने प्रतिबद्धता विद्यालयबाट व्यक्त भएको तथा विगतमा छात्राबापत रकम भुक्तानी गर्दा सरकारी हानी नोक्सानी भएको नपाइएकोले उक्त बेरुजु नियमित गरिएको छ।</p> | |
| २८ | <p>मकैवाली प्रवर्द्धन कार्यक्रम</p> <p>संघीय सरकारबाट हस्तान्तरित कार्यक्रमको खर्च तोकिएको कार्यक्रममा सोहि बमोजिम खर्च गर्नुपर्दछ। पालिकाले गो.भौ.नं. २९१ मिति २०८१।०३।१२ बाट मकैवाली प्रवर्द्धन कार्यक्रमसँग असान्दर्भिक देखिने अन्तरजिल्ला कृषक भ्रमण कार्यक्रममा रु ३५,०००.०० बजेट विनियोजन गरी २७ जनालाई भ्रमण कार्यक्रममा संलग्न गराई खर्च गरेको रकम निर्देशिका बमोजिम खर्च भएको नदेखिएको रू</p> | ३,५०,००० | <p>संघीय सरकार सशर्त अनुदान तर्फको मकै वाली प्रवर्द्धन कार्यक्रम संचालनको लागि बजेट रु ९,७५,०००/- प्राप्त भएकोमा उक्त कार्यक्रम संचालन सम्बन्धि प्रदेश तथा स्थानिय तहमा सशर्त हस्तान्तरित कृषि विकास कार्यक्रम संचालन सम्बन्धि कार्यविधि, २०८१ अनुसार कार्यक्रमको विस्तृतीकरण गरी कृषकको माग अनुसार कार्यक्रममा संलग्न कृषकहरूलाई विभिन्न ठाउमा संचालन भएका कृषि तर्फका नया प्रविधि बारे जानकारी गराउने, अन्य कृषक समूह/कृषि सहकारी/कृषि फर्मले संचालन गरेका ब्यसायिक कृषि कार्यक्रम अवलोकन गराउने तथा नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद अन्तर्गतको राष्ट्रिय मकै वाली अनुसन्धान कार्यक्रम रामपुर, चितवन लगायतका अन्य सरकारी फर्म तथा कार्यालयबाट बिकास भएका विभिन्न नयाँ जात तथा प्रविधिको बारेमा जाकारी गराउने तथा कृषकहरूको अनुभव आदान प्रदान गराउने र उक्त भ्रमण तथा छलफलबाट प्राप्त भएको ज्ञान अन्य कृषकहरूमा समेत बिस्तार भै मकै लयायत अन्य ब्यसायिक कृषि कार्यक्रममा सकारात्मक प्रभाव पर्ने हुँदा प्रदेश तथा स्थानिय तहमा सशर्त हस्तान्तरित कृषि विकास कार्यक्रम संचालन सम्बन्धि कार्यविधि, २०८१ को परिच्छेद -३ को ७ (ख) मा कार्यक्रम संचालन भएको बलकमा वाली</p> | ३,५०,००० |

[Handwritten signatures and marks]



| | | | | |
|----|------------------|-----------|--|-----------|
| | | | <p>उत्पादन र उत्पादित उपजका बजारीकरणमा सहयोग पुग्ने खालका कृष्याकलापहरु लाभप्राप्ती संग सम्प्रीता गरि संचालन गर्ने र त्यस्ता कृष्याकलापहरुका लागि आवश्यक सहयोगी कृष्याकलापहरु कृषि शाखाले आफैले संचालन गर्न सक्ने छ भनि उल्लेख भएको हुँदा उक्त भ्रमण कार्यक्रमले उत्पादन तथा बजारीकरणमा सहयोग पुग्ने, ७ (श) मा यस कार्यविधिमा कुनै कृष्याकलाप संचालन गर्दा खर्च गर्न सकिने बजेट र अनुदानका सिमा लगायतका विषय उल्लेख नभएको अवस्थामा बजेटको उपलब्धता र आवश्यकताको आधारमा प्रचलित आर्थिक ऐन, नियम बमोजिम हुने गरी लागत अनुमान तयारी तथा बजेट बाडफाँड गरी कृष्याकलाप संचालन गर्न सकिने छ भनि उल्लेख भएकोले सोही अनुसार लागत अनुमान तयार गरी भ्रमण कार्यक्रम संचालन गरिएको, उक्त अवलोकन भ्रमणले परिच्छेद -३ को ६ (ख) मा उल्लेख गरिए अनुसार कृषिको नया प्रविधि प्रसारमा समेत टेवा पुगी मकै बाली प्रवर्द्धन कार्यक्रम लगायत समग्र ब्यवसायिक कृषि विकासमा सकारात्मक प्रभाव पर्ने हुँदा कार्यक्रम अनुसार संचालन गरिएको अन्तर जिल्ला कृषक भ्रमण कार्यक्रममा भएको खर्च रु. ३,५०,०००/- निर्देशिका बमोजिम खर्च गरिएकोले देखिन्छ।</p> <p>यद्यपी बजेट कार्यान्वयनमा असान्दर्भिकताको कुनै गुन्जायस हुन नदिने गरी बजेट विनियोजन गर्न लेखा समितिको निर्देशन कार्यालयबाट ग्रहण गरिएको, बेरुजु नदोहोरिने प्रतिवद्धता व्यक्त भएको तथा यसबाट कुनै सरकारी हानीनोक्सानी समेत भएको नपाइएकोले आगामि दिनमा क्रियाकलापले प्रत्यक्षनिर्दिष्ट गरेको कार्यमा खर्च गरी कृषि क्षेत्रको विकासमा बजेटको सही परिचालन गरिने हुँदा उक्त बेरुजु नियमित गरियो।</p> | |
| ३२ | कार्यक्रम शंशोधन | २०,७२,७८० | प्रतिवेदनमा औल्याइए जस्तो २ वटा हाटबजार निर्माण हुँदै गरेको होइन् ।बाणगंगा नगरपालिकाको वडा नं. ४ मा हाटबजार दुई सेटमा निर्माण हुँदै गरेको अवस्था हो । उक्त क्षेत्रमा बजार निर्माणाधिन नै रहेको अवस्थामा हाल नगरबाट बजेट विनियोजन भइ टेक्का प्रकृत्यामा गएकोले क्रमशः हाटबजार पुर्वाधार निर्माण कार्य सम्पन्न गरिनेछ । बजेट तथा कार्यक्रम शंशोधन गर्ने नभइ एकै हाटबजारलाई पुर्णता दिने गरी काम भइरहेको, स्थलगत निरिक्षणको क्रममा समेत नगरको | २०,७२,७८० |



| | | | | |
|----|--|----------|---|----------|
| | <p>योजना अघुरो रहने गरी कार्यक्रम संशोधन नगरी कार्य गराएको छ। आ. व ०८११०८२ मा बजेट नभएको कारण योजना अघुरो रहने अवस्था छ। साल बसाली योजना रहेको अवस्थामा सोही बमोजिम योजना संचालन गरी कार्य सम्पन्न गर्नुपर्नेमा संशोधन नगरी रु २०,९२,५९३१- मा २ हाट बजारको सम्झौता गरी कार्य गराएको रु</p> | | <p>प्राविधिक लगायतको टिमबाट हाटबजार सम्बन्धमा जानकारी गराइएको भएता पनि उक्त बेरुजु म.ले.प. टोलीको स्थलगत निरीक्षणबाट केही अस्पष्टता रहन गइ औल्याइए जस्तो देखिन्छ। हाटबजार निर्माणबायत कार्य मुल्यांकनको आधारमा मात्र भुक्तानी भइ कुनै सरकारी हानी नोक्सानी नभएको साथै आ. व. २०८१/८२ मा उक्त हाटबजार निर्माणको पूर्णताका लागि बजेट विनियोजन भइ निर्माण अगाडि बढीसकेकोले कृषि हाटबाजार निर्माण सम्बन्धित बेरुजु हटाउनु हुन अनुरोध छ।</p> <p>अर्कोतर्फ प्रतिवेदनमा औल्याइए जस्तो २ वटा हाटबजार निर्माण हुँदै गरेको नभइ नगरक्षेत्र भित्र वडा नं. ११ मा कृषि उपज संकलन केन्द्र (कोल्ड स्टोर) र वडा नं. ४ मा कृषि हाटबजार निर्माण हुँदै गरेको अवस्था हो। विगतमा संघ एवं प्रदेश सरकारबाट नगरमा रकम हस्तान्तरण भइ कार्यान्वयनमा आएको भए पनि पछिल्ला वर्षहरूमा निर्माण सम्पन्न हुने गरी संघ तथा प्रादेशिक निकायबाट कहिले पन्याप्त बजेट विनियोजन नहुने त कहिले विनियोजन बमोजिम माथिल्लो जिम्मेवार निकायबाट कार्यान्वयन हुन नसकेकोले उल्लिखित कृषि बजार पूर्वाधारमा हालसम्म सम्पन्न हुन नसकेको हो। बाणगंगा नगरपालिकाका धेरै नागरिक कृषिमा निर्भर रहेका, नगरमा कृषिमा आधारित अर्थव्यवस्था रहेको, यस क्षेत्रमा कृषि तर्फ कोल्ड स्टोर र व्यवस्थित हाटबजार दुवै उत्तिकै महत्व रहेकोले नगरको उल्लिखित आयोजना नगरको गौरवको योजनाको रूपमा अगाडि बढाउन अग्रसरता देखाइएको र आ. व. २०८१/८२ मा कार्यान्वयनको लागि समेत बजेट व्यवस्था भइ निर्माण गरिदै आएको सन्दर्भमा सोको अन्तरतह समन्वयमा कार्यसम्पन्न गर्न यथोचित पहल गरिदै छ।</p> <p>कृषि पूर्वाधार निर्माणको पूर्णता दिइ उत्पादन दिने गरी सञ्चालन गर्न लेखा समितबाट सचेत गराएको विषयलाई कार्यालयबाट स्विकार गरिएको, आगामि दिनमा समेत बेरुजु नआउने गरी काम गर्न कार्यालयलाई प्रतिबद्ध गराइएको, सरकारी हानिनोक्सानी समेत नभएकोले उल्लिखित बेरुजु नियमित गरिएको छ।</p> | |
| ३३ | <p>नविकरणीय उर्जा ३११०८१-३-२९ नगरपालिकाले स्वीकृत कार्यक्रम बमोजिम समयमा नै ठाउँको परिचान</p> | ८,००,००० | <p>आ. व. २०८०/८१ मा नगरपालिका र संघ सरकारको स्रोतबाट नविकरणीय उर्जा विशेष: गरी नगरको मुख्य राजमार्ग रहेको बजार क्षेत्रमा सौर्य उर्जा जडान गर्नु</p> | ८,००,००० |



| | | | | | | | | | | |
|----------|---|------------------|--|------------------|-------|-------------|--------|-----------|--|-----------|
| | <p>गरी कार्यक्रम सम्पन्न गर्नुपर्दछ। नविकरणीय उर्जा प्रविधि कार्यक्रममा नगरपालिका तर्फ रु १५,००,०००। र संघीय सरकार तर्फ रु ८,००,०००। गरी रु २३,००,०००। बजेट रहेको छ। पालिकाले सो बजेट बनाउँदा नै राखेको कार्यक्रम बमोजिम दुवै श्रोतबाट खर्च नगरी नगरपालिका तर्फ बाट भएको खर्च रु ९,९८,६४५। मध्ये आ. व. को अन्तमा संघीय सरकारको बजेट बराबर रु ८,००,०००। खर्च समायोजन गरेको छ। स्वीकृत कार्यक्रम बमोजिम कार्य नगरी नगरपालिकाले आफ्नो श्रोतबाट भएको खर्चलाई संघीय श्रोतमा ट्रान्सफर गरेको खर्च नियमित खर्च मान्न नसकिएको रु</p> | | <p>लक्ष्य साथ विनियोजन गरिएको भएता पनि तत्कालिक परिवेशमा निकट भविष्यमै बुटवल-गोरूसिङ्गे सडक निर्माण पश्चात सडक विस्तार हुन जाने र सोको कारण लगाइएको सौर्य उर्जा उपलब्धिमुलक हुन नसक्ने आकलन गरिएको। सोही बमोजिम हाल गोरूसिङ्गे-बुटवल सडक निर्माण कार्य भइरहेकोले अवस्था छ। तसर्थ आयोजनाको प्रभाव समेत ध्यानमा राखी महेन्द्र राजमार्गमा पर्ने बजार क्षेत्र बाहेक अन्यत्र सौर्य जडान गरिएको छ। बजेट विनियोजन अनुसार खर्च नगर्नुमा कुनै दुरासय नभइ केवल त्यसको प्रभाव र दिगोपना समेत विचार गरी आवश्यक ठाउमा रकम परिचालन गरिएको हो।</p> <p>आगामि दिनमा सन्तुलित तवरले बजेट विनियोजन गरी यस्तो प्रकारको बेरुजु नदोहोरिने प्रतिवद्धता कार्यालयबाट व्यक्त भइ प्रस्तुत कार्यले कुनै सरकारी हानी नोक्सानी नभएको पाइएकोले उल्लिखित बेरुजु नियमित गरिएको छ।</p> | | | | | | | |
| ३५ | <p>अधुरो कार्य</p> <p>सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को नियम १११ मा सार्वजनिक निकायले खरिद सम्झौता कार्यान्वयन गर्दा कार्य योजना अनुसार कार्य प्रगति भए नभएको अनुगमन गरी कार्य प्रगतिको सुनिश्चितता गर्नुपर्ने व्यवस्था छ। देहायका विद्यालयको भवन निर्माण कार्यको लागि लागत अनुमान बनाई निर्माण कार्य गरेकोमा निर्माण व्यवसायीले लागत अनुमान बमोजिम कार्य गरेको छैन। तथा मानव श्रोत विकास केन्द्रको कार्यक्रम कार्यान्वयन निर्देशिका, २०८० को मार्गदर्शनमा भवन निर्माण कार्य सम्पन्न गर्ने गरी (झ्याल, ढोका, प्लाष्टर र रंगरोगनको कार्य बाँकी) लागत अनुमान नबनेको र लागत अनुमानमा रहेको भन्याडको कार्य, भन्याडको स्ल्याब ढलान (भन्याड छोप्ने RCC ढलान) को लगायतको कार्य नभएको अवस्थामा पालिकाले देहाय बमोजिम रु ५०,३०,५२०। को कार्य अधुरो नै रहने गरि कार्य सम्पन्न तयार गरी भुक्तानी गरेको रु</p> <table border="1" data-bbox="351 1724 654 1848"> <tr> <td>विद्यालय</td> <td>भुक्तानी रकम</td> <td>निर्माण व्यवसायी</td> </tr> <tr> <td>ओदारी</td> <td>१२,५६,४४३।-</td> <td>पी. एम</td> </tr> </table> | विद्यालय | भुक्तानी रकम | निर्माण व्यवसायी | ओदारी | १२,५६,४४३।- | पी. एम | ५०,३०,५२० | <p>बाणगंगा नगरपालिका भित्रका विद्यालय भवन निर्माणको लागि प्रदेश सरकार शसर्त अनुदान पुँजीगत स्रोतबाट ओदारी मा.वि. बाणगंगाको लागि रु.२०,००,०००। पंच आ.वि. बैजलापुरको लागि रु. २०,००,००० तथा प्रदेश सरकार विशेष अनुदान पुँजीगत स्रोतबाट शुद्धोधन मा.वि.को लागि रु.४०,००,००० आर्थिक वर्षको तेस्रो त्रैमासिकमा मात्र विनियोजन भएको थियो। यसरी शसर्त तर्फका उल्लिखित निर्माण सम्पन्न गर्ने कार्यको लागि प्रदेशबाट पन्चास बजेट विनियोजन नहुँदा बजेटको सिमामा रही लागत अनुमान गराउनुपर्दा सम्पन्न हुने गरी लागत अनुमान हुन नसकेको हो। अर्को तर्फ आर्थिक वर्षको अन्त्यमा स्रोत सुनिश्चित भएको बजेटको ठेक्का प्रकृया लगायतका कारणबाट समेत केही काम बाँकि रहन गएको छ। यस कारण संघ र प्रदेशबाट माथिल्ला निकायबाट आर्थिक वर्षको सुरुवातमै बजेट विनियोजन गर्ने तर आ.व.को बिच वा अन्त्यमा बजेट विनियोजन नगर्ने तथा बजेट विनियोजन समेत आयोजनाको निर्माण सम्पन्न हुने गरी गर्नुपर्ने आवश्यकता बोध सम्बन्धित निकायमा हनु आवश्यक छ। कार्यालयबाट प्रतिवेदनमा उल्लिखित आयोजनामा प्राथमिकतासाथ आ.व. २०८१/८२ मा बजेट विनियोजन गरी पुर्णता</p> | ५०,३०,५२० |
| विद्यालय | भुक्तानी रकम | निर्माण व्यवसायी | | | | | | | | |
| ओदारी | १२,५६,४४३।- | पी. एम | | | | | | | | |



| | | | | | |
|--------------------------|-------------|---|-------------|--|-------------|
| मा. वि बाणगंगा | | कन्स्ट्रक्सन एण्ड सप्लायर्स | | दिन प्रयास गरिएको छ। यसै सम्बन्धमा लेख समितिबाट आगामि दिनमा निर्माण कार्यबाट परियोजनाको प्रतिफल हासिल गर्ने गरी पुर्णता दिन सचेत गराइएको विषयमा कार्यालयले स्वामित्वबोध गरेको, यस प्रकारको बेरजु नआउने प्रतिवद्धता कार्यालयबाट व्यक्त भएको, प्रस्तुत बेरजुको कारण सरकारी हानीनोक्सानी नभएको देखिएकोले उल्लिखित बेरजु नियमित गरिएको छ। | |
| पंच आ. वि बैजलापुर | ११,०१,३३८।- | पी. एम कन्स्ट्रक्सन एण्ड सप्लायर्स | | | |
| शुद्धेधन मा. वि | २६,७०,७३९।- | गंगा निर्माण सेवा | | | |
| | ५०,३०,५२०।- | | | | |
| जम्मा | | | २,३१,९५,९०८ | | २,३१,९५,९०८ |

बेरजुको किसिम: नियमित गर्ने

बेरजु भएको आ.ब.: २०७९।८०

| बेरजु दफा | गोष्ठारा भौचर नं. | व्यहोरा | बेरजु रकम (रु.) | फछ्यौटको कारण तथा औचित्य | फछ्यौट हुने रकम (रु.) |
|--------------|-------------------------|--|--------------------|---|--------------------------|
| २२ | | कानूनी सल्लाहकार: लुम्बिनी प्रदेश, गाँउ तथा नगरसभाका सदस्यहरुको सुविधा सम्बन्धि ऐन २०७६ मा कानूनी सल्लाहकार राख्न पाउने व्यवस्था भएको पाइएन। पालिकाले कानूनी सल्लाहकार को पदमा श्री हूमनाथ पाण्डे लाइ सम्झौतागरी मासिक रु ३६००० को दरले १० महिनाको रु ३६०००० भुक्तानी भएको पाइयो। कानूनमा व्यवस्था नभएको कानूनी सल्लाहकारको पारिश्रमिक नियमित नदेखिएको। | ३६०,०००/- | कार्यालयलाई विपक्षी बनाई समय-समयमा मुद्दा मामिला परिरहने भएकोले सोको बहस पैरवी गर्न, कानूनी प्रश्न समावेश भएका नगरका क्षेत्रभित्रका विभिन्न विषयमा राय परामर्श लिन तथा कुनै नयाँ कानूनी व्यवस्थाको मस्यौदाको लागि सहयोग प्राप्त गर्न र कानूनी विज्ञता तथा सेवा प्राप्त गर्न नगरपालिकाले नगरमा कानून सेवाको कर्मचारी नभएको अबस्थामा सम्झौता गरी सल्लाहकार नियुक्त गरिएको, पटकै रुपमा कानूनी परामर्श सेवा प्राप्त गर्नु पर्दा लागत अझ बढि हुने समेत भएकोले नगरले मितव्ययी तवरले यस प्रकारबाट सेवा लिएको छ। लेखा समितिबाट कार्यालयलाई बेरजु नआउने गरी आवश्यक विज्ञ सेवा वा कर्मचारी पदपूर्ति गर्न सचेत गराएबमोजिम जनशक्ति व्यवस्थापन गरी आगामि दिनमा यस्तो प्रकृतिको बेरजु नदोहोरिने प्रतिवद्धता कार्यालयबाट व्यक्त भएको, यसबाट सरकारी हानीनोक्सानी समेत नभएकोले उल्लिखित बेरजु नियमित गरिएको छ। | ३६०,०००/- |
| २५ | | कर्मचारी व्यवस्था: स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को दफा ८३ मा नगरपालिकाको अधिकार क्षेत्र तथा कार्यबोझ समेतको विश्लेषण गरि संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षणको आधारमा सेवा | १०,७६,४००/- | दफा २५ को सम्बन्धमा संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयबाट स्वीकृत दरबन्दी संरचना अनुसार कार्यालयमा प्रशासनिक तथा प्राविधिक कर्मचारीमात्र गरी जम्मा ३२ जना कर्मचारीहरुको मात्र दरबन्दी स्वीकृत थियो तर सधियता पश्चात जिल्लाका अधिकांस कार्यालयका कर्मचारी शाखाको रुपमा आउँदा कम्तिमा कार्यालय | १०,७६,४००/- |



| | | | | |
|----|---|-------------|---|-------------|
| | <p>कारवाट लिइने कर्मचारीको दरबन्दी प्रस्ताव तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । पालिकाले संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षणको आधारमा सेवा कारवाट लिइने कर्मचारीको दरबन्दी विवरण तयार नगरी जम्मा ४३ जना कर्मचारी कारवाट राखि रु १२६८८१४६ तलव भतामा खर्च लेखेको छ। त्यसैगरी सोही ऐनको २०७४ को दफा ८३ (८) बमोजिम पालिकाले नगरप्रहरी, सवारीचालक, सयश, कार्यालयसहयोगी, प्लम्बर, इलेक्ट्रिसियन, चौकिदार, मालि, बगैचेल गायतका पदमा मात्र कारवाट सेवा लिनसकिने व्यवस्था गरेकोछ। पालिकाले उल्लेखित पदवाहेकको सहायक चौथोपदमा ३ जना कारवाट नियुक्ति गरी मासिक २७६०० को दरले बर्षभरीमा रु १०७६४००/- भुक्तानी गरेको पाइयो । ऐनको व्यवस्था विपरीत कर्मचारी नियुक्त गरी भुक्तानी गर्ने कार्य नियमसम्मत नदेखिएको रु. १०७६४००/-</p> | | <p>सहयोगीको पनि परिकल्पना गर्नुपर्छ, सवारी चालक, दमकल चालक, फायरमेन, नगर प्रहरी नगरपालिकामा हुने ठूला सवारी साधन अपरेटरहरू रहन्छन् भन्ने परिकल्पना नभएको कारण स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनमा आवश्यकता अनुसारको कर्मचारी नगरपालिकाको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण गरी स्वीकृत गराई राख्नुपर्ने भन्ने व्यवस्था रहेकोले नगरपालिका र अन्तर्गतका कार्यालयहरूमा आवश्यक पर्ने कर्मचारीको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण २०७८ सालमा गरी सोही O & M बमोजिम स्वीकृत दरबन्दीमा कारवाट गरिएको।</p> | |
| २७ | <p>अध्ययन अवलोकन भ्रमण:स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को दफा ८६ (१) बमोजिम स्थानीय सेवा गठन, सञ्चालन व्यवस्थापन, सेवाका शर्त तथा सुविधा सम्बन्धी आधारभूत सिद्धान्त र मापदण्ड संघीय कानून बमोजिम हुने, दफा ८६ (२) बमोजिम स्थानीय सेवाको गठन, सञ्चालन तथा व्यवस्थापन सेवाको शर्त तथा सुविधा सम्बन्धी अन्य व्यवस्था स्थानीय तहले बनाएको कानून बमोजिम हुने व्यवस्था छ। कर्मचारीको सेवा सर्त सुविधा सम्बन्धि कानून नबनेको अवस्था र लुम्बिनी प्रदेश, गाँउ तथा नगरसभाका सदस्यहरूको सुविधा सम्बन्धि ऐन २०७६ मा व्यवस्था नभएको तथा अध्ययन अवलोकन भ्रमण सम्बन्धि कुनै कार्यविधि तयार नगरेको अवस्थामा पालिकाले अध्ययन अवलोकन भ्रमण कार्यक्रम पालिकाको वार्षिक बजेटमा समावेश गरि विभिन्न पदाधिकारी, कर्मचारी, व्यवसायि, टोल विकास संस्थाका</p> | २१,४७,५३२/- | <p>साथै संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण भईसकेपछि केही समय पश्चात कृषकहरूबाट प्राविधिकहरूको व्यापक माग भएको र साविकमा पनि नेपाल सरकारका विभिन्न कार्यक्रम सञ्चालन हुँदा एक गा.वि.स. १ प्राविधिक कार्यक्रम सञ्चालन हुँदै आएका र कृषकहरूको माग बमोजिम नगरको नीति तथा कार्यक्रममा समावेश गरी Roving JTA तथा पशु प्राविधिक गरी ३ जना कर्मचारी धप गरिएको हो । यो नगरको आन्तरीक आम्दानीबाट बजेट व्यवस्था भएको र ती प्राविधिकहरू घरपर गई सेवा गर्दै आएका र कृषकहरूले पनि सेवा प्राप्त गरेको महसुस गरेका अवस्था छ ।</p> | २१,४७,५३२/- |

[Handwritten signatures and initials]



| | | | | |
|----|---|-------------|---|-------------|
| | अध्यक्ष संघ संस्थाका प्रतिनिधि लगायत विभिन्न स्थानको भ्रमण वापत रु.२१,४७,५३२/- खर्च लेखेको नियमसम्मत नदेखिएको। | | | |
| ३६ | सामुदायिक सिकाई केन्द्र सञ्चालन: शिक्षा तथा मानव श्रोत विकास केन्द्रले प्रकारान्तरेण गरेको कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिका २०७१/८० को क्रियाकलाप नं २.७.१३.११(६.७) मा स्थानीय तहको शिक्षा शाखाले नियमित रूपमा सञ्चालनमा रहेका सामुदायिक सिकाई केन्द्रहरूको स्थलगत निरीक्षण गरी वार्षिक साधारण सभा भएको, विधान बमोजिम सरकारीको निर्वाचन भएको, साधारण सभाबाट बजेट र कार्यक्रम पास गरेको, गत आ.व. को खर्च स्वीकृत गरेको र लेखापरीक्षण गरी प्रतिवेदन पेश गरेको मापदण्ड पूरा भएको अवस्थामा मात्र अनुदान दिने व्यवस्था रहेको छ। पालिकाले उल्लेखित मापदण्ड पूरा गरेको प्रमाण बेगर अनुदान उपलब्ध गराएको रकम अनियमित रु.१८८,०००/- | १८८,०००/- | सामुदायिक सिकाई केन्द्रमा कार्यरत पुरानो परिचालकले राजिनामा दिइएको र नयाँ नियुक्ती भएकाले आवश्यक कागजात लेखापरीक्षणको समयमा पेश हुन नआएकोले हाल उक्त प्रमाणहरू प्राप्त भई सकेका र हरेक कार्यक्रममा शिक्षा शाखाले निरीक्षण गरी राय सुझाव दिने गरिएको छ। भलवाड सामुदायिक अध्ययन केन्द्रले साधारण सभा गरेको, बजेट तथा कार्यक्रम पारित गरेको, खर्च अनुमोदन गरेको, कार्ययोजना, लेखा परिक्षण प्रतिवेदन र अन्य आवश्यक कागजात पेश गरिएकाले प्रमाण बमोजिम बेरुजु.१८८,०००/- हटाउनु सकिन्छ। प्रस्तुत विषयमा लेखा समितिबाट प्रारम्भमा नै नियमानुसार भुक्तानी गरी बेरुजु नआउने गरी काम गर्न सचेत गरिएको, जुन विषयमा कार्यालयबाट नदोहोरिने प्रतिवद्धता जाहेर भएको, सरकारी हानी नोक्सानी भएको नदेखिएकोले सामुदायिक सिकाई केन्द्र सञ्चालन सम्बन्धि बेरुजु नियमित गरिएको छ। | १८८,०००/- |
| ६५ | नाफामूलक, निजि संस्था तथा गैर सहकारी संस्थाहरूमा लगानि: स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७६ वितरणमुखी खर्चलाई नियन्त्रण गर्दै संघ तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त रकमलाई स्थानीय पूर्वाधार विकास तथा दीर्घकालीन पुजी निर्माण हुने कार्यमा खर्च गर्नुपर्दछ। यदि उपलब्ध गराउने हो भने पनि सार्वजनिक रूपमा निशुल्क वा न्युन शुल्कमा सेवा उपलब्ध गराउने सुनिश्चित हुनुपर्दछ। कार्यालयहरूले प्रचलित कानून अनुसार वितरणमुखी खर्चलाई नियन्त्रण गरि नाफा कमाउने उद्देश्यले स्थापित संस्थाको लागि लगानी गर्न मिल्ने देखिदैन। यस वर्ष नाफामूलक तथा गैर सहकारी संस्थाहरूको भवन निर्माण लगातयका कामहरूको लागि बजेट विनियोजन गरि पूर्वाधार तथा कार्यक्रम संचालन गर्न रकम भुक्तानि दिने गरेको पाइएकोले यस प्रकारको परिपाटीमा सुधार गर्नु पर्दछ। साथै यस वर्ष देशभर अनुसूचित नाफामूलक, निजि संस्था तथा गैर सहकारी संस्थाहरूको भवन निर्माण लगातयका कामको लागि रु.४३९३८७,१०० भुक्तानि दिएको पाइएको हुनाले त्यस प्रकारको संस्थाहरूको लागि लगानी गरेको नियमसम्मत नभएको। | ४३,९३,८७६/- | स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७६ वितरणमुखी खर्चलाई नियन्त्रण गर्दै संघ तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त रकमलाई स्थानीय पूर्वाधार विकास तथा दीर्घकालीन पुजी निर्माण हुने कार्यमा खर्च गर्नुपर्दछ। यदि उपलब्ध गराउने हो भने पनि सार्वजनिक रूपमा निशुल्क वा न्युन शुल्कमा सेवा उपलब्ध गराउने सुनिश्चित हुनुपर्दछ। कार्यालयहरूले प्रचलित कानून अनुसार वितरणमुखी खर्चलाई नियन्त्रण गरि नाफा कमाउने उद्देश्यले स्थापित संस्थाको लागि लगानी गर्न मिल्ने देखिदैन। यस वर्ष नाफामूलक तथा गैर सहकारी संस्थाहरूको भवन निर्माण लगातयका कामहरूको लागि बजेट विनियोजन गरि पूर्वाधार तथा कार्यक्रम संचालन गर्न रकम भुक्तानि दिने गरेको पाइएकोले यस प्रकारको परिपाटीमा सुधार गर्नु पर्दछ। साथै यस वर्ष देशभर अनुसूचित नाफामूलक, निजि संस्था तथा गैर सहकारी संस्थाहरूको भवन निर्माण लगातयका कामको लागि रु.४३९३८७,१०० भुक्तानि दिएको पाइएको हुनाले त्यस प्रकारको संस्थाहरूको लागि लगानी गरेको नियमसम्मत नभएको। | ४३,९३,८७६/- |







| | | | | |
|----|--|-----------|---|-----------|
| | <p>गरेको पाइएकोले यस प्रकारको परिपाटीमा सुधार गर्नु पर्दछ । साथै यस वर्ष देहाय अनुसारका नाफामूलक, निजि संस्था तथा गैर सहकारी संस्थाहरूको भवन निर्माण लगातयका कामको लागि रु.४३१३८७६।०० भुक्तानि दिएको पाइएको हुनाले त्यस प्रकारको संस्थाहरूको लागि लगानी गरेको नियमसम्मत नभएको ।</p> | | | |
| ७३ | <p>अन्य प्रयोजन खर्च : स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७६ अनुसार स्थानिय तहको बजेट तर्जुमा गर्दा स्थानीय तहको कार्यक्षेत्र भित्र पूर्वाधार विकास तथा दीर्घकालीन पुजी निर्माण हुने कार्यमा खर्च गर्नुपर्दछ । तर पालिकाले स्थानिय तहको कार्यक्षेत्र भन्दा बाहिरका आफ्नै छुट्टै बजेट तथा कार्यक्रम हुने संघिय सरकारका निकाय तथा नाफा मुलक संस्थाका भौतिकसंरचना निर्माणमा बजेट बिनियोजन गरी खर्च लेखेको पाईयो । स्थानिय सरकारको स्रोत अन्य तहका निकायहरूका लागि खर्च गर्ने तथा नाफामुलक संस्थाका लागि खर्च गर्ने कार्यले स्थानिय योजना र विकासका लागि स्रोत अभाव हुने देखिन्छ । अत यस्तो कार्यमा नियन्त्रण गर्दै स्थानिय विकासमा प्राथिमकता आधारमा बजेट बिनियोजन नगरी सो बिपरित नाफामुलक संस्थाका लागि समेत बिनियोजन तथा खर्च गरेको तथा संघिय सरकारको तहवाट उक्त कार्यका लागि बजेट खर्च नभएको प्रमाण बेगर खर्च लेखेको पाईएकोले आवश्यक प्रमाण पेश गर्नु पर्ने रु५००,०००/-</p> | ५००,०००/- | <p>दफा ७३ का सप्वन्धमा नगरको सुरक्षाका लागि पर्याप्त नगर प्रहरीको व्यवस्था नरहेको, नगरभित्र रहेका सुरक्षा निकायको समन्वयमा समेत काम गरि रहनु पर्ने र उनिहरूको समेत संरक्षण गर्नु पर्ने दायित्व स्थानीय सरकारको समेत रहेकोछ । तसर्थ उक्त कार्यालयहरूको सानातिना पूर्वाधारको निर्माणको अवस्था निकै दयनीय देखिने भएकोले खर्च गरिएको छ । संस्थाको आधारभुत पुर्वाधार भान्सा तथा आवास तथा गेट निर्माण जस्ता कार्यमा सहयोग गरिएको, नगरभित्रका विकृति निवारण गर्दै सुव्यवस्था कायम गर्न दोहोरो नपर्ने गरी प्राविधिकको लागत अनुमान र रेखदेखमा काम हुँदा रु.५०००००।-खर्च भएको हो । कार्यालयबाट लेखा समितिसमक्ष अन्य सरकारी निकायमा लगानी नगर्न दिइएको निर्देशन पालना गर्ने उदघोष भएकोसाथै यस प्रकारको कार्यले कुनै पनि सरकारी हानी नोक्सानी भएको नदेखिएकोले प्रस्तुत बेरुजु नियमित गरिएको छ ।</p> | ५००,०००/- |
| | जम्मा | ८५,८५,८०८ | | ८५,८५,८०८ |



बेरुजुको किसिम: नियमित गर्ने

बेरुजु भएको आ.व.: २०७८/७९

| बेरुजु दफा | गो. भा. नं. | व्यहोरा | बेरुजु रकम (रु.) | फछपीटको कारण तथा औचित्य | फछपीट हुने रकम (रु.) |
|---------------|-------------------|---|------------------|--|-------------------------|
| १७ | | <p>कर्मचारी कारार:</p> <p>कर्मचारी कारार स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ८३ मा स्थानीय तहले आफ्नो अधिकार क्षेत्र र कार्यबोझको विश्लेषण गरी संगठन तथा व्यवस्थापन सर्भेक्षणको आधारमा स्थायी प्रकृतिको कामको र सेवा कारारबाट लिईने कर्मचारीको दरबन्दी प्रस्ताव गर्नुपर्ने र अस्थायी दरबन्दी सृजना गर्न नसकिने व्यवस्था छ । तर पालिकाले विभिन्न पदमा ७० जना कर्मचारीहरू कारारमा राखि रु-२०,७५,६४० खर्च लेखेको छ । त्यसैगरी सोही ऐनको २०७४ को दफा ८३ बमोजिम पालिकाले नगर प्रहरी (८), सवारी चालक, सयश, कार्यालय सहयोगी, पलन्डर, इलेक्ट्रीसियन, चौकिदार, मालि, बाँचे लगायतका पदमा मात्र कारारबाट सेवा लिन सकिने व्यवस्था गरेको छ । स्थानीय तहले माथि उल्लेखित पद बाहेकको विभिन्न पदमा २२ जना कारार नियुक्ति गरी वर्षभरीमा रु-३२३२३० भुक्तानी गरेको अनियमित दिइएको रु</p> | ३३,२३,२३०/- | <p>स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ८६ को उपदफा २ बमोजिम स्थानीय सेवाको गठन, कर्मचारी नियुक्ति र सेवाका शर्त सुविधा सम्बन्धि अन्य व्यवस्था स्थानीय कानून बमोजिम गर्नसके भएकोले बाणगंगा नगरपालिकाले संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण स्वीकृत गरी कर्मचारी व्यवस्थापन गरेको हो । स्थानीय तहले स्वीकृत गरेको O/M बमोजिम प्रदेश लोकसेवा आयोगले स्थायी पदपूर्ति गर्ने व्यवस्था रहेकोमा प्रदेशमा स्थानीय तहको कर्मचारी व्यवस्थापन सम्बन्धी कानून नबनिसकेको अवस्थामा नगरको स्वीकृत दरबन्दीमा मात्र कर्मचारी पदपूर्ति भएको छ । संघीय निजामति सेवा जारी भइनसकेको, संघीय सरकारबाटस्थानीय तहको सेवाको गठन, सञ्चालन, सेवा शर्त तथा सुविधा सम्बन्धमा मापदण्ड तय नभइहेको, रिक्त दरबन्दीमा कर्मचारी नियुक्तिको लागि लोकसेवा आयोगसमक्ष माग पठाइएको भएपनि हालसम्म पदपूर्ति हुन नसकेको अवस्थामा स्वीकृत दरबन्दीका रिक्त पदमा स्थानीयस्तरमा पालिकाको अधिकारक्षेत्रको विषयमा कार्यालयले विकास एभारकारी सेवा प्रवाहको जिम्मेवारी बहन गर्न कारारमा जनशक्ति व्यवस्थापन गरेकोले सोकोपारिश्रमिक भुक्तानी रु-३२३२३० भएको हो ।</p> <p>लेखा समितिले कार्यालयलाई यस प्रकारको बेरुजु नआउने गरी जनशक्ति व्यवस्थापन गर्न सचेत गराएको छ । कार्यालयबाट कानूनले तोकेका बाहेकका कर्मचारी कारारमा नराख्ने, स्वीकृत दरबन्दी बमोजिम बाहेक कर्मचारी कामकाजमा नछटाउने प्रतिवद्धता व्यक्त भएको, कारार जनशक्ति व्यवस्थापनबाट सरकारी हानी नोक्सानी नभएको साथै आगामि दिनमा विधिसम्मत रुपमा कारार जनशक्ति व्यवस्थापन गरी बेरुजु नदोहोर्नाउने प्रतिवद्धता बमोजिम उल्लिखित बेरुजु नियमित गरिएको छ ।</p> | ३३,२३,२३०/- |
| ४० | | <p>कन्टिन्जेन्सी खर्चकन्टिन्जेन्सी खर्च:</p> <p>निर्माणकार्यको लागत अनुमान तयार गर्दा सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को</p> | २७,९३,०००/- | <p>पालिकाबाट प्रतिवेदनमा औल्याइए बमोजिम नगरको योजना फरफाक, जाँचपास समिति, नगरसभा र कार्यपालिकाको समितिको बैठक, योजना</p> | २७,९३,०००/- |

[Handwritten signatures and initials]



| | | | | |
|----|---|-------------|---|-------------|
| | <p>नियम १० सँग सम्बन्धित व्यवस्था सोही (७) विषयावलीको अनुसूची १ मा तोकिएको छ। उक्त अनुसूचीमा निर्माण कार्यको लागत अनुमान तयार गर्दावक चार्ट स्टाफ खर्च २ प्रतिशत र सानातिना अन्य खर्च २ प्रतिशत गरी ४ प्रतिशत कन्ट्रिजेन्सी बापत धप गर्ने व्यवस्था रहेको छ। यस प्रयोजनका लागि सामान्य प्रशासन मन्त्रालयले सार्वजनिक खरिदमा कन्ट्रिजेन्सी कर्म खर्चलाई व्यवस्थित गर्ने निर्देशिका स्वीकृत गरी कार्यान्वयनमा ल्याएको छ। नगरपालिकाले उपरोक्त प्रावधान अनुसार अनुपात मिलाएर कन्ट्रिजेन्सी रकम खर्च गर्नुपर्नेमा एकमुष्ट रूपमा रु २२,९९,०००/- खर्च गरेको नियसम्मत नदेखिएको र</p> | | <p>अनुगमनबापतको रकम कन्ट्रिजेन्सी रकमबाट खर्च गरिएको छ। कार्यालयबाट कन्ट्रिजेन्सी रकम प्रशासनिक कार्यमा खर्च गर्न सकिने कानूनी प्रावधान अनुसार उक्तखर्च भएको कुनै आयोजनाको कन्ट्रिजेन्सी बापतको रकम सोही आयोजनामा खर्च गर्ने सम्बन्धमानगरमा स-साना आयोजनाबाट एक एक गरी अनुपात मिलाएर कन्ट्रिजेन्सी खर्च गर्नुव्यवहारिक रूपमा असहज हुने भएकोलेतुलनात्मक रूपमा बढी कन्ट्रिजेन्सी रकम मौज्जात भएको आयोजनाबाट कन्ट्रिजेन्सी खर्च भएको छ। कार्यालयकोदायित्व सृजना भएको तर प्रत्यास बजेट विनियोजन नभएको अवस्थामा उल्लिखित विषयमाकन्ट्रिजेन्सी रकम खर्च हुन गएको, यसरी खर्चजुन आयोजनाबाट खर्च भए पनि उक्त खर्च कन्ट्रिजेन्सी बापतको रकम नै हुन गएको र सोबाट कार्यालयलाई हानी-नोक्सानी समेत पर्न नगएको देखिन्छ।</p> <p>आगामि दिनमा लेखा समितिबाट कन्ट्रिजेन्सी खर्च कानूनबमोजिम मात्र गर्ने निर्देशन भए अनुसार कामकारवाही गरिने, यस प्रकारको बेरजु आगामि दिनमा नदोहोरिने गरी नियमित भएको हुँदा कन्ट्रिजेन्सी खर्च रु.२७९३०००/- बेरजु बाट हटाईदिनु हुन अनुरोध छ।</p> | |
| ४९ | <p>खर्च मितव्ययता कायम गर्नु पर्ने: स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७९ बमोजिम व्ययको बजेट अनुमान आन्तरिक आयको परिधिभित्रही औचित्यताको आधारमा खर्च गर्नुपर्ने व्यवस्था छ। यसै गरी खर्च लेखा आवश्यकता र औचित्यका आधारमा आवश्यक प्रमाण कागजात सहितमितव्ययी तवरले गर्नु पर्दछ। तर पालिकाले यस वर्ष निम्न बमोजिम खर्च लेखेको देहाय बमोजिम पाईयो।</p> | १४,७२,०००/- | <p>कार्यालयबाट आवश्यकता र औचित्यका आधारमा प्रत्यास प्रमाण राखी खर्च हुन गएको छ। कार्यालयद्वारा कानूनबमोजिम गठित समितिको कार्यालयसमयबाहेको समयमा बसेको बैठकको भत्ता वितरण गरिएको कार्यालयको कामसँग सम्बन्धित क्रियाकलापमा कार्यालयका कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधिले स्विकृत भ्रमण आदेशबमोजिम उद्देश्य अनुरूपको काम सम्पन्न भएपश्चात अनुगमन तथा भ्रमण खर्च गरेको देखिन्छ। यस सम्बन्धमा लेखा समितिले नियमानुसार मात्र खर्च गर्न निर्देशन दिएको, कार्यालयबाट सोही बमोजिम काम कारवाही भइ आगामि दिनमा मितव्ययी तवरले काम हुने प्रतिवद्धता व्यक्त गर्दै सरकारी कुनै हानी नोक्सानी भएको नदेखिएकोले नियमित गरिएको बेरजु रकम रुबाट हटाईदिनु हुन अनुरोध छ। -/१४७२०००</p> | १४,७२,०००/- |
| ५६ | <p>खाजा खर्च: प्रदेश सार्वजनिक खर्चको मापदण्ड, कार्यविधि र मितव्ययिता सम्बन्धी निर्देशिका, २०७५ को परिच्छेद २ बुँदा नं. २ (क) अनुसार कार्यालय समय अचिपछि</p> | ७,१४,०७३/- | <p>बाणगंगा नगरपालिकाको कार्य सम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन भत्ता उपलब्ध गराउने कार्यविधि, २०७५ को दफा ३.१ (घ) बार्षिक बजेट तयार गर्न तथा नगरसभाको तयारीमा खटाइएका कर्मचारीहरूलाई धप भत्ता उपलब्ध</p> | ७,१४,०७३/- |



| | | | | |
|----|---|------------|---|------------|
| | अतिरिक्त समय काम गर्नुपर्ने भएमा आधार र कारण खुलाई लेखा उत्तरदायी अधिकृतबाट स्वीकृत गराएर सार्वजनिक विदाको दिनमा खाजा / खाना खर्च रु.५०० तथा कार्यालय खुल्ने दिन भए खाजा खाना खर्च रु.३०० मात्र खर्च पाउने व्यवस्था छ । पालिकाको कार्यपालिकाले निर्णय । | | गगईने व्यवस्थाबमोजिम नगरकार्यपालिकाको निर्णयबाट बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा कार्यको धप जिम्मेवारी वहन गर्ने तथा अतिरिक्त काममा खटिने कर्मचारीहरूलाई खाजाबाट रकम भुक्तानी गरिएकोको । यस प्रकारको बेरजु नआउने गरी काम गर्न लेखा समिति बाट अनुरोध भइ आएको, कार्यालयबाट खाजा खर्चमा बेरजु नआउने गरी काम गर्ने प्रतिवद्धता व्यक्त गरिएकोले सरकारी हानी नोक्सानी नभएको उल्लिखित बेरजु रु. ७१४०७३।- नियमित गरीलगत कट्टा गर्न महालेखा परिक्षकको कार्यालयसमक्ष अनुरोध गर्ने । | |
| ५८ | भुक्तानी बाँकी: आर्थिक कार्यविधि तथा विधिय उतरदायीत्व नियमावली २०७७ को नियम ३९ (२) मा कार्यालयले चालु आर्थिक वर्षको वजेटले नखाम्ने र बढी खर्च हुने गरी दायीत्व सिर्जना गर्न नहुने उल्लेख छ । त्यस्तै सोही नियमावलीको नियम ३९ (१३) मा चालु वर्षको वजेटले नखाम्नेको खर्च व्यहोर्नुपर्ने उचित आधार र पर्याप्त कारण भएमा सम्बन्धित कार्यालयले विल भर्पाई बमोजिमको रकम आगामी वर्षमा भुक्तानी दिने गरी महालेखापरीक्षकबाट स्वीकृत ढाँचामा भुक्तानी दिन बाँकीको विवरण तयार गरी आर्थिक वर्ष समाप्त भएको ७ दिनभित्र नगरपालिकाले स्वीकृत गराई राखुपर्ने व्यवस्था छ । नगरपालिकाले यो वर्ष गत वर्षको भुक्तानी बाँकी रकम रु.३८८६२६/- भुक्तानी खर्च लेखेकोमा भुक्तानी बाँकीको अभिलेख तयार गरेको पाईएन । | ३,८८,६२६/- | कार्यालयबाट अपिल्लो आर्थिक वर्षको विभिन्न पार्टिलाई दिनुपर्ने रकम भुक्तानी बाँकीको विवरणलाई म.ले.प.फारम नं.२२१ आर्थिक वर्ष समाप्त भएको एक हप्ताभित्र स्वीकृत गराइ भुक्तानी हुनुपर्नेमा उक्त विषय सो अबधि पश्चात उठान भइ कार्यपालिको निर्णय बमोजिम भुक्तानी भएको छ । शुभकामना सन्तावर्सको कारोबार भएको वर्षमा चेक सटही हुन नसकेको, कानूनी सल्लाहकारको २०७७/७८ को छुट सुविधा निजबाट माग भुक्तानी बाँकी रहेको साथै नगरपालिका संघसँग नगरको आवश्यकता रहेको परिप्रेक्षमा सोबापत सदस्यता शुल्क नियमानुसार बुझाउनपर्ने आवश्यक देखिएकोले उक्त खर्च रु.३८८६२६।- हुन गएको हो । लेखा समितिले प्रतिवेदनमा औल्याइएका उल्लिखित सुझाव आगामि कार्यक्रमको क्रममा कार्यान्वयन गर्दै लैजान सचेत गराए अनुसार कार्यालयबाट कामकारबाही हुने, सभालेसोही प्रकृतिको बेरजु नदोहोरिने प्रतिवद्धतासहित सरकारी हानी नोक्सानी नभएको ठानी नियमित गरेको हुँदा बेरजु रकम हटाईदिनुहुन अनुरोध छ । | ३,८८,६२६/- |
| ६२ | बडा कार्यालयबाट खरिद: स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७८ बमोजिम स्थानीय तहले आफ्नो कार्यालयबाट सम्पादन गरिने कार्य मितव्ययी, प्रभावकारी, नियमितता र दक्षतापूर्ण ढंगबाट सम्पादन गर्नुपर्ने व्यवस्था छ। कार्यालयको खरिद व्यवस्थापन सम्बन्धमा परीक्षण गर्दा बडा कार्यालयको लागि आवश्यक सामग्री खरिद गर्दा बडा कार्यालय आफैले माग फारम तयार गर्ने, खरिद आदेश दिने, बडामे जिन्सी दाखिला भएको भनी विल सहित | २,४५,८५७/- | बडा कार्यालयबाट कार्यालयमा सिंसि क्यामेरा खरिद गर्ने क्रममा माग फारम, खरिद आदेश, जिन्सी दाखिला, बिल सहित खरिद प्रकृया पुरागरी भुक्तानीको लागि पेश भएकोले कार्यालयको एकिकृत जिन्सी अभिलेखमा आम्वानी देखिएन । हाल प्रतिवेदनमा औल्याएजस्तो अवस्था नही, सरकारी सम्पति व्यवस्थापन प्रणालीमार्फत व्यवस्थित रुपमा खरिद कारबाही गरिएको, आगामि दिनमा कार्यालयको दायित्व रहेको सामग्री खरिद कानून बमोजिम प्रकृया पुर्चाइ गरिने र एकिकृत जिन्सी अभिलेख राखिनेछ । लेखा समितिले प्रतिवेदनमा औल्याइएका उल्लिखित | २,४५,८५७/- |



| | | | | |
|----|--|------------|---|------------|
| | <p>भुक्तानीको लागि माग गरेको आधारमा कार्यालयले भुक्तानी दिएको देखियो। बजेट संचालन गर्ने निकायबाट सामग्री खरिद गरी जिन्सी अभिलेखमा चढाई हस्तान्तरण मार्फत बडा कार्यालयमा दिनुपर्ने र बढाले आफूले प्राप्त गरेको सामग्री जिन्सी आम्दानी गर्नुपर्नेमा गौ.भौ.न. ७३७/२०७९/३/२९ मा वडा नं. ८ सिमि क्यामरा रु. २,४५,८५७ खर्च गरेकोमा कारण एकिकृत जिन्सी अभिलेख आम्दानी नदेखिएको नियममान्न नसकिएको</p> | | <p>सुझाव आगामि कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्दा अनुसरण गर्नसकेत गराए अनुसार कार्यालयबाट कामकारवाही भइरहेको जानकारी प्राप्त भएको, यस सभाबाटयस्तो प्रकृतिको बेरजु नदोहोरिने प्रतिवद्धतासहित सरकारी हानी नोक्सानी नभएको कारण बडा कार्यालयबाट भएको खरिद नियमित गरिएको छ।</p> | |
| ६४ | <p>कानुनी सल्लाकारः लुम्बिनी प्रदेश स्थानीय तहका पदाधिकारी तथा सदस्यको सुविधा सम्बन्धी ऐन, २०७६ मा यस प्रदेशमा स्थानीय तहका प्रमुख तथा उप प्रमुखले कानुनी सल्लाकार पाउने व्यवस्था गरेको छैन। त्यसैगरी स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को दफा ८३ (८) मा तोकीएको भन्दा फरक पदमा कर्मचारी पदपूर्ती गर्न नहुने उल्लेख छ। नगरपालिकाले कानुनी सल्लाकारको रुपमा पारिश्रमिक रु.१,८०,०००/-भुक्तानी भएको नियमसम्मत नदेखिएको।</p> | १,८०,०००/- | <p>नगरले आफ्नो बृहत अधिकारक्षेत्र अन्तर्गतका महत्वपूर्ण जिम्मेवारी बहन गर्न कानून अधिकृतको पदपूर्ति नभएकोलेकार्यालयको काम कारवाहीको क्रममा आउने कानुनी विषय, विभिन्नमुद्दामामिलाको कार्यालयको तर्फबाट बहस तथा प्रतिनिधित्व, कानुनी सल्लाह, कानुनीबिज्ञताबापतको सेवा लिन कार्यालयले कानुनी सल्लाहकार कारारमा राखी सेवा प्राप्त गरेको। लेखा समितिको निर्देशनबमोजिम कार्यालयबाट कानुनी क्षेत्रको बिज्ञ सेवा या त कर्मचारी वा अन्य तवस्ले कानुन बमोजिम मात्र लिन पहल भइरहेको, नगरसभाबाट यस प्रकारको काम नदोहोरिने गरी कारवाही अगाडि बढाउने कार्यालयको प्रतिवद्धता व्यक्त भएको सम्दर्भमा सरकारी हानी नोक्सानी नभएको उक्त बेरजु नियमित गरेको हुँदा यस बापत भएको खर्च रु.२६७३००/- बेरजु रकम हटाईदिनु हुन अनुरोध छ।</p> | १,८०,०००/- |
| ६५ | <p>अवालकन भ्रमणः आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तिय उत्तरदायित्व नियमावली, २०७७ को नियम ३९ को उपनियम १ मा बजेटको सीमाभित्र रही खर्च गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको र उपनियम ५ मा सरकारी रकम खर्च गर्दा त्यस्तो खर्च पुष्टि गर्ने विल, भरपाई, प्रमाण र कागजात संलग्न हुनुपर्ने व्यवस्था छ गौ.भौ.न.५०/२०७९/१/४ बाट वडा नं. १ का पदाधिकारी र टोल विकास संस्थाका पदाधिकारीहरुले मिति २०७८/११/२६ देखि २०७८/११/३० सम्म प्रदेश १ का विभिन्न जिल्ला तथा स्थानीय तहमा भ्रमण गरेको भनी भुक्तानी माग्दा सम्बन्धित स्थानमा खर्च गरेको त्यस्तो खर्च पुष्टि गर्ने विल, भरपाई, प्रमाण र कागजात</p> | १,६२,५६२/- | <p>वडा नं. १ का पदाधिकारी र टोल विकास संस्थाका पदाधिकारीको भ्रमण भएकोमा उक्त कार्यक्रमको लागि बजेट बिनियोजन भएकोले कार्ययोजनाको बमोजिम भ्रमण खर्चबापतको रकम भ्रमणमा सहभागि व्यक्तिलाई हस्तान्तरण गरिएको छ। आगामि भ्रमण कार्यक्रममा खर्च पुष्टयाइ गर्न सहयोग गर्ने विल भरपाईको आधारमा भुक्तानी गरिनेछ। लेखा समितिले प्रतिवेदनमा औल्याइएका उल्लिखित सुझाव आगामि कार्यक्रमको क्रममा कार्यान्वयन गर्दै लैजान सकेत गराए अनुसार कार्यालयका कामकारवाही निर्देशित भएका, यस सभालेसोही प्रकृतिको बेरजु नदोहोरिने प्रतिवद्धतासहित सरकारी हानी नोक्सानी नभएको कारण नियमित गरेको हुँदा यसबापतको कायम बेरजु रकम रु.१६२५६२/- हटाईदिनु हुन अनुरोध छ।</p> | १,६२,५६२/- |



| | | | | |
|----|--|-------------|--|-------------|
| | <p>चित्त भर्पाई पेस नगरी २७ जनाले नगदे रु. १,६२,५६२ बुझलिएको नियमित मान्न नसकिएको रु.</p> | | | |
| ११ | <p>कर्मचारी प्रोत्साहन: बाणगंगा नगरपालिकाको कार्य सम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन भन्ना उपलब्ध गराउने कार्यविधि २०७५ को बुदा ३.२ मा बुदा ३.१ बमोजिमको काम गरेबापत कर्मचारीलाई कर्मचारीको आधारभुत पारिश्रमिको ३० प्रतिशत बराबरको रकमलाई १०० प्रतिशत मानि अनुसूची १ बमोजिमको सुचकहरूको मासिक मूल्याङ्कनको आधारमा प्रतिशत निर्धारण गरी भन्ना उपलब्ध गराउने १० प्रतिशतभन्दा २४ भन्दा बढी कार्य सम्पादन कर्मचारीलाई १०० प्रतिशत भन्ना उपलब्ध गराउने व्यवस्थाछ। साथै बँदा ४ मा सुपरिवेक्षकले आफुले सुपरिवेक्षण गर्न तोकिएको कर्मचारीहरूको अनुसूची १ को सुचनहरू (उपस्थिति, अनुशासन, आज्ञापालन, समय व्यवस्थापन, समस्या समाधान, अतिरिक्त समय काम गरेको, सम्पादित कामको प्रतिफल वा प्रयोग, सेवाग्राही प्रति गरिने व्यवहार लगायत) कार्यसम्पादनको मूल्याङ्कन गरी प्रोत्साहन उपलब्ध गराउन सिफारिस गर्ने व्यवस्था भएकोमा पालिकाले यसवर्ष कर्मचारी प्रोत्साहनमा रु.४०,००,४१७ आन्तरिक आयबाट खर्च गरेकोमा कार्यविधि बमोजिमको अनुसूची १ अनुसारको सचकको मासिक मूल्याङ्कन नगरेको र सुपरिवेक्ष गर्न तोकिएका कर्मचारीहरूको अनुसूची १ का आधारमा मूल्याङ्कन गरी प्रोत्साहन भन्ना उपलब्ध गराउने सिफारिस नगरी तथा कार्यालय प्रमुखबाट समेत प्रमाणित नगरी खर्च लेखेको नियमसम्मत मान्न नसकिएको।</p> | ४०,००,४१७/- | <p>कार्यालयबाट बाणगंगा नगरपालिकाको कार्यसम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन भन्ना उपलब्ध गराउने कार्यविधि, २०७५ बमोजिम अतिरिक्त समय कार्य, कर्मचारीको कार्यकुशलता, सम्पादित कामको प्रतिफललगायतका विषयमा सूचकसहित मूल्याङ्कन गरी कार्यसम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन भन्ना उपलब्ध गराइएको छ। कार्यविधि अनुरूपका व्यवस्था परिपालना गरी प्रोत्साहन उपलब्ध गराइने, कार्यसम्पादन सूचकमा प्रोत्साहन आबद्ध गरी भन्ना उपलब्ध गराइएको छ। लेखा समितिले लेखापरिषद प्रतिवेदनमा औल्याइएका उल्लिखित सुझाव आगामि कार्यक्रमको क्रममा कार्यान्वयन गर्दै लैजान सचेत गराए अनुसार कार्यालयका कामकारवाही निर्देशित भएका, सभालेसोही प्रकृतिको बेरजु नदोहोरिने प्रतिवद्धतासहित सरकारी हानी नोक्सानी नभएको कारण नियमित गरेको हुँदा उक्त बेरजु रकम रु.४०,००,४१७/- इटाईदिनु हुन अनुरोध छ।</p> | ४०,००,४१७/- |
| १२ | <p>बैठक भन्ना: लुम्बिनी प्रदेश सार्वजनिक खर्चको मापदण्ड कार्यविधि र मितव्ययिता सम्बन्धी निर्देशिका, २०७५ को परिच्छेद २ बुदा नं १ (क) अनुसार स्पष्ट विषयबस्तु र</p> | १,४३,६५०/- | <p>कार्यालयबाट कानूनबमोजिम गठित, निर्दिष्ट कार्य जिम्मेवारीबहन गर्ने समितिलाई कार्यालय समयबाहेकका समयमा महत्वपूर्ण निर्णय र कामकारवाहीमा संलग्न भएबापत बैठकबापत भन्ना</p> | १,४३,६५०/- |

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]



| | | | | |
|-----|---|---------------|---|---------------|
| | <p>कार्ययोजना बेगर कार्यालय समयमा एकै निकायका कर्मचारी तथा पदाधिकारी मात्र बस्ने बैठकमा बैठक भत्ता उपलब्ध गराउन नभिल्ले उल्लेख छ। नमुना छनोट गरी परीक्षण गर्दा कार्यालयले गौ. भौ. ८३/२०७८/७/१६ बाट रु.१४३६५० कर काट्टि गरी १० कर्मचारीहरूलाई बैठक भत्ता भुक्तानी गरेको छ। कार्यालयको नियमित काममा र सो कामसँग सम्बन्धित पदाधिकारीले गर्नुपर्ने काममा बैठक भत्ता भुक्तानी गरेको रकम नियमित मान्न नसकिएको।</p> | | <p>वितरण गरिएको छ। स्थानीय तहमा रहेको व्यापक जिम्मेवारी वहन गर्ने क्रममा तोकिएका एजेन्डाबिच रही कानून बमोजिम सहभागितामूलक निर्णय प्रकृयाबाट समाधान खोज्न बैठक बसिरहनु पर्ने आवश्यकता रहन्छ। यस्ता बैठकले सेवा प्रवाह र विकासमा सकारात्मक प्रभाव पारेको देखिन्छ।</p> <p>लेखा समितिले लेखापरिक्षण प्रतिवेदनमा औल्याइएका उल्लिखित सुझाव आगामि दिनमा कार्यान्वयन गर्दै लैजान सचेत गराए अनुसार कार्यालयका कामकारवाही निर्देशित भएका, सभालेसोही प्रकृतिको बेरजु नदोहोरिने प्रतिवद्धतासहित प्रस्तुत बेरजु सरकारी हानी नोक्सानी नभएको कारण नियमित गरेको हुँदा रु.१४३६५०- सम्परिक्षण गर्नु हुन अनुरोध छ।</p> | |
| १०१ | <p>सोझै खरिद - सार्वजनिक खरिद ऐन, २०६३ को दफा ८ बमोजिम प्रतिस्पर्धा सिमित नहुने गरी खरिद गर्नुपर्ने व्यवस्था छ। त्यस्तै सार्वजनिक खरिद (दशौं सशोधन) नियमावलीको नियम ८५मा रु.५ लाखसम्मको खरिद कार्य सोझै गर्न सकिने, रु.५ लाखभन्दा माथि रु.२० लाखसम्म सिलबन्दी दरभाउपत्रबाट र सोभन्दा माथि बोलपत्रको माध्यमबाट खरिद गर्ने व्यवस्था छ। त्यस्तै सोझै खरिद कार्य गर्दा एक आर्थिक वर्षमा सीमाभन्दा बढीको खरिद गर्न नहुने एवं एउटा आपूर्तिकर्तासँग एक पटकभन्दा बढी सोझै खरिद गर्न नहुने उल्लेख छ। पालिकाले यो वर्ष पूँजीगत तथा चालु किसिमका वस्तु वा सेवा खरिद गर्दा प्रतिस्पर्धात्मक विधि नपनाइ निम्नानुसार रु.३५५६९२३ को सोझै खरिद गरेको अनियमित देखिएको।</p> | ३५,५६,९२३/- | <p>कार्यालयबाट कार्यालय सञ्चालन, व्यवस्थापनको लागि प्रचलित खरिद कानूनको अधिनमा रही विभिन्न समयमा विभिन्न बिक्रेताबाट कार्यालयको आवश्यकताअनुसार विभिन्न कार्यालय सामग्री खरिद गरिएको छ। कार्यालयबाट भएका खरिद प्रचलित खरिद कानूनको परिपालना र खरिद विधि अनुसार भएको सन्दर्भमा कार्यालय सञ्चालन तथा व्यवस्थापन सम्बन्धि जिन्सी सामग्री तत्कालिन आवश्यकता सम्बोधन गर्न समेत आपूर्ति भएको देखिन्छ।</p> <p>लेखा समितिले लेखापरिक्षण प्रतिवेदनमा औल्याइएका उल्लिखित सुझाव आगामि दिनमा कार्यान्वयन गर्दै लैजान सचेत गराए अनुसार कार्यालयका कामकारवाही निर्देशित भएका, सभालेसोही प्रकृतिको बेरजु नदोहोरिने प्रतिवद्धता प्राप्त भए अनुसार प्रस्तुत बेरजु सरकारी हानी नोक्सानी नभएको कारण नियमित गरेको हुँदा खरिद सम्बन्धि बेरजु रु.३५५६९२३- नियमित हुन अनुरोध छ।</p> | ३५,५६,९२३/- |
| | जम्मा रु | १,६९,८०,३३८/- | | १,६९,८०,३३८/- |

| क्र. स | आर्थिक वर्ष | नियमित हुने बेरजु रकम रु |
|--------|-------------------------------------|--------------------------|
| १ | २०८०/८१ | २,३१,९५,९०८/- |
| २ | २०७९/८० | ८५,८५,८०८/- |
| ३ | २०७८/७९ | १,६९,८०,३३८/- |
| | जम्मा नियमित हुनुपर्ने बेरजु रकम रु | ४,८७,६२,०५४/- |



वाणगङ्गा नगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय
१७औं नगरसभा

अनुसूची-३

१७औं नगरसभाको कार्यसूची र समय तालिका

सभा संख्या: १७

दोस्रो बैठक

सभा संचालन स्थान: मायादेवी रिसोर्ट

अध्यक्षता: श्री चक्रपाणी अर्याल

मिति: २०८२।०३।१०

| मिति | बैठक बस्ने समय | कार्य सूची | संचालन तथा कार्यसूची प्रस्तुतकर्ता | केफियत |
|------------|----------------|---|--------------------------------------|--------|
| २०८२।०३।१० | ७:०० | रा.ए.सन.उपस्थिती भरपाई र बसाई व्यवस्थापन | | |
| " " | ७:१० | राष्ट्रिय गान | | |
| " " | ७:१५ | सभाको अध्यक्षता | नगर प्रमुख श्री चक्रपाणी अर्याल | |
| " " | ७:२० | कार्यक्रम शुरु भएको घोषणा सम्बोधन - शहिदहरु प्रति मौनधारण | " " | |
| " " | ७:३० | आ.व.२०८२।०८३ को बजेट तथा कार्यक्रम सहित विनियोजन विधेयक प्रस्तुति | नगर उप प्रमुख श्री रीता कुमारी चौधरी | |
| | ८:०० | विभिन्न समितिका प्रतिवेदनहरु | | |
| | | १. लेखा समितिको प्रतिवेदन | शैलेन्द्र कुमार बेल्बासे | |
| | | २. विधायन समिति | बाबुराम अर्याल | |
| | | ३. आर्थिक विकास समिति | छबिलाल रेश्मीमगर | |
| | | ४. सुशासन तथा संस्थागत विकास समिति | कमल पौडेल | |
| | | ५. पूर्वाधार विकास समिति | बिष्णु प्रसाद पौडेल | |
| | | ६. सामाजिक विकास समिति | बिष्णु गिरी | |
| | | ७. वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति | करुण टण्डन | |
| | | ८. अनुगमन समितिको प्रतिवेदन | रीताकुमारी चौधरी | |
| | | ९. सार्वजनिक महत्वका विषयहरु | टेक बहादुर झैंडी मगर | |
| | ९:१५ | बजेट तथा विषयगत समितिका प्रतिवेदनका सम्बन्धमा सभामा आफ्नो केही भनाई भए राख्नु | | |
| | ९:३० | नगर सभामा उठेका विषयहरुलाई सम्बोधन गर्न | नगर प्रमुख | |
| | ९:४५ | त्रिवर्षिय बजेट प्रक्षेपण सहित मध्यमकालिन खर्च संरचना प्रस्ताव | नगर उपप्रमुख | |
| | ९:५० | विविध निर्णय प्रस्ताव | नगर प्रमुख | |
| | १०:१५ | कार्यक्रमको समापन | नगर प्रमुख | |

छलफलको समय तालिका

| मिति | बैठक बस्ने समय | कार्य सूची | प्रस्ताव प्रस्तुतकर्ता | छलफलमा बोल्ने सदस्यहरुको नाम र तोकिएको समय | केफियत |
|------|----------------|------------|------------------------|--|--------|
| | | | | | |

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]



नगर सभा उपाध्यक्षज्यू,
सचिवज्यू,
नगर सभाका सम्पूर्ण सदस्यज्यूहरू,
राष्ट्रसेवक कर्मचारीहरू,

✓ म आजको यस १७औं नगर सभाको दोस्रो बैठक सुरुवात भएको जानकारी गराउन चाहन्छु ।

नेपालको परिवर्तित सामाजिक न्याय सहितको समानुपातिक समावेशी प्रतिनिधिमूलक व्यवस्था, मौलिक अधिकार, नागरिक स्वतन्त्रता जस्ता महत्वपूर्ण उपलब्धिहरू प्राप्तिको लागि विभिन्न कालखण्डमा जीवन उत्सर्ग गर्नु हुने सम्पूर्ण ज्ञात अज्ञात महान सहिदहरू प्रति भावपूर्ण श्रद्धाञ्जली अर्पण गर्दछु र सम्पूर्ण सहिदहरूको सम्झनामा १ मिनेट मौन धारणको लागि सहभागी हुन सम्पूर्ण नगरसभा सदस्यज्यूहरूलाई अनुरोध गर्दछु ।

मौन धारणको लागि समय शुरु हुन्छ

धन्यवाद

सदस्यज्यूहरू अब म यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको आर्थिक वर्ष २०८२।०८३ को विनियोजन विधेयक, २०८२ सहित बजेट तथा कार्यक्रम प्रस्तुत गर्न नगर उपप्रमुख श्री रीता कुमारी चौधरीज्यूलाई अनुरोध गर्दछु ।

- लेखा समितिको प्रतिवेदन प्रस्तुत गरिदिनुहुन समितिका संयोजक श्री शैलेन्द्र कुमार बेल्बासेज्यूलाई अनुरोध गर्दछु ।
- विधायन समितिको प्रतिवेदन प्रस्तुत गरिदिनुहुन समितिका संयोजक श्री बाबुराम अर्यालज्यूलाई अनुरोध गर्दछु ।
- आर्थिक विकास समितिको प्रतिवेदन प्रस्तुत गरिदिनुहुन समितिका संयोजक श्री छविलाल रेश्मी मगरज्यूलाई अनुरोध गर्दछु ।
- सुशासन तथा संस्थागत विकास समितिको प्रतिवेदन प्रस्तुत गरिदिनुहुन समितिका संयोजक श्री कमल पौडेलज्यूलाई अनुरोध गर्दछु ।
- पूर्वाधार विकास समितिको प्रतिवेदन प्रस्तुत गरिदिनुहुन समितिका संयोजक श्री बिष्णु प्रसाद पौडेलज्यूलाई अनुरोध गर्दछु ।
- सामाजिक विकास समितिको प्रतिवेदन प्रस्तुत गरिदिनुहुन समितिका संयोजक श्री बिष्णु गिरीज्यूलाई अनुरोध गर्दछु ।
- वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समितिको प्रतिवेदन प्रस्तुत गरिदिनुहुन समितिका संयोजक श्री करुण टण्डनज्यूलाई अनुरोध गर्दछु ।
- अनुगमन समितिको प्रतिवेदन प्रस्तुत गरिदिनुहुन अनुगमन समितिका संयोजक श्री रीता कुमारी चौधरीज्यूलाई अनुरोध गर्दछु ।
- सार्वजनिक महत्त्वका प्रस्तावहरू प्रस्तुत गरिदिनुहुन श्री टेक बहादुर झेडी मगरज्यूलाई अनुरोध गर्दछु ।
- अब म यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको त्रिवर्षीय बजेट प्रक्षेपण सहित मध्यमकालीन खर्च संरचना प्रस्ताव पेश गर्न नगर उप-प्रमुख श्री रीता कुमारी चौधरीज्यूलाई अनुरोध गर्दछु ।

सदस्यज्यूहरू,

सभा सदस्यज्यूहरू



भरखी प्रस्तुत भएको बाणगङ्गा नगरपालिकाको आर्थिक वर्ष ०८२१०८३ को बजेट तथा कार्यक्रम, विषयगत समितिका प्रतिवेदनका सम्बन्धमा कुनै सदस्यहरूको केही टिप्पणी वा संशोधन वा थप घट गर्नुपर्ने भए आफ्नो बनाई राख्न ईच्छुक सदस्यलाई ३/३ मिनेट समय उपलब्ध गराउँदछु। ईच्छुक कोही भए हात उठाएर आफ्नो नाम टिपाउनुहोला।

सदस्यहरू:-

- १.
- २.
- ३.

नगरसभा सदस्यहरूबाट प्राप्त भएका टिप्पणी, संशोधन र थप घट गर्नुपर्ने विषयहरूलाई सम्बोधन

नगर सभा सदस्यज्यूहरू

अब म नगर सभा उपाध्यक्ष एवम् नगर उप-प्रमुख मार्फत यस सम्मानित १७औं नगर सभाको दोस्रो बैठकमा पेश भएको बाणगङ्गा नगरपालिकाको आ.व.२०८२१०८३ को बजेट तथा कार्यक्रम स्वीकृतिका लागि पेश गर्दछु।

पेश भएको बजेट तथा कार्यक्रमलाई संशोधन सहित स्वीकृत गर्न हुन्न भन्ने सदस्यहरूले हुन्न भन्नुस। मत दिन भन्ने सदस्यहरूले मत दिन भन्नुस र हुन्छ भन्ने सदस्यहरूले हुन्छ भन्नुस।

मत दिन भन्ने सदस्यहरू मत दिन भन्नुहोस्

हुन्न भन्ने सदस्यहरूले हुन्न भन्नुहोस्

हुन्छ भन्ने सदस्यहरूले हुन्छ भन्नुहोस्

मत दिन र हुन्न भन्ने सदस्यहरूको आवाज नसुनिएको र हुन्छ भन्नेमा सर्वसहमत देखिएकोले आर्थिक वर्ष २०८२१०८३ को बाणगङ्गा नगरपालिकाको बजेट तथा कार्यक्रम स्वीकृत भएको घोषणा गर्दछु।

अब म यस नगरपालिकाको चालु आर्थिक वर्षमा विभिन्न विषयगत समितिले हासिल गरेका हालसम्मका प्रगति प्रतिवेदनको रूपमा प्रस्तुत भएका प्रतिवेदनहरू स्वीकृतिका लागि पेश गर्दछु।

पेश भएका प्रतिवेदनहरूलाई स्वीकृत गर्न हुन्न भन्ने सदस्यहरूले हुन्न भन्नुहोस्। मत दिन भन्ने सदस्यहरूले मत दिन भन्नुहोस् र हुन्छ भन्ने सदस्यहरूले हुन्छ भन्नुहोस्।

मत दिन भन्ने सदस्यहरूले मत दिन भन्नुहोस्

हुन्न भन्ने सदस्यहरूले हुन्न भन्नुहोस्

हुन्छ भन्ने सदस्यहरूले हुन्छ भन्नुहोस्

मत दिन र हुन्न भन्ने सदस्यहरूको आवाज नसुनिएको र हुन्छ भन्नेमा सर्वसहमत देखिएकोले सभामा पेश भएका सम्पूर्ण समितिक प्रतिवेदनहरू स्वीकृत भएको घोषणा गर्दछु।



सदस्यज्यूहरु,

हामी १७औं नगरसभाको दोस्रो बैठकको अन्त्यतिर आइसकेका छौं,

यस नगरपालिकाको आर्थिक वर्ष २०८२।०८३ को वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमको तयारीको क्रममा अमूल्य सुझाव दिनुहुने सङ्घ संस्था, सङ्घ सङ्गठनका पदाधिकारी एवम् प्रतिनिधि, राजनीतिक दलका पदाधिकारी एवम् प्रतिनिधि, माननीय संविधान सभा सदस्यज्यू, माननीय प्रदेश सभा सदस्यज्यू, माननीय प्रदेश योजना आयोगका उपाध्यक्षज्यू, माननीय निवर्तमान प्रतिनिधि सभा सदस्यज्यूहरु, माननीय राष्ट्रिय सभा उपाध्यक्षज्यूलाई म स्वयम् र सबै नगर सभा सदस्यहरुको तर्फबाट हृदयदेखि धन्यवाद दिन चाहन्छु।

साथै

बाणगङ्गा नगरपालिकाको आजको यस १७औं नगरसभालाई व्यवस्थित र मर्यादित ढङ्गबाट अगाडि बढाउन सहयोग गर्ने सबै नगर सभा सदस्यज्यूहरु र कार्यक्रम व्यवस्थापन गर्ने सबै कर्मचारी मित्रहरुलाई विशेष धन्यवाद दिँदै आजको यो १७औं नगर सभा अधिवेशनको दोस्रो बैठक समापन भएको घोषणा गर्दछु। धन्यवाद!

चक्रपाणी अर्याल
नगर प्रमुख



बाणगङ्गा नगरपालिकाको १७ औं नगरसभाको पहिलो अधिवेशनको दोस्रो बैठकमा नगर उपप्रमुख श्री
रीता कुमारी चौधरीज्यू द्वारा प्रस्तुत
आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ को बजेट तथा कार्यक्रम

यस सत्रौं नगर सभाका अध्यक्ष, नगर सभाका सचिवज्यू, नगर प्रवक्ताज्यू सम्पूर्ण नगर सभा सदस्यज्यूहरू, कर्मचारीवर्ग तथा पत्रकारज्यूहरू,

स्थानीय तहको पुनसंरचना पश्चात् स्थापित यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको ऐतिहासिक सत्रौं नगर सभामा आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ को वार्षिक बजेट प्रस्तुत गर्ने अनुमति चाहन्छु।

- यस सत्रौं नगर सभाको पवित्र मञ्चबाट बाणगङ्गा नगरपालिकाको आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ को वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम प्रस्तुत गर्न पाउँदा अत्यन्त गौरवान्वित महसूस गरेको छु। मलाई दोस्रो जननिर्वाचित उपप्रमुखको रूपमा सेवा गर्ने अवसर प्रदान गर्नुहुने सम्पूर्ण नगरबासी, राजनीतिक दलका अग्रज नेतृत्व र समुदायका अगुवाहरूप्रति हार्दिक कृतज्ञता र सम्मान व्यक्त गर्दछु।
- यस विशिष्ट अवसरमा, मुलुकको स्वतन्त्रता, सार्वभौमसत्ता, भौगोलिक अखण्डता, राष्ट्रिय एकता, स्वाधीनता र स्वाभिमानलाई अक्षुण्ण राख्दै जनताको सार्वभौम अधिकार, स्वायत्तता र स्वशासनको प्रत्याभूतिलाई सुदृढ गर्ने पवित्र प्रतिबद्धता व्यक्त गर्दछु। राष्ट्रहित, लोकतन्त्र र अग्रगामी परिवर्तनका लागि ऐतिहासिक जनआन्दोलन, सङ्घर्ष र बलिदानबाट स्थापित गौरवपूर्ण इतिहासको स्मरण गर्दै ती आन्दोलनमा आफ्नो अमूल्य जीवन बलिदान गर्ने सम्पूर्ण ज्ञात-अज्ञात सहिदहरूप्रति हार्दिक श्रद्धाञ्जलि अर्पण गर्दछु।
- नेपालको संविधानले परिकल्पना गरेको तीन तहको शासकीय संरचना अन्तर्गत नागरिकको घरदैलोको सरकार, स्थानीय तहको दोस्रो जननिर्वाचित उपप्रमुखको रूपमा नगरबासीको सेवा गर्ने अवसर प्रदान गर्नुहुने सम्पूर्ण सम्माननीय नगरबासीहरूप्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त गर्दछु। साथै, सङ्घीयता कार्यान्वयन पश्चात् बाणगङ्गा नगरपालिकाको संस्थागत संरचना सुदृढीकरण र विकासको आधारशीला स्थापना गर्न प्रथम जननिर्वाचित स्थानीय सरकारका निवर्तमान नगर प्रमुखज्यू लगायत सम्पूर्ण जनप्रतिनिधिहरूको कुशल नेतृत्व र समर्पणप्रति हार्दिक आभार प्रकट गर्दछु।
- यस सत्रौं नगर सभामार्फत स्थानीय सरकारका नीति, कार्यक्रम, दिग्दर्शन र निर्देशिकाहरूलाई आधार बनाएर समावेशी, सहभागितामूलक र पारदर्शी लोकतान्त्रिक अभ्यासद्वारा नगरबासीका माग, आवश्यकता र आकाङ्क्षाहरूलाई सम्बोधन गर्ने सुअवसर प्राप्त भएको छ। बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिको संयोजकको हैसियतले आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ को बजेट प्रस्तुत गर्न पाउँदा गर्वको अनुभूति भएको छ। नगरबासीहरूको हित, समृद्धि र सुखलाई सर्वोच्च प्राथमिकतामा राख्दै कार्यकुशलता, परिपक्व नेतृत्व र आत्मीय सहयोगका साथ समृद्ध, समावेशी र दिगो नगर निर्माणमा दृढसङ्कल्पित छु।
- राज्य पुनसंरचना पश्चात् स्थानीय सरकारको रूपमा बाणगङ्गा नगरपालिकाले शासकीय जिम्मेवारीलाई नागरिकको पहुँचमा ल्याएको छ। नेपालको संविधानले परिकल्पना गरेको समावेशी र समृद्ध विकासको अवधारणालाई आत्मसात् गर्दै अगाडि बढिरहँदा, संघीय बजेट कटौती र स्रोतको सीमितताले नगरपालिकाको समग्र स्रोत परिचालन र विकास गतिविधिमा केही अवरोध सिर्जना गरेको तथ्य सर्वविदित छ। यस्ता चुनौतीका बाबजुद, हामीले सीमित साधन र स्रोतको अधिकतम उपयोग गरी नगरबासीका आकाङ्क्षा सम्बोधनमा कुनै कसर बाँकी राख्ने छैनौं।
- आगामी आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ को बजेट निर्माणमा नेपालको संविधान, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४, स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८, दिगो विकास लक्ष्य (SDGs) र नेपाल सरकारले अन्तर्राष्ट्रिय मञ्चमा व्यक्त गरेका प्रतिबद्धताहरूलाई आधार बनाइएको छ। नेपालको संविधानको अनुसूची ८ मा उल्लिखित स्थानीय तहको एकल



अधिकार, अनुसूची ९ मा उल्लेखित सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहको साझा अधिकार, साथै स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले निर्दिष्ट गरेको वित्तीय अधिकार क्षेत्र अन्तर्गतका विषयहरूलाई आधार मानी आर्जित स्रोतको उपयोग गरी नगर विकासको दीर्घकालीन खाका तयार गरिएको छ ।

बजेट निर्माण प्रक्रियामा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ र स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ बमोजिम सहभागितामूलक योजना तर्जुमा प्रक्रियालाई पूर्ण रूपमा अवलम्बन गरिएको छ । वडास्तरबाट प्राप्त असङ्ख्य माग र आकाङ्क्षाहरूलाई प्राथमिकीकरण गरी सीमित स्रोत र साधनको अधिकतम उपयोगमार्फत नगरबासीका आवश्यकता सम्बोधन गर्ने प्रयास गरिएको छ । साथै, वार्षिक बजेटसँगै त्रिवर्षीय मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरी दीर्घकालीन महत्वका आयोजना र कार्यक्रमहरूका लागि बजेट सुनिश्चितताको थालनी गरिएको छ । यो व्यवस्थाले नगरको दिगो विकास र समृद्धिको मार्गलाई थप सुदृढ बनाउने विश्वास लिएको छु ।

सभाअध्यक्ष एवं नगर सभाका सदस्यज्यूहरू,

अव म आ.व. २०८२।०८३ का लागि नगरपालिकाको वार्षिक लक्ष्य र उद्देश्य तथा तय गरिएका प्राथमिकताहरू प्रस्तुतीकरणका लागि अनुमति चाहन्छु ।

क) उद्देश्य:

समावेशी, समानुपातिक, सहभागितामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरी नगरपालिकाले तय गरेको कार्यात्मक रणनीति "विलिभ बाणगङ्गा ब्राण्ड बाणगङ्गा" लाई आत्मसात् गर्दै जनताको खुसियाली अभिवृद्धि गर्ने ।

ख) लक्ष्य:

दिगो विकास लक्ष्यका सूचकहरू क्रमशः पुरा गरी स्थानीयकरण गर्दै गरिबी निवारण गर्ने ।

ग) प्राथमिकता:

देहायका विषय क्षेत्रमा संघ, प्रदेश, स्थानीय तथा निजी क्षेत्रका लगानी अभिवृद्धि गरी सन्तुलित तथा प्रतिस्पर्धात्मक सेवा प्रवाह गर्ने ।

- १) सामाजिक विकास
- २) पूर्वाधार विकास
- ३) सुशासन तथा संस्थागत विकास
- ४) आर्थिक विकास
- ५) वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन

उल्लेखित प्राथमिकता पुरा गर्न विषयक्षेत्रगत तपसिल बमोजिका गौरवका आयोजना तथा कार्यक्रम घोषण गरी क्रमशः पुरा गर्दै लगिने नीति अनुरूपको बजेट व्यवस्था गरिएको छ ।

१. कृषि तथा पशु विकास पकेट क्षेत्र बिस्तार
२. साना सिंचाई तथा कृषिमा यान्त्रिकरण आयोजना
३. पर्यटन सर्किट तथा धार्मिक तथा पर्यटकीय क्षेत्रमा लगानी
४. सहरी सडक पूर्वाधार निर्माण तथा चक्रपथ बिस्तार
५. फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण तथा पूर्ण सरसफाई अभियान
६. नगर बसपार्क निर्माण तथा सहर सौन्दर्यीकरण
७. साना सहरी विकास कार्यक्रम तथा ढल निकास कार्यक्रम
८. एक घर एक धारा कार्यक्रम तथा स्वच्छ खानेपानी परिपूर्ति अभियान
९. राष्ट्रियस्तरको खेलकुद मैदान र रंगशाला निर्माण तथा अनुशासित, प्रतिस्पर्धी युवा निर्माण र आधुनिक खेल विकास
१०. पिपरा अस्पताल, आयुर्वेद स्वास्थ्य केन्द्र प्रविधि सम्पन्न भवन निर्माण
११. कृषि उपज सङ्कलन केन्द्र, हाट बजार निर्माण तथा आत्मनिर्भर कार्यक्रम
१२. गौसंरक्षण तथा एनिमल रिसर्च सेन्टर निर्माण
१३. औद्योगिकग्राम पूर्वाधार निर्माण तथा औद्योगिक कोरिडोर स्तरोन्नती
१४. बाणगङ्गा कोरिडोर, बाणगङ्गा बहुउद्देश्यीय सभाहल निर्माण
१५. एक वन एक उद्यम कार्यक्रम तथा प्राकृतिक स्रोतको सही सदुपयोग

१६. स्मार्ट सिटी तथा सेटलाईट सिटी निर्माण र स्वच्छ वातावरण निर्माण
१७. सांस्कृतिक संग्रहालय, प्रविधि सम्पन्न पुस्तकालय तथा अन्तरपुस्ता सीप हस्तान्तरण
१८. डिजिटल प्रशासन तथा सूचना प्रविधिमैत्री नागरिक सेवा, आत्मनिर्भर कार्यक्रम
१९. राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक अभियान परिपूर्ण, तथा जनताको खुसियाली अभिवृद्धि
२०. दिगो विकासका लक्ष्यहरूलाई क्रमशः स्थानीयकरण तथा पूर्व नीतिको निरन्तरता
२१. सार्वजनिक निजी साझेदारी सहकारी क्षेत्रको पुँजी परिचालन
२२. भू-व्यवस्थापन तथा गरिबी निवारण
२३. शिक्षामा आधुनिकीकरण, प्रविधिकरण तथा निःशुल्क शिक्षा अभियान
२४. समानुपातिक समावेशी तथा अधिकारमा आधारित विकास,



अध्यक्ष महोदय एवं नगर सभाका सदस्यज्यूहरू,

अब म आ.व. २०८२।०८३ को मुख्य मुख्य क्षेत्रगत कार्यक्रम तथा विनियोजनको प्रारूप प्रस्तुत गर्न चाहन्छु। जसबाट जनताको खुसियाली अभिवृद्धिमा महत्वपूर्ण योगदान भई नगरपालिकाले तय गरेको कार्यात्मक रणनीति "विलिप्त बाणगङ्गा ब्राण्ड बाणगङ्गा" को नारा पुरा हुने विश्वास लिएको छु।

क) सामाजिक विकास:

सामाजिक विकास तर्फ स्वास्थ्य तथा पोषण, शिक्षा भाषा कला तथा साहित्य, खानेपानी तथा सरसफाइ, महिला बालबालिका तथा समावेशीकरण, युवा खेलकुद तथा नव प्रवर्तन र सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण विषयक्षेत्रमा हामी हस्तले तय गरेका देहायका गौरवका योजना तथा कार्यक्रमहरू शिक्षामा आधुनिकीकरण, स्वच्छ खानेपानी आपूर्ती, प्रविधिकरण तथा निःशुल्क शिक्षा अभियान, अन्तरपुस्ता सीप हस्तान्तरण, पञ्जीकरण तथा सामाजिक सुरक्षा, समानुपातिक समावेशी तथा अधिकारमा आधारित विकास, दिगो विकासको लक्ष्यलाई क्रमशः स्थानीयकरण जस्ता विषयक्षेत्रगत कार्यक्रमलाई प्राथमिकताका साथ सम्पन्न गर्न रु. ६५ करोड ६४ लाख ८९ हजार ५ सय विनियोजन गरिएको छ।

ख) पूर्वाधार विकास तर्फ:

"पूर्वाधार विकास तर्फ दिगो तथा उत्थानसिल पूर्वाधार, गुणस्तरीय र भरपर्दो विकासको आधार" भन्ने उद्देश्य अनुरूप भवन तथा बस्ती विकास, सडक पुल तथा यातायात, सिंचाइ, जलश्रोत उर्जा तथा स्वच्छ उर्जा, सूचना तथा सञ्चार प्रविधिलाई सम्बोधन गर्न गौरवका आयोजना कार्यान्वयन, विद्यालय तथा स्वास्थ्य पूर्वाधार निर्माण जस्ता योजना कार्यान्वयन गर्न रु. ५० करोड ७५ लाख १० हजार ५ सय रकम विनियोजन गरिएको छ।

ग) सुशासन तथा संस्थागत विकास तर्फ:

सामान्य प्रशासन तथा विकासत्मक प्रशासन सञ्चालन गर्न सुशासन तथा संस्थागत विकास अन्तर्गत सामान्य सेवा, स्थानीय सेवा तथा अभिलेखीकरण व्यवस्थापन, सुरक्षा व्यवस्थापन, सुशासन प्रवर्द्धन, अनुसन्धान तथा विकास, बाह्य क्षेत्र समन्वय, अनुगमन र मुल्याङ्कन, जनशक्ति व्यवस्थापन जस्ता विषयमा रु. २८ करोड ७० लाख रकम विनियोजन गरिएको छ।

घ) आर्थिक विकास तर्फ:

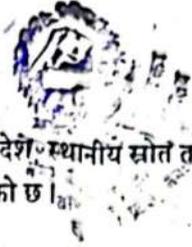
आर्थिक विकास अन्तर्गत कृषि विकास, पशुपंक्षी विकास, उद्योग तथा व्यवसाय, पर्यटन तथा संस्कृति, सहकारी तथा वित्तीय सेवा श्रम रोजगार तथा गरिबी निवारण जस्ता विषयक्षेत्रलाई प्राथमिकतामा राखी कृषि पकेट क्षेत्र विस्तार, पशु विकास पकेट क्षेत्र विस्तार, कृषिमा यान्त्रिकरण र विविधिकरण, सहकारी प्रवर्द्धन, पर्यटन विकास तथा भूमि व्यवस्थापन र गरिबी निवारण बाह्य आर्थिक श्रोत परिचालनमा रु. २५ करोड ८० लाख रकम विनियोजन गरिएको छ।

ङ) वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन तर्फ:

वन भू संरक्षण तथा जैविक विविधता, विपद् जोखिम व्यवस्थापन, वातावरण संरक्षण तथा फोहर मैला व्यवस्थापन र जलवायु परिवर्तन अनुकूलन विषय क्षेत्रमा नदी नियन्त्रण तथा तटवन्द, वातावरण संरक्षण, प्रकोप व्यवस्थापन कोष, पूर्ण सरसफाइ अभियान लगायत समग्र वातावरण सन्तुलनका लागि रु. ९ करोड ९० लाख रकम विनियोजन गरिएको छ।

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]



माथि उल्लेखित विषयक्षेत्रगत श्रोत परिचालनको लागि संघ, प्रदेश, स्थानीय स्रोत तथा बाह्य स्रोत परिचालन गरी जम्मा रु १ अर्ब ७६ करोड ८० लाख श्रोत परिचालन हुने अनुमान गरिएको छ ।

उल्लेखित अनुमान बमोजिम विनियोजन विधेयकको योजनागत र कार्यक्रमगत विवरण अनुसूचीहरूमा व्यवस्था गरिएको छ ।

अन्त्यमा,

सीमित स्रोत र साधनका आधारमा सावधानीपूर्वक तयार पारिएको आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ को यो बजेटको प्रभावकारी कार्यान्वयनले बाणगङ्गा नगरपालिकाका नगरबासीहरूको समृद्धिको चाहनालाई साकार पार्न महत्वपूर्ण सहयोग पुऱ्याउने दृढ विश्वास लिएको छु । विगतका नगर सभाहरूले पारित गरेका महत्वपूर्ण नीति र कार्यक्रमहरूलाई निरन्तरता दिँदै तिनको सफल कार्यान्वयनबाट प्राप्त उपलब्धिहरूलाई आत्मसात् गर्ने प्रतिबद्धतासहित, आगामी वर्षका लागि समावेशी र सहभागितामूलक विकास पद्धतिलाई प्राथमिकता दिइएको छ । यो बजेटले दिगो आर्थिक वृद्धि र आत्मनिर्भरताको मार्ग प्रशस्त गर्न, राजस्व अभिवृद्धिमा उच्चतम लक्ष्य हासिल गर्न र विकासका गतिविधि मार्फत रोजगारी सिर्जना गरी गरिबी न्यूनीकरणमा योगदान पुऱ्याउने परिकल्पना गरेको छ । साथै, “ब्राण्ड बाणगङ्गा, बिलिभ बाणगङ्गा” अभियानलाई सशक्त बनाउँदै नगरबासीहरूलाई आ-आफ्नो क्षेत्रबाट नगरपालिकाका पहलकदमीहरूमा सक्रिय सहभागिता र सहयोगका लागि प्रेरित गर्ने प्रयास गरिएको छ । यो सामूहिक प्रयासले हाम्रो नगरलाई समृद्ध, समावेशी र दिगो विकासको नमुना बनाउने विश्वास लिएको छु ।

यो बजेट निर्माण प्रक्रियामा प्रत्यक्ष र अप्रत्यक्ष रूपमा योगदान पुऱ्याउनुहुने सबैप्रति हार्दिक कृतज्ञता र सम्मान व्यक्त गर्न चाहन्छु । विशेष गरी:

- सम्पूर्ण निर्वाचित जनप्रतिनिधिज्यूहरू, जसले नीति निर्माणमा नेतृत्वदायी भूमिका निर्वाह गर्नुभयो,
- पूर्वजनप्रतिनिधिज्यूहरू, जसको अनुभव र मार्गदर्शनले हामीलाई प्रेरणा प्रदान गरेको छ,
- राजनीतिक दलका प्रमुख तथा प्रतिनिधिज्यूहरू, जसले साझा दृष्टिकोण निर्माणमा सहयोग गर्नुभयो,
- सरकारी कार्यालयका प्रमुखज्यूहरू, जसले प्रशासनिक समन्वयमा अमूल्य योगदान दिनुभयो,
- नागरिक समाज, गैरसरकारी संस्था, निजी क्षेत्र र दातृ निकायहरू, जसले विकासका साझेदारको रूपमा साथ दिनुभयो,
- सञ्चार माध्यम, जसले नगरपालिकाका गतिविधिलाई जनतामाझ पुऱ्याउनुभयो,
- नगर कार्यपालिकाको कार्यालयका कर्मचारीज्यूहरू जसले अथक परिश्रम र समर्पणका साथ यो बजेट तयार गर्नुभयो ।

यस बजेटको सफल कार्यान्वयनका लागि सम्पूर्ण नगरबासी, जनप्रतिनिधि, राजनीतिक दल, नागरिक समाज, निजी क्षेत्र, सञ्चार जगत, र अन्य सरोकारवालाहरूको रचनात्मक सहयोग, सुझाव र सक्रिय सहभागिताको अपेक्षा गरेको छु । तपाईंहरूको संलग्नताले हाम्रो साझा लक्ष्यलाई साकार पार्नेछ ।

अन्त्यमा,

यो बजेटले बाणगङ्गा नगरपालिकालाई समृद्धिको नयाँ उचाइमा पुऱ्याउने विश्वासका साथ, सबैको साझा प्रयास र समर्पणप्रति पुनः हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन गर्दछु । आगामी दिनमा पनि यस्तै सहकार्य र समन्वयको अपेक्षा राख्दै समृद्ध बाणगङ्गाको सपना साकार पार्न हातेमालो गरौं ।

धन्यवाद ।

विधायन समितिको प्रतिवेदन

यस १७ औं नगरसभाका अध्यक्षज्यू
सभाका उपाध्यक्षज्यू
सचिव ज्यू
सम्पूर्ण नगर सभा सदस्यज्यूहरू,
राष्ट्रसेवक कर्मचारी साथीहरू,



विधायन समितिको संयोजक जस्तो महत्वपूर्ण जिम्मेवारीको हैसियतले यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको यस गरिमाय १७ औं नगरसभामा विधायन समितिको प्रतिवेदन प्रस्तुत गर्ने जिम्मेवारी पाउँदा निकै गौरवान्वित भएको छु। गौरवान्वित महसुस गरेको छु।

सर्वप्रथम म चालु आर्थिक वर्ष २०८१/०८२ को नीति तथा कार्यक्रमको कार्यान्वयनको अवस्था प्रस्तुत गर्न चाहान्छु।

- कानून निर्माणको कार्यलाई दिर्घकालिन र प्रकृत्यालाई प्रभावकारी बनाउन सम्बन्धित क्षेत्रका विज्ञहरू परिचालन गरिने नीति ल्याइएकोमा हामीले निर्माण गर्ने कानूनहरूको तयारी गर्दै गर्दा थुप्रै सरोकारवाला तथा विज्ञहरूसँग समन्वय र सहकार्य गरिएको छ।
- बाणगङ्गा नगरपालिकाको न्यायिक समितिमा नगरवासीको पहुँच स्थापित गर्दै स्थानीय विवादहरूलाई मेलमिलापकर्ता एवं मध्यस्थकर्ता मार्फत समाधान गर्न प्रत्येक वडामा गठन भएका मेलमिलाप केन्द्रलाई थप व्यवस्थापन गरी मेलमिलापकर्ताहरूको क्षमता विकासको लागि विशेष अनुशिक्षण तथा तालिम दिई न्याय सम्पादनलाई छिटो छरितो बनाउने नीति अनुरूप न्यायीक कार्य सम्पादन सम्बन्धी सफ्टवेयर जडान गरी सोही अनुरूप कार्य गर्ने प्रयास गरिएको छ। उक्त कार्यलाई अझ प्रभावकारी बनाउन आगामी दिनहरूमा न्यायीक कार्यसम्पादन सफ्टवेयर मार्फत गर्न थप प्रभावकारी व्यवस्थापन गरिनेछ। न्यायिक समितिकमा पर्न आएका उजुरीहरू नियमित फछौट हुने गरी न्यायिक समितिको कामलाई प्रभावकारी बनाउन न्याय सम्पादनलाई प्रविधि मैत्री बनाउदै लगिनेछ।

सभाअध्यक्षज्यू

संविधानले ३ तहको राज्यको परिकल्पना गरेसँगै स्थानीय तहलाई दिएको अधिकार र कार्यसूचीभित्र रहेर स्थानीय सरकारले तर्जुमा गरेका नीति, कार्यक्रम र बजेटलाई कार्यान्वयनको चरणमा सहजिकरण, सरलता, एकरूपताका साथै थप उद्देश्यमुलक र उपलब्धिमुलक बनाउन थुप्रै ऐन, नियम, कार्यविधि र निर्देशिका निर्माण गरी स्थानीय तहसँग नागरिकले गरेका अपेक्षा र आवश्यकतालाई सम्बोधन गर्दै "संमृद्ध बाणगङ्गाको मूलआधार, आर्थिक सामाजिक रुपान्तरण सहितको पूर्वाधार" लाई सार्थकता दिनुका साथै नगरपालिकालाई समृद्ध नगरको रूपमा स्थापित गर्नु प्रमुख उद्देश्य रहेका छन्। तथापी संविधानतः स्थानीय तहले प्राप्त गरेका अधिकारहरूको कार्यान्वयनमा संघ र प्रदेशको नियन्त्रण तथा स्थानीय तहको स्वतन्त्रतामा कसी लगाउने जस्ता समस्याहरू देखापरेका छन्। स्थानीय तहका अधिकारहरूको कार्यान्वयनमा देखा परेका चुनौतीहरू निम्नानुसार प्रस्तुत गर्न चाहान्छु।

चुनौतीहरू

१. नेपालको संविधानको निर्माण तथा संघीयताको कार्यान्वयनको १० वर्ष पुग्दासम्म स्थानीय अधिकारको सूचीमा रहेका अधिकारहरूको प्राप्तिको लागि संघीय क्षेत्रगत कानूनहरू पुरानै हुँदा स्थानीय तहमा बनेका कतिपय कानूनहरूले सार्थकता नपाउने अवस्था यस अवधीमा विभिन्न स्थानीय तहका विरुद्ध उजुरीहरूको किनारा लगाउँदा अदालतले गरेका निर्णयहरूलाई नजिकको रूपमा लिन सकिन्छ।
२. अपाङ्गता भएका व्यक्ति तथा अशक्तहरूको व्यवस्थापनमा सामाजिक सुरक्षा वापत प्राप्त हुने सहायता संघीय स्रोत मार्फत आउने र अपाङ्गता परिचयपत्र वितरण गर्ने कार्यविधि समेत संघीय कानून अनुसार हुनाले श्रेणीगत परिचयपत्र पाउने पर्ने व्यक्तिहरूले नपाउने अवस्थाले गर्दा राज्यका अन्य सुविधाको पहुँचमा नरहेका नागरिकहरूमा अझैपनि नैराश्यता श्रृजना भएको देखिन्छ।
३. शिक्षाको व्यवस्थापन, स्थानीय बजार व्यवस्थापन, घरजग्गा धनी लालपुर्जा वितरण, कृषि बजारको व्यवस्थापन जस्ता अधिकारहरू सूचीमा मात्रै सिमित रहने अवस्था रहेको छ।

अचको कार्यदिशा:

संविधानले स्थानीय सरकारलाई प्रदान गरेको अधिकारको उपयोग गर्दै बजेट, नीति तथा कार्यक्रम, जनताको अपेक्षा र आशालाई मध्यनजर गर्दै प्राथमिकताको आधारमा कानून निर्माण गरि समयमै कार्यान्वयन गरि, स्थानीय सरकारको अनुभूति दिलाउन मार्गदर्शन गर्नु विधायन समितिको कार्यदिशा रहनेछ।

(Handwritten signatures)

संविधानले प्रदत्त गरेको अधिकार क्षेत्र भित्र रहेर स्थानीय स्तरमै कानून निर्माण गर्नु र कार्यान्वयनमा लेजानु स्थानीय सरकारको लागि आजको चुनौतीको विषय पनि हो। विगतका दिनहरूमा पनि हामीले थुप्रै ऐन, कानून कार्यविधि, निर्देशिका, मापदण्डहरू निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिसकेका छौं र कतिपय कानूनहरू कार्यान्वयनको चरणमा पनि छन्। यद्यपि अझै पनि थुप्रै कानून निर्माण गरि कार्यान्वयन गर्नुपर्ने अवस्था छ। जुन कार्य द्रुत गतिमा अगाडि बढिरहेको छ।

सभाअध्यक्ष्य

गत आर्थिक वर्ष २०८०।०८१ को १५औं नगरसभामा मैले प्रस्तुत गरेको विधायन समितिको प्रतिवेदन अनुसार ९९ वटा कानूनहरू निर्माण भएकोमा यस आर्थिक वर्ष २०८१।०८२ को श्रावण देखि हालसम्म विधायन समितिले तर्जुमा गरी सिफारिस गरेका तथा नगरसभा तथा कार्यपालिकाले स्वीकृत गरी कार्यान्वयनमा रहेका १२ वटा थप कानूनहरू यस नगरसभामा प्रस्तुत गर्न चाहान्छु।

| | |
|--|--|
| आर्थिक ऐन, २०८१ | |
| विनियोजन ऐन, २०८१ | |
| स्थानीय तहका लागि खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता सूचना व्यवस्थापन प्रणाली (WASH MIS) मार्गदर्शन, २०८१ | |
| खुल्ला दिसामुक्त अवस्थाको दिगोपन सम्बन्धी कार्यविधि, २०८१ | |
| हात स्वच्छता कार्यविधि, २०८१ | |
| कृषि तथा पशुपन्छी प्रवर्द्धन कोष सञ्चालन कार्यविधि, २०८१ | |
| पिपरा अस्पताल कर्मचारी प्रोत्साहन मापदण्ड, २०८१ | |
| स्वास्थ्य ऐन, २०८१ | |
| बाणगङ्गा नगरपालिकामा करारमा जनशक्ति व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यविधि, २०७७ (प्रथम संशोधन) | |
| बाणगङ्गा नगरपालिका बाणगङ्गा बसपार्क व्यवस्थापन कार्यविधि, २०८१ | |
| कृषि बजार विकास तथा व्यवस्थापन निर्देशिका, २०८१ | |
| बाणगङ्गा नगर कार्यपालिकाको फोहरमैला व्यवस्थापन तथा प्रशोधन केन्द्र व्यवस्थापन निर्देशिका २०८१ | |

गरी यस आर्थिक वर्षमा कूल १२ वटा कानूनहरूको निर्माण गरिएको छ भने केही कानूनहरू समय सापेक्ष संशोधन गरिएको छ संशोधन गरिएको कानूनहरू र संशोधन गर्नुपर्ने कारण जुन यस अधिका नगरसभाहरूमा उठ्ने गरेका छन ति कारणहरूलाई म यस गरिमामय सभामा प्रस्तुत गर्न चाहान्छु।

संसोधन भएका कानूनहरू

- पशु चौपाया नियन्त्रण, व्यवस्थापन तथा पूर्वाधार निर्माण कार्यविधि, २०८० अनुसार साविकमा बाणगङ्गा नगरपालिका बाहिरका स्थानीय तहहरूसंगको सहकार्यता समावेश गरिएको थिएन भने संसोधित यस कानूनमा हाल कार्यविधिको दफा २ को परिभाषामा अन्तरस्थानीय तह भन्ने पारिभाषिक शब्द राखिएको छ जसले आफ्नो स्थानीय तहमा रहेका छाडा चौपायाहरूलाई नगरको सहकार्यमा सहलगानी गर्न चाहन्छन त्यस्तो स्थानीय तहको परिभाषा गरिएको छ। त्यसैगरी सोही कार्यविधिको दफा १० मा जुन स्थानीय तहले यस नगरसंग सहकार्य र सह लगानी गर्ने हो उनिहरूको दायित्व के हुने भन्ने सम्बन्धमा संशोधन गरिएको छ। त्यसै गरी अनुसूची थप गरी सम्बन्धित स्थानीय तहसंग सम्झौता गर्ने सम्झौताको नमूना राखिएको छ।
- त्यसैगरी साविकमा ५ वटा मात्र नगर प्रहरी व्यवस्थापन गरिएकोमा समय सापेक्ष नगर प्रहरीको संख्या तथा पद समेत समायोजन गर्न नगर प्रहरी सञ्चालन तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यविधिलाई संशोधन गरिएको छ।

सभा अध्यक्ष ज्यू,

स्थानीय सरकारलाई संविधानद्वारा प्रदत्त अधिकारको उपयोग गर्दै बजेट, निति तथा कार्यक्रम, जनताको अपेक्षा र आकांक्षालाई मध्यनजर गर्दै प्राथमिकताको आधारमा कानून निर्माण गरी समयमै कार्यान्वयन गराई, स्थानीयस्तरमै सरकारको उपस्थितीको अनुभूति दिलाउन मार्गदर्शन गर्नु यस विधायन समितिको जिम्मेवारी हुने व्यहोरा अवगत गराउँदै यस विधायन समितिलाई विभिन्न कानूनहरूको तर्जुमा गर्न सहयोग पुऱ्याउनुहुने नगर प्रमुख, उपप्रमुख, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, वडा अध्यक्षहरू, कार्यपालिका सदस्यहरू, नगरसभा सदस्यहरू, विषयगत शाखाका प्रमुखहरू र सम्पूर्ण कर्मचारीहरू एवं सरोकारवाला सबैलाई विशेष धन्यवाद दिन चाहान्छु।

(Handwritten signature)

धन्यवाद!

बाबुराम अर्याल
संयोजक

विधायन समिति, बाणगङ्गा नगरपालिका



अनुसूची-५ (ख)

सार्वजनिक सेवा, सुशासन तथा संस्थामुक्त विकास समितिको प्रतिवेदन

यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको १७औं नगरसभाका सभा अध्यक्ष ज्यू, उपाध्यक्ष ज्यू, नगर सभा सचिव ज्यू, उपस्थित नगरसभा सदस्य ज्यूहरू, सञ्चारकर्मीहरू लगायत सम्पूर्ण उपस्थित राष्ट्र सेवक कर्मचारीहरू, सर्वप्रथम त म यस गरिमामय नगरसभामा सार्वजनिक सेवा, सुशासन तथा संस्थागत विकास समितिको प्रतिवेदन पेश गर्न पाउँदा निकै गौरवान्वित महसुस गरेको छु। यो अवसर दिनुहुने यस सभाका सभाध्यक्ष एवं नगर प्रमुख ज्यू प्रति कृतज्ञता व्यक्त गर्न चाहान्छु।

अब म मेरो जिम्मेवारी अनुसार चालु आर्थिक वर्ष २०८१/०८२ को नीति तथा कार्यान्वयनको अवस्था संस्थागत विकास, जनशक्ति विकास तथा सेवा प्रवाह, सूचना प्रविधि लगाएत समितिको क्षेत्रभित्रका हाल सम्मका उपलब्धीहरूलाई बुँदागत रूपमा प्रस्तुत गर्न चाहान्छु।

- जनसंख्या बृद्धि संगै नगर तथा वडाको कार्यचाप बढ्दै गईरहेकोले सेवा प्रवाहमा सरलीकृत गर्न जनशक्ति व्यवस्थापनको लागि संगठन संरचनालाई कार्यचापको आधारमा पुर्नसंरचित गर्दै संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षणलाई अद्यावधिक गरिने नीति अनुरूप यस चालु आर्थिक वर्षमा बाणगङ्गा नगरपालिकाको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण तयार गरी स्वीकृत गरिएको छ। जसमा बाणगङ्गा नगरपालिका अन्तर्गत रहेका वडाहरूको भुगोल, जनसंख्या र सेवा चापको हिसावले वडाहरूमा कम्तिमा ३ जना प्रशासनिक कर्मचारी र १ जना प्राविधिक कर्मचारीको व्यवस्था हुने गरी व्यवस्थापन गरिएको छ।
- नगर प्रहरीको दरबन्दीलाई न्यूनतम पन्ध्रमा पुन्याई नगर प्रहरी परीचालनलाई थप व्यवस्थीत र प्रभावकारी बनाउन ब्यरेक सिस्टममा राख्ने नीति अवलम्बन गरिने नीति अनुरूप ३ जना महिला सुरक्षा कर्मी सहित १५ जना नगर प्रहरीहरू परिचालन गरिएको छ।
- नगरपालिका भित्र रहेका सम्पूर्ण चल अचल सम्पत्तीको विवरण संकलन गरी प्रभावकारी प्रयोगका लागि तथ्याङ्कीय प्रणालीमा आबद्ध गरिने नीति अनुरूप नेपाल सरकारले उपलब्ध गराएको Public Assets Management System (PAMS) पूर्ण रूपमा प्रयोगमा ल्याईएको छ।
- निजी क्षेत्रसंगको सहकार्यमा प्रमुख पर्यटकीय गन्तव्यहरूमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधीको उपलब्धता सुनिश्चित गर्न नगरको वृत्तचित्र निर्माण गरी सम्पूर्ण पर्यटकीय क्षेत्रहरूको परिचय गराउने र आकर्षण गर्न पर्यटन विकास गुरुयोजना निर्माण गर्ने कार्य सम्पन्न भएको छ।
- नगरका विभिन्न स्थानमा सि.सि.टि.भी. क्यामेराहरूको क्षेत्र थप विस्तार गरी नागरिकको जिउधनको सुरक्षाको प्रत्याभूति गराउन सुरक्षाकर्मीहरूसंगको समन्वयमा व्यवस्थापन गरिने नीति अनुरूप विभिन्न स्थानमा सि.सि.टि.भी. क्यामेराहरू जडान गरिएको छ।
- पालिकामा रहेका भवनको डिजिटल अभिलेख वर्षौं सम्म राख्न, सेवाग्राहीलाई काम छिटो र गुणस्तरीय ढंगबाट प्रदान गरी नक्सापास प्राणालीलाई सम्बन्धीत निकायले अनुगमन गर्ने र नक्सापास प्रणालीलाई जनताको Database मा गाभ्ने गरी एकीकृत प्राणालीको निर्माण गर्न आवश्यक प्रवन्ध नीति अनुरूप System Software प्रयोग गरी डिजिटलाईबेसन गर्ने कार्य सम्पन्न भएको छ।
- जनताका दैनिक कार्यसम्पादनमा देखिने अन्यौल्ला हटाउन र सिफारिस सम्बन्धी सेवाहरूलाई प्रभावकारी बनाउन अन्तर निकाय समन्वयलाई जोड दिँदै सिफारिसको कार्यान्वयन गर्ने निकासहरूसंग सेवा सरलिकरणको लागि सहकार्य गर्दै लगिने सेवालाई प्रभावकारी बनाउन जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारीहरूको क्षमता विकास सम्बन्धी नीति लिईएकोमा घटना दर्ता तथा नागरिकता सिफारिस सम्बन्धी कार्यलाई छिटो छरितो र सरलिकरण गर्न ईलाका प्रशासन कार्यालयसंगको समन्वयमा जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारीहरूलाई अनलाईन नागरिकता सिफारिस सम्बन्धी क्षमता विकास तालिम सम्पन्न गरिएको। हाल नागरिकता सिफारिसको लागि नेपाल सरकारद्वारा विकास गरिएको प्रणाली (ext.cims.gov.np) बाट अनलाइन नागरिकता सिफारिसको शुरुवात गरिएको छ।
- सुशासनको महत्वपूर्ण अङ्गहरू जवाफदेहिता तथा विधिको शासन कायम, सेवा प्रवाहमा पारदर्शिता, नागरिकको सूचनामा पहुँच, सूचनाको हकको कार्यान्वयन जस्ता कार्यलाई प्रभावकारी बनाउन सार्वजनिक सूचना प्रकाशन, अर्ध वार्षिक तथा वार्षिक समिक्षा, सुझाव संकलन, सरोकारवालाहरूसंग अन्तर्क्रिया, सार्वजनिक सुनुवाई जस्ता कार्यक्रमहरूलाई अझ बढी प्रभावकारी बनाउँदै लगिने नीति लिएकोमा नगरका प्रशासनिक तथा आर्थिक गतिविधिहरूलाई जनतासमक्ष पुराउन त्रैमासिक रूपमा सूचनाको हक बमोजिम सार्वजनिक गर्नुपर्ने सूचना तथा प्रगतिहरू प्रत्येक ३ महिनामा प्रकाशित गरी नगरको वेबसाईटमा राख्ने तथा सरोकारवाला निकायहरूलाई जानकारी गराउँदै आएको, चौमासिक तथा अर्ध वार्षिक समिक्षाहरू सम्पन्न भएका छन्।
- विभिन्न व्यक्ति माग भई आएका सूचनाहरू समयमै उपलब्ध गराउने र सूचनाको हक बमोजिम सार्वजनिक निकायले प्रकाशित गर्नुपर्ने विवरणहरू प्रकाशित गर्दै आएको छ। नागरिको सेवासंग प्रत्यक्ष सरोकार रहने स्थानहरू नगरपालिका, वडा कार्यालयहरू, स्वास्थ्य चौकीहरू र अस्पतालमा डिजिटल नागरिक वडापत्रको व्यवस्थापन गरिएको छ।

(Handwritten signatures)



- घरनक्सा व्यवस्थापन, योजना सम्झौता तथा अभिलेख र न्यायीक कार्य सम्पादनमा प्रयोग हुने सफ्टवेयर वाहेक अन्य सबै खाले सफ्टवेयरहरू सरकारी प्रणालीमै प्रयोग गरिएको छ ।
- नगरलाई आवश्यक पर्ने सबै खाले जिन्सी तथा सम्पत्तिहरूको खरिदहरू ई-विडिङको माध्यमबाट गर्ने गरिएको छ । सबै खाले भुक्तानीहरू EFT मार्फत भुक्तानी गरिएको छ ।
- समग्र नगरपालिकाको कार्य सरलिकरण गर्न प्रत्येक महिना स्टाफ मिटिङ बसी शाखागत कार्य प्रगति, चुनौती र समस्याहरूको विषय बैठकमा प्रस्तुत गर्ने र जानकारी लिने दिने गरिएको छ ।
- छाडा चौपायालाई दिर्घकालिन व्यवस्थापन र प्रभावकारी बनाउन हाल अल्पकालिन रूपमा व्यवस्था गरिँदै आएको विभिन्न ठाउँका गौशालाहरूको स्तरोन्नती गर्दै छाडा चौपायाका कारण कृषकहरूलाई हानी पुग्दै आएका समस्याहरू विस्तारै समाधान हुँदै आएका छन् । छाडा चौपायाको समस्या भोगिरहेका अन्य छिमेकी नगरपालिकाहरूलाई समेत सहयोग पुराउने उद्देश्यले अन्तरनगरपालिका साझेदारी लगायीको अवधारणा अनुसार सैनामैना नगरपालिका, कञ्चन गाउँपालिका, कपिलवस्तु नगरपालिका र सिद्धार्थनगर नगरपालिकासंग लागत साझेदारी सम्झौता गरी गौशालाहरू व्यवस्थापन गरिएको छ ।
- स्थानीय तह संस्थागत क्षमता स्व:मूल्यांकन (LISA) आ.व.२०८०/८१ को समग्र हाम्रो प्रशासनिक, विकासात्मक तथा अन्तर निकाय समन्वयका गतिविधि मूल्यांकनका विषय क्षेत्रमा ९४.७५ प्रतिशत अंक प्राप्त गर्न सफल भएको ।
- हामी स्थानीय तह वितीय सुशासन जोखिम मूल्यांकन (Fiduciary Risk Assessment (FRA)) प्रारम्भिक नतिजा अनुसार बाणगङ्गा नगरपालिकाले ९३ अंक प्राप्त गर्न सफल भएका छौं ।
- नगरपालिका परिसरमा कपडा बैंकको शुभारम्भ भएको ।
- छिमेकी स्थानीय तह बुद्धभूमि नगरपालिका अन्तर्गत रहेक सर्पदंस उपचार केन्द्रमा CCTV जडान र चेतनामूलक कार्यक्रमको लागि सहयोग गरिएको ।
- नगरपालिकाको महत्वपूर्ण क्षेत्र सहकारी र खानेपानी संस्थाहरूको अनुगमन गरी हालसम्मको अवस्था र निरर्कष सहितको प्रतिवेदनहरू प्रस्तुत गरिएको छ ।
- कार्यपालिकाका १८ वटा, विधायन समितिका ५ वटा, सुशासन तथा संस्थागत विकास समितिका २ वटा, सामाजिक विकास समितिका २ वटा, आर्थिक विकास समितिका २ वटा, पूर्वाधार विकास समितिका २ वटा, वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन समितिका २ वटा, राजस्व परामर्श समितिका ४ वटा, श्रोत अनुमान तथा सिमा निर्धारण समितिका २ वटा लगायत विभिन्न समितिका नियमित बैठकहरू सम्पन्न भएका छन् ।
- विगत लामो प्रयासबाट मालपोत र नापी कार्यालय यस नगरपालिका अन्तर्गत सञ्चालन गर्न सफलता प्राप्त भएको छ ।
- पर्यटन विकास गुरुयोजना, लै.स.सा.स. प्रतिवेदन, भु-उपयोग योजना, नगरको एटलास, स्थानीय विपद् तथा जलवायु योजना जस्ता महत्वपूर्ण दस्तावेजहरू स्वीकृत भई कार्यान्वयनमा ल्याउने चरणमा रहेका छन् ।
- दिगो विकास लक्ष्यको बुँदा नं. ६ मा रहेको स्वच्छ खानेपानी तथा सरसफाईलाई स्थानीयकरण गर्न विपन्न व्यक्तिहरूको घरघुरीमा पाईप प्रणालीबाट धारा जडान गरिएको छ ।
- वडा नं. ५ र ८ दुई वटा वडाहरू पोषणमैत्री वडा घोषणा भएका छन् । थप ४ वटा वडाहरू घोषणा उन्मुख रहेका छन् ।
- प्राविधिक शिक्षा तर्फ देशकै उत्कृष्ट नतीजा ल्याउने विद्यालय, सबै भन्दा बढी राजस्व आम्दानी गर्ने वडा, कृषि क्षेत्रमा उत्कृष्ट कार्य गर्ने कृषि सहकारी लगायत संस्थाहरूलाई पुरस्कृत गर्ने कार्य भएको छ ।
- सुशासन र पारदर्शिता कायम गर्न वेलावेलामा आउने अख्तियारका सुझावहरू विभिन्न बैठकमा छलफल भई कार्यान्वयनमा ल्याउने प्रयास गरिएको छ ।

समा अध्यक्षज्यू

नगरका सेवा प्रवाहमा पारदर्शिता, जबाफदेहिता, वैधता, सूचनाको प्रत्याभूति, विधिको शासन, भ्रष्टाचार रहितता, मानवअधिकारको संरक्षण र संवर्द्धन, शान्ति न्याय र समानता एवं उच्चतम मानवीय भलाईको लागि सुशासनयुक्त विकास र सन्तुलित विकास गर्दै विकासका बहुआयामिक पक्षलाई कार्यान्वयन गर्ने सन्दर्भमा स्थापित संयन्त्रहरूको प्रभावकारी नियमनको लागि समितिले पहलकदमी तथा सन्तुलित, समन्यायीक र समावेशी विकासलाई साधनवाही बनाउन नीति, योजना, कार्यक्रम, बजेट, कार्यप्रक्रिया र उपलब्धिहरूको अनुगमन, निगरानी, सचेतीकरण, नियमन, निर्देशन र दिशाबोध गराउनु पनि समितिको दायित्व हो ।



सुशासन तथा संस्थागत विकास समितिको संयोजकको हैसियतले "ब्रान्ड बाणगङ्गा विलिभ बाणगङ्गा" को हाम्रो नीतिगत नारालाई साकार पार्न नगरका हरेक क्रियाकलापहरूको उपलब्धिलाई शिखर विन्दुसम्म पुराई देशकै उत्कृष्ट स्थानीय तह मध्येको एक बनाउन क्रियाशिलता रहीरहनेछ भन्ने प्रतिवद्धता व्यक्त गर्न चाहन्छु।

अन्त्यमा,

समुन्नत नगरपालिकाको दिर्घकालिन सौँच सहित नगरको हरेक गतिविधिहरूलाई पारदर्शी, सुशासनयुक्त तथा प्रविधीमैत्री बनाई नगरको सेवा प्रवाहलाई छिटो छरितो एवम् प्रभावकारीरूपमा सञ्चालन गर्ने सम्पूर्ण जनप्रतिनिधी ज्यूहरू, नगर विकासका गतिविधीहरूलाई उचित ढंगले जनता समक्ष पुऱ्याउनुहुने सञ्चारकर्मीहरू र नगरबाट भए गरेका क्रियाकलापहरूमा कहिलेकाँही देखिने कमिकमजोरीहरूलाई औल्याई सुधारको लागि मार्गदर्शन र खबरदारी गर्नुहुने नगरवासीहरू लगायत नगरका नीति नियम र कानूनहरूको सही कार्यान्वयनमा भूमिका खेल्नुहुने सम्पूर्ण राष्ट्र सेवक कर्मचारीहरूमा धन्यवाद दिन चाहन्छु।

कमल पौडेल
संयोजक
सुशासन तथा संस्थागत विकास समिति



अनुसूची-५ (ग)

वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन समितिको प्रतिवेदन

१. सम्बोधन

यस गरिमामय नगरसभाका सभाध्यक्ष महोदय, उपाध्यक्षज्यू, सचिव ज्यू, सदस्य ज्यूहरू, कर्मचारीहरू,

२. पृष्ठभूमि

बाणगंगा नगरपालिकाको यस १७ औं गरिमामय नगरसभामा निर्वाचित जनप्रतिनिधिको हैसियतले सम्बोधन गर्न पाउँदा हर्षित छु। स्थानीय सरकारको रूपमा व्यवस्थापकीय, कार्यकारी र न्यायीक क्रियाकलाप सञ्चालन गर्दै प्रभावकारी विकास र सेवा प्रवाह मार्फत नागरिकमा खुसी र नगरको उन्नती हासिल गर्ने हाम्रो साझा आकांक्षा हो। बाणगंगा नगरपालिकाको स्थानीय नेतृत्व वहन गर्दै वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन समितिको संयोजकको हैसियतमा नगर सभासमक्ष उपस्थित हुँदै गर्दा गौरमन्वित महसुस गरेको छु।

उपलब्ध समिति स्रोतबाट नगरको आर्थिक, सामाजिक, भौतिक, वातावरणीय, सांस्कृतिक समुन्नति हासिल गरी सम्मानित नागरिकको पहिचान स्थापित गर्न हाम्रो नीत, बजेट तथा कार्यक्रम निर्देशित छन्। अब म यस गरिमामय सभा समक्ष वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन समितिको तर्फबाट उक्त विषयसँग सम्बन्धित विषयवस्तु राख्न गइरहेको छु।

३. आ.व. ०८१/८२ मा स्विकृत नीति, कार्यक्रम तथा बजेटको झलक

बाणगंगा नगरपालिका प्राकृतिक तथा मानविय विपद् सभ्याव्य नगरको रूपमा रहेको छ। विपद् तथा प्रकोप बाट हुन सक्ने क्षतिलाई न्यूनिकरण तथा व्यवस्थापन गर्ने कार्यलाई उच्च प्राथमिकता दिइएको एवं विपद् व्यवस्थापन कोषको प्रभावकारी परिचालनबाट विपद् जोखिमका चक्रिय परिघटना बिरुद्ध कदम चालिएको छ। नगरबाट जलवायु उत्थानशील विपद् जोखिम न्यूनिकरण योजना निर्माणमार्फत जोखिम क्षेत्र पहिचान, नक्साङ्कन एवं जोखिम व्यवस्थापनको रणनीतिक योजना कार्यान्वयनमा सघाउ पुग्ने अपेक्षा गरिएको छ।

विकास र वातावरण बिच सन्तुलन कायम गर्न सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूको सहकार्यमा विकास आयोजना सञ्चालन गर्ने, संवेदनशिल र जोखिममा रहेका सिमसार, पोखरी, ताल तलैयाहरूको संरक्षण गर्ने कामलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिएको छ। पर्यापर्यटन (eco-tourism) को अवधारणालाई सार्थक तुल्याउन सामुदायिक वनमा कार्ययोजना बमोजिम उद्यान, रिसोर्ट र पिकनिक स्थलको स्थापना गरी सञ्चालन गर्न प्रोत्साहन गरिएको छ।

सामुदायिक वन, धार्मिक वन, समुह तथा निजी क्षेत्रको सहकार्यमा वृक्षारोपण कार्यक्रम, वन पैदावारको समुचित व्यवस्थापन, नर्सरी स्थापना गर्न प्रेरित गरिएको छ। सार्वजनिक जग्गा संरक्षण, सार्वजनिक जग्गा, ताल, पोखरी, गौचरन, नदी उकास लगायतका सार्वजनिक महत्वका क्षेत्रको संरक्षण तथा सम्बर्द्धन गर्दै लगिने गरी बजेट विनियोजन गरिएको छ।

४. विषय उपक्षेत्रगत विगत र वर्तमानको अवस्था विप्लेषण (आधार र स्वीकृत नीति कार्यक्रम तथा बजेटलाई लिने)

वन भुसंरक्षण तथा जैविक विविधता

बाणगंगा नगरपालिका प्राकृतिक सुन्दरता र जैविक विविधताले भरिपूर्ण छ। नगर क्षेत्रभित्रका सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन गर्न रकम विनियोजन गरिएको र सार्वजनिक जग्गा, ताल, पोखरी, गौचरन, लगायतका सार्वजनिक महत्वका क्षेत्रको संरक्षण तथा सम्बर्द्धन गर्न नगरपालिका अग्रशिल रहेको छ। वल्ड बैंक मार्फत सहायता प्राप्त समृद्धिका लागि वन कार्यक्रममार्फत वृक्षारोपण कार्यक्रम अगाडि बढाइएको छ र वनको दिगो उपयोग र व्यवस्थापनका लागि आवश्यक क्रियाकलापहरू सञ्चालित छन्। सामुदायिक वनको कार्ययोजनामा नगरको विकास गतिविधी समेटिने वातावरण निर्माण हुँदै गएको छ। त्यसै गरी नगरका पूर्वाधार विकास तर्फ लागत साझेदारीका आयोजनामा सामुदायिक वनले यथेष्ट योगदान गर्न आकर्षित हुने अवस्था सृजना भएको छ। नगरको भुमीको योजनावद्ध, बैज्ञानिक समुचित उपयोग एवं दिर्घकालीन व्यवस्थापनको लागि भु-उपयोग योजना निर्माण गरिएको छ।

वातावरण संरक्षण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन



नगरपालिकाको तत्कालिन फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि फोहोर संकलनमा ठेक्का बन्दोबस्त गरिएको छ । बाणगंगा नगरपालिकाको दिगो फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि अध्ययन तथा सरोकारवाला संयन्त्रसँग पहल जारी छ । लक्ष्मणघाट, श्रृङ्गीघाट शवदाह स्थलको ब्यवस्थापन गरिएको छ । पुर्ण सरसफाईयुक्त नगर निर्माणको लागि आवश्यक कानूनी व्यवस्था तथा बजेटको प्रबन्ध गरी नगर, स्वास्थ्य संस्था, टोल विकास संस्था तथा सरोकारवालसँग हातेमालो गरिएको छ । विभिन्न उद्योग, कालकारखानाको अनुगमन नियमन गरी वातावरणीय प्रतिवेदन अनिवार्य गर्न र प्रदुषण नियन्त्रण गर्न आवश्यक छ ।

विपद् जोखिम व्यवस्थापन

नगरपालिकाले प्राकृतिक एवं मानविय कारणबाट सृजित विपद् व्यवस्थापनका लागि आपतकालिन विपद् प्रतिकार्य ईकाई स्थापना, नगर प्रहरीमा विपद् व्यवस्थापन कौशल विकास, कार्यालयमा वारुणयन्त्र, फायर एक्स्टेन्च्युअर लगायत सामग्री व्यवस्था मार्फत संस्थागत क्षमता सुदृढ गर्दै सम्भाव्य विपद् पुर्वतयारी र राहतकार्य प्रभावकारी तवरले सम्बोधन गर्ने तर्फ यथोचित कार्यक्रम अगाडि बढाइएको छ ।

बाणगंगा नगरपालिकामा मनसुनको समयमा बाढी प्रभावित परिवारलाई राहत वितरण, आगोलागी, जटिल रोग उपचारको लागि सहायता, घातक रोगको लागि उपचार खर्च, ब्लड बैंकसँगको साझेदारीमा निःशुल्क रगतको व्यवस्था, स्वास्थ्य उपचार शिविर सञ्चालन गरिएको छ ।

जलवायु परिवर्तन अनुकूलन

नगरपालिकाका विकास आयोजना निर्माण पुर्व विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPR), प्रारम्भिक वातावरणीय परिक्षण (IEE), वातावरणीय प्रभाव मुल्याङ्कन (EIA) मार्फत आयोजनाको वातावरणीय प्रभाव मुल्यांकन एवं विकाशको दिगोपना सुनिश्चित गर्न आवश्यक कार्य गरिएको छ । जलवायु परिवर्तनका असर न्युनीकरण गर्दै समायोजन हुन कृषि प्रविधि, खाद्य प्रणाली, उर्जा प्रयोग, सिंचाइ तथा विषय क्षेत्रगत कार्यक्रममा जलवायु अनुकूलनलाई समाहित गरिएको छ ।

५. स्वीकृत नीति कार्यक्रम तथा बजेट कार्यान्वयनबाट भएका नविनतामा उपलब्धी, नगरपालिकाले स्वीकृत गरेको आवधिक योजनासंग नीति कार्यक्रम तथा बजेटको तादम्यता तथा खर्च प्रतिशत

नगरपालिकाबाट छाडा चौपाया व्यवस्थापनको लागि छमेकी नगरसँगको सहकार्यमा अस्थायी प्रबन्ध गरिएको, दिर्घकालीन व्यवस्थापनको लागि भागिरथी गौशाला क्षेत्रमा आवश्यक पूर्वाधार निर्माण तथा व्यवस्थापकिय क्रियाकलाप संचालित छन् । नगरको जैविक विविधता सर्वेक्षण गरी जैविक विविधता प्रोफाइल निर्माणको कार्य सुरुवात भएको छ । त्यसैगरी सामुदायिक वन सँग सहकार्यमा नर्सरी निर्माण गरी ४०००० बिरुवा उत्पादन भएको छ । वन बाहिरका रुखहरू तथा खुला र हरियाली क्षेत्रहरूको सर्वेक्षण गरी विवरण संकलन गर्ने कार्यहरूको सुरुवात गरिएको छ । वन उद्यमहरूको सर्वेक्षण गरी स्थायि तथा मौसमी रोजगारी बारे तथ्यांक संकलन गरिएको, जसबाट नगर विकास र रोजगारीमा वन क्षेत्रको भूमिका उजागर भएको छ ।

नगर बसपार्क निर्माण, ल्याण्ड फिल्ड साइड निर्माणको लागि अध्ययन, जग्गा प्राप्ति लगायतका तयारी गर्दै नगर गौरवको आयोजनाको रूपमा लिइ उच्च महत्त्व दिइएको छ । फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि प्रारम्भिक वातावरणीय अध्ययन प्रतिवेदन रु.४,९५,०००/- लागतमा निर्माण गरी स्विकृत भएको छ । त्यसैगरी सरसफाइयुक्त नगर निर्माणको लागि एकिकृत तथ्य एवं आगामि रणनीतिसहितको रु.१३,९०,०००/- लागतको WASH Plan निर्माण भएको छ । नदीजन्य पदार्थ उत्खननपूर्व रु.४,९५,०००/- लागतमा खोलाको IEE गरी वातावरणीय अध्ययन र प्रतिवेदनको सिमाभित्र रही नदीजन्य पदार्थ बिक्री गरिएको छ । भने विपन्न परिवारलाई स्वच्छ खानेपानीको धारा र शौचालयको प्रबन्ध गरिएको छ । वातावरण दिवसको अवसरमा प्लाष्टिक प्रदुषण विरुद्ध लागू भन्ने नारालाई सार्थक रूप दिन प्लाष्टिक प्रदुषण न्युनीकरण तथा वातावरणीय प्रदुषण नियन्त्रणका लागि पालिकासहित बहुसरोकारवाला पक्षहरूद्वारा साझा प्रतिवद्धता व्यक्त भएको छ ।

जलवायु परिवर्तन न्युनीकरण तथा वातावरण संरक्षणका लागि विद्यालयस्तरीय कार्यक्रमहरू गरिएको छ । वातावरण संरक्षण, प्रकृति, जीव र मानव जातिको सहअस्थित्व र अन्तरनिर्भरताका विविध आयामसम्बन्धमा जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन भएका छन् । नगर क्षेत्रमा रहेका जोखिमयुक्त नदी तटिय क्षेत्रमा तटबन्ध निर्माणको लागि करिब ५० लाखको काम गरिएको छ



। विपद् व्यवस्थापनको कोषमा गत आ.ब.को मौज्जात र चालु आ.ब.को विनियोजनसहित जम्मा रकम रु.८५,२६,५९७.९५ रहेको, जसबाट विपद् प्रभावितका लागि राहत तथा विपद् न्यूनीकरणका क्रियाकलापहरू संचालित छन्।

चालु आ.ब.को बजेट तथा कार्यक्रमसँगै मध्यमकालीन खर्च संरचना निर्माण भएकोले वार्षिक योजना र आवधिक योजनामा वातावरण र विपद् विषयबिच सामाञ्जस्यता हुने अवस्था रहेको छ।

६. नीति कार्यक्रम तथा बजेट कार्यान्वयनमा देखा परेका समस्या, चुनौती तथा समाधानका उपाय

समस्या

- वन क्षेत्रको दिगो व्यवस्थापनका लागि तिन तहका सरकारका संयन्त्र बिच समन्वय हुन सकेको छैन। नगरले सामुदायिक वनको आम्दानीबाट कानूनतः प्राप्त गर्नुपर्ने १०% रकम प्राप्त गर्न नसक्दा नगरको राजस्व स्रोत परिचालन क्षमता पूर्ण रूपमा उपयोग हुन नसक्नु।
- नगरमा सृजित फोहोरमैलाको दिगो व्यवस्थापनका लागि डम्पिङ साइट निर्माण कार्यमा अपेक्षित उपलब्धि नहुन।
- प्राकृतिक विपद् जोखिम क्षेत्र मुल्यांकन सहित लेखाइकन गरी पुर्वतयारीका प्रन्यास उपायहरू अपनाउन नसकिनु।
- वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापनका विषयले उच्च महत्व एवं प्राथमिकता प्राप्त गर्न नसक्नु।
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, वातावरण संरक्षणको विषय विकास गतिविधिमा आन्तरिकरण गर्न तथा उक्त विषय प्राथमिकरणमा लिन नहुनु।

चुनौती

- प्राकृतिक तथा मानविय विपद् व्यवस्थापनको लागि नगरको वित्तिय, मानविय वा समग्र संस्थागत क्षमता प्रन्यास नहुने।
- अव्यवस्थित वसोवासी, सुकुम्बासी, भुमी विहिन परिवारको वास्तविक अवस्था पहिचान र व्यवस्थापन गर्ने।
- दिगो विकासका लक्ष्यलाई स्थानीयकरण गर्ने।
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन क्षमता सुदृढ गर्ने।
- निर्माण सम्पन्न भइ सञ्चालनमा रहेका उद्योग, कलकारखानालाई वातावरणीय मापदण्ड भित्र ल्याउने।
- सामुदायिक वनमा रहेको पुँजीलाई स्थानीय विकासको अभियानमा लगानी गर्न प्रोत्साहित गर्ने।
- वन क्षेत्रमा पालिकाले उपभोग गरेको र गरिने क्षेत्रहरूको पहिचान गरी भोगाधिकार प्राप्त गर्ने।

समाधानका उपाय

- स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ बमोजिम नगरले सामुदायिक वनबाट प्राप्त गर्ने आम्दानी प्राप्त गर्न सरोकारवाला संयन्त्रसँग समन्वय गर्ने।
- जमिनको भौगर्भिक प्रकृति, स्वरूप, सम्भावना र अवस्था अनुसार निर्मित भु-उपयोग योजना बमोजिम दिर्घकालीन वस्ति, कृषि, औद्योगिक विकास र प्राकृतिक सम्पदा संरक्षण गर्ने।
- प्राकृतिक प्रकोपजन्य घटना नदी कटान, बाढी, भुक्षय, आगोलागि जस्ता विपद् व्यवस्थापनको लागि पुर्वतयारी अवस्थामा रहने।
- जोखिम संवेदनशील नदी वहाब क्षेत्रमा तटवन्ध निर्माण, बाढी डुबान क्षेत्रमा पानी निकास, जोखिम र बहुप्रकोप व्यवस्थापनमा समुदाय सशक्तिकरण तथा विपद् विरुद्ध विपन्न लक्षित कार्यक्रम अगाडि बढाउने।
- नगर क्षेत्रभित्रका विभिन्न उद्योग कलकारखानाको अनुगमन, सर्वेक्षण, वर्गीकरण एवं मुल्यांकन गरी वातावरणीय मापदण्ड पालना भए नभएको अनुगमन तथा नियमन गर्ने।
- प्राकृतिक विपद् जोखिम मुल्यांकन सहित लेखाइकन गरी प्रतिकार्य उपायहरू अपनाउने।
- वन क्षेत्रमा पालिकाले उपभोग गरेको र गरिने क्षेत्रहरूको पहिचान गरी भोगाधिकार प्राप्त गर्ने प्रकृया अगाडि बढाउने।

७. आगामि कार्यदिशा

(Handwritten signatures and marks)



नगरको प्राकृतिक सम्पदालाई अन्तरपुस्ता न्याय एवं आवश्यकतासमेत दृष्टिगत गरी संरक्षण, दिगो उपयोग तथा व्यवस्थापन गर्न आवश्यक छ। पुर्ण सरसफाइयुक्त नगर निर्माण, फोहोरमैला प्रशोधन केन्द्रको स्थापना पर्यापर्यटन प्रवर्द्धन, वन पैदावारमा आधारित उद्यम विकास, छाडा चौपायालाई आर्थिक उपाजर्नमा रुपान्तरण आदि सामयिक ज्वलन्त विषयको व्यवस्थापनबाट विद्यमान चुनौतिलाई अवसरमा परिणत गर्ने अभिभारा हामीसामु छ।

विपद् प्रतिकार्यमा परिचालन हुने संयन्त्र तथा उपकरणको प्राविधिक क्षमता सुदृढ गर्दै एकिकृत आपतकालीन उद्धार एवं प्रतिकार्य प्रणाली अबलम्बन गर्न नगर र वडास्तरीय विपद् उद्धार तथा प्रतिकार्य ईकाइ स्थापना गर्नु पर्दछ। विपद् व्यवस्थापनमा नागरिकको क्षमता र सहभागिता वृद्धि गर्नु अपरिहार्य छ। समग्र कृषि प्रणाली, विकास गतिविधि एवं जीवन पद्धति एवं संस्कृतिलाई जलवायु परिवर्तन अनुकूलित बनाउन किनचित ढिलाई गर्नु हुदैन। जलवायु अनुकूलनका कार्यक्रममा जागरूकता, विपद् रोकथाम, न्यूनीकरण तथा प्रभावितलाई संरक्षण, विपन्न र जोखिम अवस्थामा रहेका नागरिकलाई सामाजिक सुरक्षा प्रदान, अन्तरतह तथा साझेदारसँगको सहकार्यमा सहलगानी, सहनिर्माण, सहउत्पादन लगायतका कार्यक्रम एवं नविनतम् व्यवस्थापकीय अभ्यास कार्यान्वयनप्रतिको ईमान्दारितपूर्ण प्रतिवद्धताबाट हाम्रो आगामि कार्यदिशा निश्चित रहन्छ।

नदीजन्य स्रोतको उत्खनन, प्रशोधन तथा व्यापार जस्ता क्रियाकलाप विना अबरोध सञ्चालनमा अन्तरनिकाय समन्वयात्क शैलीको महत्तम उपयोग गर्नु जरुरी छ। नदी तथा जलसम्पदाको दोहन नियन्त्रण गरी संरक्षणका गतिविधि संचालन एवं पूर्वाधार निर्माणमा सामाग्री अभाव हुन नदिने गरी नदीजन्य स्रोतको समुचित परिचालन गर्नु आवश्यक छ। नगरपालिकामा सञ्चालित विभिन्न भौतिक पूर्वाधार तथा जटिल संरचना निर्माणको काममा संलग्न हुने कामदारको स्वास्थ्य अवस्थालाई दृष्टिगत गर्दै निर्माण सम्बन्धि काममा सुरक्षा सामाग्री अनिवार्य प्रयोग गरेर मात्र निर्माणस्थलको काम गर्न तथा गराउन सम्बन्धित निर्माण व्यवसायी तथा कार्यालयको ध्यान आकृष्ट हुन आवश्यक छ।

स्थानीय सरोकारको विषय वा केवल राष्ट्रिय महत्त्वको नभई विश्वव्यापी वहश र साझेदारीको विषय प्राकृतिक स्रोत वन, वातावरण र विपद् व्यवस्थापनमा नगरपालिका, प्रदेश, संघ र निजी क्षेत्रको सहकार्य र योगदानमा दुरगामी दृष्टिकोण आत्मसाथ गर्नु आवश्यक छ। दिगो-विकासका लक्ष्यको स्थानीयकरण, राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय नीतिको व्यवहारिक कार्यान्वयनतर्फ नै हाम्रा बजेट तथा कार्यक्रम र भावी कदम परिचालित हुनेमा म विश्वस्त छु।

८. सम्बोधन सहित अन्त्य

अन्त्यमा नगरको विकास र समृद्धिमा योगदान दिनुहुने सभा अध्यक्षज्यू, उपाध्यक्ष, सचिव, सभा सदस्य, राष्ट्र सेवक, श्रमिक, निजी, सहकारी र सामुदायिक क्षेत्र, नागरिक समाज, सञ्चार क्षेत्र लगायत सम्पूर्ण दाजुभाई, दिदीवहिनीहरुलाई हार्दिक धन्यवाद व्यक्त गर्दछु। नगरको विकासमा सहयोग पुर्याउने संघ, प्रदेश, विकास साझेदारलाई पनि धन्यवाद व्यक्त गर्छु।

धन्यवाद।



अनुसूची-५ (प)

आर्थिक विकास समितिको प्रतिवेदन

यस १७औं नगरसभाका अध्यक्षज्यू/सभाका उपाध्यक्षज्यू/सचिव ज्यू/सम्पूर्ण नगर सभा सदस्यज्यूहरु।

सर्वप्रथम आर्थिक विकास समितिको संयोजक जस्तो महत्वपूर्ण जिम्मेवारीबाट यस नगरपालिकाको हालसम्मको आर्थिक विकास क्षेत्र तथा उपक्षेत्रमा भएका वित्तीय तथा भौतिक प्रगति लगायतको विषयमा यस गरिमाभय १७ औं नगरसभामा प्रस्तुत गर्न पाउँदा निकै खुसिको अनुभव गरेको छु।

नेपालको अर्थतन्त्रमा कृषिमा सबैभन्दा बढी जनसंख्या आश्रित रहेको क्षेत्र हो भने अन्य क्षेत्रले समेत आर्थिक विकासका लागि योगदान गरेका छन्। नेपालले कुनै एक मात्र क्षेत्रमा प्राथमिकताको नीति लिएको छैन। अहिले गरीबी निवारणको लागि पनि कृषि तथा पशुपालन, उद्योग, व्यापार पर्यटन, वैदेशिक रोजगार जस्ता क्षेत्रमा लगानी र बिकास आवश्यक छ। यिनलाई आर्थिक विकासको प्रमुख पक्षका रूपमा पनि अघि सारिएको देखिन्छ।

कृषकहरूलाई आत्मनिर्भर, व्यवसायमूलक र निर्यातमूलक बनाई दिगो आर्थिक विकासमा टेवा पुग्न सकोस् भन्ने अभिप्रायले कृषकहरूलाई केन्द्रविन्दुमा राखेर नगरको आर्थिक नितिको तर्जुमा गर्नुपर्छ। नगरको आर्थिक नीति तर्जुमा गर्दा कृषि/पशुपालन प्रणालीको विशेषता बुझ्नु बन्नी छ। हाम्रो नगरको कृषि/पशुपालन प्रणाली मनसुनमा आधारित छ। कृषि/पशुपालन पेशा व्यवसायिक भन्दा निर्वाहमुखी बढी छ। कृषि क्षेत्रमा पूर्ण रोजगारी छैन। परम्परागत कृषि/पशुपालन प्रणाली अवलम्बन गरिएको छ। कृषि भूमीको खण्डीकरण भएको छ।

कृषि खाद्यान्नको उत्पादनको प्रमुख श्रोत, उद्योगका लागि कच्चा पदार्थको स्रोत, औद्योगिक उत्पादनको उपयोग, निर्यातको मुख्य स्रोत, व्यापारमा सहयोग, रोजगारीको सिर्जना र नगरको अर्थतन्त्रको मेरुदण्ड हो। तर परम्परागत कृषि/पशुपालन प्रणाली, विउ विजन तथा नश्वको अभाव, कृषि औजारको अभाव, आवश्यक बाजारको अभाव, सिंचाईको असुविधा, अध्ययन अनुसन्धान नभएको, कृषि/पशु प्राविधिकहरूको अभाव, भूमीको असमान वितरण, अत्यधिक जनसंख्याको भार, यातायातको असुविधा, कृषि ऋणको अभाव जस्ता समस्याहरूबाट प्रभावित छ।

नगरको कृषि/पशुपालन प्रणालीलाई विकसित पार्ने योजना बनाउन नगरले कृषकहरूका लागि प्राविधिक तथा व्यवसायिक कृषि/पशुपालन शिक्षा र तालिमको पर्याप्त व्यवस्था, उन्नत कृषि औजार, बीउबिजन तथा उन्नत नश्व, मलखाद आदिको सर्वसुलभ व्यवस्था, कृषिमा आधारित उद्योगधन्दाको स्थापना र विस्तारमा जोड, कृषि क्षेत्रमा यातायातको सुविधाको पहुँच विस्तार, कृषि भूमीको न्यायोचित र वैज्ञानिक वितरणका लागि प्रगतिशील भूमिसुधार योजनाका साथै आवश्यक अनुसन्धानात्मक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्छ।

कृषि/पशुपालनको विकासमा यातायातको ठूलो भूमिका रहेको हुन्छ। यातायातको असुविधा नै कृषि/पशुपालन उत्पादन बढाउन नसकिने अर्को प्रमुख कारण हो। कृषि र उद्योग बीचको सम्बन्धलाई जोड्ने एक महत्वपूर्ण माध्यम व्यापार हो। व्यापारका लागि यातायातको सुविधा अनिवार्य हुन्छ। यातायातको असुविधा भएको खण्डमा एकातिर कृषि उपजले बजारको पहुँच पाउँदैन भने अर्कातिर उद्योग निर्मित कृषि औजार, उन्नत बीउबिजन, मल तथा औषधिको पहुँचमा आइपुग्दैन। बजारको अभावमा कृषकहरू त्यति उत्साहित हुँदैनन् भने आवश्यक मल, बीउ आदिको अभावमा कृषिको उत्पादकत्व समेत घटेर जान्छ। तसर्थ यातायातको असुविधाका कारण पनि कृषि उत्पादन बढाउन सकिदैन।

कृषिसँग सम्बन्धित उद्योग क्षेत्रमा रोजगारीका अवसरमा वृद्धि, नगरको प्राकृतिक स्रोत साधनको सदुपयोग, नगर उत्पादनमा वृद्धि, निर्यातमा वृद्धि, आयात प्रतिस्थापन गर्न सकियो भनेमात्र नगर आयमा वृद्धि, आत्मनिर्भरता र नगर सुरक्षालाई सशक्त बनाउन सकिन्छ। त्यसका लागि नगरमा उद्योगको समुचित विकासका लागि सरल र सहज तरिकाले कम व्याजदरमा ऋण पाउने व्यवस्था, बजारको व्यवस्था, उद्योगहरूलाई प्रोत्साहन, स्पष्ट नगरको नीति, यातायात र सञ्चारको सुविधा, गोदामघरको सुविधा एवं सरल तरिकाले इजाजत प्रदान गर्ने व्यवस्था हुनुपर्छ।

नगरमा उपलब्ध स्रोत र साधनहरूको सहि र व्यवस्थित रूपमा सञ्चालन गर्न जनशक्तिको आवश्यकता पर्दछ। जुन देशमा दक्ष जनशक्तिको विकास भएको हुन्छ, त्यस देशको आर्थिक विकास द्रुत गतिमा हुन्छ। विभिन्न क्षेत्रमा दक्ष जनशक्तिको योगदानले नै नगरको आर्थिक सामाजिक स्थिति सुदृढ हुन जान्छ।

सभा अध्यक्ष जु,

अब मा चातु आ.व. २०८१/०८२ मा हामीले अवलम्बन गरेका महत्वपूर्ण नितिहरू प्रस्तुत गर्ने अनुमती चाहन्थु।



कृषि विकास तर्फ

- कृषियोग्य जमिनमा सिंचाईको पहुँच पुऱ्याउन कृषकहरूसँगको लागत साझेदारीमा साना सिंचाई, स्यालो ट्युबेल, सतह सिंचाई, पोखरी तथा ताल तालैया मर्मत तथा विस्तार गरी सिंचित क्षेत्रफलको विस्तार गर्ने।
- धान, गहुँ, मकै, दलहन र तेलहन जस्ता अन्नबाली एवम् विभिन्न नगदे बालीहरूको उन्नत बिरु एवम् कृषि यन्त्र वितरण लगायतका कार्यक्रमहरूलाई निरन्तरता दिने।
- कृषिमा उत्पादकत्व वृद्धि गर्न कृषि कार्यमा सुधार, बजारीकरण, यान्त्रिकीकरण, एकीकृत वैज्ञानिक कृषि प्रणाली लागू गर्दै करार, सहकारी तथा सामुहिक खेतिलाई प्रोत्साहन गर्ने।
- कृषकलाई सहूलियतपूर्ण कर्जा उपलब्ध गराउने, कृषि सामग्रीमा अनुदान तथा सहयोग गर्ने, कृषि उत्पादनको बजारीकरण गर्न आम्दानीको बचत गर्नेसम्मका कार्यको सुनिश्चितता हुने गरी सहकारी संस्थाहरूको सबलीकरणमा जोड दिने।
- कृषिजन्य उत्पादन वृद्धि गरी आयात प्रतिस्थापन तथा निर्यात प्रवर्द्धनका लागि "एक वडा, एक उत्पादन" को अवधारणालाई प्रोत्साहन गर्दै लगिने छ। कम्पोष्ट मल, हरियो मल, प्राङ्गारिक मल एवं गड्यौले मल उत्पादक कृषकहरूलाई विशेष प्रोत्साहन गर्ने।
- कृषि क्षेत्रको विकासको लागि माटो अनुकुल बनाउन माटो परीक्षणको आवश्यक व्यवस्था मिलाइने छ। कृषकहरूलाई मागको आधारमा कृषि सम्बन्धि आधारभूत र विशेष तालिमको प्रवन्ध गर्ने।
- नगरपालिका भित्र कृषक, समूह र सहकारीद्वारा उत्पादित बिऊलाई नगरपालिकाले नै खरिद गरी कृषकहरूलाई नै वितरण गरिने कुगलाई प्राथमिकता दिने।
- रैथाने प्रजातिका बाली संरक्षणको लागि आवश्यक कार्यक्रम संचालन गर्ने साथै बिऊ बैङ्कको अवधारणा अगाडि बढाउने।
- स्थानीय उत्पादनलाई प्रवर्द्धन गर्नको निमित्त सहकारी संस्थाहरूसँग साझेदारी गरी "कोशेली घर" सञ्चालनको निमित्त आवश्यक कार्यक्रम संचालन गर्ने।
- बिउ प्रतिस्थापन दर बढाउनका लागि धान, मकै तथा गहुँ एवं तरकारीजन्य बीउ उत्पादनका कार्यक्रम संचालन गरी नगरलाई खाद्यान्न बालीको बीउमा आत्मनिर्भर गराउँदै लाने।
- बढ्दो विषादी प्रयोगबाट मानव तथा पर्यावरणमा परेको नकारात्मक असर न्यूनीकरण गर्न विषादी सचेतनाका कार्यक्रम/कृषक पाठशाला संचालन गरी आर्गानिक उत्पादनतर्फ जोड दिने।
- कृषि सम्बन्धी ज्ञान तथा सीप हासिल गरेका नगरमै कृषि पेशामा संलग्न हुन चाहने युवा तथा व्यवसायिक कृषकहरूको लागि मागमा आधारित व्यवसायिक कृषि विकास कार्यक्रम संचालन गरी आय आर्जनमा जोड दिने।
- कृषि, पशुपंछी तथा जडीबुटी बीमा सम्बन्धि कार्यक्रमलाई कृषक समक्ष पुऱ्याउन आवस्क कार्यक्रम संचालन गर्ने।
- ताजा तरकारीको उत्पादन बढाई खाद्य पोषण सुरक्षाको लागि "एक घर एक करोसावारी एक वडा एक नर्सरी" कार्यक्रम संचालन गर्ने।
- कृषकलाई प्रतिस्पर्धि तथा व्यवसायिक गराउन कृषि मेला, कृषक अवलोकन भ्रमण, प्रदर्शन, तालिम तथा गोष्ठी कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने।
- माहुँरी पालन इच्छुक कृषकहरूलाई तालिम एवं अनुदानमा माहुँरीका धार वितरण कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिने। संभावना भएका क्षेत्रमा उत्पादन वृद्धि गर्न मौरी, तरकारी, च्याउ जस्ता उत्पादनमा क्लष्टर छुट्टाई कार्यक्रम संचालन गर्ने।
- नगरभित्रका सामुहिक हाटबजारलाई व्यवस्थित गर्दै कृषकहरूका आफ्ना उत्पादनलाई सोझै बजार पहुँचका लागि "विक्री कक्ष" स्थापनाका लागि पहल गर्ने।

पशुपंछी विकास

- गाई/भैसाँहरूको नशु सुधार गर्न कृत्रिम गर्भाधान सेवा कार्यक्रम प्रभावकारीरूपमा संचालन गर्ने।
- पशु आहाराको लागि उन्नत घाँसखेती (हिउँदे / बर्षे / बहुबर्षिय) को विस्तार गर्ने।
- पशुजन्य पदार्थ (दुध/मासु/अण्डा) मा आत्मनिर्भर गराउन पशुपंछी बिकासको लागि पकेट क्षेत्रमा आवश्यक सहयोग गर्ने।
- पशुपालन क्षेत्रमा व्यवसायीकरण गर्नको लागि कृषकहरूलाई प्रोत्साहित गर्न गोठ/खोर सुधार र यान्त्रिकीकरण खरीद तथा दुध उत्पादनमा प्रोत्साहन अनुदानको कार्यक्रम संचालन गर्ने।

(Handwritten signatures and marks)

- पशुपन्छी उपचार तथा प्रयोगशाला कार्यलाई छिटो / छरितो सेवाको रूपमा संचालन गर्ने।
- पशु बस्तुहरूमा भ्यागुते/चरचरे/खोरेत/रेबिज तथा पि.पि.आर.रोग बिरुद्धको खोप निःशुल्क उपलब्ध गराउने।
- स्थलगत पशु सेवा प्रवाहको लागि १ दिने घुम्ती परजीबि नियन्त्रण शिबिर संचालन गर्ने।
- पशुहरूमा लाग्ने महामारी तथा जुनोटिक रोगहरूको नियमित अनुगमन/सर्भेलेन्स गरी रोग नियन्त्रण गर्ने।
- उन्नत प्रविधिको अवलम्बन गर्न दुग्ध सहकारी संस्थाहरूको सहकार्यमा कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने।
- ब्यवसायिक पशुपंक्षी तथा मत्स्य फर्महरूको नियमन कार्यलाई निरन्तरता दिने।
- पशुपालक कृषकहरूको क्षमता बिकासलाई निरन्तरता दिने।
- पशुपंक्षी क्षेत्रको बिकासको लागि तराई परियोजना सँगको सहकार्यलाई निरन्तरता दिने।
- निजी क्षेत्रमा कार्यरत पशु स्वास्थ्य कर्मी, पशु सेवा सँग सम्बद्ध उद्योग व्यवसाय (फर्म, पसल, क्लिनिक, दाना) आदिको नियमन गर्ने।
- संचालित कार्यक्रमहरूको अनुगमन तथा मूल्यांकनबाट उक्त कार्यक्रमको असर र प्रभाव को मूल्यांकनमा जोड दिई आवश्यक सुधारको व्यवस्था मिलाउने।



सहकारी तथा वित्तिय क्षेत्र

१. सहकारी संप/संस्थाहरूको लागत सहभागीतामा सीप विकास तथा उद्यमशिलता उन्मुख स्वरोजगारीका लागि व्यवसायिक तालिम कार्यक्रम संचालन गरिनेछ।
२. सहकारीसँगको साझेदारीमा स्थानीय उत्पादनको सहकारी बजार तथा कोशेली घर मार्फत बजारीकरणमा जोड दिईनेछ।
३. बाणगंगा नगरक्षेत्र भित्रका सहकारीको नियमन, प्रवर्द्धन र बिकासका लागि आवश्यक कार्यक्रमहरू संचालन गरिनेछ।
४. बाणगंगा नगरक्षेत्रभित्र रहेका सहकारीहरूलाई समुदायमा वित्तीय पहुच, सशक्तिकरण, नेतृत्व विकास, क्षमता विकास, सामाजिक एकीकरण, उद्यमशिलता प्रवर्द्धन र गरिबी न्यूनीकरण गर्दै लैजान सहयोग समन्वय र सहकार्यमा जोड दिईनेछ।

राजस्व, उद्योग तथा बाणिज्य, पर्यटन

- लक्षित कार्यक्रम अन्तर्गत संचालन गरिने विभिन्न किसिमका तालिमहरू मध्ये अभिमुखिकरण, PRA, उद्यमशिलता तथा नयाँ उद्यमी सिर्जना तर्फ नयाँ उधमीलाई प्राविधिक सिप विकास तालिम, पुरानो उधमीलाई एडभान्स स्तरउन्नती तालिम, तालिम लिएकालाई प्रविधि (मेसिन) लघुवित्तमा पहुँच तथा बजारीकरण सम्बन्धमा उत्पादकत्व वृद्धि गरी उधमीहरूको स्तरमा उपलब्धि मुलक गरीवी निवारणका लागि लघुउद्यम विकास कार्यक्रम(मेडपा) द्वारा गरिनेछ।

भूमि व्यवस्थापन

१. सुकुम्बासी समस्या समाधान आयोगको सहकार्यमा भूमिहीन सुकुम्बासी, भूमिहीन दलित र अव्यवस्थित बसोबासीको अभिलेख बमोजिम जग्गाको नापी गर्ने कार्यको शुरुवात भईसके को हुदाँ सो कार्यलाई निरन्तरता दिदै नक्सा श्रेस्ता तयार गर्ने कार्य सम्पन्न गरी भूमिहीन सुकुम्बासी, भूमिहीन दलित र अव्यवस्थित बसोबासीलाई जग्गाधनी प्रमाण पत्र पूर्जावितरण गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ।
२. नगर भित्र रहेका सरकारी सार्वजनिक जग्गाहरूको पहिचान गरी अतिक्रमणमा रहेका जग्गाहरूको अतिक्रमण हटाउने र सरकारी सार्वजनिक जग्गाहरू व्यवस्थापन गरिनेछ
३. भूमि(वर्गिकरण मापदण्ड तथा आधारहरू, २०७९ जारी गरिएको छ र भू(उपयोगको आधारमा जमिनको उपयोग गर्ने, र भू(उपयोग योजना निर्माण गरी कित्तागत योजना निर्माण गरिनेछ,
४. भूमि बैंक स्थापना गरी नगरमा रहेका बाझो जग्गाहरूको उपयोग गर्ने र बाझो जग्गाहरू राख्न निरुत्साहित गरिनेछ,
५. नगर एटलस निर्माण गरी नगरको भौगोलिक, पर्यटकीय, राजनीतिक र प्राकृतिक स्रोतहरूको जानकारी विद्यार्थीहरूलाई प्रदान गर्न नगरको स्थानीय पाठ्यक्रममा नगर एटलस विषयलाई समावेश गरिनेछ।

सभा अध्यक्ष जु.

(Handwritten signatures)

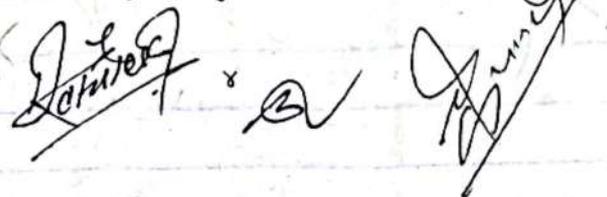
अब म चालु आ.व. चालु आ. व. २०८१/०८२ को हालसम्म प्राप्त भएको आर्थिक सफाई कार्यक्रमको मुख्य - मुख्य उपलब्धीहरु प्रस्तुत गर्ने अनुमती चाहन्छु।

कृषि विकास तर्फ

- कृषक/ कृषक समूह/सहकारी /कृषि फर्महरूलाई ५०० क्वीन्टल गहुँ तथा १३५.९७ क्वीन्टल धानको उन्नत बीउ बितरण भै स्वदेशी विउँको बिस्तार भएको।
- ६ वटा आई पि एम कृषक पाठशाला संचालन गरी १५० कृषकहरूलाई आई पि एम प्रविधि बारे ब्यवहारिक ज्ञान प्रदान गरि विषादि न्युनीकरण तथा प्रांगारिक उत्पादनमा टेवा पुगेको।
- २१ वटा कृषक समूह/सहकारी /कृषि फर्महरूबाट मागमा आधारित ब्यवसायिक कृषि कार्यक्रम अन्तर्गत ब्यवसायिक तरकारी खेती तथा फलफूल खेती कार्यक्रम संचालन भै कृषिको ब्यवसायीकरणमा टेवा पुगेको।
- ३२ वटा कृषक समूह/सहकारी /कृषि फर्महरू मार्फत साना सिचाई कार्यक्रम अन्तर्गत कुलो मर्मत तथा निर्माण स्यालो ट्युबवेल जडान मोटर/पम्पसेट जडान गरी सिंचित क्षेत्रफल बिस्तार गरिएको।
- २२ वटा कृषक/कृषक समूह/ सहकारी /कृषि फर्महरूलाई १०० मौरी गोलाघार तथा १०६ केजी आधार चाका अनुदानमा बितरण गरिएकोले खाद्य पोषणमा टेवा पुगुको साथै ब्यसायिक मौरीपालनबाट आयआर्जनमा बृद्धि भएको।
- ५७.४० क्विन्टल गहुँ ४३ क्वीन्टल धानको मूल बीउ कृषक समूह/सहकारीलाई बितरण गरी नगरलाई धान तथा गहुँको बीउमा आत्मनिर्भर बनाउने कार्यमा आगाडी बढिएको।
- ४१५ जना कृषकहरूलाई तरकारी, खाद्यान्नबाली तथा साना मेशिनरी मर्मत संभार सम्बन्धि तालिम दिई उन्नत प्रविधि तथा साना मेशिनरी मर्मत संभार सम्बन्धि ज्ञान प्रदान गरीएको।
- २७ वटा कृषक समूह/सहकारी /कृषि फर्महरूलाई साना मेशिनरी जार/उपकरण बितरण कार्यक्रम अन्तर्गत पावर टिलर, मिनि टिलर, रि.र. कम्वाइन मील, कर्न सेलर ज्याप प्लान्टर अनुदानमा उपलब्ध गराई कृषिको यान्त्रीकरणमा बृद्धि गरि उत्पादन लागत घटाउने कार्य गरिएको।
- १५१ जना कृषकको १५५ वटा माटोको नमूना परिक्षण गरी माटो सुधारको लागि आवश्यक प्राविधिक परामर्श दिने कार्य गरिएको।
- १६३ कृषक समूह दर्ता तथा नविकरण भै ब्यवसायिक कृषि उत्पादन तथा कृषि प्रविधि प्रचार प्रसार तथा बिस्तारमा सहयोग पुर्याएको।
- प्रविधि मैत्री कृषि (डिजिटल कृषि प्रणाली) कार्यक्रम संचालन गरी नगरका ५,५३७ जना कृषकहरूलाई प्रणालीमा आवद्ध गराई समय सापेक्ष कृषि प्रविधि बारे जानकारी, समस्या समाधान तथा सूचना प्रवाह गर्ने कार्य गरिएको।
- हाल सम्म १२,७५३.४४ क्वीन्टल युरिया तथा ४,५८२.८४ क्वीन्टल डि ए पी मल बिक्री बितरणको लागि अनुमति प्राप्त २६ वटा सहकारीलाई सिफारिस उपलब्ध गराई सहकारी मार्फत तोकिएको क्षेत्रका कृषकहरूलाई मल उपलब्ध गराउने कार्य गरिएको।

पशुपन्छी विकास

- १२७६ गाई र ५६८ भैसी समेत गरी जम्मा १८४४ गाई/भैसीहरूमा कृत्रिम गर्भाधान सेवा प्रवाह भई १५१२ कृषक घर परिवारहरूको गाई/भैसीहरूको नश्ल सुधार भएको।
- दुध उत्पादन लागत कम गर्नको लागि २३० हेक्टर जग्गामा हिउँदे/ बर्षे घाँसखेतीको बिस्तार गर्न ३१६८ कृषक परिवारमा घाँसको बीउ बितरण गरिएको।
- १६७२१ पशुपन्छीहरूमा उपचार र परजीवि नियन्त्रण सेवा प्रदान गरी ११७०४ कृषक परिवारहरू लाभान्वित भएको तथा पशु स्वास्थ्य नियमन कार्यलाई निरन्तरता दिएको।
- १०२०० गाई/भैसीहरूमा भ्यागुते/चरचरे, ८५०० गाई/भैसीहरूमा खौरत, १३००० बाख्राहरूमा पि.पि.आर. तथा ३३५ वटा कुकुरहरूमा रेबिज खोपहरू समेत गरी जम्मा ३२०३५ पशुहरूमा रोग नियन्त्रणको लागि निशुल्क खोप लगाइएको।
- १२ वटा ब्यवसायिक पशुपन्छी तथा मत्स्य फर्महरूमा ५० प्रतिशत अनुदान रकम सहयोग गरी फर्महरू सुधार भएको।
- ९ वटा ब्यवसायिक पशुपन्छी फर्महरूमा ५० प्रतिशत अनुदानमा बिधुतिय च्यापकटर बितरण गरिएको।





- २३४ जना पशुपालक कृषकहरूलाई ब्यवसायिक गाई / भैसी / बाख्रा तथा स्वच्छ दुध उत्पादन सम्बन्धी ३ दिने तालिम प्रदान गरी क्षमता बिकास गरिएको ।
- नगरपालिका भित्रका पशुपन्डीहरूको तथ्यांक स्थलगत संकलन गरी अध्यावधिक गरिएको ।
- JOA, ADRA Nepal र इन्ट्रेणी ग्रामीण बिकास केन्द्र, नेपाल (तगई परियोजना) सँग नगरपालिकाले साझेदारी सम्झौता गरी ४१६ साना दुध उत्पादक कृषकहरूको गाई / भैसीहरूको नशु सुधार तथा दुध उत्पादन बृद्धि सँग सम्बन्धित आवश्यक कार्यहरू सम्पन्न गरेको ।
- बा.न.पा. बडा नं. ०२ नन्दनगरमा ५० वटा उन्नत जातको भैसी खरीद कार्य सम्पन्न गरी भैसी पकेट क्षेत्रको स्थापना भएको ।
- दुध उत्पादनमा प्रोत्साहन अनुदान अन्तरगत ४ वटा दुध संकलन सहकारी मार्फत १२४५१५ लिटर दुधमा रु.२१ ले अनुदान उपलब्ध गराईएको ।

सहकारी तथा वित्तिय क्षेत्र

बाणगंगा नगरपालिकाको आ. व. २०८१।८२ सहकारी तथा संघसंस्था शाखाको प्रगति विवरण

| क्र. स. | कार्यक्रम | विनियोजन | खर्च | कैफियत |
|---------|---|-------------|-------------|-------------|
| १. | सहकारीसंग आय आर्जनमा साझेदारी कार्यक्रम निरन्तरता | १०,००,०००/- | १०,००,०००/- | सम्पन्न |
| २. | सहकारी संस्था अनुगमन कार्यक्रम निरन्तरता | ३,००,०००/- | १२५०००/- | सम्पन्न |
| ३. | सहकारी आधारभुत लेखा व्यवस्थापन कोपोमिस तथा जिन्सी व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम | ३५०,०००/- | १८२०००/- | सम्पन्न |
| ४ | सहकारी दिवस समारोह | १००,०००/- | ३००००/- | सम्पन्न |
| ५ | सहकारी संस्थाका अध्यक्ष र व्यवस्थापक बिच चौमासिक बैठक र बार्षिक समिक्षा | १,५०,०००/- | - | प्रकृत्यामा |
| ६ | टोल विकास संस्थालाई अनुदान कार्यक्रम | २३,००,०००/- | - | प्रकृत्यामा |
| | जम्मा रु | ४२०००००/- | | |

राजस्व, उद्योग तथा बाणिज्य, पर्यटन

- स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को दफा ६५ मा राजस्व परामर्श समितिको गठनको व्यवस्था गरिए बमोजिम बाणगंगा नगरमा गठित राजस्व परामर्श समितिको बैठकहरू २०८१।०७।४, २०८१।०९।१५, २०८१।११।१८, २०८१।१२।१९, २०८२।०१।१५ र २०८२।०२।२७ गरी जम्मा ६ वटा बैठक सम्पन्न गरी बजार अनुगमन गर्ने, नदी जन्य पदार्थको IEE गर्ने, आर्थिक वर्ष २०८१।८२ देखि ८४।८५ सम्मको आन्तरिक राजस्वको पूर्वानुमान गरी राजस्वको प्रक्षेपण गर्ने, नगरको आन्तरिक ठेक्का विषयको छलफल, नदिजन्य पदार्थको ठेक्काको विषय, राजस्वकादरहरूको थप घट गर्ने आदि विषयमा निर्णय गरिएको ।
- राजस्व सुधार योजना निर्माणका लागि राजस्व कार्यदलको गठन गरी ३ वटा बैठक सम्पन्न भएका छन् ।
- बाणगंगा नगरपालिका क्षेत्र भित्र संचालित निर्जी विद्यालयहरू, पेट्रोल पम्पहरू, ईटा उद्योगहरू लगायत ठुला उद्योगहरूलाई व्यवसाय करको दायरामा ल्याउन पत्राचार गरिए बमोजिम केहि व्यवसायहरू व्यवसायकरको दायरामा ल्याईएको ।
- बाणगंगा नगरपालिका क्षेत्र भित्र संचालित सिनेमाहलहरूलाई व्यवसाय करको दायरामा ल्याई मनोरंजनकर समेत असुल उपर गरिएको ।
- बाणगंगा नगरका आन्तरिक आय ठेक्का मध्ये विज्ञापन कर, कवाडी वस्तु, पशु जन्य वनजन्य वस्तु, एक तह प्रशोधन भएको नदीजन्य पदार्थको भौतिक पूर्वाधार उपयोग बातावरण तथा व्यवस्थापन शुल्कको समेत आय ठेक्का लगाई करिब १ करोड नगरमा आन्तरिक आम्दानी गरिएको ।
- स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ बमोजिम साना सवारी साधनहरू अटो रिक्शा, ई-रिक्सा व्यवस्थापनको कार्यविधि बनाई रुट प्रमिट विल बुक सहित नगरमा दर्ता प्रक्रियामा ल्याई करिब २ लाख ४९ हजार राजस्व संकलन गरिएको ।
- घरेलु तथा साना उद्योग कार्यालयमा दर्ता भई नगरमा हस्तान्तरण भई आएका करिब १५ सय प्राईभेट फर्महरूको रेकर्ड राखी नियमानुसार नविकरण नामसारी ठाउँ सारी पूर्वी वृद्धि फर्म संशोधन आदिको कार्य भई रहेको ।
- हाल सम्म बाणगंगा नगरपालिकामा संचालित ३१९३ व्यवसायहरू नगरमा व्यवसाय दर्ता गरी करको दायरामा ल्याईएको ।



- हाल सम्म बाणगंगा नगरपालिकामा १५८ वटा प्राईभेट फर्महरू दर्ता गरी संचालनमा ल्याईएको ।
- बाणगंगा नगरपालिकामा रहेका प्रकृतिक स्रोत साधन मध्ये दुइगा गिट्टी बात्तुवाको आय टेक्का लगाई करिब ८ करोड ७ लाख राजश्व संकलन गरिनुका साथै नदिजन्य पदार्थको बारेमा संलग्न २३ धान टेक्टर टिप्परलाई नियन्त्रणमा ल्याई दण्ड जरीवाना वापत १२ लाख ७० हजार राजश्व संकलन गरीएको । साथै हालसम्म बाणगंगा नगरपालिका तथा अन्तर्गतका कार्यालयमा उठेको राजश्वको विवरण संलग्न गरीएको ।

पर्यटन

- बाणगंगा नगरमा धार्मिक पर्यटनको रूपमा श्रृङ्गीघाट नन्दनगर क्षेत्र, मधुवन धाम क्षेत्र, कपिलधाम क्षेत्र लक्ष्मणघाट क्षेत्र विभिन्न मठ मन्दिर शक्ति पिठहरू रहेका छन् भने मधौलिया पार्क, खारखानी क्षेत्र राजापानी क्षेत्र पिकनिक स्पटको रूपमा विकास हुदै गई रहेका छन । हाल बाणगंगा नगरले पर्याटन विकासको लागि पर्यटन गुरुयोजना निर्माण गरी अगाडी बढ्ने प्रयत्न गरी रहेको छ ।

लघु उद्यम विकास कार्यक्रम (मेडपा-MEDPA)

- वडा नं. १ मा वडा कार्यालयमा वडाका विशेष व्यक्तित्वहरू तथा वडा अध्यक्ष लगायतको बीचमा वडा कार्यालयमा मेडपा कार्यक्रमको बारेमा आपसी छलफल गरियो ।
- चलेका सिप विकास तालिमहरूलाई तीन वटा समुहमा विभाजन गरी समुहको नामकरण तथा प्रत्येक समुहमा प्रतिनिधी छनोट गर्ने कार्य गरियो ।
- टोल - टोलमा गएर उद्यमी छनोटको लागि एक दिने घर धुरी सर्वेक्षण, सो ठाँउको नक्सा महभागीको परिस्थितको बारेमा आपसमा जानकारी लिईयो ।
- व्यवसाय कसरी गर्नु पर्दछ, कसरी गर्दा व्यवसाय सफल हुन्छ, कसरी घाटा हुन्छ, व्यवसाय गर्दा के को सहयोग चाहिन्छ, को बारेमा ८ दिने कक्षा सञ्चालन गरियो । सो कक्षा सञ्चालन कार्य ३ वटा वडामा गरियो ।
- नयाँ उद्यम छनोट गरी वहाहरूलाई ३० दिने तान धागा बाट कपडा बनाउने सिप विकास तालिम देईयो ।
- पुराना उद्यमीहरूलाई आवश्यकता अनुसार पुर्नताजगी (एडभान्स तालिम) ढाकाको धागो बाट कपडा बनाउने सिप विकास तालिम देईयो ।
- उद्यमीहरूलाई सिप विकास तालिम पश्चात आवश्यकता अनुसार प्रविधि (तान ढाका मेसीन) वितरण गराईयो ।
- उद्यमीहरूलाई व्यवसाय गर्दा आर्थिकको आवश्यकता पर्ने हुनाले वित्तीय कारोबारको लागि बैङ्कवाला संग अन्तरकृया कार्य गरियो ।
- उद्यमीहरूलाई व्यवसाय गर्दा विक्री वितरणको लागि के कसरी गर्ने हो सो को लागि व्यापार संग अन्तरकृया कार्यक्रम गरियो ।
- मेडपा शाखालाई राम्रो सँग सञ्चालन गर्नेको लागि नियमित रूपमा उद्यम समितिको बैठक बस्ने कार्य गरिएको छ ।

भूमि व्यवस्थापन

१. भूमिहिन दलित, भूमिहिन सुकुम्बासी तथा अव्यवस्थित बसोबासीहरूको अभिलेख बमोजिम व्यवस्थित गर्नको लागि जग्गा नापि कार्यको लागि विभिन्न वडाहरूको कुल २२० वटा ब्लकहरूको जिल्ला समितिमा सिफारिस गरिएको छ ।
२. भूमिहिन दलित, भूमिहिन सुकुम्बासी तथा अव्यवस्थित बसोबासीहरूको अभिलेख बमोजिम व्यवस्थित गर्नको लागि जग्गा नापि कार्य सुरु भएको छ सो अन्तर्गत वडा नं २,७,८,९, र ११ को गरि करिव ९० बिघा जग्गा नापी कार्य सम्पन्न भएको छ ।
३. नगर चिनारी नक्सा एटलसको निर्माण गरि कार्य सम्पन्न भएको छ र सो एटलसहरू विद्यालयहरूलाई वितरण गरिएको छ ।
४. नगर भित्रका सार्वजनिक जग्गाहरू पहिचान गरि संरक्षणको कार्य अगाडी बढेको छ ।
५. भूमिको उपयोगको आधारमा वर्गिकरण गरि भू-उपयोग योजना निर्माण भएको छ ।

अन्यमा आर्थिक विकास समितिको तर्फबाट प्रतिवेदन प्रस्तुतिकरणमा आएका ब्यहोराहरूलाई यस सम्मानित नगरसभाले गहन विचार गरी आवश्यक बजेटको व्यवस्थापन तथा आ-आफ्नो तह तप्काबाट आवश्यक सहयोग, सुझाव तथा समन्वयको आपेक्षा राख्दै बिदा हुन्छु ।

धन्यवाद !



अनुमूर्ची-५(ड)

पूर्वाधार विकास समितिको प्रतिवेदन

१) सम्बोधन:

श्रीमान् नगर सभा सभाध्यक्ष ज्यू, उपाध्यक्ष ज्यू, सचिव ज्यू, विभिन्न विषयगत समितिका संयोजकहरू, कार्यपालिका सदस्यहरू, नगर सभाका सदस्यहरू, विभिन्न शाखाका शाखा प्रमुख ज्यूहरू एवं अन्य कर्मचारी मित्रहरू।

२) पृष्ठभूमी:

बाणगंगा नगरपालिका मध्य भागबाट पूर्वपश्चिम राजमार्गले जोडेको, यातायातको हिसाबले सबै वडाहरू सडक संजालसंग जोडिएको एक धार्मिक, सांस्कृतिक र प्राकृतिक सम्पदाको प्रचुर मात्रमा उपलब्धता भएको नगरपालिका हो। अन्य छिमेकी जिल्लाहरूमा जाने सडक संजालसंग जोडिएकोले व्यापारिक नाकाको रूपमा स्तर बृद्धि गर्न सकिने साथै अन्तराष्ट्रिय विमानस्थलको रूपमा स्तर बृद्धि गरिएको भैरहवा विमानस्थल र गौतम बुद्ध संग सम्बन्धित लुम्बिनी र तिलौराकोट नजिकै रहेकोले पर्यटकहरूलाई भित्राउन सकिने पर्याप्त सम्भावना रहेको छ। खाली ठाउँ र सार्वजनिक स्थलहरू प्रशस्तमात्रमा भएकोले विकासका पूर्वाधारहरू निर्माण गर्न सकिने पर्याप्त सम्भावना रहेको र नगरपालिकाको क्षेत्र भित्र बाणगंगा नदिमा दुईवटा सिचाई आयोजनाहरू संचालनमा रहेकोले सिचाई सुविधा सहज रूपमा उपलब्ध गराई कृषि उत्पादनमा बृद्धि गर्न सकिने पर्याप्त सम्भावना रहेको छ। बाणगंगा नदिलाई जलाशयको रूपमा प्रयोग गरी तिलौराकोट सम्म जलमार्गको रूपमा विकास गर्न सकिने सम्भावना रहेको एवं शहरीकरणको रूपमा बिकास हुन लागेकोले व्यवस्थित शहर निर्माण गर्न सकिने सम्भावना समेत रहेको छ।

३) आ.व. ०८१/८२ मा स्वीकृत नीति, कार्यक्रम तथा बजेटको झलकः

यस नगरपालिकाको आ.व. २०८१/०८२ को कूल बजेट रु. १ अरब २८ करोड ५ लाख २४ हजार मध्ये भौतिक पूर्वाधार विकास तर्फ रु. ४६ करोड ७९ लाख ९९ हजारका योजनाले नगरपालिकाको विकास प्रकृयालाई योजनाबद्ध तरिकाले विकास गर्दै लैजान आवश्यक दिशा निर्देश गरेको छ। नगरपालिकाको भौतिक पूर्वाधार तर्फका योजनाहरूको अध्ययन गर्दा विद्यमान बस्तुस्थितिको लेखाजोखा गरी निर्माणाधीन सडकहरूको स्तरोन्नति, सानातिना मोटरबल पुल, वडाकेन्द्र देखि नगरपालिका केन्द्र जोड्ने सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति, कृषि, पशु, शिक्षा, स्वास्थ्य लगायतका क्षेत्रहरूमा आवश्यकता बमोजिमका भवन निर्माण, सार्वजनिक जग्गा संरक्षण, सामुदायिक भवन, मठ, मन्दिर, गुम्वा संरक्षण जस्ता कार्यक्रमहरू समावेश गरिएको छ। सुकुम्बासी समस्या समाधानका लागि भूमि आयोगको निर्देशन बमोजिम कार्य प्रक्रिया अगाडि बढाईएको, प्रविधिमा आधारित सेवा प्रवाह, भवन आचारसंहिता बमोजिम नयां भवन निर्माणमा जोड गरिएको, पूर्वाधार विकासको लागि बढागत र नगरपालिका स्तरीय योजनाहरूमा बर्गीकरण गरी सोही आधारमा लगानी प्रस्ताव गरिए बमोजिम करिव ७० प्रतिशत प्रगति हासिल भएको छ।

४) चालु आ.व. मा संचालित योजनाहरूको अवस्था विप्लेषणः

४.१ भौतिक पूर्वाधार विकास तर्फः

| | |
|---|-----|
| सम्झौता भएका योजना सख्याः | ४९९ |
| ठेक्का मार्फत सम्झौता भएका योजना सख्याः | १०६ |
| उपभोक्ता समिति मार्फत सम्झौता भएका योजना सख्याः | ३९३ |
| ठेक्काबाट संचालित सम्पन्न भएका योजना सख्याः | ६१ |
| उपभोक्ता ससितिबाट संचालित सम्पन्न भएका योजना सख्याः | २२४ |
| हालसम्म सम्पन्न भएका योजना सख्याः | २८५ |
| बहुवर्षिय ठेक्का बन्दोवस्त भएका योजना सख्याः | ४ |



- हालसम्म नगरभित्रका पूर्वाधार तर्फ जम्मा ४९६ वटा योजना सम्प्लीता भईसकेका र २२१ वटा योजनाहरूको भुक्तानी भैसकेको छ र कार्यान्वयन नै हुन नसक्ने समान्य योजनाहरू बाहेक अन्य सबै योजनाहरूको सम्प्लीता भैसकेको र कार्यान्वयन एवं भुक्तानीको क्रममा रहेका छन्।
 - प्रदेश समपुरक तर्फ: प्रदेश समपुरक तर्फ २ वटा सडक निर्माणका लागि रु. १ करोड ५ लाख प्रदेश र नगरपालिकाको रु १ करोड ५ लाख गरी जम्मा २ करोड १० लाख बजेट विनियोजन गरिएकोमा २ वटै सडकको काम सम्पन्न भै सकेको छ।
 - प्रदेश सरकार बाट हस्तान्तरित १० वटा कार्यक्रम मध्ये ६ वटा योजनाको कार्य सम्पन्न भै सकेको र बाँकी ४ वटा सम्पन्न हुने क्रममा रहेका छन्।
 - संघीय सरकार बाट हस्तान्तरित विशेष अनुदान कार्यक्रम अन्तर्गत लक्ष्मणघाट मा.वि.को भवन निर्माणका लागि रु ६५ लाख विनियोजन भएकोमा उक्त योजनाका कार्य सम्पन्न भएको छ।
 - संघीय सरकारबाट हस्तान्तरित तराई मधेश सम्बृद्धि कार्यक्रमका लागि रु २५ लाख बजेट विनियोजन भएकोमा नगरपालिकाबाट रु १० लाख थप गरि ठेक्का बन्दोबस्त गरिएकोमा हाल सम्पन्न हुने अवस्थामा रहेको छ।
 - ५०/५० र ७०/३० लागत सहभागितामा ५१ वटा योजनाहरू उपभोक्ता समिति र ठेक्का मार्फत सम्प्लीता भई कुल रकम रु. ३ करोड ७९ लाख ४ हजार ५ सय ७५ नगद नगरपालिकाको खातामा रकम जम्मा भई भौतिक पूर्वाधार तर्फका योजनाहरू सम्पन्न हुने क्रममा रहेका छन्।
 - संघीय शसर्त अन्तर्गत प्राप्त रकमबाट तीन वटा विद्यालयहरू बाल मा.वि. बैरिया, शान्ति मा.वि. डुंगहवा, कामता मा.वि. करैलियामा ४ कोठे भवन निर्माणको कार्य भैरहेको र प्रदेश शसर्त र नगरपालिकाको रकम समेतबाट नव दुर्गा आ.वि. मोतिपुरमा बहु वर्षिय ठेक्का भई कार्य सुरु भएको छ। बाल विकास केन्द्र र अन्य विद्यालयहरूमा भवन मर्मत सुधार र स्तरोन्नतिका लागि रु. ७० लाख बराबरको कार्य सम्पन्न भएका छन्।
 - आधारभुत स्वास्थ्य केन्द्र र खोप केन्द्रहरूका भवन निर्माण एवं स्तरोन्नति गर्ने कार्य सम्पन्न भएका छन्।
 - कृषि उपज संकलन केन्द्रको पूर्वाधार निर्माणका लागि रु. ३ करोड ६० लाख बराबरको ठेक्का बन्दोबस्त भई काम सम्पन्न हुने क्रममा रहेको छ।
- ४.२ झोलुङ्गे पुल क्षेत्रगत कार्यक्रम अन्तर्गत गत वर्ष रु. ३० लाख १० हजार ९ सय ९० बराबरको स्टिल पार्ट फ्रेमिङको समान खरिद गरी सप्लाइ भै सकेको र चालु आ.व. मा बाँकी निर्माण कार्यको लागि विनियोजित रकम रु. ३३ लाख रकम मध्येबाट उपभोक्ता समिति मार्फत स्टिल त्रिज निर्माणको कार्य सम्पन्न भएको छ।
- ४.३ राष्ट्रिय ग्रामिण तथा नविकरणीय उर्जा कार्यक्रम अन्तर्गत नगर भित्र रहेका सोलर बत्तीहरू मर्मत सम्भार गर्ने कार्य अगाडि बढेको छ। सडक पुल तथा यातायात लगायत अन्य पूर्वाधार: चालु आ.व. ०८१।८२ मा हालसम्म नगर भित्र ११५४८ मिटर कालो पत्रे, १७९० मिटर सडक ढलान, २११ मिटर लकिङ्ग ब्लक, ४०५५ मिटर सडक ग्रावेल र ६८७३ मिटर सडक मर्मत संभार, ६६९९ मिटर नाली, नहर तथा कूलो निर्माण, ८२५ मिटर बिद्युत लाईन व्यवस्थापन, ११ वटा कल्भर्ट निर्माण गर्ने कार्य सम्पन्न भई सकेको छ। अन्य क्षेत्रका कार्यहरू अधिकांश पुरा भएका छन् भने केहि कार्यहरूमात्र सम्पन्न हुने क्रममा रहेका छन्।
- ४.४ सूचना तथा सञ्चार प्रविधि : नगरपालिका भित्र रहेका १५ वटा सामुदायिक विद्यालयहरू र १२ वटा स्वास्थ्य संस्थाहरूमा ई हाजिरी मेसिन जडान गरिएको, नगरपालिका भित्र रहेका विभिन्न सार्वजनिक स्थलहरू, नगरपालिकाको प्रशासनिक भवन एंवम विद्यालयमा गरी ३७ वटा सि.सि.क्यामेरा जडान गरिएको, प्रशासनीक भवनमा २५ Mbps Internet Connection रहेकोमा क्षमता बृद्धि गरी ४० Mbps Internet Connection जडान गरी प्रशासनीक भवनको सबै कोठाहरूमा Free Wifi को व्यवस्था मिलाईएको छ साथै नगरपालिका भित्र रहेका ५०० घर धुरी हुने उपभोक्ता खानेपानी संस्थाहरूमा नि:शुल्क रूपमा सफ्टवेयर र Water Meter Reader Device वितरण गरि कार्यान्वयनमा आएको छ। नगरपालिकाबाट अनलाईन गुनासो तथा सुझाव पेटिकाको व्यवस्थापन गरी प्राप्त गुनासाहरू कार्यपालिकाको बैठकमा प्रस्तुत भई छलफल गर्ने गरिएको छ। राजध असुलीका लागि अनलाईन एंव QR CODE को प्रयोग गरी सेवा ग्राहीले घरमै बसि बसि राजध बुझाउन सकिने व्यवस्था मिलाईएको छ। जिल्ला प्रशासन कार्यालयको समन्वयमा सबै वडा कार्यालयहरूबाट अन लाईन नागरिकता सिफारिस गर्ने कामको थालनी गरिएको छ।

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]



४.५ भवन तथा शहरी विकास : नगरपालिका भित्र आ.व. २०८१/०८२ मा नयां घर दर्ता - १४५ वटा, नयां घर पहिलो चरण - १३३ वटा, दोस्रो चरण - ९२ वटा, अन्तिम प्रमाण पत्र प्रदान - ७३ वटा, नामसारी - १२ वटा भएका छन् भने पुरानो घर दर्ता - ५०९ वटा, नियमित प्रमाण पत्र दिएको - ४९६ वटा र पुरानो घरको नामसारी - ३७ वटा भएका छन्।

५. स्वीकृत नीति कार्यक्रम तथा बजेट कार्यान्वयनमा देखिएका समस्या, चुनौती र अवसरहरुः
समस्या र चुनौती:

१. सीमित स्रोत र साधन (Limited Resources) रहेको, असिमित आवश्यकता परिपूर्ति गर्नु पर्ने बाध्यता रहेको छ,
२. प्राकृतिक स्रोत परिचालनका अधिकार प्रयोगको विषयमा विवाद रहेको छ, रातको समयमा चोरी निकासी हुने कार्यमा वृद्धि भएकोले नियन्त्रण एव नियमनमा समेत कठिनाई रहेको छ,
३. आवश्यकता धेरै भएकोले योजनाहरुको प्राथमिकता निर्धारणमा कठिनाई रहेको छ,
४. प्रतिभा पलायन र बसाइसराई (Brain drain/Migration) मा तिब्रता, बसाई सराई गरि जाने भन्दा आउनेको सख्यामा उल्लेख्य वृद्धि भएकोले लगानीका क्षेत्रहरु दिन प्रति दिन बढ्दै गैरहेका छन्,
५. योजना तर्जुमा र बजेट कार्यान्वयनमा दक्ष जन शक्तिको अभाव रहेको छ,
६. बढ्दो जनसंख्या, शहरी व्यवस्थापन र-रणनीतिक योजना तर्जुमा गर्ने विषयमा चुनौती थपिएको छ,
७. भू-उपयोग र भूमि व्यवस्थापनमा कठिनाई देखिएको छ,
८. वार्षिक बजेट, मध्यमकालीन खर्च संरचना र आवधिक योजनाको तालमेल मिलाउन सकिएको छैन,

अवसरः

१. योजनाहरुको कार्यान्वयनबाट आर्थिक क्रियाकलापहरु चलायमान भएका छन्,
२. जनसहभागिता (Community Involvement) मा विकास निर्माणका कार्य गर्ने तर्फ सबैको चासो रहेको छ,
३. सार्वजनिक निजी साझेदारी (Public private partnership) मा काम गर्न सकिने अवस्था रहेको छ,
४. पर्यटन बिकासको प्रचुर संभावना रहेको छ,
५. नगरका गौरवका योजनाहरु सिमित स्रोत र साधनका बावजुत समयमा पुरा गर्न सकिएको छैन,
६. भौगोलिक/सामाजिक/सांस्कृतिक विविधता रहेतापनि कार्यान्वयनमा सहजता देखिएको छ,
७. जनतावाट अनुमोदीत सक्षम जन प्रतिनिधिको पर्याप्तता रहेको छ,
८. बाणगङ्गा, कोइली र धिरी खोला जस्ता नदिजन्य पदार्थको पर्याप्तता एंव सिचाई सुवधा उपलब्ध हुन सक्ने प्राकृतिक सम्पदा भएकोले आमदानीका प्रमुख स्रोतहरुको रुपमा लिन सकिन्छ,
९. सामुदायिक वनको क्षेत्र उल्लेख्य मात्रामा रहेकोले आमदानीका स्रोतहरुको सम्भावना प्रशस्त मात्रामा रहेका छन्,
१०. पूर्वाधार बिकासको लागि भौगोलिक अनुकूलता रहेको छ,

७) अगामी कार्यदिशाः

१. नगरका योजनाहरु सम्पन्न गर्न संघ, प्रदेश, नगरपालिका, निजी क्षेत्र, सहकारी, सामुदायिक वन, गैरसरकारी संघ/संस्थाको लागत साझेदारीमा गर्न प्राथमिकता दिने, नगर यातायात गुरुयोजनाले तोकेको मापदण्ड र प्राथमिकताको आधारमा सडकहरुको स्तरोन्नति गर्ने, विद्युत पोल, तार, नाली, खानेपानी पाइप विस्तार समेतलाई ध्यानमा राख्दै एकीकृत डिजाइन इष्टिमेट तयार गरी कार्यान्वयनमा ल्याउने, नगरस्तरीय सडकहरुमा हरियाली र फूटपाथलाई विशेष ध्यान दिने, पूर्वाधार तर्फका योजनाहरु ठेक्का (e-tender) भाँफत संचालन गर्ने,



सार्वजनिक,पति, नदी उकास जस्ता जग्गा संरक्षणमा विशेष ध्यान दिने, सडक बत्ती राख्ने र जडित सडक बत्तिको मर्मत गर्ने कार्यलाई निरन्तरता दिने, राष्ट्रिय भवन संहिता र भवन, योजना तथा बस्ति विकास सम्वन्धी आधारभूत मापदण्ड बमोजिम नयाँ भवन निर्माण,आवासीय तथा व्यवसायीक भवनलाई व्यवस्थित गर्न घरनक्शा पास सम्वन्धी कार्यलाई व्यवस्थित गर्ने र नगरको विकासमा संलग्न पदाधिकारीहरुको क्षमता विकासमा जोड दिने ।

अन्त्यमा,

स्थानीय सरकारले भौतिक पूर्वाधारको क्षेत्रमा लिएको लक्ष्य, उद्देश्य, प्राथमिकता, नीति र रणनीतिहरु पुरा गर्ने क्रममा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूपमा सहयोग गर्नु हुने क्रियाशिल राजनैतिक दल, जन प्रतिनिधि, समग्र नागरीक क्षेत्र, टोल विकास सस्थाका पदाधिकारीहरु, उपभोक्ता समितिका पदाधिकारी एवं कर्मचारीहरु प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन गर्दै आगामी दिनमा समेत सल्लाह सूझाव र मार्ग निर्देशन प्राप्त हुने अभिलाषाका साथ विदा हुन चाहन्छु, धन्यवाद !

विष्णु प्रसाद पौडेल
संयोजक
पूर्वाधार विकास समिति
बागगंगा नगरपालिका, कपिलवस्तु



सामाजिक विकास समितिको प्रतिवेदन

अनुसूची-५(घ)

यस बाणगङ्गा नगरपालिकाको १७ औं नगरसभाका सभाअध्यक्ष ज्यू, उपाध्यक्ष ज्यू, सचिव ज्यू, यस नगर सभामा उपस्थित सम्पूर्ण वडाका वडा अध्यक्षज्यूहरू, नगर सभाका सदस्य ज्यूहरू, तथा राष्ट्रसेवक कर्मचारीहरू। सर्वप्रथम त म यस गरिमामय नगर सभामा सामाजिक विकास समितिको प्रतिवेदन पेश गर्न पाउदा निकै गौरवान्वित भएको छु।

स्थानीय शासन संचालन ऐन २०७४ को परिच्छेद ५ को नियम २२ ले व्यवस्था गरे अनुसार समिति गठन सम्बन्धी स्थानीय सरकारको हरेक गतिविधिको सम्बन्धमा निर्दिष्ट गरेको कानुनी व्यवस्था बमोजिम यस नगरको यो आजको सभामा बाणगङ्गा नगरको सामाजिक क्षेत्र अन्तर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलावालवालिका, जेठनागरिक, अपाङ्गता, खानेपानी तथा सरसफाई, सुरक्षित आवासन (सामी), पोषण लगायत लक्षित समुदायको अवस्था एवं यस आ.व.मा भएको नीति तथा कार्यक्रमको प्रगतिका बारेमा छोटकरी रूपमा यहाँहरू समक्ष प्रतिवेदन प्रस्तुत गर्ने अनुमति चाहन्छु।

सभाअध्यक्ष ज्यू,

बाणगङ्गा नगरपालिकाको विकासको हिसावले महत्वपूर्ण भूमिका राख्ने सामाजिक विकास समग्र विकासको गुणात्मक गतिशिल आयाम हो। सामाजिक विकासलाई नागरिकको अधिकार तथा राज्यको दायित्वको रूपमा स्वीकार गर्न सकिने क्षेत्र पनि हो। तसर्थ सामाजिक विकास बिना मुलुकको विकासको परिकल्पना गर्न पनि सकिदैन। दीगो विकासको लागि गुणस्तरीय शिक्षा, स्वास्थ्य तथा समुन्नत समाज, लैङ्गिक समानता, सामाजिक समावेशीकरण, खानेपानी तथा सरसफाई, पोषणका साथै महिला, बालवालिका अपाङ्गता भएका व्यक्ति, जेठनागरिक, यौनिक तथा लैङ्गिक अल्पसंख्यक, युवा तथा खेलकुद र कला, भाषा, साहित्य जस्ता विषय र क्षेत्रहरू समेटिएका छन्। यी क्षेत्रको विकास भएमा मात्र सामाजिक विकास सम्भव छ र स्वस्थ शिशुशिक्षित र सृजनशील मानवपुंजीको निर्माण हुने हुँदा विकासका क्षेत्रमा सामाजिक विकासको अत्यान्तै महत्वपूर्ण भूमिका रहेको छ।

अब म,

आ.व. २०८२/०८३ मा शिक्षा भाषा कला तथा साहित्य तर्फका मुख्य नितिहरू यहाँहरू समक्ष बुंदागत रूपमा प्रस्तुत गर्ने चाहन्छु।

१. बालवालिकाको सिकाई वृद्धिका लागि गणित, विज्ञान र अङ्ग्रेजी विषयको उपलब्धि सुधार गर्न मोडल कक्षाहरू संचालन गरिनेछ। जसका लागि सम्बन्धित विषयका विज्ञ शिक्षक परिचालन गरिनेछ।
२. विद्यालयमा अध्ययन गर्ने बालवालिका तथा कार्यरत कर्मचारीहरूको आचरण, अनुशासन, कार्यगत एकताका साथै राष्ट्रभाव विकासका लागि स्काउट, पि.टि. तालिम जस्ता कार्यक्रमहरूलाई प्रोत्साहन गरिनेछ।
३. विपन्न परिवार र कुनै पनि हिंसामा परेका बालवालिकाको शैक्षिक त्रिन्तरताका लागि छात्रवृत्ती शैक्षिक सामग्री वितरण अध्ययन सहयोग जस्ता प्रोत्साहन हुने कार्यक्रम ल्याइनेछ।
४. विद्यालयमा भएको जनशक्ति अभावलाई न्यूनीकरण गर्ने गरी स्वयम शिक्षकको बैङ्क स्थापना गरी आवश्यकता अनुसार परिचालन गरिनेछ।
५. विद्यालयमा अध्ययनरत बालवालिकाहरूको स्वास्थ्य अवस्थामा सुधार तथा पोषण सुधारमा जोड दिँदै नमुनाको रूपमा सामुदायिक विद्यालयमा नर्स व्यवस्थालाई प्राथमिकताका साथ लागु गर्न पहल गरिनेछ।
६. विद्यालय दिवा खाजामा पत्रु खाना निषेध गर्दै विद्यालयको सेवा क्षेत्रको १०० मिटर भित्र सुर्तिजन्य तथा मादक पदार्थ लगायत तयारी प्याकिङ खाजा निषेध विद्यालय क्षेत्र घोषणा गरिनेछ।
७. मेरो विद्यालय मेरो दायित्व कार्यक्रमलाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयनका लागि विद्यालयका पुर्व विद्यार्थीहरूको संलग्नतामा सामुदायिक विद्यालयहरूको समग्र विकासमा सहयोग गरी गुणस्तर सुधार गर्ने वातावरण सृजना गरिनेछ।
८. बालवालिकाहरूको बोल्ने बानीको विकास तथा मान्यजनहरूसँग केही अनुभव सिकने सिकाउने बानीको विकासका लागि उपमेयर सँग विद्यार्थी कार्यक्रम संचालन गरिनेछ।
९. नगरभित्रका लेखक तथा रचनाकारहरूको सूचीकरण गरी उनीहरूबाट सिर्जना भएका लेख रचनाहरूको संकलन गरी दस्तावेज अभिलेखीकरण गरी ग्रन्थ निर्माण प्रकृया अगाडी बढाइनेछ र उत्कृष्ट लेख रचनाका सर्जककर्ताहरूलाई सम्मान कार्यक्रमको थालनी गरिनेछ।
१०. नगरपालिकाको स्थानीय पाठ्यक्रममा स्थानीय भाषा संस्कृती साहित्य र कला समावेश गरी विद्यालय स्तर देखि नै साहित्यिक जागरणलाई प्रोत्साहन गरिनेछ।



अब म शिक्षा युवा तथा खेलकुद क्षेत्रको बारेमा तथ्यांकगत रूपमा संक्षिप्त जानकारी गराउन चाहान्छु। बाणगङ्गा नगरमा यो १७ औं नगर भा हुँदाका दिन सम्म पुर्व प्राथमिक विद्यालय बालविकास केन्द्र ६० वटा रहेका छन् भने, सामुदायिक तर्फ धार्मिक ६ विद्यालय समेत गरी ५० वटा रहेका छन्। त्यसै गरी संस्थागत मन्टेसरी विद्यालयहरू समेत गरी २७ वटा विद्यालयहरू संचालित छन्। यसरी बालविकास केन्द्रमा शैक्षिक सत्र २०८२ मा सामुदायिक तर्फ १७७५ र संस्थागत तर्फ २१८४ बालबालिका भर्ना भएका छन् भने सामुदायिक तर्फ आधारभुत तहमा ७४७९ रहेका र संस्थागत विद्यालयमा ८९५६ विद्यार्थी र माध्यमिक तहमा सामुदायिक तर्फ ४१४० र संस्थागत तर्फ १४२६ विद्यार्थी गरी कुल जम्मा यस बाणगंगा नगरपालिकामा विद्यार्थी संख्या २६,५०३ विद्यार्थी अध्ययनरत रहेका छन्।

नगरमा कार्यरत शिक्षक, कर्मचारी विवरण यस प्रकार रहेको छ।

| बालविकास केन्द्र र शिक्षक | प्राथमिक शिक्षक | निम्नमाध्यमिक शिक्षक | माध्यमिक शिक्षक | प्राविधिक धारका शिक्षक | कुल जम्मा शिक्षक | विद्यालय कर्मचारी | लेखापाल | कुल जम्मा कर्मचारी |
|---------------------------|------------------|----------------------|-----------------|------------------------|------------------|-------------------|---------|--------------------|
| ६० | २२९ | ६६ | ९१ | ८ | ३८६ | ४८ | १६ | ५१८ |
| विद्यार्थी ३९५९ | विद्यार्थी १६४३५ | | विद्यार्थी ५५६६ | | विद्यार्थी २५९६० | | | |
| धार्मिक विद्यार्थी १४१ | विद्यार्थी ३५६ | | विद्यार्थी ४६ | | विद्यार्थी ५४३ | | | |

आ.व. २०८१/०८२ का लागि शिक्षा क्षेत्रमा विनियोजन भएको कुल रकम ३९,३३,९५ हजारमध्ये नगरको आन्तरिक तर्फ विनियोजित रकम रु २,५६,४० हजारमा हाल सम्मको खर्च १,६३,८४.४ भई ७३ प्रतिशत र संघिय शशर्त तर्फको विनियोजित रकम रु ३६,४४,५५ रहेकोमा खर्च २४,२८,३०.७ खर्च भई ६७ प्रतिशत वित्तिय प्रगति भएको छ भने खेलकुद तर्फ विनियोजित ३३ लाख रकम मध्ये २८,०९,३५७ खर्च भई ८५.१३ प्रतिशत वित्तिय प्रगति गति भएको छ।

सभा अध्यक्ष ज्यू,

हाल सम्म यस नगर सभाको दिन सम्म अइपुग्दा नगरका आन्तरिक ४४ वटा कार्यक्रम मध्ये ३२ वटा कार्यक्रम संचालन भएका र केही सम्पन्न हुने क्रममा छन्। भुक्तानी हुन बाँकी रहेको अवस्थाले नगरको आन्तरिक तर्फको यसै महिनाको २० गते सम्ममा खर्च रकमको प्रतिशत ८० देखि ८५ प्रतिशत सम्म हुने अवस्था रहेको देखिन्छ।

संघीय शशर्त तर्फ १७ वटा कार्यक्रमका सम्पन्न गर्नु पर्ने र प्राय सबै कार्यक्रम अनुदानका रहेका र यी कार्यक्रमहरू वर्ष भरि नै निरन्तर चलिरहने भएको कारणले हाल सम्म ६७ प्रतिशत मात्र खर्च भएको देखिएता पनि विद्यालयहरूका कार्य सम्पन्न गरेको प्रतिवेदन तथा कागजात समयमा पेश नहुँदा समेत भुक्तानीमा ढिला भएको अवस्था रहेको छ। आ व को अन्त्य सम्ममा करिब ९० प्रतिशत सम्म खर्च हुने अनुमान गर्न सकिन्छ।

यस आ.व.मा शिक्षा युवा तथा खेलकुद शाखाबाट सम्पन्न भएका कार्यक्रमहरू

१. ५ वर्षे शिक्षा योजना निर्माण।
२. शैक्षिक सुधारमा वृहत शैक्षिक भेला।
३. परिक्षा सुधारमा प्रश्नपत्र निर्माण कार्यशाला।
४. विभिन्न दिवसमा अतिरिक्त कृयाकलाप सम्पन्न।
५. प्र अ बैठक ६ पटक र बालविकास शिक्षक बैठक १ पटक नियमित बैठक सम्पन्न।
६. लागुपदार्थ दुर्व्यसनी न्यूनीकरण सडक नाटक सम्पन्न।
७. २५ वटा बालविकास केन्द्रलाई शैक्षिक सामग्री वितरण।
८. ११ वटा सामुदायिक विद्यालयमा साईकल वितरण।
९. २५ जना शिक्षकलाई ५ दिने सूचना र प्रविधि सम्बन्धी तालिम सम्पन्न।
१०. गणित विषय पढाई सुधारमा विषय शिक्षक भेला सम्पन्न।
११. मेयरकप फुटबल, उपमेयरकप भलिबल र राष्ट्रपति रनिङ्गशिल्ड लगायतका खेलहरू सम्पन्न।

खेलकुदतर्फ:

नगरको खेलकुद क्षेत्रमा पनि विभिन्न कार्यक्रम रहेका र ३३ लाख रकम विनियोजन भएकोमा सबै खेलकुद समयमै सम्पन्न भई विनियोजित रकममध्ये २८,०९,३५७ रकम खर्च भई ८५.१३ प्रतिशत प्रगति भएको छ
शैक्षिक पक्षमा सवल पक्ष:

- विद्यालयका भौतिक संरचना व्यवस्थित बन्दै गएका ।
- विद्यालयको वातावरणीय सरसफाई र सौन्दर्यीकरण कार्यमा विकास हुँदै गएको ।
- शैक्षिक गुणस्तरमा विगतका वर्षमा भन्दा सुधार उन्मुख रहेको ।
- शिक्षण पेशामा संलग्न शिक्षकहरूमा सृजनात्मकता र कृयासिलतामा सुधार भएको ।
- विद्यालयको अभिलेखिकरण पारदर्शितामा गुणस्तर आएको ।
- बालबालिकाको दिवा खाजामा पत्रुखाना न्यूनिकरण हुँदै गएको ।
- कक्षा शिक्षणमा सुचना र प्रविधिको प्रयोगमा वृद्धि हुँदै गएको ।

समस्याहरु:

- निम्नमाध्यमिक र माध्यमिक तहमा जनशक्तिको अभावले शिक्षण कार्यमा समस्या ।
- विद्यालयको परिसरमा घेरावार नहुनाले फुलवारी तथा सौन्दर्यीकरणमा समस्या ।
- विद्यालयको शैक्षिक अवस्था र शिक्षण कृयाकलापको विज्ञबाट अनुगमन कार्य गर्न नसकिएको ।
- शाखामा प्रयाप्त जनशक्तिको अभावले कार्य सम्पन्नतामा समस्या ।
- विद्यालयको आवश्यकताको आधारमा योजना दिन नसकिएको ।
- विद्यालयमा विद्यार्थी संख्या न्यून हुँदै जानु ।

स्वास्थ्य शाखा

- कुल जम्मा कार्यक्रम: ५१
 - सम्पन्न गरिएका कार्यक्रम: ५१
 - चालु कार्यक्रम: ०
 - भुक्तानी बाँकी कार्यक्रम: ७
१. डेंगु रोग नियन्त्रण तथा रोकथाम कार्यक्रम अन्तर्गत नगर स्तरिय तथा वडा स्तरिय र नगर भित्रका केही विद्यालयहरूमा अभिमुखिकरण कार्यक्रम सम्पन्न गरी सबै वडाहरूमा लामखुट्टेको लार्भा खोजी र नष्ट गरौं अभियान समेत गरिएको ।
 २. क्षयरोग मुक्त नेपाल अभियान कार्यक्रम: यस नगरपालिकामा संचालित क्षयरोग मुक्त नेपाल अभियान कार्यक्रम अन्तर्गत क्षयरोगी पता लगाउन सम्पूर्ण वडाहरूमा स्क्विड्ग शिविर सम्पन्न गरियो जसमा २१५० जना शंकास्पदविरामीकोको खकार परिक्षण गरी ३२ जना क्षयरोगका विरामीहरू पता लगाई उपचार सुरु गरिएको छ। र हाल सम्म जम्मा १२१ जना नयाँ क्षयरोगका विरामी पता लागेका छन् ।
 ३. नियमित खोप कार्यक्रम अन्तर्गत १२४१ जना बालबालिकाहरूले पूर्ण खोप प्राप्त गरेका छन् ।
 ४. यस नगर भित्र जम्मा ३७९ जना गर्भवती महिलाले सुरक्षित प्रसुति सेवा प्राप्त गरेका छन् जस मध्ये १२ जनाको शल्यक्रियाद्वारा प्रसुति गराईएको छ ।
 ५. पूर्ण संस्थागत प्रसुतिसेवा अन्तर्गत यस नगरपालिका मातहतका बर्थिङ्ग सेन्टरहरूबाट हाल सम्म २०९ जना प्रसुति हुने महिलाहरूलाई नि:शुल्क एम्बुलेन्स सेवा उपलब्ध गराईएको छ ।
 ६. बाणगड्गा नगरपालिका अन्तर्गतका स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट सामान्य उपचार तर्फ OPD मा कुल जम्मा विरामी (सेवाग्राही) १,०२,०३२ जनालाई उपचारात्मक लगायत अन्य सेवा उपलब्ध गराईएको छ जस मध्ये ८४,६७० जना नयाँ विरामीको संख्या रहेको छ ।
 ७. नि:शुल्क आँखा शिविर संचालन गरिएको जसमध्ये जम्मा ५,१५५ जनाले सेवा लिएको, १,२२६ जनालाई नि:शुल्क चरमा वितरण गरिएको र ५१० जनाको नि:शुल्क शल्यक्रिया समेत गरिएको ।
 ८. वडा नं १० को कामता मा.वि. करैलिया र समुदायमा ४२० जनाको सिकल सेल एनेमिया स्क्विड्ग गरिएको जसमध्ये ९ जना पुरुष र २२ जना महिलामा सिकल सेलको बाहक देखिएको ।
 ९. आन्द्राको क्यान्सर विरामीलाई Colostomy Bag तथा Spinal Injury भएका विरामीलाई सर्जिकल सामग्री उपलब्ध गराईएको ।

(Handwritten signatures)



१०. गत आ.व. मा यस नगरपालिका भित्रका २ वटा विद्यालयमा किशोरीहरूमा रक्तअल्पताको नमूना सर्वेक्षण गर्दा ५१% किशोरीहरूमा रक्तअल्पता देखिएको हुनाले यस आ.व.मा निजी तथा सामुदायिक सम्पूर्ण विद्यालयहरूमा प्रभावकारी रूपमा आईरन फोलिक एसिड चक्की खुवाउने कार्यक्रम संचालन गरि बाणगंगा नगरपालिका भित्र रहेका विद्यालयमा अध्ययनरत २४४० जना किशोरीहरूमा रक्तअल्पता स्कृनिङ्ग गर्दा ७३० जना (२९.९९%) किशोरीहरूमा रक्तअल्पता देखिएको र उपचार सुरु गरिएको।
११. वडा नं १, ६ र ९ मा कुष्ठरोग स्कृनिङ्ग र छालारोग शिविरमा जम्मा ४०५ जना छाला रोगीहरूले सेवा लिएको र १ जना कुष्ठरोगी पत्ता लागी उपचार सुरु गरिएको।
१२. सबै स्वास्थ्य संस्थाका नर्सिङ्ग कर्मचारीहरूलाई पाठेघरको मुखको क्यान्सर स्कृनिङ्ग सम्बन्धि VIA तालिम दिई सबै वडाहरूमा ५३७ जनाको जाँच गरिएको जसमध्ये ८ जना पोजिटिभ विरामीलाई थप जाँचको लागि बुटवल रेफर गरिएको।
१३. यस नगर भित्रका १६० जना मृगौला प्रत्यारोपण गरेका, डायलाइसिस, क्यान्सर तथा मेरुदण्ड पक्षघातका विरामीलाई जम्मा रकम रु.४१,४०,०००/- वितरण गरिएको।
१४. नगरका सबै स्वास्थ्य संस्थाहरूमा eLMIS लागु गरिएको।
१५. नगरका सबै विद्यालयहरूबाट जम्मा ७,५६९ जना किशोरीहरूलाई आईरन फोलिक एसिड वितरण गरिएको। वडा नं ०५ र ०८ लाई पोषण मैत्री वडा दिगोपना घोषणा र साथै यही आ.व. मा वडा नं ०२, ०४ र ०९ लाई पनि पोषण मैत्री वडा घोषणा गरिने तयारीमा लागिएको।

लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण तर्फ:-

नीति:-

१. महिला, आदिवासी जनजाति, मधेशी, मुस्लिम, दलित, पिछडा वर्ग, लगाएका लक्षित वर्ग र समुदायलाई सशक्तीकरण र सीप विकासका माध्यमबाट मूलप्रवाहमा ल्याउने छ।
२. मानवीय मूल्य र मान्यतालाई आत्मसाथ गरी मानव सभ्यता र संस्कृतिहरूको प्रवर्धन र संरक्षण गर्दै, सरल जीवन शैली र पद्धतिको धरातलमा बालश्रम मुक्त, बालमैत्री मानवताको सहर बाणगङ्गा नगर बनाउने लक्ष्यकासाथ अभियान तथा कार्यक्रमहरू संचालन गरिने छ।
३. सबै किसिमका सामाजिक विभेद (जातीय, लैंगिक, धार्मिक, भाषिक, सांस्कृतिक) जस्ता विभेदहरूलाई निषेध एवं निरुत्साहित गरिने छ।

बजेट:-

महिला बालबालिका तर्फ:- ४६,४०,०००/-
महिलासँग उपप्रमुखे कार्यक्रम तर्फ:- २५,००,०००/-
राष्ट्रपति महिला सशक्तीकरण परियोजना तर्फ:- २,००,०००/-
विभिन्न जातजाती भेष भुषा तथा संस्कृति संरक्षण तर्फ:- १०,००,०००/-
विभिन्न दिवसीय कार्यक्रम तथा समारोह तर्फ:- ५,००,०००/-
जम्मा:- ८३,४०,०००/-

प्रगति:-

| प्रगति विवरण:- | खर्च रकम | बाँकी रकम | खर्च प्रगति | कैफियत |
|----------------|-------------|------------|-------------|--------|
| जम्मा बजेट रकम | ८६,४०,०००/- | २,७०,०००/- | ९६.९४% | |

हालसम्म वितरण गरिएका अपांगता परिचय पत्रको विवरण:-

| वार्ड | क | ख | ग | घ | जम्मा |
|-------|----|----|----|---|-------|
| १. | १२ | ५६ | ८ | ४ | ८० |
| २. | १५ | ४१ | १४ | ७ | ७७ |
| ३. | ५ | ५२ | १४ | ८ | ७९ |
| ४. | १६ | ४३ | १७ | २ | ७८ |
| ५. | १२ | ३७ | १३ | ६ | ६८ |
| ६. | ११ | ४० | १० | २ | ६३ |

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]



| वार्ड | क | ख | ग | घ | जम्मा |
|-------|-----|-----|-----|----|-------|
| ७. | ८ | ३३ | १३ | - | ५४ |
| ८. | २७ | ७८ | ४० | ९ | १५४ |
| ९. | १७ | ३९ | १४ | ४ | ७४ |
| १०. | ५ | ३३ | १४ | ५ | ५७ |
| ११. | ८ | ४४ | ३९ | ७ | ९० |
| जम्मा | १३६ | ४९६ | १८८ | ५४ | ८७४ |

हालसम्म वितरण भएका ज्येष्ठ नागरिक परिचय-पत्र विवरण:

| वार्ड | पुरुष | महिला | जम्मा |
|-------|-------|-------|-------|
| १ | ६६ | ७२ | १३८ |
| २ | २२४ | २२० | ४४४ |
| ३ | ३९ | २३ | ६२ |
| ४ | ९५ | ७९ | १७४ |
| ५ | ४३ | ४४ | ८७ |
| ६ | ४८ | ३२ | ८० |
| ७ | १२८ | ९७ | २२५ |
| ८ | २५९ | २३९ | ४९८ |
| ९ | ७६ | ७२ | १४८ |
| १० | १७७ | १८८ | ३६५ |
| ११ | १३३ | १२९ | २६२ |
| जम्मा | १२८८ | ११९५ | २४८३ |

रोजगार शाखा:

१. प्रधानमन्त्री रोजगार / राष्ट्रीय रोजगार कार्यक्रम सम्पन्न गरेका मुख्य मुख्य कार्यक्रमहरू:

- प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत ४० जना बेरोजगार ब्यक्तिहरूलाई दक्ष बनाउनकालागि ५० दिने मेसनको तालिम सम्पन्न गरिएको थियो
- प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत कार्यस्थलमा खटिनु पुर्व तायारिका लागि १०० जना श्रमिकहरूलाई अभिमुखिकरण कार्यक्रम सम्पन्न गरिएको थियो ।
- श्रमको सम्मान राष्ट्रको अभियान, मुल नाराका साथ १०० जना श्रमीकहरूलाई खादाका साथ सम्मान गरि कार्यक्रम सम्पन्न गरियो ।
- सम्पूर्ण वडाहरूमा ३ वडा बाहेक विभिन्न किसिमका १३ वटा योजनाहरू संचालन भएका थिए नाला निर्माण ,पि.सि.सि डलान,प्रतिकालय निर्माण जस्ता योजनाहरू थिए जसमा ७१ जना श्रमिकहरू ले १०० दिन बराबरको रोजगार पाएका छन ११ वटा योजनाहरू सम्पन्न भए २ वटा हुन बाँकि रहेको छ ।
- रोजगार मेला संचालन गरिएको थियो जसमा २०० जनाले सेवा लिएका थिए ।

सामी कार्यक्रम:

- सुरक्षित बैदेशिक रोजगार सम्बन्धि ११ वटा वडाहरूमा गहन अभिमुखिकरण कार्यक्रम सम्पन्न गरिएको थियो जमा १४५० जना लाभान्वित भएका थिए ।
- वैदेशिक रोजगार बाट फर्केका रिटर्नहरू २३ जना लाई ६५ दिने पलम्बर तालिम र वित्तिय कक्षा लिएका महिला २२ जना लाई १५ दिने ढाँकाको टोपि बनाउने तालिम सम्पन्न गरिएको थियो।
- वैदेशिक रोजगार बाट आएको रकम सहि सदुपयोगको लागी र मनो परामर्षका लागी २१ हप्ते वित्तिय साक्षरता कक्षा सम्पन्न गरिएको थियो जमा ५० जना सहभागी थिए ।

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]



- सम्पूर्ण वडाहरूमा वित्तिय साक्षरता सम्बन्धि अभिमुखिकरण कार्यक्रम सम्पन्न गरियो जसमा ४५० जनाको सहभागिता रहेको थियो।
- नगरका सम्पूर्ण महिला स्वास्थ्य स्वयमसेविकाहरू, स्वास्थ्य हेपो प्रमुखहरूलाई सुरक्षित वैदेशिक रोजगार सम्बन्धि अन्तर्किया कार्यक्रम सम्पन्न गरिएको थियो जसमा १५० जनाको सहभागिता रहेको थियो।
- ११ वटै वडा वाट टोलविकास संस्थाका पदाधिकारीहरूलाई सुरक्षित वैदेशिक रोजगार सम्बन्धि अभिमुखिकरण कार्यक्रम सम्पन्न गरिएको थियो जसमा ६५ जनाको सहभागिता रहेको थियो।
- यसै गरी सम्पूर्ण घरघुरीमा पुगी सुरक्षित वैदेशिक रोजगार सम्बन्धि सहि सुचना प्रवाह गरिएको थियो जसमा २७०० घरघुरि लाभन्वित भएका छन।
- २७ जनालाई मनोपरामर्श सेवा प्रदान गरिएको थियो।

आयुर्वेद शाखातर्फ

१. महिला १५,१५९/- र पुरुष ७,९२४/- गरी जम्मा २३,०८२/- जनाले जेष्ठ मसान्त सम्म बहिरङ्ग, गाउँघर क्लिनिक, पूर्वकर्म, स्तनपायी आदि जस्ता सेवा लिएको।
२. शसर्त बजेट करिब ९९.६७ प्रतिशत र नगर स्तरीय बजेट करिब ९९.९८ प्रतिशत वित्तिय प्रगति भएको।

पोषण शाखातर्फ

- कुल २६ वटा कार्यक्रममा २१ वटा सम्पन्न र ५ वटा प्रकृत्यामा रहेको।
- ३०० जना सुनैलो हजार दिनका आमाहरूलाई उन्नत तरकारीका विड विजन र कुखुराको चल्ला वितरण।
- ४२ जना वालविकास केन्द्रका सहजकर्ताहरू र १२९ जना वाल संजाल तथा वाल क्लवका सदस्यहरूलाई पोषण सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न।
- २७० जना आमाहरूलाई वालपोषण तथा सामाजिक सुरक्षाको महत्व सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न।
- ९ वटा वडामा पोषण मैत्री वडा निर्माणको लागि अभिमुखीकरण।
- २ वटा वडामा पोषणमैत्री स्थानीय शासन दिगोपनाको लागि अभिमुखीकरण।
- पिपरा अस्पताल, भलवाड स्वास्थ्य चौकि र गजेहडा स्वास्थ्य चौकिमा स्तनपान कक्ष निर्माण।
- १२६ जना कृषकहरूलाई रैथाने वाली सम्बन्धी कार्यक्रम सम्पन्न।
- ५ वटा वडामा १७५ जना आमाहरूलाई पोषण व्यवहार सम्बन्धी अनुशिक्षण।
- वडा न ५ को खोप केन्द्रमा शौचालय निर्माण तथा व्यवस्थापन।
- वडा न ४ र ९ मा ओटिसि केन्द्र स्थापना।
- ६ वटा वडामा २५८ जना आमाहरूलाई खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धी अभिमुखीकरण।
- कोपवा स्वास्थ्य चौकिमा पोषण सम्बन्धी भित्ते लेखन।
- १६ वटा पोषण कर्नर र १९ वटा होडिड बोर्ड निर्माण।
- पोषण प्रोफाइल अध्यावधिक कार्य प्रकृत्यामा।
- कुपोषित बालवालिकाहरूलाई पोषण सामग्री वितरण।
- खाद्यसुरक्षा तथा गुणस्तर परिक्षण अनुगमन सम्पन्न।

खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता (WASH तर्फ)

१. खानेपानी तथा सरसफाई स्वच्छता सम्बन्धी ऐन, २०७८ र खानेपानी तथा सरसफाई स्वच्छता सम्बन्धी नियमावली, २०८० कार्यान्वयनमा रहेको।
२. सुरक्षित खानेपानी युक्त समुदाय पोषणा सम्बन्धी कार्यविधि, २०७९, स्थानीय तहका लागि 'खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता सूचना व्यवस्थापन प्रणाली (WASH MIS)' मार्गदर्शन, २०८१ खुल्ला दिसामुक्त अवस्थाको दिगोपन सम्बन्धी कार्यविधि, २०८१ र हात स्वच्छता कार्यविधि, २०८१ कार्यान्वयनमा रहेका।

६



३. सुरक्षित खानेपानीयुक्त समुदाय घोषणा सम्बन्धी कार्यविधिको आधारमा वडा नं. १ का मान्द्रेली टोल र बुङ्गी बाहेक सबै (७) वटा टोलहरू सुरक्षित खानेपानीयुक्त समुदाय घोषणा भई सकेका छन् । र बाँकी रहेका २ वटा टोलहरूपनि घोषणा उन्मुख अवस्थामा पुगेका छन् ।
४. वडा नं. २ का अधिकांस टोलहरू घोषणा उन्मुख अवस्थामा रहेका छन् । वडा नं. ३ का दुईवटा टोलहरू घोषणा भईसकेका छन् भने वडा नं. ४ का ११ वटा टोलहरू सुरक्षित खानेपानी युक्त समुदाय घोषणा भई सकेको अवस्था छ ।
५. नगरको वास प्लान २०८१ निर्माण भई सकेको र आगामी आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ देखि कार्यान्वयनमा आउने तयारीमा रहेको ।
६. नगरपालिकामा एउटा छुट्टै WASH Unit सञ्चालन गर्ने उद्देश्यका साथ नगरको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण O & M मार्फत खानेपानी तथा सरसफाई प्राविधिकको दरबन्दी समेत स्वीकृत गरी पदपूर्ती गरिएको छ ।
७. आगामी आर्थिक वर्ष देखि WASH Plan अपडेट कार्य स्वतः अनलाईनबाटै हुने हुनाले सरोकारवाला संस्थाहरूलाई प्रथम चरणको NWSHApplication चलाउनको लागि र पाईपलाईन GIS मार्फत अद्यावधिक गर्नको लागि अभिमुखिकरण गराईएको छ ।
८. एक घर एक धारा अभियानलाई स्थानीयकरण गर्दै सफल बनाउन Pilot Phase को रूपमा वडा नं. ४ र ५ का केही विपन्न व्यक्तिहरूको घरधुरीहरूमा धारा जडानको लागि सेवा प्रदायक संस्था, वडा कार्यालय र नगरपालिका बिच त्रिपक्षिय सम्झौता गरी काम कारवाही अगाडी बढाईएको छ ।

अन्त्यमा यस नगरको सामाजिक क्षेत्रको रुपान्तरणमा सहयोग पुर्याउने सरसल्लाह प्रदान गर्ने मार्गदर्शन गर्ने नगर प्रमुख ज्यू, नगर उप प्रमुख ज्यू, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत ज्यू लगायत सम्पूर्ण शुभ चिन्तक एवम् यस क्षेत्रको अभियानमा सहयोग गर्नु हुने आम नगरवासी दाजुभाइ दिदीवैनी विभिन्न संघ संस्था जनप्रतिनिधी ज्यूहरू तथा सामाजिक विकास समिति अन्तर्गत विभिन्न शाखाहरूमा काम गर्ने र नगर पालिकामा कार्यरत सबै राष्ट्रसेवक कर्मचारीहरू सबैमा हार्दिक धन्यवाद दिन चाहन्छु ।



अनुसूची-५(छ)

लेखा समितिको प्रतिवेदन

यस १७ औं नगरसभाका अध्यक्षज्यू, सभाका उपाध्यक्षज्यू, सचिव ज्यू, सम्पूर्ण नगर सभा सदस्यज्यूहरू, सन्चारकर्मीहरू र राष्ट्रसेवक कर्मचारीहरू।

सर्वप्रथम लेखा समितिको संयोजक जस्तो महत्वपूर्ण जिम्मेवारीबाट यस नगरपालिकाको हालसम्मको प्रगति लगायतको विषयमा यस गरिमामय १७औं नगरसभामा प्रस्तुत गर्न पाउँदा निकै खुसिको अनुभव गरेको छु।

बाणगंगा नगरपालिकाले शासन व्यवस्थालाई थप जममुखि, सेवामुखि, जनउत्तरदायि र पारदर्शी तुल्याई सुशासनको प्रत्याभुति दिलाउने सन्दर्भमा स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को परिच्छेद ५ दफा २२ मा नगरसभाले नियमावली बनाई आफ्नो कार्यप्रणालीलाई व्यवस्थित गर्न नगरसभाका सदस्यको संयोजकत्वमा लेखा समिति गठन गर्न सक्ने प्रावधान भएबमोजिम यस नगरपालिकाको १२ औं नगरसभाबाट निर्णय गरी पाँच सदस्यीय लेखा समिति पहिलो पटक गठन भएको र पुनः १७औं नगरसभाको पहिलो अधिवेशनबाट दोस्रो पटक लेखासमिति शंसोधित भएको व्यहोरा अवगत गराउन चाहान्छु।

स्थानीय नेतृत्वको विकास गर्दै स्थानीय शासन पद्धतीलाई सुदृढ गरि स्थानीय तहमा विधायिकी, कार्यकारिणी र न्यायिक अभ्यासलाई संस्थागत गर्न स्थानीय सरकार संचालन गर्ने उद्देश्यले यस नगरपालिकाको स्थापना भएको हो। २३३.६३ बर्ग किलोमिटर क्षेत्रफल मा फैलिएको यस नगरपालिका समुन्द्री सतह १०५ मिटर देखि ४९५ मिटर सम्मको उचाईमा रहेको छ। ११ वटा वडामा विभाजन गरिएको यस नगरपालिकामा विभिन्न जातजातिहरू, धार्मिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक रूपमा रमाउने करिब ९७ हजार जनसंख्या रहेको छ।

नगरपालिकामा स्थानीय सरकार संचालन गर्ने कार्यका लागि सहकारिता, सह-अस्तित्व र समन्वयलाई प्रबर्द्धन गर्नु र स्थानीय सरकारको कार्यमा जनसहभागिता, उत्तरदायित्व, पारदर्शीता सुनिश्चित गरि नागरिकलाई गुणस्तरीय सेवा प्रदान गर्नु नगरपालिकाको उद्देश्य रहेको छ। बाणगंगा नगरपालिकाको आ.व. २०८०/८१ को महालेखा परीक्षकको प्रतिवेदन र अन्य कागजात साथै नगरवासी, वडा कार्यालयहरूबाट प्राप्त जानकारीको आधार लिई यो प्रतिवेदन तयार पारिएको छ।

अध्यक्ष महोदय,

बाणगंगा नगरपालिका नगर कार्यपालिकाको कार्यालय तथा मातहतका विषयगत शाखाहरू र वडा समिति तथा वडा कार्यालयहरूको आर्थिक कृयाकलाप, आन्तरिक तथा अन्तिम लेखापरीक्षण प्रतिवेदन, सार्वजनिक खरिद, जनशक्ति व्यवस्थापन तथा अन्य कारोबारहरू र निति, बजेट तथा कार्यक्रमको विनियोजन आर्थिक कारोबारहरू र बेरुजु फछ्यौट सम्बन्धी कामकारवाही भनि कार्यक्षेत्र तोकिएको र सोही कार्यक्षेत्र भित्र रहि यस समितिले आफ्नो काम कारवाही अगाडी बढाई रहेको जानकारी गराउदै लेखा समितिको राय, सल्लाह, सुझाव र निर्देशन बमोजिम सबल पक्ष, कमजोर पक्ष, अवसर र चुनौतिको सम्बन्धमा सभाध्यक्षज्यू मार्फत यस सभालाई जानकारी गराउन चाहान्छु।

सबल पक्ष:

१. बाणगंगा नगरपालिकाले सिंहदरवारको अधिकार घर,घरमा पुर्याउन, जनताका आवाजहरूलाई छिटो, छरितो, सरल, सहज, सेवा, सुविधा उपलब्ध गराउन प्रयत्नशिल हुनु।
२. आर्थिक व्यवस्थापनमा कम्प्यूटर, सफ्टवेयर, कार्यालय व्यवस्थापन, नगरपालिकाको आफ्नै भवन रहनु र वडा कार्यालयहरू निर्माण हुनु।
३. नगरपालिकाभित्र शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी तथा सरसफाई, बनजंगल, पर्यटन साथै अन्य भौतिक पूर्वाधारको विकासमा सकारात्मक परिवर्तन आउनु।
४. आय-आर्जन, गरिबी न्यूनिकरण, विपन्न समुदाय लक्षित कार्यहरूमा समेत उल्लेखनिय सकारात्मक परिवर्तन आउनु।
५. नगरवासीहरूप्रति स्रोत साधनका उपलब्धताको आधारमा पुर्याएको सेवा साथै नगरपालिकाबाट हुने अनुगमन, मुल्याडन जस्ता कार्यहरू प्रभावकारी तवरबाट हुनु।

कमजोर पक्ष:

- नगरपालिका भित्रका सबै उद्योग, व्यवसायहरूलाई करको दायरा भित्र ल्याउन नसक्नु।
- नगरपालिका भित्रका नागरिकहरूलाई उत्पादनमुलक र रोजगारी सिर्जना हुने कार्यहरू यथेष्ट नहुनु।



- नगरपालिकामा साना र वितरणमुखी योजनाहरू संचालन हुदा संचालित योजनाबाट दिर्घकालिन प्रतिफल प्राप्त नहुनुका साथै चालु प्रकृतिका खर्चमा वृद्धि भई लागत प्रभावी नहुनु।
- पालिकाले सार्वजनिक खरिद ऐन २०६३ र नियमावली २०६४ बमोजिम बार्षिक खरिद योजना र गुरुयोजना नबनाई खरिद कार्य हुनु।
- लेखापरीक्षणको प्रतिवेदनमा औल्याएका बेरुजुको पिषयहरू समयमै सम्परीक्षण वा फछ्यौट हुन नसक्नु।
- नाफामूलक, निजि संस्था तथा गैर सहकारी संस्थाहरूको सुविधाको लागि लगानी गरीएको खर्चमा बेरुजु कायम रहनु।

अवसरहरू

- संघिय सरकार, प्रदेश सरकार बाट प्राप्त अनुदानलाई सहि सदुपयोग गरी अनुदानप्राहिको जिवनस्तरमा सकारात्मक परिवर्तन ल्याउन सकिने।
- नगरपालिकाले स्पष्ट कार्ययोजना, नियमित छलफल र अन्तरक्रिया, कर्मचारी उत्प्रेरणा, प्रभावकारी अनुगमन/मुल्याङ्कन, लेखापरीक्षण प्रतिवेदनको पालना र अभिलेख श्रेस्ताको व्यवस्थापन प्रभावकारी तवरबाट भएमा बेरुजु शुन्य गर्न सकिने।
- पालिका भित्रका वडाहरूमा खाद्यान्न बालि, तरकारी खेती, पशुपालन, बाख्रापालन, कुखुरापालन, माहुरीपालन, फलफुल तथा जडिबुटी लगायत अर्गानिक खेति प्रणालीको निम्ति पकेट क्षेत्रको रुपमा विकास गर्न सकिने।
- विभिन्न जातजातिको कर्मथलो धार्मिक, सांस्कृतिक, विविधापूर्ण समाज भएको हुँदा यस नगरपालिकालाई विकासको निम्ति अवसरको रुपमा लिन सकिन्छ।

चुनौतीहरू

- लेखापरीक्षण प्रतिवेदनमा उल्लेखित बेरुजु समयमै सम्परीक्षण तथा फछ्यौट हुन नसक्नु।
- बेरुजु बर्गिकरण गरी असुल उपर गर्नुपर्ने बेरुजु यथाशिघ्र असुल उपर गर्नको लागि सम्बन्धित व्यक्ति वा पक्षलाई पत्राचार गर्ने गरिएको भएतापनि समयमै असुल उपर हुन नसक्नु।
- महालेखापरीक्षकको कार्यालयबाट खटिई आउने डोर समक्ष सम्परीक्षणको लागि श्रेस्ता कामजात पेश गर्दा फछ्यौट गर्न मिल्ने रीत पुर्वकको श्रेस्ता कागजात मात्र पेश गरी फछ्यौट गराउँदा पनि सम्परीक्षण हुन नसक्नु।
- सभाबाट स्वीकृत भएको बजेट खर्च गर्दा नियमितता, मितव्ययिता, कार्यदक्षता, प्रभावकारीता र औचित्यता कायम गर्न आवश्यक व्यवस्था रहँदा पनि कार्यान्वयनमा कमजोर देखिनु।
- प्रचलित कानून, स्थानीय सरकार संचालन ऐन २०७४, आर्थिक ऐन २०७७, सार्वजनिक खरिद ऐन २०६३ तथा नियमावली २०६४, भ्रमण खर्च नियमावली २०६४, आयकर ऐन २०५८, आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ तथा नियमावली, २०७७ को पूर्ण परिपालनामा अभाव रहनु।

अध्यक्ष महोदय

अब म लेखा समितिको प्रतिवेदनलाई संक्षिप्त रुपमा प्रस्तुत गर्न चाहान्छु।

- प्रचलित ऐन नियमको परिपालना, आन्तरिक नियन्त्रण व्यवस्था, सम्पत्तिको संरक्षण, स्रोत साधनको प्राप्ति र उपयोग, बजेट व्यवस्थापन र राजस्व संकलन, सार्वजनिक खरिद व्यवस्थापन, कार्यक्रम स्वीकृति एवं कार्यान्वयन, उपभोक्ता समितिलाई अनुदान वितरण तथा अनुगमन र सेवा प्रवाह लगायतका विषयमा सुधार गर्नुपर्ने देखिएका छन्।
- बाणगंगा नगरपालिकाका कृयाकलापहरूलाई सफलता पुर्वक कार्यान्वयनमा लैजान का लागि "समृद्ध बाणगंगाको मूल आधार, आर्थिक सामाजिक रुपान्तरण सहितको पूर्वाधार " भन्ने अभियानलाई मूर्तरुप दिन तत् क्षेत्रमा लगानी वृद्धि गर्न आवश्यक छ। सुशासनको मूल मर्म वित्तीय सुशासन, भएकाले यसलाई आत्मसाध गर्न सबैमा अनुरोध छ।

अब म नगरपालिकाको वित्तीय परीक्षणको अवस्था जानकारी गराउँदछु।



बेरुजुको अवस्था:

- महालेखापरीक्षकको कार्यालय लुम्बिनी प्रदेश प्रादेशिक लेखापरीक्षण महानिर्देशानलयको चलानी नं ६९२ मिति २०८२/२/११ को यस नगरपालिकामा प्राप्त पत्रानुसार आ.व. २०८०/८१ को लेखापरीक्षण भई अन्तिम प्रतिवेदनमा औल्याएका बेरुजुहरू मध्ये असूल गर्नुपर्ने बेरुजु रु १५ हजार ६ सय ८७ रुपैया र नियमित गर्नुपर्ने बेरुजु रु २ करोड ३१ लाख ९५ हजार ९ सय ८ रुपैया गरी जम्मा बेरुजु रु. २ करोड ३२ लाख ११ हजार ५ सय ९६ रुपैया र हालसम्मको जम्मा अध्यावधिक बेरुजु रु १५ करोड १३ लाख ११ हजार ७ सय ४१ रुपैया कायम भई आएको व्यहोरा अवगत गराउन चाहान्छु ।
- आ.व २०७७/७८, २०७८/७९ र २०७९/८० को बेरुजु रकम रु ४ करोड ४७ लाख ७९ हजार ८ सय ४ रुपैया आ.व. २०८०/८१ को महालेखापरीक्षकको अन्तिम प्रतिवेदनमा सम्परीक्षण भई आएको जानकारी गराउँदछु ।
- महालेखापरीक्षकको कार्यालयबाट जारी आ.व.२०८०/८१ सम्मको लेखापरीक्षण प्रतिवेदनमा औल्याईएका विषयवस्तुहरू बमोजिम वित्तिय विवरण तथा कारोबारको यथार्थ चित्रण गरी वित्तिय सुशासनका लागि गहन सुझाव पेश भएकोमा बाणगंगा नगरपालिकाको कार्यालयबाट लेखा परीक्षण प्रतिवेदनमा उल्लेख भएका विषयहरू नियमित गर्ने आ.व.२०८०/८१ को रु २ करोड ३१ लाख ९५ हजार ९ सय ८ रुपैया, आ.व.२०७९/८० को ८५ लाख ८५ हजार ८ सय ८ रुपैया र आ.व.२०७८/७९ को १ करोड ६९ लाख ८० हजार ३ सय ३८ रुपैया गरी जम्मा रु ४ करोड ८७ लाख ६२ हजार ५४ रुपैया बेरुजु सम्परीक्षण / फछ्यौट गर्न महालेखा परीक्षकको कार्यालयसमक्ष पेश गर्नुपर्ने देखिन्छ ।
- नगरपालिकाले म.ले.प. प्रतिवेदनबाट औल्याएको हालसम्मको म.ले.प. फारम बमोजिमको लगत कायम गर्दा सैद्धान्तिक बेरुजु, कागजात प्रमाण पेश गर्नुपर्ने बेरुजु र नियमित गर्नुपर्ने बेरुजु करिब रु १२ करोड ५६ लाख ९९ हजार ७ सय ७४ रुपैया र असूल उपर गर्नुपर्ने बेरुजु करिब २ करोड २ लाख १४ हजार ४ सय ८० रुपैया कायम रहेकोमा असूल उपर गर्नुपर्ने बेरुजुहरू एथासक्य छिटो असूल गर्ने र अन्य बेरुजुहरूको हकमा आवश्यक पर्ने कागजात, प्रमाणहरू पेश गरी नियमित, शोध भर्ना र जिम्मेवारी सारि बेरुजु फछ्यौट गरी सम्परीक्षणको लागि पेश गर्नुपर्ने व्यवहोरा अवगत गराउन चाहान्छु ।

अध्यक्ष महोदय,

बेरुजु न्युनिकरण तथा कम गर्न सक्ने उपाय सम्बन्धमा तपशिलका बुदाहरूमा उल्लेख गर्न चाहान्छु:

- बाणगंगा नगरपालिकाको कार्यसम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन भत्ता उपलब्ध गराउने कार्यविधि २०७५ रहेको भएतापनि प्रत्येक आर्थिक वर्षमा बेरुजु आएको हुँदा कार्यविधिलाई पुर्ण कार्यान्वयन तथा कार्यपालिकाको निर्णय समावेश गराएमा बेरुजु आउने जोखिम कम गर्न सकिन्छ,
- नाफामूलक निजी स्तरमा संचालन भएका एफ.एम. रेडियो तथा टेलिभिजनको सुविधाको लागि गरीएको खर्चमा बेरुजु आउने जोखिम रहेकाले यस्ता खर्चहरूमा नियन्त्रण गर्दै लैजाने,
- संघिय सरकार सशर्त अनुदान र विशेष अनुदानबाट संचालित भएका योजनामा आर्थिक वर्षको अन्त्यमा रकम फिर्ता गर्न ढिलाई गरी विद्यालयको खातामा रोक्का राखी निकास दिँदा बेरुजु आउने जोखिम रहेको छ सो मा सुधार गर्दै लैजाने,
- विषयगत क्षेत्रमा संचालन हुने कार्यक्रममा बैठक भत्ता, भ्रमण भत्ता, तालिम, गोष्ठीतर्फ तोकिएको दररेटका आधारमा खर्च गर्ने र वितरणमुखी कार्यक्रममा नियन्त्रण गर्दै जानुपर्ने,
- फरक नम्सका आधारमा बढि भुक्तानी भएकोले नेपाल सरकारद्वारा स्वीकृत निर्माण सम्बन्धी नम्सका आधारमा दर विश्लेषण गरी निर्माण कार्य गराउनु पर्छ । र उपभोक्ता समितिद्वारा कार्य गराउदा दर विश्लेषण पश्चात तयार भएको लागत अनुमान बमोजिम सम्झौता र भुक्तानी गर्नुपर्दछ ।
- कारोबारमा नियमितता, मितव्ययिता कार्यदक्षता र प्रभावकारीता कायम गर्ने / गराउने ।
- आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली स्थापना र कार्यान्वयन गर्ने / गराउने ।
- लेखा परीक्षकलाई सूचनामा सहज पहुँचको व्यवस्था मिलाउने ।



- नगर सभाले पारित गरेको तालिम, गोष्ठी लगाएतका सबै कार्यक्रमहरूको आर्थिक नम्स पालना गर्ने ।
- स्पष्ट विषयवस्तु र कार्ययोजना बेगर कार्यालय समयमा एकै निकायका कर्मचारी तथा पदाधिकारी मात्र बस्ने बैठकमा बैठक भत्ता उपलब्ध नगराउने ।
- प्रचलित कानून, स्थानीय सरकार संचालन ऐन २०७४, आर्थिक ऐन २०७७, सार्वजनिक खरिद ऐन २०६३ तथा नियमावली २०६४, भ्रमण खर्च नियमावली २०६४, आयकर-ऐन २०५८, आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ तथा नियमावली, २०७७ को पूर्ण परिपालना र कार्यान्वयन गर्नुपर्ने ।

अब म,

महालेखा परीक्षकबाट नियमित गर्नुपर्ने निर्देशन प्राप्त भएका विषयवस्तुहरूमा बाणगंगा नगरपालिकाको लेखा समितिको कार्य सम्पादन कार्यविधि २०८० को परिच्छेद २, ६(७) बमोजिम विभिन्न शिर्षक अनियमित भएको भनी उल्लेख भएको रकम रु ४ करोड ८७ लाख ६२ हजार ५४ रुपैया नियमित गर्न पर्ने बाञ्छनिय भएकाले उक्त प्रस्ताव पेश गरेको छु ।

➤ नियमित गर्नुपर्ने उक्त विषयवस्तु अनुसूची १ मा उल्लेख छः

अन्त्यमा, महालेखापरीक्षकबाट देखाएका बेरुजु फछ्यौट, असुली र नियमित गर्ने पहिलो दायित्व वा जिम्मेवारी बेरुजुसँग सम्बन्धित जिम्मेवार व्यक्ति तथा आर्थिक कारोबारमा संलग्न पदाधिकारीको भएता पनि बेरुजु शुन्य एवं न्यून गर्न नगरपालिकाले आवश्यक पहल एवं समन्वय गर्नु/गराउनु पर्ने छ । महालेखापरीक्षणको कार्यालयबाट स्वीकृत व्यवस्थापकीय पक्ष, वित्तीय व्यवस्थापन, सेवा प्रवाह, खरिद व्यवस्थापन, विकास निर्माणका आधारमा स्वीकृत गरेको कार्यालय, निकायको वित्तीय जवाफदेहितामा थप प्रयत्न गरी नगरपालिकाले लिएको "समृद्ध बाणगंगाको मूल आधार, आर्थिक सामाजिक रुपान्तरण सहितको पूर्वाधार" लक्ष्य प्राप्त गर्दै "समृद्ध नेपाल खुसि नेपाली" को राष्ट्रिय नारा लाई साकार रूप दिन सफलता मिलोस सुभकामना व्यक्त गर्न चाहन्छु ।

धन्यवाद ।

नमस्कार ॥



अनुसूची-६

समसामयिक तथा सार्वजनिक महत्वका प्रस्तावहरू

नगरसभा अध्यक्षज्यू, सभा उपाध्यक्षज्यू, सभाका सचिवज्यू, सम्पूर्ण वडा अध्यक्षज्यूहरू, कार्यपालिका सदस्यज्यूहरू, सम्पूर्ण नगरसभा सदस्यज्यूहरू, राष्ट्रसेवक साथीहरू एवम् सुरक्षाकर्मी साथीहरू;

म यस गरिमामय नगरसभामा सार्वजनिक महत्वको प्रस्तावहरूको लागि फोलोर पाउँदा अत्यन्त हर्षित छु । बाणगङ्गा नगरपालिकाले प्राथमिकतामा राखी कार्यक्रम गर्नुपर्ने सार्वजनिक महत्वका प्रस्तावहरू निम्नानुसार प्रस्तुत गर्न चाहन्छु ।

सार्वजनिक महत्वका प्रस्तावहरू

- १ मौसम विज्ञान विभागले यस वर्षको मनसुन लामो समय हुने प्रक्षेपण गरेकोले बाढी, डुवान नियन्त्रण तथा जोखिम न्यूनीकरण गर्न सम्भावित टोल, बस्तीमा तत्काल अनुगमन गरी आवश्यक तयारी गर्नु पर्ने देखिन्छ । साथै समय समयमा हुने शितलहर, खडेरी, आगलागी, बाढी, डुवान जस्ता विपद्का घटनाहरूलाई समयमै कम भन्दा कम क्षति हुनेगरी हुनसक्ने विपद् व्यवस्थापनको पूर्वतयारी अत्यन्तै आवश्यक देखिन्छ । निजी तथा सार्वजनिक संरचनाहरू निर्माण गर्दा पर्याप्त पानीको निकास हुने गरी निर्माण गर्न त्यसको निगरानी हुनु जरुरी छ ।
- २ लागु औषध दुर्व्यसनी एउटा मन्द विषको रूपमा फैलिँरहेको र भविष्यमा यसलाई नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन गर्न ठूलो आर्थिक व्यय हुने सम्भावना सहित विकराल स्थिति देखा परेको छ । विभिन्न चोरी, डकैती, हत्या, हिंसा, बलात्कार जस्ता जघन्य अपराधका घटनाहरू बढ्नुमा पनि लागु औषध दुर्व्यसनीको प्रभाव रहेको छ । यसलाई अझ प्रभावकारी बनाई बेलैमा नियन्त्रण गर्न र यस विषयमा गम्भिर हुन समस्त सरोकारवालाहरू, राजनीतिक दल र जनप्रतिनिधि लामो आवश्यक छ ।
- ३ बाणगङ्गा नगरपालिकालाई राष्ट्रिय स्तरमै अब्बल बनाउन दीगो विकास लक्ष्यका सबै सूचकहरूलाई स्थानीयकरण गर्दै जाने गरी कार्यक्रमहरू ल्याउन आवश्यक छ ।
- ४ बाणगङ्गा नगरपालिकाको मुख्य समस्याको विषय रहेको फोहोरमैला व्यवस्थापन नीति तथा बजेटमा यो विषयले प्राथमिकता पाउने गरेको भएतापनि हालसम्म स्थायी रूपमा समाधान हुन नसक्दा अझपनि केही केही जनताको गुनासो आउने गरेको छ । यसलाई छिटो भन्दा छिटो दिर्घकालिन व्यवस्थापन गर्न अत्यावश्यक छ र यसलाई सबै वडाहरूले उत्तिकै प्राथमिकता पनि दिनुपर्ने र म सफा गर्छु मेरो नगर, मेरो टोल कार्यक्रमलाई प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड दिनु पर्ने देखिन्छ ।
- ५ आकस्मिक रूपमा आउने विपद्का कारण गरिब दुःखीहरूको स्वास्थ्यमा प्रभाव नपरोस् भन्ने हेतुले यस क्षेत्रका सम्बन्धित सरोकारवाला सबैले जनधनको न्यूनीकरण गर्न अपनाउनुपर्ने कार्ययोजना बनाई लागु गर्न आवश्यक रहेको र वर्षाको समयमा हुने डेङ्गु लगायतका मौसमी रोगहरूबाट सुरक्षित हुन, सम्भावित क्षतिबाट रोक्न सम्पूर्ण स्वास्थ्य संस्थाहरूलाई तयारी अवस्थामा राख्नु पर्ने देखिन्छ ।
- ६ स्वच्छ खानेपानी सेवाको हिसावले र सरसफाईको हिसावले हामी बाणगङ्गा नगरपालिका अन्य पालिकाको तुलनामा धेरै अगाडी बढेका छौं । यसलाई सबै घरघुरीहरूमा स्वच्छ खानेपानी प्रदान गर्ने पहिलो नगरपालिका बनाई अभिलेखमा स्थापित गर्न आवश्यकता रहेको छ ।
- ७ हालको स्रोत साधनको प्रयोग गर्दै भविष्यका सन्ततीहरूलाई समेत स्रोत साधनको उपयोगको ग्यारेण्टीको व्यवस्था गर्नु हामी सबैको कर्तव्य हुन आउछ । यसैले चातारणमैत्री स्थानीय सरकार बनाउनका लागि टोल टोल वडा वडाहरूबाट पूर्ण सरसफाईका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्न समुदाय, टोल, वडा घोषणाको लागि कार्यक्रमहरू ल्याउन अत्यावश्यक देखिन्छ ।
- ८ कृषि क्रान्तिको अवधारणालाई कार्यान्वयन गर्न नगरभित्र रहेका साझेदारी वन, सामुदायिक र सार्वजनिक वनहरूसँगको समन्वय, सहकार्य र लागत सहभागितामा हरेक समुदायहरूलाई कृषिमा जोड्दै आर्थिक उत्पादनमुखी नगर र नगर समृद्धि

BV

[Signature]

[Signature]



तर्फ जोड दिन आवश्यक देखिन्छ । साथै किसान दाजुभाईले बर्षभरी खाने र व्यवसायिक रूपमा खेती गर्न आवश्यक रासायनिक मलको चरम अभाव हुने र सहकारी संस्था मार्फत वितरण हुने रासायनिक मलको वितरण प्रकृतिलाई पारदर्शिता र किसान मैत्री वातावरणमा विना झन्जट सरल तरिकाले वितरण हुने व्यवस्था मिलाउन आवश्यक देखिन्छ ।

- ९ बढ्दो प्रविधिको उपयोगका कारण जनप्रतिनिधि एवम् कर्मचारीहरू प्रविधिमा अनविज्ञ नहुन भन्ने उद्देश्यका साथ समय समयमा प्रविधि प्रयोग सम्बन्धी प्रशिक्षण जस्ता कार्यक्रमको आयोजना गर्नुपर्ने देखिन्छ ।
- १० समुदायमा वित्तीय पहुँच अभिवृद्धि, स्थानीय उद्यमशिलता प्रवर्द्धन, महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व तथा क्षमता विकास गदैं बेरोजगारी न्यूनीकरणमा सहकारीको भूमिकालाई सशक्त बनाउदै नगरको आर्थिक समृद्धि हासिल गर्ने तर्फ विशेष ध्यान दिनुपर्नेछ ।
- ११ बाणगङ्गा नगरपालिका पूर्ण साक्षर नगरपालिका भएकोले क्षमता विकास सम्बन्धी गैरउपलब्धी मूलक तालिम तथा कार्यक्रमहरू भन्दा सीपमूलक तालिम कार्यक्रमहरूलाई प्राथमिकता दिँदै नगरभित्र रहेका बेरोजगारहरूको संख्या घटाउदै स्वरोजगार प्रवर्द्धन योजना र कृषि तथा हस्तकला उद्योगको प्रवर्द्धन गदैं स्थानीय रूपमा उत्पादित सामानहरूको बजार व्यवस्थापन र निर्यात बढाउनेतर्फ नगर उन्मुख हुने साथै अन्तर-पालिका सहकार्य गदैं अत्यावश्यक वस्तुहरूको बजार अनुगमन र मुल्य नियन्त्रणको पहल गर्नुपर्ने आवश्यक देखिन्छ ।
- १२ नगरपालिका क्षेत्रभित्र रहेका ऐतिहासिक, धार्मिक र पर्यटकीय स्थलहरूलाई विकास तथा प्रवर्द्धन गरी आन्तरिक र बाह्य पर्यटक आकर्षित गर्ने योजनालाई प्राथमिकतामा राख्नुपर्ने आवश्यक देखिन्छ । नगरको पर्यटन विकास गुरुयोजनाले निर्दिष्ट गरेका योजना तथा कार्यक्रमहरूलाई प्राथमिकता दिँदै वार्षिक योजनामा समावेश गर्नुपर्दछ ।
- १३ नगरपालिकाका प्रशासनिक, विकासोन्मुख तथा अन्तर-निकाय समन्वयका गतिविधिहरूलाई नीति, विधि र प्रविधिमा रूपान्तरण गरी नगरवासीको खुसीयाली अभिवृद्धि गदैं “ब्राण्ड बाणगङ्गा विलिभ बाणगङ्गा” अभियानलाई साकार रूप दिन समस्त सरोकारवालाहरू, राजनीतिक दल र जनप्रतिनिधि लाग्न आवश्यक छ ।

सभा अध्यक्षज्यू, सभा उपाध्यक्षज्यू, सचिवज्यू र नगरसभा सदस्यज्यूहरू,

यी सार्वजनिक महत्वका प्रस्तावहरूलाई अवकाश दिनमा मुख्य प्राथमिकतामा राख्नु आवश्यक रहेको छ जसले सिंगो नगरपालिकाको विकास निर्माण तथा सामाजिक परिवर्तनमा ठूलो मद्दत पुग्नेछ भन्ने विश्वास लिएको छु ।

अन्त्यमा यी समसामयिक तथा सार्वजनिक महत्वका प्रस्तावहरूलाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्न समस्त सरोकारवाला, राजनीतिक दल, जनप्रतिनिधि, राष्ट्रसेवक कर्मचारीहरू संघ संस्था एवम् सम्पूर्ण नगरवासीहरूको आ-आफ्नो तह र तप्काबाट जिम्मेवारीपूर्वक लाग्नुहुनेछ र “समृद्ध बाणगङ्गाको मूल आधार, आर्थिक सामाजिक रूपान्तरण सहितको पूर्वाधार” भन्ने अवधारणा साकार हुनेछ भन्ने पूर्ण विश्वास सहित विदा हुन चाहन्छु ।

धन्यवाद, नमस्कार ।



१७औं नगरसभाको विभिन्न बैठकहरूमा नगरसभा सदस्यहरूबाट उठेका विषयवस्तुहरू

१. ज्ञान बहादुर कार्की

- ✓ १७औं नगरसभाबाट विनियोजित बजेटमा वडा नं. ५ लाई कम बजेट
- ✓ सामुदायिक भवनको व्यवस्थापन जरूरी थियो
- ✓ जीवनास हलमा बजेट व्यवस्थापन गरिएको भए राम्रो

२. ईमकला के.सी.

- ✓ स्वास्थ्य शिक्षा जस्तो सम्बेदनशिल क्षेत्रमा बजेट अप्रयाप्त
- ✓ कोटियामा कल्भर्ट निर्माण सम्नोधन
- ✓ उत्तरचेतिया देखि दक्षिण चेतियामा बजेट व्यवस्थापन
- ✓ फर्लवा बाँध मर्मतसम्भारको लागि संबोधन
- ✓ नेपाल चोकको हाटवजार व्यवस्थापनको लागि बजेट संबोधन

३. टोपकला बि.सी.

- ✓ दुर्गा मन्दिर व्यवस्थापनलाई प्राथमिकता दिनुपर्ने
- ✓ खोलाको जोखिम न्यूनिकरणको बजेट आउन
- ✓ पोखरी ड्याम निर्माण दिर्घकालिन योजनामा समावेश गर्नुपर्ने
- ✓ उद्योग कारखाना
- ✓ टोल विकासको खर्च व्यवस्थापन उपलब्धतामा सरलीकरण
- ✓ विपद कोषमा महिला, अपाङ्गता र असाहायलाई सम्बोधन गर्नुपर्ने
- ✓ प्लाष्टिक प्रयोगलाई न्यूनिकरण र टोल सौन्दर्यीकरण

४. रामशंकर थारु

- ✓ नगरले बजेट विनियोजन गर्दा वडा नं. १० ले कम प्राथमिकता पाएको
- ✓ पूर्व कोठी देखि प्रगती नगरसम्मको सडकलाई सम्बोधन भएन
- ✓ तटबन्धको व्यवस्थापन
- ✓ प्रदेशको बजेट विनियोजनमा वडा नं. १० छुट्टयो
- ✓ टोल विकास थप भएन २ वटा थप गर्नुपर्ने

५. प्रेम बहादुर रौतार

- ✓ कोठीनदी क्षेत्रमा रहेको गौशाला हाल भएका चौपायाको तुलनामा धेरै सानो भयो ।
- ✓ साँढे बन्ध्याकरण गर्ने कार्यक्रम हुनुपर्ने
- ✓ टोल विकास संस्थालाई केही सुविधा

अब म आ.व. २०८२।८३ को लागि श्रोत अनुमान समितिबाट अनुमान गरेको देहाय बमोजिमको आय अनुसार तपसिल बमोजिम व्ययको विवरण यस सम्मानित सभामा पेश गर्दछु।



आयतर्फः

| क्र.स | शीर्षक | रकम |
|-------|------------------------------|----------------|
| १ | संघ समानीकरण | १९,३८,००,००० |
| २ | संघ राजस्व | १६,२०,००,००० |
| ३ | प्रदेश समानीकरण | १,३४,३०,००० |
| ४ | प्रदेश राजस्व | १,६०,००,००० |
| ५ | आन्तरिक प्राकृति श्रोत | ३,००,००,००० |
| ६ | आन्तरिक मालपोत रजिस्ट्रेशन | ५,००,००,००० |
| ७ | आन्तरिक अन्य + अल्या समेत | १९,९८,२६,९९२ |
| ८ | संघीय शसत | ५०,०२,००,००० |
| ९ | संघीय समपुरक | ९१,००,००० |
| १० | संघीय विरोष | ९०,००,००० |
| ११ | प्रदेश शसत | २,००,००,००० |
| १२ | प्रदेश विशेष | ३०,००,००० |
| १३ | प्रदेश समपुरक | १,५०,००,००० |
| १४ | सामाजिक सुरक्षा | ४९,६९,४३,००८ |
| १५ | सडक बोर्ड | ६५,००,००० |
| १६ | अन्य संस्थागत आन्तरिक अनुदान | ४,००,००,००० |
| १७ | जिल्ला समन्वय समिति | ४०,००,००० |
| | जम्मा | १,७६,८०,००,००० |

व्ययतर्फः

| क्र.स. | शीर्षक | विनियोजन |
|--------|--------------------------------------|----------|
| १ | आर्थिक विकास | ८६२९५ |
| १ | कृषि | ३६३०० |
| २ | उद्योग | ३७५० |
| ३ | पर्यटन | ३७७५ |
| ४ | सहकारी | ४६०० |
| ५ | जलश्रोत तथा सिंचाई | १२३२५ |
| ६ | बन | ४००० |
| ७ | पशुपन्छी विकास | १६०४५ |
| ८ | भूमि व्यवस्था | ५५०० |
| २ | सामाजिक विकास | ६०१२९५ |
| १ | सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण | ३५७८ |
| २ | युवा तथा खेलकुद | ७४३३ |
| ३ | खानेपानी तथा सरसफाई | ४४८० |
| ४ | भाषा तथा संस्कृति | ७०३० |
| ५ | शिक्षा | ४००२९९ |
| ६ | स्वास्थ्य | १३२४३५ |
| ७ | लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण | ४२२९७ |
| ८ | जनसंख्या तथा बसाईसराई | ३७५० |
| ३ | पूर्वाधार विकास | ३६८१०६ |
| १ | यातयात पूर्वाधार | २२८२५४ |
| २ | भवन, आवास तथा सहर विकास | १२३७९३ |
| ३ | उर्जा | २१३० |

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

| क्र.सं. | शीर्षक | अनुमानित व्यय |
|---------|-------------------------------------|---------------|
| ४ | संचार तथा सूचना प्रविधि | ५७५० |
| ५ | बिज्ञान तथा प्रविधि | ७० |
| ६ | सम्पदा पूर्वाधार | ८१०१ |
| ४ | सुशासन तथा अन्तरसम्बन्धित क्षेत्र | ७२५३ |
| १ | शासन प्रणाली | ७०० |
| २ | प्रशासकीय सुशासन | ५० |
| ३ | वित्तीय सुशासन | ११० |
| ४ | तथ्यांक प्रणाली | ५०० |
| ५ | विपद व्यवस्थापन | ३९३ |
| ५ | कार्यालय सञ्चालन तथा प्रशासनिक | १९६९०८ |
| १ | कार्यालय सञ्चालन तथा प्रशासनिक | १९६९०८ |
| | कुल बजेट (सा.सु. र सडक बोर्ड बाहेक) | १२५९८५७ |
| | सामाजिक सुरक्षा | ५०१६४३ |
| | सडक बोर्ड | ६५०० |
| | कुल बजेट | १७६८००० |

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]